

भारतीय रिज़र्व बैंक
बुलेटिन



जुलाई 2020

खंड 74 अंक 7

संपादन समिति
राजीव रंजन
डी. पी. रथ
सितीकांत पट्टनाईक
जी. पी. सामंता
एस. गंगाधरन
पल्लवी चव्हाण
स्नेहल हेरवाडकर

संपादक
शशीधर एम. लोकरे

भारतीय रिज़र्व बैंक बुलेटिन संपादकीय समिति के निर्देशन में आर्थिक और नीति अनुसंधान विभाग द्वारा मासिक आधार पर प्रकाशित किया जाता है। इसमें व्यक्त व्याख्याओं और विचारों के लिए बैंक का केंद्रीय निदेशक मंडल उत्तरदायी नहीं है। हस्ताक्षरित लेखों में व्यक्त विचारों के लिए लेखक स्वयं उत्तरदायी हैं।

© भारतीय रिज़र्व बैंक 2020

सर्वाधिकार सुरक्षित।
सामग्री के पुनः प्रयोग की अनुमति है,
बशर्ते स्रोत का उल्लेख किया जाए।

बुलेटिन के सदस्यता शुल्क के लिए कृपया “भारतीय रिज़र्व बैंक के हाल के महत्वपूर्ण प्रकाशन” खंड देखें।

भारतीय रिज़र्व बैंक बुलेटिन को इंटरनेट के माध्यम से
<http://www.bulletin.rbi.org.in> पर भी देखा जा सकता है।

विषय-वस्तु

लेख

भारतीय अर्थव्यवस्था के वित्तीय स्टॉक और प्रवाह: 2016-17 से 2018-19	1
कोविड-19 काल में चलनिधि प्रबंधन : कैसे रहे नतीजे	15
बिग डेटा तकनीकों से आवास मूल्य सूचकांक का संकलन	35
वर्तमान सांख्यिकी	43
हाल के प्रकाशन	89
अनुपूरक	
वित्तीय स्थिरता रिपोर्ट: जुलाई 2020	

लेख

भारतीय अर्थव्यवस्था के वित्तीय स्टॉक और प्रवाह:
2016-17 से 2018-19

कोविड-19 काल में चलनिधि प्रबंधन :
कैसे रहे नतीजे

बिग डेटा तकनीकों से आवास मूल्य सूचकांक का संकलन

भारतीय अर्थव्यवस्था के वित्तीय स्टॉक और प्रवाह: 2016-17 से 2018-19*

2018-19 के दौरान अर्थव्यवस्था के समग्र वित्तीय संसाधन शेष में कमी आई क्योंकि गैर-वित्तीय निगमों के निवल उधार में वृद्धि हुई और हाउसहोल्ड्स की बचत में कमी आई। अन्य निक्षेपागार निगमों के तुलन पत्र संकुचित हुए, क्योंकि हाउसहोल्ड्स जमाराशियों के बदले में अन्य प्रतिस्पर्धी वित्तीय लिखतों को पसंद करने लगे। सामान्य सरकार और सरकारी गैर-वित्तीय निगमों की वित्तीय निवल मालियत अत्यधिक ऋणात्मक होती गई। शेष विश्व से उधार लेने और देने के मामले में भारत निवल उधारकर्ता बना रहा।

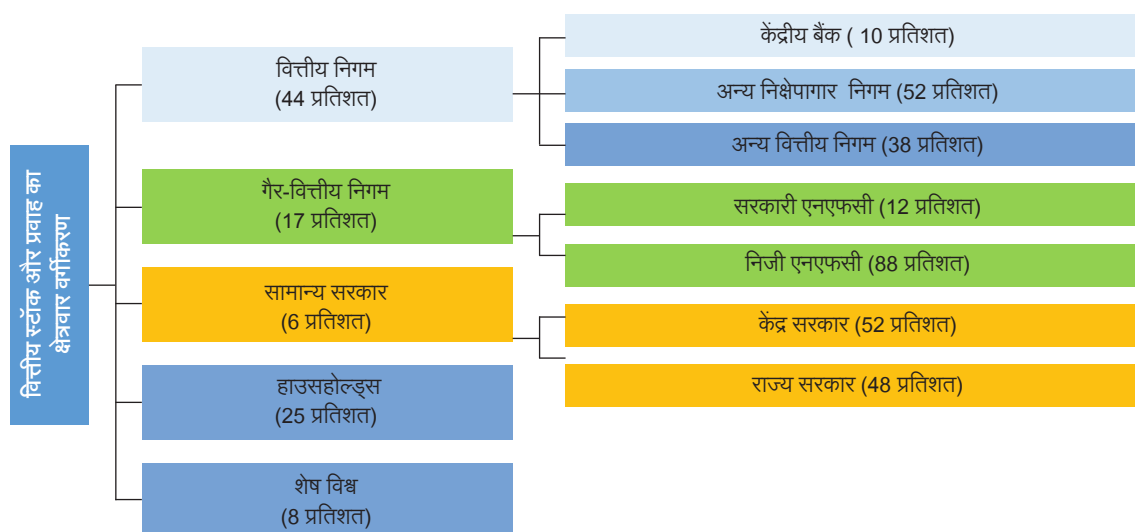
परिचय

भारतीय अर्थव्यवस्था का वित्तीय स्टॉक और प्रवाह (एफएसएफ) खाता 'किससे-किसको' (एफडब्ल्यूटीडब्ल्यू)

आधार पर वित्तीय लिखतों के माध्यम से क्षेत्र-वार बकाया स्थिति और लेनदेन प्रस्तुत करता है। भारतीय रिज़र्व बैंक (आरबीआई) 1964¹ से भारतीय अर्थव्यवस्था के धन प्रवाह (एफओएफ) खातों का संकलन और प्रकाशन कर रहा है। एफएसएफ खाता संपदा और वित्तीय क्षेत्रों के बीच पारस्परिक प्रभाव तथा अर्थव्यवस्था में वित्तीय विकास के स्तर का पता लगाता है। यह वित्तीय निधियों के स्रोतों और उपयोगों तथा क्षेत्रवार वित्तीय शेष के संचलनों के संबंध में अंतर्दृष्टि भी प्रदान करता है।

एफएसएफ खाता संयुक्त राष्ट्र के राष्ट्रीय खाता 2008 (एसएनए 2008) के अनुरूप पांच संस्थागत क्षेत्रों को शामिल करता है: (i) वित्तीय निगम (एफसी); (ii) गैर-वित्तीय निगम (एनएफसी), सरकारी और निजी; (iii) सामान्य सरकार (जीजी); (iv) हाउसहोल्ड्स और हाउसहोल्ड्स की सेवा में लगे गैर-लाभकारी संस्थाएं (एनपीआईएसएच)²; और (v) शेष विश्व (आरओडब्ल्यू) (प्रदर्शनी 1)।

प्रदर्शनी 1: वित्तीय स्टॉक और प्रवाह का क्षेत्रवार वर्गीकरण



टिप्पणी: कोष्ठक में दिए गए आंकड़े संबंधित क्षेत्र का कुल आस्तियों में हिस्सेदारी दर्शाते हैं।

* अनुपम प्रकाश, आनंद प्रकाश एक्का, कुणाल प्रियदर्शी, चैताली भौमिक और ईशु ठाकुर, राष्ट्रीय लेखा विश्लेषण प्रभाग, आर्थिक और नीति अनुसंधान विभाग, भारतीय रिज़र्व बैंक. सुश्री शालिनी जैन ने भी इसमें योगदान दिया है।

वित्तीय स्टॉक और प्रवाह से संबंधित विस्तृत विवरण 1 से 9 को www.rbi.org.in पर अलग से जारी किया गया है।

¹ पहली रिपोर्ट में 1951-52 से 1993-94 की अवधि का डेटा शामिल किया गया था। "भारतीय अर्थव्यवस्था के वित्तीय स्टॉक और प्रवाह: 2011-12 से 2017-18" को प्रकाशित करने से पहले (जुलाई 2019 को प्रकाशित) इस लेख का शीर्षक था "भारत का धन प्रवाह खाता", क्योंकि केवल वित्तीय प्रवाह प्रकाशित किए जाते थे।

² हाउसहोल्ड्स में गैर-लाभकारी संस्थाएं भी शामिल हैं, जो हाउसहोल्ड्स (एनपीआईएसएच) की सेवा करते हैं जैसे धार्मिक सोसाइटी, सामाजिक, सांस्कृतिक, मनोरंजक खेल क्लब, राजनीतिक दल, ट्रेड यूनियन आदि। इन संस्थाओं को उनके कम आर्थिक महत्व और जानकारी की कमी के कारण हाउसहोल्ड्स क्षेत्र के साथ जोड़ा जाता है।

इन क्षेत्रों के बीच होने वाले लेनदेनों को नौ वित्तीय लिखतों के अंतर्गत वर्गीकृत किया जाता है, अर्थात (i) मुद्रा; (ii) जमाराशियां; (iii) कर्ज प्रतिभूतियाँ; (iv) ऋण और उधार; (v) इक्विटी; (vi) निवेश फंड (जैसे म्यूचुअल फंड); (vii) बीमा, पेंशन और भविष्य निधि; (viii) मौद्रिक स्वर्ण; और (ix) अन्य खाते (व्यापार कर्ज सहित) और अन्य देयताएं/आस्तियां जो अन्यत्र कहीं वर्गीकृत नहीं हैं (एनईसी)।

इस लेख को छह भागों में विभाजित किया गया है। भाग II वित्तीय खातों के संकलन पर अंतरराष्ट्रीय अनुभव प्रस्तुत करता है। 2019-20 के लिए प्रारंभिक अनुमानों के साथ, 2016-17 से 2018-19 की अवधि के लिए क्षेत्रवार वित्तीय संसाधनों में कमी का एक संक्षिप्त विवरण भाग III में दिया गया है। भाग IV में वित्तीय प्रवाहों के क्षेत्रवार मैपिंग पर चर्चा की गई है तथा भाग V में लिखत-वार वित्तीय प्रवाहों को दर्शाया गया है। भाग VI में कतिपय नीति संबंधी दृष्टिकोण पेश किए गए हैं।

II. अंतरराष्ट्रीय अनुभव

वैश्विक वित्तीय संकट के परिणामस्वरूप, जी20 के वित्त मंत्रियों और केंद्रीय बैंक के गवर्नरों (एफएमसीबीजी) ने अक्टूबर 2009 में जी20 डेटा गैप्स इनिशियटिव (डीजीआई), और 2015 में इसके दूसरे चरण का समर्थन किया। इसमें शामिल की गई सिफारिश है 'अन्य (गैर-बैंक) वित्तीय निगम वाले क्षेत्र के डेटा समेत क्षेत्रवार खातों के प्रवाहों और तुलन पत्र के डेटा को अंतरराष्ट्रीय रूप से स्वीकृत सांचे के आधार पर तिमाही और वार्षिक अंतराल पर समेकित और प्रचारित करना, तथा तुलन पत्र के विश्लेषण में सहयोग देने के लिए लेनदेन और स्टॉक्स दोनों के लिए किससे-किसको मैट्रिक्स विकसित करना' (आईएमएफ, 2016)। एफडब्ल्यूटीडब्ल्यू आधार पर उपलब्ध डेटा अंतराल और समयांतर के संदर्भ में अलग-अलग देशों में भिन्न होती है (सारणी 1)।

उदाहरण के लिए, ईएमई में, तुर्की समेकित और असमेकित दोनों फार्मेट में लिखत-वार के साथ-साथ क्षेत्र-वार वर्गीकरण दोनों में एसएनए 2008 का पालन करता है। चीन वित्तीय स्टॉक प्रकाशित नहीं करता है, केवल अंतिम स्रोतों के लिखत-वार वर्गीकरण और प्रत्येक क्षेत्र के उपयोग प्रस्तुत करता है। बेल्जियम, कनाडा, न्यूजीलैंड, स्विट्जरलैंड और यूके से लेकर कोलम्बिया,

सारणी 1: चुनिंदा देशों के वित्तीय स्टॉक और प्रवाह संबंधी डेटा

देश	डेटा प्रकाशन प्राधिकारी	आवधिकता	एफडब्ल्यूटीडब्ल्यू मेट्रिक
संयुक्त राज्य अमेरिका	यूएस फेडरल रिज़र्व	वार्षिक और तिमाही	हां
यूनाइटेड किंगडम	ऑफिस फॉर नैशनल स्टैटिस्टिक्स	वार्षिक और तिमाही	हां
यूरोपीय संघ	यूरोपियन सेंट्रल बैंक	वार्षिक और तिमाही	हां
तुर्की	टर्कस्टेट और वित्त मंत्रालय के साथ समन्वय में सेंट्रल बैंक ऑफ द रिपब्लिकन टर्की	वार्षिक और तिमाही	हां
रूस	सेंट्रल बैंक ऑफ रशियन फेडरेशन	वार्षिक और तिमाही	नहीं
इंडोनेशिया	स्टैटिस्टिक्स इंडोनेशिया	वार्षिक और तिमाही	नहीं
चीन	पिपल्स बैंक ऑफ चाइना	वार्षिक	नहीं

ब्राजील और इंडोनेशिया तक के देशों ने एफडब्ल्यूटीडब्ल्यू जानकारी पूरी तरह से न होने की सूचना दी है, जबकि फ्रांस और संयुक्त राज्य अमेरिका के पास केवल कुछ लिखतों की वार्षिक और तिमाही एफडब्ल्यूटीडब्ल्यू जानकारी उपलब्ध है। आर्थिक सहयोग एवं विकास संगठन (ओईसीडी) द्वारा क्षेत्रवार डेटा की उपलब्धता के संबंध में जी-20 देशों और उसके प्रमुख ऐक्सेशन साझेदारों के लिए किए गए सर्वेक्षण के अनुसार 13 यूरोपीय देशों व एक गैर-यूरोपीय देश, अर्थात, ऑस्ट्रेलिया के पास सभी प्रमुख आठ लिखतों के संबंध में तिमाही के साथ-साथ वार्षिक अंतराल पर एफडब्ल्यूटीडब्ल्यू डेटा उपलब्ध थे।

III. क्षेत्रवार वित्तीय संसाधनों में कमी

भारत में, एफएसएफ खाते के संकलन के लिए आवश्यक तुलन पत्र डेटा को अर्थव्यवस्था के विभिन्न क्षेत्रों द्वारा अलग-अलग अंतराल³ पर जारी किया जाता है। क्षेत्रवार वित्तीय संसाधन की स्थिति बताती है कि हाउसहोल्ड्स (एचएच), वित्तीय निगमों और निजी गैर-वित्तीय निगमों (निजी एनएफसी) के पास धनात्मक वित्तीय निवल मालियत थी, जबकि 2011-12 से 2019-20 की अवधि के दौरान सामान्य सरकार और सरकारी गैर-वित्तीय निगम

³ एनएफसी, सामान्य सरकार, पेंशन और भविष्य निधि, बीमा जैसे क्षेत्रों के तुलन पत्र डेटा, एक वर्ष से अधिक अंतराल के बाद उपलब्ध हो जाते हैं; अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों (एससीबी), गैर बैंकिंग वित्तीय कंपनियों (एनबीएफसी), आवास वित्त कंपनियों (एचएफसी) के मामले में यह अंतराल 9 महीने है; और म्यूचुअल फंड, आरओडब्ल्यू तथा आरबीआई के मामले में यह 3 महीने तक के अंतराल पर उपलब्ध हो जाता है।

(सरकारी एनएफसी) की ऋणात्मक वित्तीय निवल मालियत थी (सारणी 2)। साथ ही, इस अवधि में जीजी और सरकारी एनएफसी दोनों के मामले में वित्तीय निवल मालियत में गिरावट आई है, जबकि निजी एनएफसी की स्थिति 2018-19 के दौरान बिगड़ने के बाद स्थिर हो गयी। हालांकि, प्रारंभिक अनुमान के अनुसार 2019-20 के दौरान हाउसहोल्ड्स की वित्तीय निवल मालियत में सुधार हुआ है।

संसाधनों के निवल प्रवाह के संदर्भ में, गैर-वित्तीय निगम और सामान्य सरकार प्रमुख घाटे वाले क्षेत्र हैं, जबकि वित्तीय निगम और हाउसहोल्ड्स (एचएच) प्रमुख अधिशेष वाले क्षेत्र हैं। गैर-वित्तीय निगमों के निवल उधार में वृद्धि और हाउसहोल्ड की

बचत में कमी की वजह से अर्थव्यवस्था के समग्र वित्तीय संसाधन शेष में 2018-19 के दौरान गिरावट आई, जिसे मापने के लिए देयताओं पर हुए निवल खर्च को वित्तीय आस्तियों के निवल अधिग्रहण से घटाया जाता है (सारणी 3)। सामान्य सरकार और सरकारी गैर-वित्तीय निगमों के संसाधनों के बढ़ते घाटों के कारण 2018-19 में समग्र वित्तीय संसाधन शेष की मामूली अधिशेष स्थिति 2019-20 में घाटे में तबदील हो गई।

IV. क्षेत्रवार वित्तीय शेष और ट्रेजेक्ट्रीस⁴

प्रत्येक क्षेत्र की वित्तीय आस्तियों और देयताओं का विश्लेषण, जो अन्य क्षेत्रों के साथ जोड़े गए हैं, भारतीय अर्थव्यवस्था पर कुछ दिलचस्प अंतर्दृष्टि प्रस्तुत करते हैं।

सारणी 2: क्षेत्रवार वित्तीय मालियत
(मौजूदा बाजार मूल्यों पर निवल राष्ट्रीय आय का प्रतिशत)

	2011-12	2012-13	2013-14	2014-15	2015-16	2016-17	2017-18	2018-19	2019-20#
आस्तियां									
1 वित्तीय निगम	222.7	225.4	227.1	229.3	229.9	228.9	233.3	233.0	239.4
2 गैर-वित्तीय निगम	132.7	123.9	123.2	122.9	117.1	106.7	94.3	90.6	89.5
2.ए सरकारी गैर-वित्तीय निगम	18.1	17.1	16.2	15.3	11.9	11.6	12.2	11.1	10.8
2.बी निजी गैर-वित्तीय निगम	114.6	106.8	107.0	107.5	105.2	95.0	82.1	79.5	78.7
3 सामान्य सरकार	31.5	30.9	30.3	28.8	30.0	30.1	30.3	29.9	30.6
4 हाउसहोल्ड क्षेत्र	135.9	132.5	129.8	130.1	129.4	128.3	130.1	131.3	134.5
5 शेष विश्व	46.0	48.0	50.1	50.6	49.7	45.6	45.2	40.8	45.8
देयताएं									
1 वित्तीय निगम	189.3	190.8	192.2	194.1	194.8	193.2	197.5	197.2	204.0
2 गैर-वित्तीय निगम	110.0	105.0	106.1	107.2	103.6	94.5	85.3	83.2	83.6
2.ए सरकारी गैर-वित्तीय निगम	19.6	20.4	21.3	22.1	20.8	21.5	22.2	21.8	23.0
2.बी निजी गैर-वित्तीय निगम	90.4	84.6	84.8	85.1	82.8	73.0	63.0	61.4	60.6
3 सामान्य सरकार	77.8	77.5	77.3	76.8	78.8	78.8	79.6	79.6	82.6
4 हाउसहोल्ड क्षेत्र	39.1	38.4	37.7	37.4	36.9	36.6	37.8	38.3	39.1
5 शेष विश्व	23.3	22.4	23.8	24.5	24.6	22.3	22.7	21.8	25.3
वित्तीय मालियत									
1 वित्तीय निगम	33.4	34.6	34.9	35.2	35.1	35.7	35.8	35.8	35.3
2 गैर-वित्तीय निगम	22.6	18.8	17.2	15.6	13.5	12.1	9.1	7.4	5.9
2.ए सरकारी गैर-वित्तीय निगम	-1.5	-3.3	-5.0	-6.8	-8.9	-9.9	-10.0	-10.7	-12.2
2.बी निजी गैर-वित्तीय निगम	24.2	22.1	22.2	22.4	22.4	22.0	19.1	18.1	18.1
3 सामान्य सरकार	-46.3	-46.6	-47.1	-48.0	-48.8	-48.7	-49.2	-49.7	-52.1
4 हाउसहोल्ड क्षेत्र	96.8	94.1	92.2	92.7	92.5	91.6	92.3	93.0	95.4
5 शेष विश्व	22.7	25.6	26.3	26.1	25.1	23.3	22.5	18.9	20.5

टिप्पणी : वित्तीय मालियत की गणना बकाया आस्तियों और देयताओं (शेयरधारकों की इक्विटी को छोड़कर) के बीच अंतर के रूप में की जाती है।

#: संबंधित क्षेत्रों के लिए उपलब्ध प्रमुख संकेतकों पर आधारित प्रारंभिक अनुमान। तुलन पत्र डेटा की उपलब्धता में देरी के कारण, 2019-20 के लिए एफडब्ल्यूटीडब्ल्यू सारणियों का क्षेत्रवार संकलन संभव नहीं है।

⁴ यह भाग केवल 2018-19 तक के रुझानों पर केंद्रित है, जिसके लिए क्षेत्र वार और लिखत वार एफडब्ल्यूटीडब्ल्यू खातों को संकलित किया गया है।

**सारणी 3: क्षेत्रवार वित्तीय संसाधन शेष
(मौजूदा बाजार मूल्यों पर निवल राष्ट्रीय आय का प्रतिशत)**

	2012-13	2013-14	2014-15	2015-16	2016-17	2017-18	2018-19	2019-20#
1 वित्तीय निगम	3.0	2.6	2.5	1.8	2.3	1.9	1.8	0.3
2 गैर-वित्तीय निगम	-8.9	-6.4	-5.7	-5.2	-3.2	-2.3	-4.2	-5.0
2.ए सरकारी गैर-वित्तीय निगम	-2.8	-2.6	-2.8	-3.1	-2.5	-2.0	-2.2	-3.0
2.बी निजी गैर-वित्तीय निगम	-6.2	-3.8	-2.9	-2.1	-0.7	-0.4	-2.0	-2.0
3 सामान्य सरकार	-5.7	-5.8	-5.6	-5.4	-5.1	-5.4	-5.3	-5.7
4 हाउसहोल्ड क्षेत्र	8.4	8.4	8.0	9.1	8.4	8.7	8.2	8.7
5 कुल (1+2+3+4)	-3.3	-1.2	-0.8	0.3	2.4	2.8	0.5	-1.8

टिप्पणी : वित्तीय संसाधन शेष की गणना निवल वित्तीय आस्तियों और निवल वित्तीय देयताओं (शेयरधारकों की इक्विटी सहित) के प्रवाह के बीच अंतर के रूप में की जाती है। यहां देयताओं में शेयरधारकों की इक्विटी भी शामिल होने की वजह से वित्तीय संसाधन शेष लगातार दो वर्षों की मालियत के बीच अंतर के बराबर नहीं होगा।

#: संबंधित क्षेत्रों के लिए उपलब्ध प्रमुख संकेतकों पर आधारित प्रारंभिक अनुमान। तुलन पत्र डेटा की उपलब्धता में देरी के कारण, 2019-20 के लिए एफडब्ल्यूटीडब्ल्यू सारणियों का क्षेत्रवार संकलन संभव नहीं है।

IV.1 वित्तीय निगम

वित्तीय निगमों में, अन्य निक्षेपागार निगम (ओडीसी)⁵ कुल आस्तियों के 52 प्रतिशत होते हैं, जिसके बाद अन्य वित्तीय निगम (ओएफसी)⁶ (38 प्रतिशत) एवं केंद्रीय बैंक (10 प्रतिशत) का स्थान आता है, इसमें परवर्ती को मौद्रिक नीति और वित्तीय स्थिरता की जिम्मेदारी को देखते हुए ओडीसी से अलग रखा गया है। निक्षेपागार संस्थाओं में, अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों की 44 प्रतिशत की प्रबल हिस्सेदारी भारतीय अर्थव्यवस्था के बैंक-आधारित स्वरूप पर प्रकाश डालती है। ओएफसी में, एफसी क्षेत्र की कुल आस्तियों में बीमा की सबसे अधिक 11 प्रतिशत हिस्सेदारी थी, जिसके बाद जमाराशि स्वीकार न करनेवाली गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों (एनबीएफसी-एनडी) (7 प्रतिशत), म्यूचुअल फंड (6 प्रतिशत) और भविष्य निधि एवं पेंशन फंड (5 प्रतिशत) का स्थान आता है (चार्ट 1)।

IV.1.1 केंद्रीय बैंक

2018-19 में रिजर्व बैंक के तुलन पत्र⁷ का आकार जीडीपी के प्रतिशत के रूप में मामूली रूप से घट गया। हालांकि, रिजर्व बैंक द्वारा प्रणाली-स्तर की चलनिधि को बढ़ाने के लिए किए गए

विभिन्न उपायों की बदौलत 2019-20 के दौरान इसका काफी विस्तार हुआ है (चार्ट 2)।

भारतीय रिजर्व बैंक की मुख्य देयता परिचालनगत मुद्रा है, जिसमें से लगभग 95 प्रतिशत हाउसहोल्ड क्षेत्र के पास है। 2018-19 में मुद्रा में हुई वृद्धि 2017-18 की तुलना में बहुत कम थी – जो पुनर्मुद्रिकरण और विनिर्दिष्ट बैंकनोटों (एसबीएन) के प्रसंस्करण और निपटान का वर्ष था।

केंद्रीय बैंक की दूसरी सबसे महत्वपूर्ण देयता जमाराशि होती है, जो अधिकांशतः बैंकों की आस्तियां होती हैं, जिसे आरक्षित नकदी निधि अनुपात (सीआरआर) अपेक्षाओं और भुगतान और निपटान दायित्वों (आरबीआई, 2019ए) को पूरा करने के लिहाज से उनके चालू खातों में बतौर शेष रखी जाती हैं। समग्र दृष्टि से देखें तो रिजर्व बैंक के पास रखी गई बैंकों की कुल जमाराशियों में 2018-19 में लगातार दूसरे साल गिरावट आई। जहां उच्च जमा संग्रहण की वजह से रिजर्व बैंक के पास रखी गई बैंकों की जमाराशियों में इजाफा हुआ, वहीं रिवर्स रेपो के अंतर्गत जमाराशियों में गिरावट आने से इसकी लगभग भरपाई हो गई।

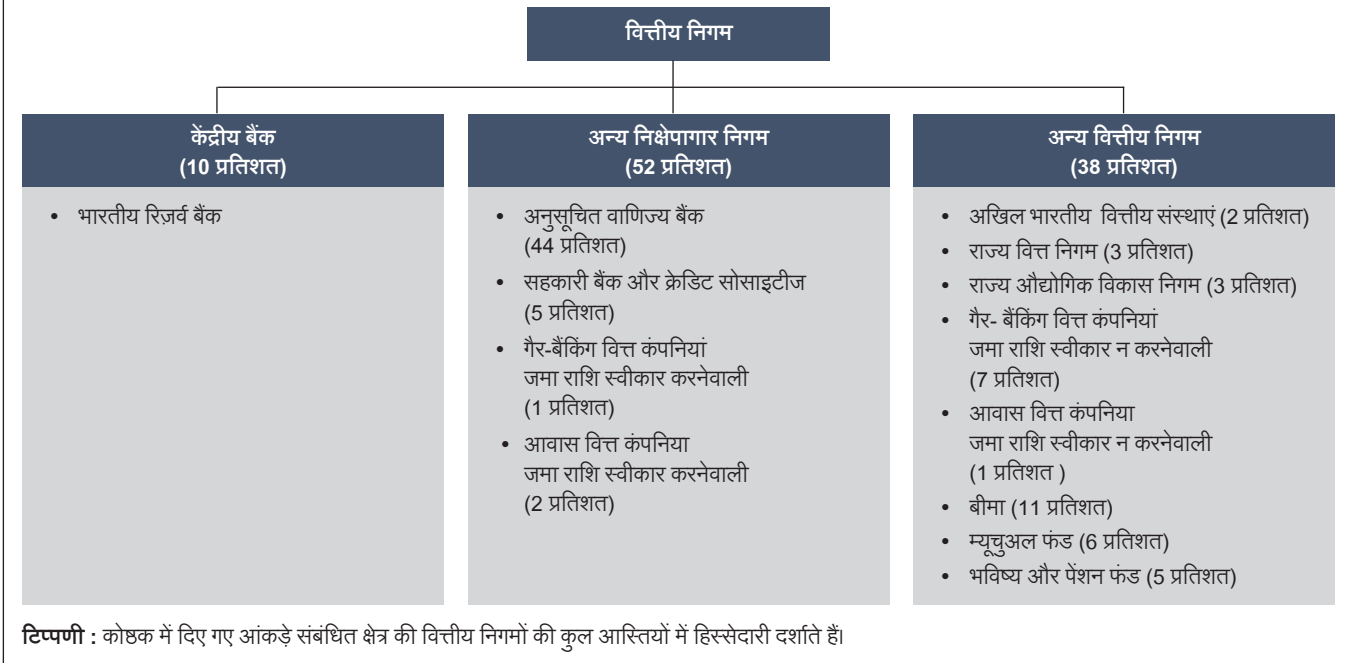
आस्ति पक्ष में देखें तो, कर्ज प्रतिभूतियां प्रमुख लिखत होते हैं जो शेष विश्व (आरओडब्ल्यू) और केंद्र सरकार द्वारा जारी किए जाते हैं। वर्ष 2018-19 के दौरान रिजर्व बैंक के घरेलू निवेश में 45.4 प्रतिशत की वृद्धि हुई है, जो इसके चलनिधि संचालन कार्यों के अंतर्गत सरकारी प्रतिभूतियों की निवल खरीद के कारण हुई। रिजर्व बैंक द्वारा अन्य निक्षेपागार निगमों को दिए गए ऋणों में 2018-19 में एक साल पहले की तुलना में तेजी से कमी आई है, जो मुख्य रूप से सरकारी प्रतिभूतियों में संपार्श्विक के रूप में रेपो/

⁵ भारत के मामले में, ओडीसी में अनुसूचित वाणिज्यिक बैंक, सहकारी बैंक और क्रेडिट सोसाइटी, स्थानीय क्षेत्र के बैंक, जमाराशि लेने वाली गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियां तथा जमाराशि लेने वाली आवास वित्त कंपनियां शामिल हैं।

⁶ अन्य वित्तीय निगमों (ओएफसी) में आने वाले प्रमुख इकाइयों को उनके संबंधित हिस्सेदारियों के क्रम में इस प्रकार रखा गया है - बीमा, म्यूचुअल फंड (एमएफ), भविष्य निधि और पेंशन फंड, जमाराशि नहीं लेने वाली गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियां (एनबीएफसी-एनडी), अखिल भारतीय वित्तीय संस्थाएं (एआईएफआई), राज्य औद्योगिक विकास निगम (एसआईडीसी), राज्य वित्त निगम (एसएफसी) और जमाराशि नहीं लेने वाली आवास वित्त कंपनियां (एचएफसी-एनडी)।

⁷ इस लेख में तुलन पत्र का आशय वित्तीय तुलन पत्र से है, जिसमें अचल संपत्ति, प्रावधान और आस्थगित कर शामिल नहीं है।

चार्ट 1: वित्तीय निगम के संघटक : 2018-19

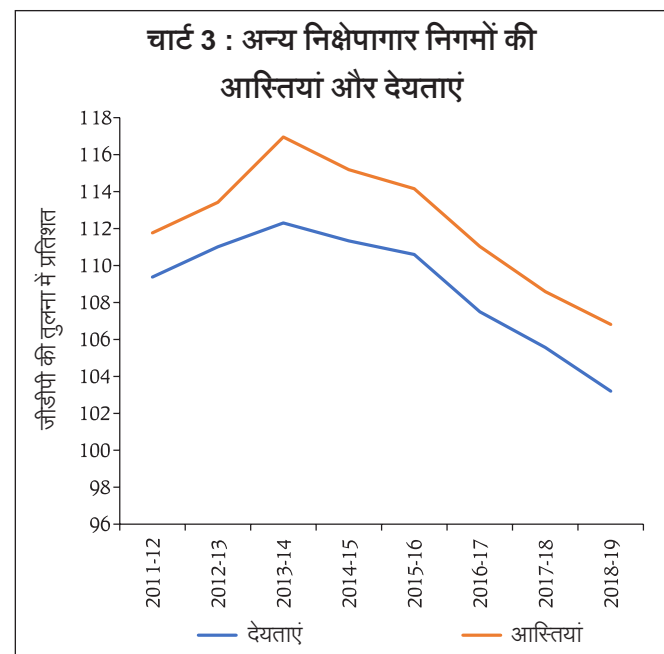
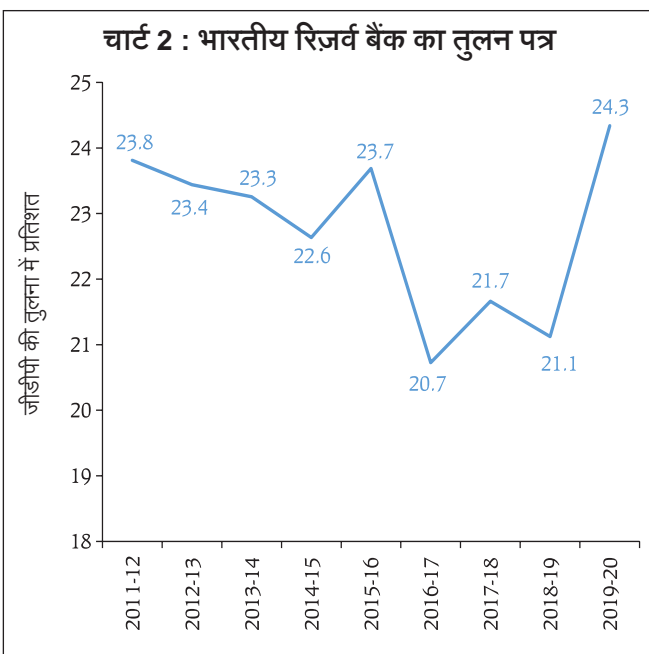


टर्म रेपो/सीमांत स्थायी सुविधा (एमएसएफ) के अंतर्गत चलनिधि सुविधा के कम उपयोग को दर्शाती है।

IV.1.2 अन्य निक्षेपागार निगम (ओडीसी)

प्रमुख क्षेत्र होने के बावजूद अन्य निक्षेपागार निगमों के तुलन पत्र में 2013-14 के बाद से गिरावट महसूस की गई, जो

जमाराशियों के स्थान पर म्यूचुअल फंड और बीमा जैसे अन्य आकर्षक वित्तीय लिखतों को लेकर उनकी पसंद में आए बदलाव को दर्शाती है (चार्ट 3)। ओडीसी क्षेत्र के भीतर, अनुसूचित वाणिज्यिक बैंक और जमाराशि स्वीकार करनेवाली गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों (एनबीएफसी-डी) अपनी वित्तीय मध्यस्थता की भूमिकाओं में पूरकता प्रदर्शित करती हैं। दृढ़ ऋण विस्तार की



बदौलत एनबीएफसी का समेकित तुलन पत्र परवान चढ़ा, जिसे बैंकों की अपेक्षा एनपीए का स्तर कम होने तथा 2016-17 और 2017-18 के दौरान एक मजबूत पूंजी बफर का सहारा मिला (आरबीआई, 2019बी)। हालांकि, इन्फ्रास्ट्रक्चर लीजिंग एंड फाइनेन्शियल सर्विसेज लिमिटेड (आईएल एंड एफएस) संकट द्वारा प्रेरित चलनिधि संकट एवं तत्पश्चात एनबीएफसी क्षेत्र द्वारा रेटिंग में गिरावट से जूझने के कारण 2018-19 के दौरान एनबीएफसी-डी से होने वाले ऋण बहिर्वाह में कमी आई।

अन्य निक्षेपागार निगमों (ओडीसी) की देयताएं

हाउसहोल्ड्स की जमाराशियां देयता पक्ष में सबसे महत्वपूर्ण लिखत होती हैं, जिसके बाद ओएफसी से प्राप्त ऋण का स्थान आता है (चार्ट 4)। विमुद्रीकरण के वर्ष को छोड़ दिया जाए तो 2009-10 के बाद से जमा संग्रहण में निरंतर गिरावट आई, जिसे उच्च ब्याज दरों समेत संसाधन जुटाने के लिए बैंकों के बीच चल रहे अत्यधिक होड़ की बदौलत रोका गया। उच्च जमा संग्रहण के कारण ओडीसी क्षेत्र की उधारी में गिरावट आई (आरबीआई, 2019बी)। वैश्विक आर्थिक मंदी और पूंजी प्रवाह उन्नत अर्थव्यवस्थाओं की ओर लौटने के परिणामस्वरूप 2018-19 के दौरान शेष विश्व (आरओडब्ल्यू) के प्रति ओडीसी की देयताएं संकुचित हुईं।

अन्य निक्षेपागार निगमों (ओडीसी) की आस्तियां

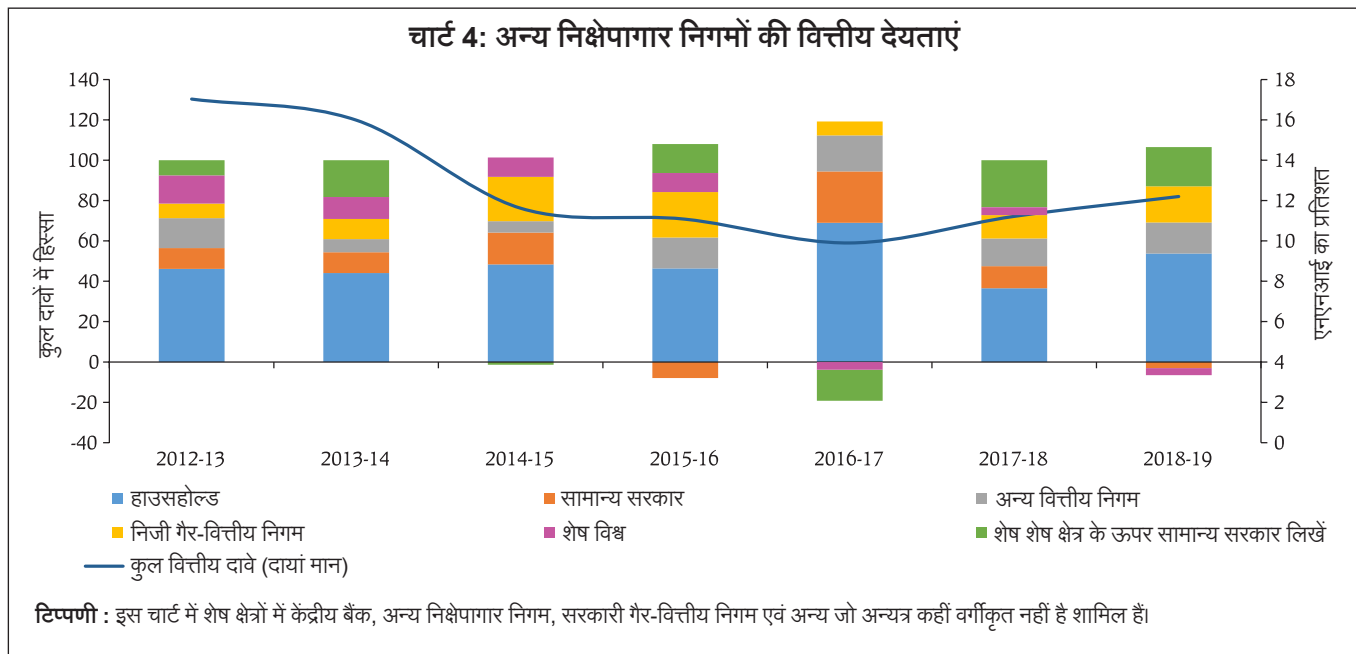
आस्ति पक्ष में, हाउसहोल्ड्स और गैर-वित्तीय निगमों को प्रदत्त ऋण और अग्रिम सबसे महत्वपूर्ण लिखत बने हुए हैं, जिसके बाद सरकारी प्रतिभूतियों में निवेश का स्थान आता है (चार्ट 5)। ऋणों और अग्रिमों के संवितरण ने 2017-18 में जोर पकड़ा और उसने 2018-19 में अपने गति को बनाए रखा। इसे अनर्जक आस्तियों (एनपीए) को तकरीबन पूरी तरह से पहचानने, सरकारी क्षेत्र के बैंकों (पीएसबी) का पुनर्पूजीकरण एवं दिवाला और शोधन अक्षमता संहिता (आईबीसी) (आरबीआई, 2019बी) के तहत जारी समाधान प्रक्रिया की बदौलत ऋण परिवेश में सुधार होने से सहारा मिला।

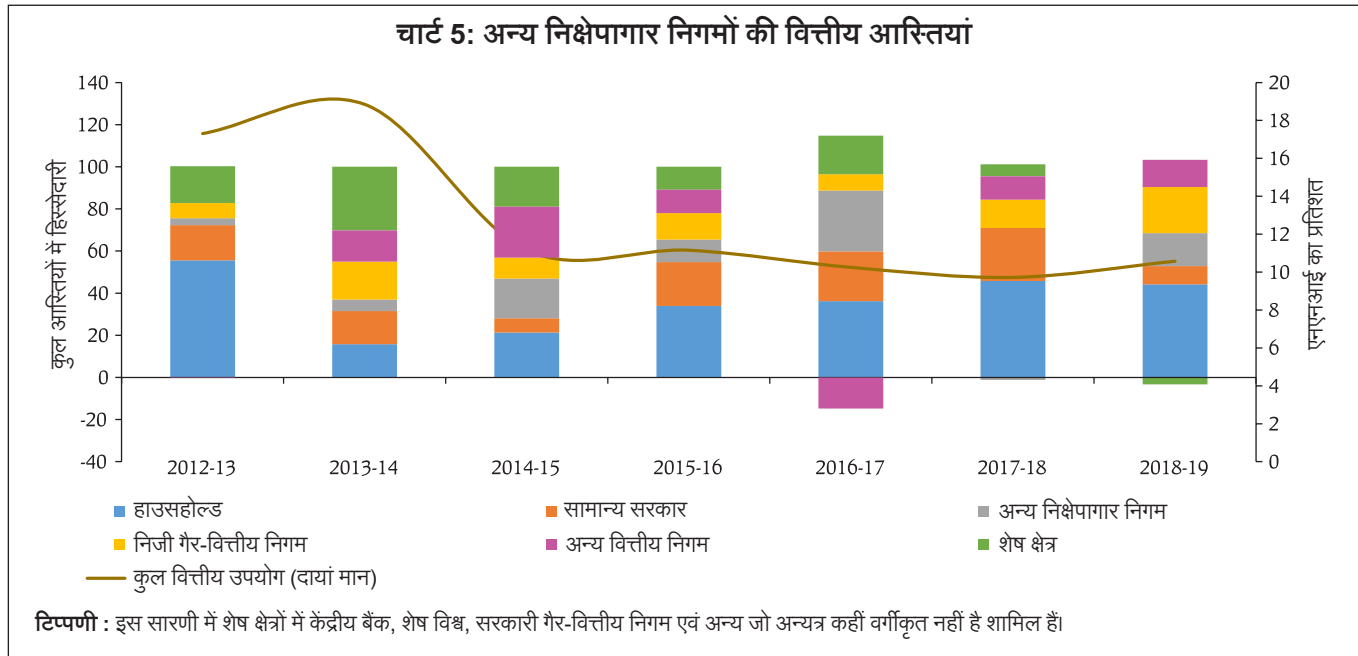
इस क्षेत्र की समग्र वित्तीय निवल मालियत में सात वर्षों के अंतराल के बाद 2018-19 में मामूली सुधार हुआ, जिसका मुख्य कारण एससीबी की आस्ति गुणवत्ता का बेहतर होना था।

IV.1.3 अन्य वित्तीय निगम (ओएफसी)

भारत में, अन्य वित्तीय निगम (ओएफसी) क्षेत्र के तुलन पत्र का आकार एफसी की कुल आस्ति का 38 प्रतिशत है। 2018-19 में इसका विस्तार जारी रहा, जिसके परिणामस्वरूप वित्तीय लिखतों

चार्ट 4: अन्य निक्षेपागार निगमों की वित्तीय देयताएं



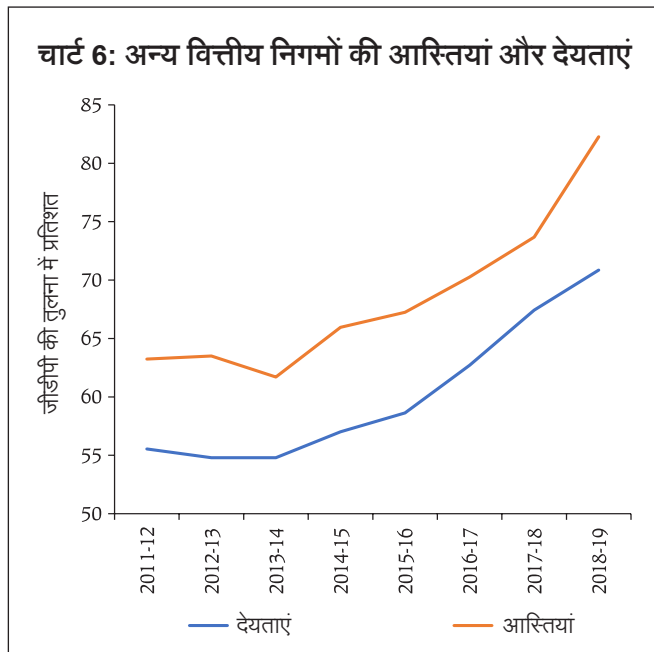


के लिए प्राथमिकता बदलती रही, जैसा कि पिछले भाग में चर्चा की गई है (चार्ट 6)।

आईएल और एफसी संकट के बाद, डिबेंचर के माध्यम से संसाधन जुटाना महंगा पड़ा और चूंकि जमाराशि स्वीकार नहीं करने वाली गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों (एनबीएफसी-एनडी) को लेकर निवेशक के विश्वास में भारी कमी आई इसलिए उनको बैंक

से उधार लेना पड़ा (आरबीआई, 2019बी)। वर्ष 2018-19 के दौरान ओएफसी पर अन्य निक्षेपागार निगमों के उच्च वित्तीय दावों से इसका पता चलता है (चार्ट 7)।

उनके तुलन पत्र के आस्तिक पक्ष में सरकारी कर्ज प्रतिभूतियों का बाहुल्य है और उसके बाद सरकारी गैर-वित्तीय निगमों को जारी ऋण एवं ओडीसी क्षेत्र के पास रखी गई जमाराशियां का स्थान आता है (चार्ट 8)।

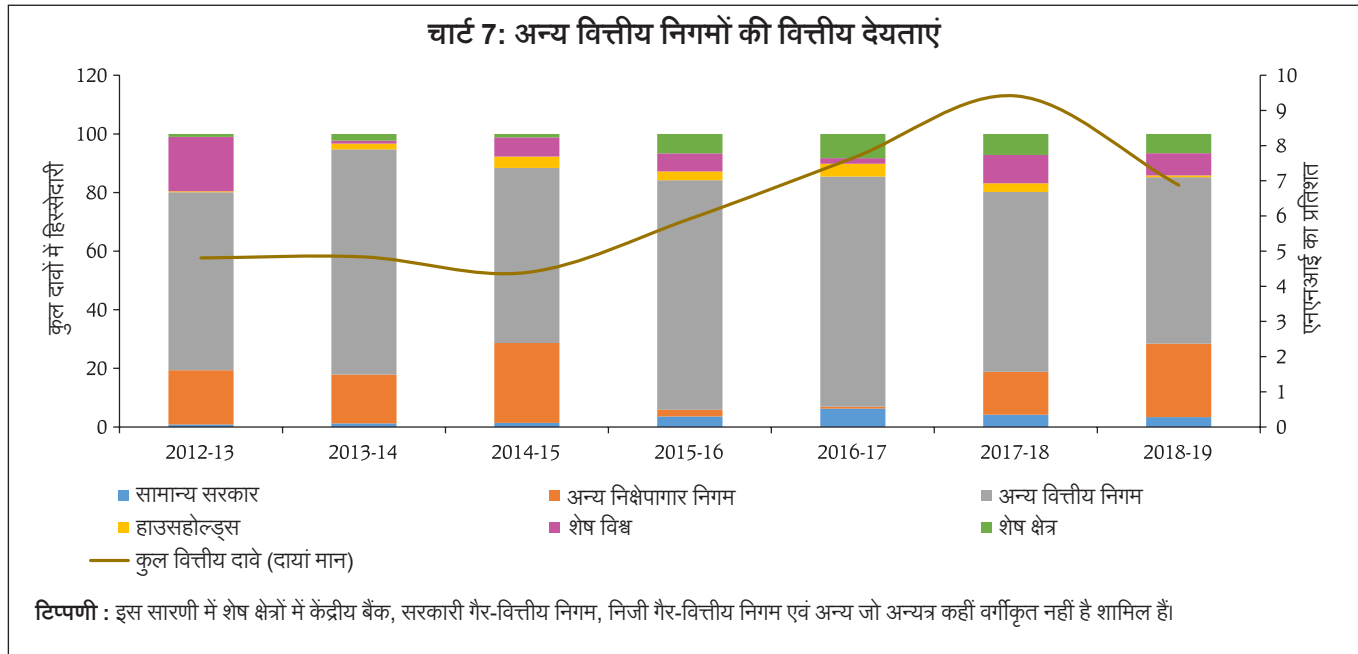


वित्तीय प्रवाहों को लेनदेन एवं मूल्यांकन परिवर्तन⁸ में विभाजित करने से पता चलता है कि 2016-17 से 2018-19 के दौरान ओएफसी क्षेत्र की आस्तियों में औसतन 26 प्रतिशत परिवर्तन उसकी आस्तियों की मूल्यवृद्धि की वजह से है (विवरण 3.1)।

IV.2 गैर-वित्तीय निगम (एनएफसी)

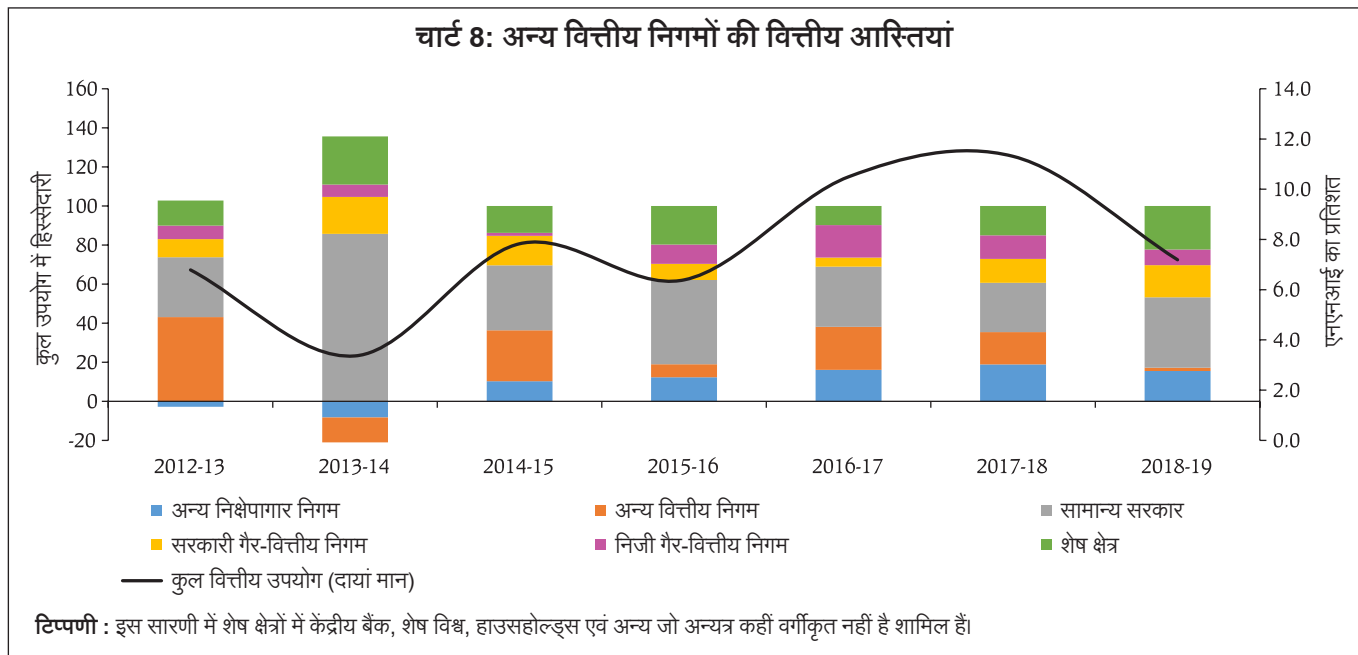
गैर-वित्तीय निगम लाभप्रद आस्तियों में निवेश के माध्यम से अर्थव्यवस्था की वृद्धि में सहयोग देते हैं, जिनका अर्थव्यवस्था की कुल वित्तीय आस्तियों में लगभग 17 प्रतिशत हिस्सेदारी है और

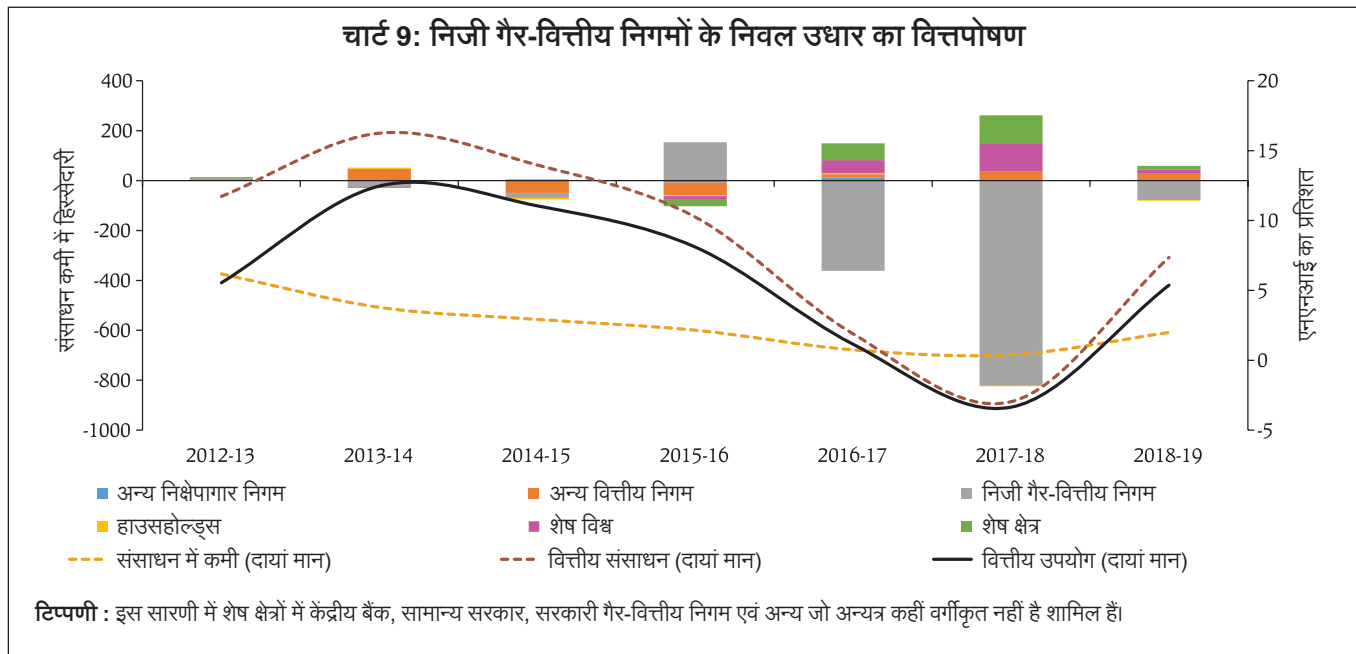
⁸ प्रवाहों को लेन-देन और मूल्यांकन परिवर्तन में विभाजित करने का प्रयास किया गया है, जो चुनिंदा उप-क्षेत्रों, अर्थात्, म्यूचुअल फंड, बीमा, पेंशन और भविष्य निधि के लिए डेटा की उपलब्धता पर निर्भर करता है।



जिनमें सरकारी गैर-वित्तीय निगम एवं निजी गैर-वित्तीय निगम शामिल हैं। निजी गैर-वित्तीय निगमों की वित्तीय आस्तियों में तेजी से कमी आने की वजह से 2018-19 में एनएफसी की वित्तीय निवल मालियत में गिरावट जारी रही (सारणी 2)। सरकारी गैर-वित्तीय निगमों की विद्यमान ऋणात्मक निवल मालियत खस्ताहाल केंद्रीय सरकारी क्षेत्र इकाइयों (सीपीएसयू) के खराब कार्य-निष्पादन को दर्शाती है।

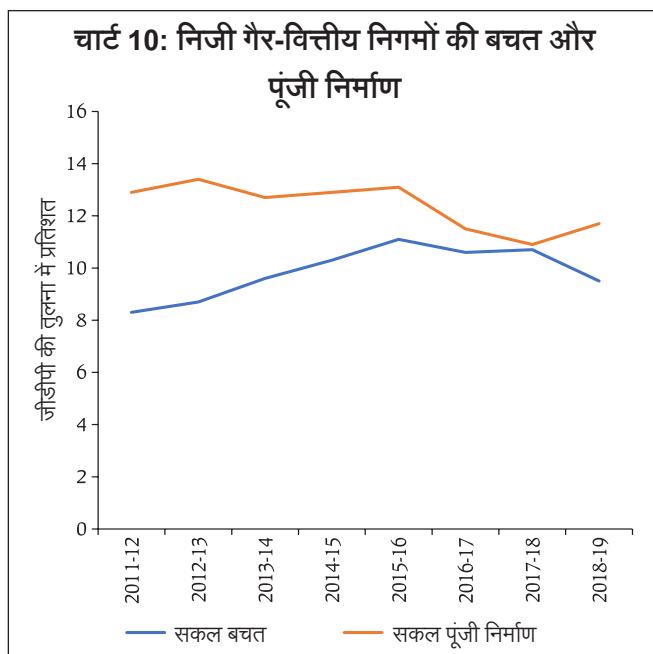
गैर-वित्तीय निगमों में, निजी इकाइयों की पसंद इक्विटी वित्त (संसाधनों का 44 प्रतिशत) है, जबकि सरकारी इकाइयों की पसंद बाह्य वित्त के तौर पर ऋण और उधार हैं। लाभांश वितरण कर से बचने के उद्देश्य से कई फर्मों द्वारा शेयरों की वापसी खरीद के कारण 2017-18 के दौरान निजी एनएफसी में इक्विटी प्रवाह ऋणात्मक हो गए थे। वर्ष 2018-19 में, उन्होंने जीएमआर छत्तीसगढ़ और उभरते बिजली उपक्रमों जैसे बदहाल बिजली क्षेत्र





उद्यमों के मामले में प्रमुख रूप से बकाया ऋणों को इक्विटी में बदलने के जरिए कारोबार पुनः आरंभ किया (चार्ट 9)।

निजी निगमों के संसाधनों की कमी 2017-18 के 0.2 प्रतिशत से 2018-19 में बढ़कर 2.2 प्रतिशत हो गई, क्योंकि ऋण और उधार रूपी प्रवाहों में वृद्धि दर्ज की गई (चार्ट 10)। सरकारी निगमों के मामले में भी संसाधनों की कमी 2018-19 में बढ़ी (चार्ट 11)।



IV.3 सामान्य सरकार⁹

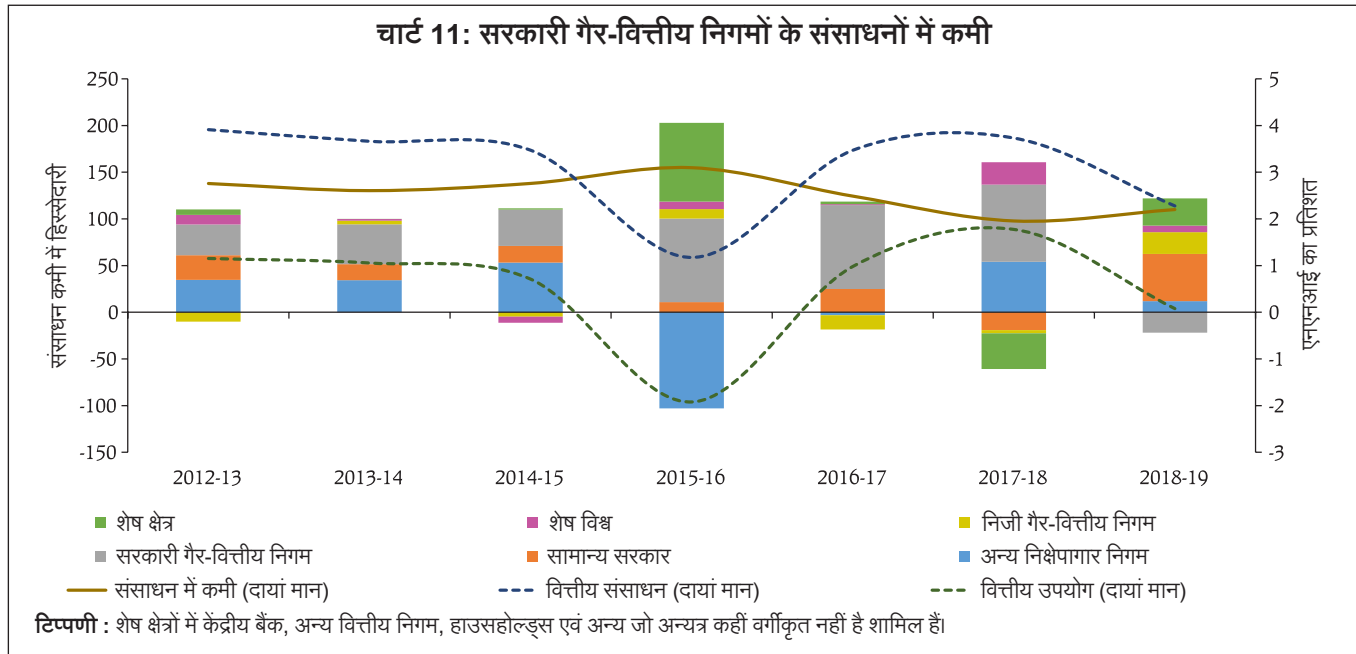
भारत में, केंद्र सरकार और राज्य सरकार दोनों ही घाटे में चल रही हैं एवं अर्थव्यवस्था में निवल उधारकर्ता हैं। वर्ष 2018-19 में सामान्य सरकार की देयताओं का स्तर बढ़ा रहा, जिसमें कर्ज प्रतिभूतियों का बाहुल्य था, जो 2018-19 में कुल देयताओं का लगभग 83 प्रतिशत है – जिसकी दो-तिहाई ओडीसी और ओएफसी द्वारा अभिदत्त थी (विवरण 3.1 और चार्ट 12)।

आस्तित्व पक्ष में, पीएसयू में इक्विटी धारिता की सर्वाधिक हिस्सेदारी है और उसके बाद ओडीसी के पास रखी गई जमाराशियों का स्थान आता है। औसतन, सामान्य सरकार की आस्तियों का लगभग 82 प्रतिशत इक्विटी के रूप में धारित किया जाता है। जमाराशियों के रूप में ओडीसी के पास रखी गई आस्तियां राज्य सरकारों के मामले में अधिक स्पष्ट हैं, जिसमें विशाल नकदी शेष संचित हो गया था, जो खराब नकदी प्रबंधन को दर्शाता है।

IV.4 हाउसहोल्ड्स और एनपीआईएसएच

हाउसहोल्ड्स आम तौर पर निवल बचतकर्ता और निवल ऋणदाता होते हैं तथा धनात्मक वित्तीय निवल मालियत रखते हैं। हाउसहोल्ड क्षेत्र का निवल वित्तीय अधिशेष, देयताओं की तुलना

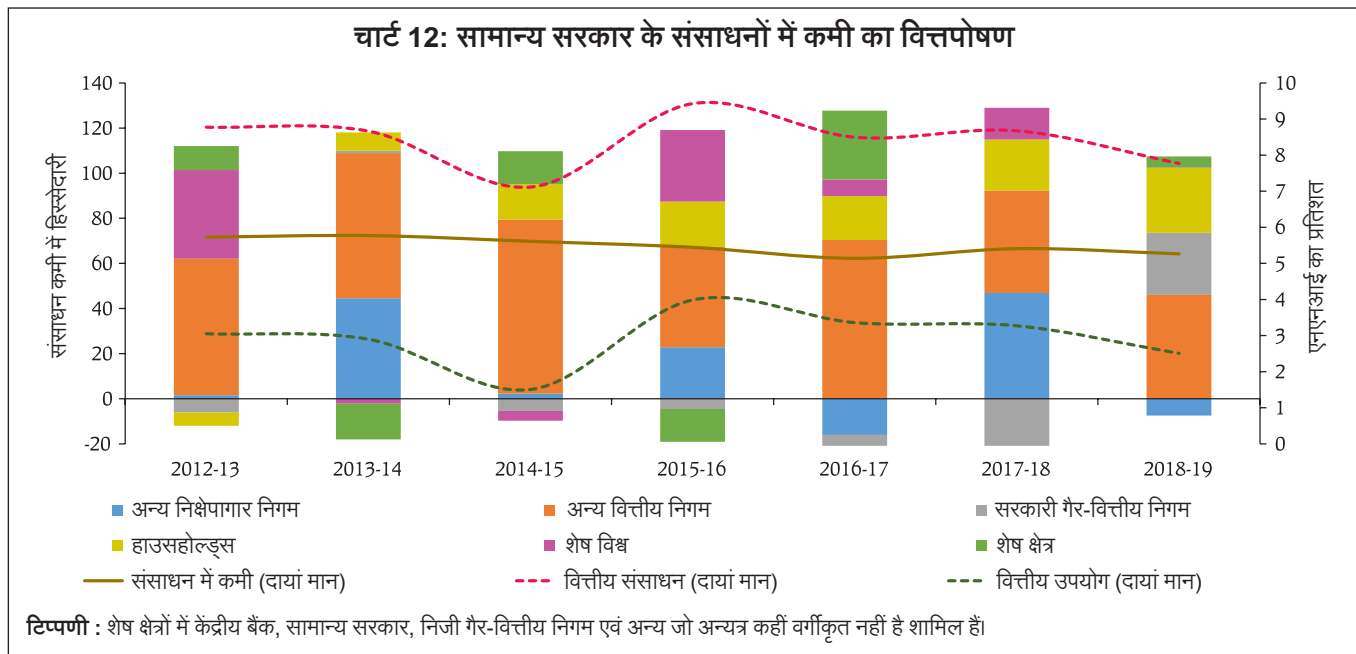
⁹ सामान्य सरकार में केवल केंद्र सरकार और राज्य सरकारें शामिल हैं। डेटा के अभाव में, स्थानीय निकायों के लिए संकलन नहीं किया जाता है जो सामान्य सरकारी क्षेत्र का तीसरा टियर होता है।



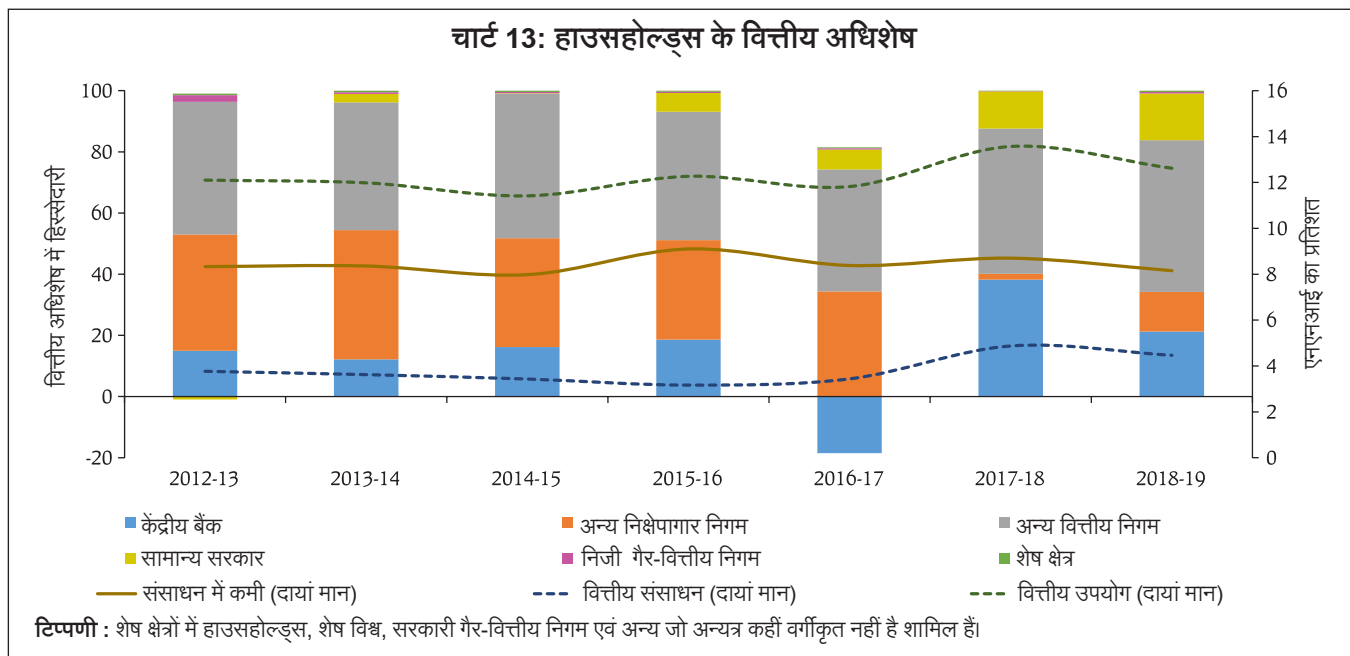
में वित्तीय आस्तियों के अधिग्रहण में काफी कमी आने की वजह से गत वर्ष¹⁰ में 8.7 प्रतिशत से 2018-19 में घटकर निवल राष्ट्रीय आय (एनएनआई) का 8.2 प्रतिशत रह गया (चार्ट 13)।

बैंकों और अन्य वित्तीय संस्थाओं से ऋण और उधार लेना हाउसहोल्ड्स की देयताओं के प्राथमिक घटक होते हैं, जबकि

हाउसहोल्ड्स की आस्तियां अधिकांशतः जमाराशियों, बीमा और मुद्राओं के रूप में धारित हैं। हाल के वर्षों में हाउसहोल्ड्स द्वारा बकाया ऋण और उधार निरंतर वृद्धि प्रदर्शित करते हैं जो 2016-17 में जीडीपी के 32.0 प्रतिशत से क्रमिक रूप से बढ़कर 2018-19 में जीडीपी का 33.8 प्रतिशत हो गया। यह इसी अवधि में



¹⁰ विभिन्न विभाजक का उपयोग करने से, एनएनआई के 8.2 प्रतिशत पर हाउसहोल्ड्स निवल वित्तीय अधिशेष हाल ही में प्रकाशित हाउसहोल्ड्स वित्तीय बचत से अलग है, जो 2018-19 में जीडीपी का 7.2 प्रतिशत है।



घटती संपूर्ण ऋण वृद्धि के विपरीत है क्योंकि एससीबी ने इसे खुदरा ऋणों में एनपीए कम होने की वजह से औद्योगिक ऋणों की अपेक्षा प्राथमिकता दी (आरबीआई, 2019बी)।

आस्तित्व पक्ष में, जमाराशियों का हाउसहोल्ड्स की आस्तियों में लगभग आधा हिस्सा होता है, जिसकी कुल आस्तियों में हिस्सेदारी स्थिर रहती है। मुद्रा धारिता 2018-19 के दौरान विमुद्रीकरण-पूर्व के स्तर पर पहुंची, जिसमें विमुद्रीकरण और तत्पश्चात के पुनर्मुद्रीकरण की वजह से 2016-17 और 2017-18 के दौरान काफी उतार-चढ़ाव आया। कर्ज प्रतिभूतियों में बीमा, पेंशन फंड और निवेश के अधिग्रहण में सतत वृद्धि हुई।

IV.5 शेष विश्व

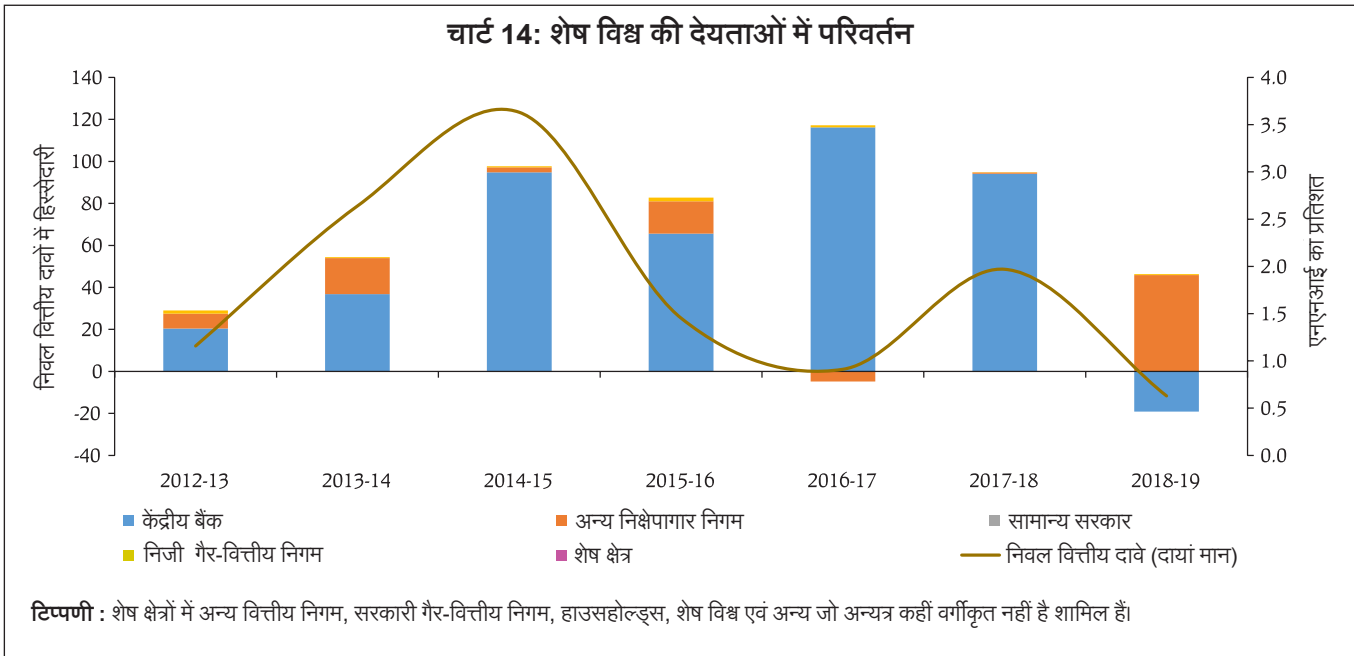
भारत शेष विश्व (आरओडब्ल्यू) से उधार लेने के मामले में निवल उधारकर्ता है, जिसका निवल उधार समय के साथ-साथ बढ़ता जा रहा है। कर्ज प्रतिभूतियों का निर्गम आरओडब्ल्यू के धन का प्रमुख स्रोत है, जो प्रमुख रूप से केंद्रीय बैंक और निजी कॉर्पोरेट द्वारा अभिदत्त है (चार्ट 14)।

दूसरी तरफ, आरओडब्ल्यू की अधिकांश आस्तियां इक्विटी और कर्ज प्रतिभूतियों में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश और पोर्टफोलियो निवेश के रूप में होने के साथ-साथ भारतीय कॉर्पोरेट को प्रदत्त ऋण तथा अनिवासी भारतीयों द्वारा धारित जमाराशियों के रूप में हैं (चार्ट 15)। संयुक्त राज्य अमेरिका में सख्त मौद्रिक नीति के

परिणामस्वरूप वृहद अपविक्रय की वजह से 2018-19 के दौरान इक्विटी और कर्ज लिखतों के अंतर्गत प्रवाहों में कमी आई तथा मंदी व्याप्त होने की ज्यादा संभावना दिखती है। वर्ष 2018-19 में भारतीय कंपनियों द्वारा प्रदत्त ऋण और उधार पांच वर्षों में सर्वोच्च रहा जो घरेलू बाजार में उच्च ब्याज दर, एवं उच्च अनर्जक आस्तियों के फलस्वरूप घरेलू ऋणदाताओं में बढ़ती जोखिम विमुखता दर्शाता है। तथापि, जीडीपी के अनुपात के रूप में आरओडब्ल्यू से निवल उधार लगातार चार वर्षों के लिए कम होता गया। कुल मिलाकर, 2019-20 के दौरान जीडीपी के अनुपात के रूप में आरओडब्ल्यू से निवल उधार घटा। अन्य प्रमुख रुझानों में दृढ़ इक्विटी प्रवाह, व्यापार ऋण और अग्रिमों में कमी तथा विदेश में जारी की गई कर्ज प्रतिभूतियों के रिजर्व बैंक द्वारा अभिदान में इजाफा शामिल हैं।

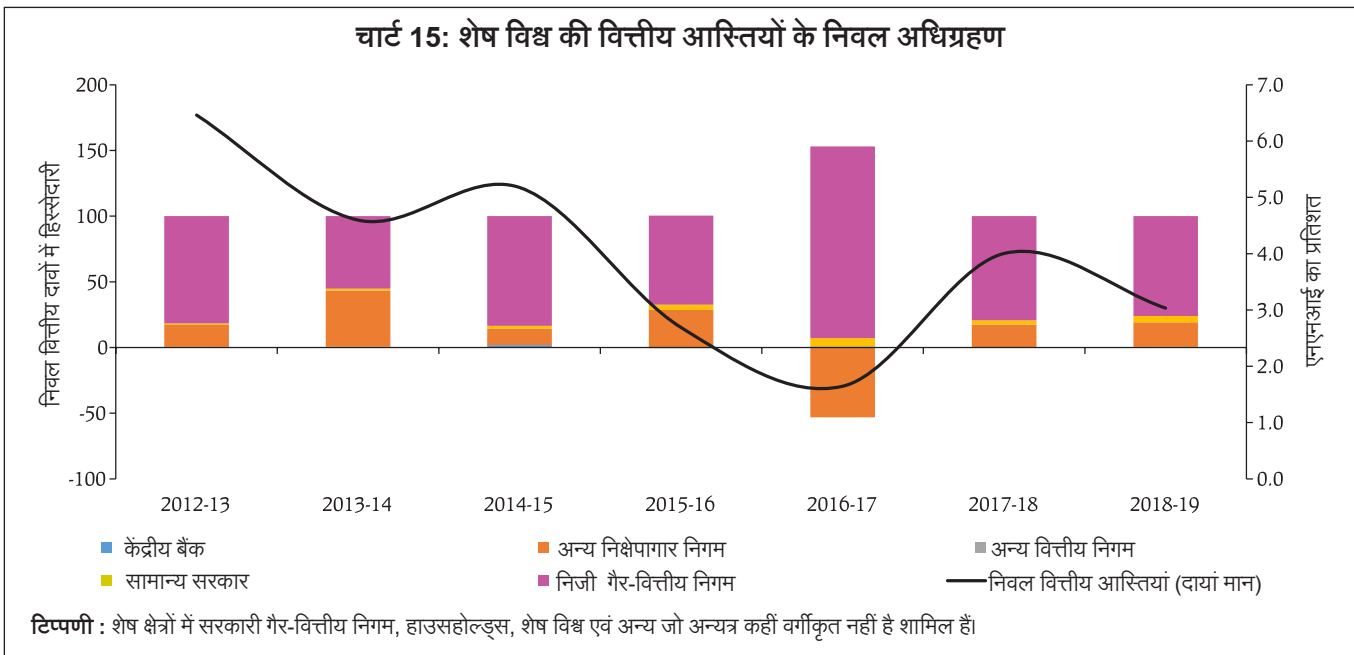
V. लिखतों के अनुसार वित्तीय प्रवाह

ऋण और उधार का कुल वित्तीय लेनदेनों में 29.0 प्रतिशत की सर्वाधिक हिस्सेदारी है, जिसके बाद 20.9 और 18.0 प्रतिशत हिस्सेदारी के साथ क्रमशः कर्ज प्रतिभूतियों व जमाराशियों का स्थान आता है। ऋण और उधार प्रमुख रूप से ओडीसी (67 प्रतिशत) द्वारा संवितरित किए गए हैं और हाउसहोल्ड्स एवं निजी एनएफसी के तुलन पत्र में प्रमुख रूप से देयता के रूप में धारित हैं।



वित्तीय लेनदेनों में लिखतों के उपयोग को लेकर कुछ फेरबदल देखे गए हैं। वर्ष 2018-19 के दौरान जमाराशियों की हिस्सेदारी में थोड़ा इजाफा होने के बावजूद उसमें गिरावट आई। लगभग 99 प्रतिशत जमाराशियां ओडीसी की देयताएं हैं, जिसमें से 62 प्रतिशत हाउसहोल्ड्स द्वारा धारण किए गए हैं। मुद्रा की हिस्सेदारी, जिसमें पुनर्मुद्राकरण की वजह से 2017-18 में सुधार हुआ, 2018-19 में घटी।

सामान्य सरकार और शेष विश्व द्वारा जारी की गई कर्ज प्रतिभूतियों – जो वित्तीय देयताओं में दूसरा अत्यंत महत्वपूर्ण लिखत है – में कटौती की वजह से उसमें 2018-19 के दौरान भारी गिरावट आई। कर्ज प्रतिभूतियां अधिकांशतः ओएफसी (42 प्रतिशत) द्वारा अभिदत्त हैं, जिसके बाद केंद्रीय बैंक और ओडीसी का स्थान आता है। इक्विटी के उपयोग ने वर्ष 2018-19 के दौरान जोर पकड़ा, जिसमें कॉर्पोरेट क्षेत्र द्वारा शेयरों की



**सारणी 4: लिखतों के प्रकार के अनुसार वित्तीय प्रवाह
(कुल निर्गत दावों की प्रतिशत में हिस्सेदारी)**

	2012-13	2013-14	2014-15	2015-16	2016-17	2017-18	2018-19
मुद्रा	2.6	1.9	2.6	4.1	-6.9	8.4	4.6
जमाराशियां	26.4	25.8	21.3	17.5	33.5	16.1	18.0
कर्ज प्रतिभूतियां	20.1	17.2	25.7	22.1	32.7	34.3	20.9
ऋण और उधार	31.1	21.7	17.7	23.3	7.0	20.9	29.0
इक्विटी	17.0	13.3	10.8	12.2	10.6	2.9	9.9
इन्वेस्टमेंट फंड शेयर / यूनिट्स	1.6	0.9	1.7	2.4	7.3	4.3	1.6
बीमा और सेवानिवृत्ति गारंटी योजनाएं	6.5	6.9	9.1	7.5	14.2	10.2	9.7
अन्य खाता प्राप्य / देय राशि	-5.4	12.4	10.8	10.7	0.9	2.1	5.8
अन्य मदें	0.1	0.0	0.3	0.3	0.8	0.9	0.5

वापसी खरीद की वजह से 2017-18 के दौरान कमी आई थी। वित्त बाजार में अस्थिरता के चलते म्यूचुअल फंड की हिस्सेदारी, जो साल भर बढ़ रही थी, में 2018-19 के दौरान गिरावट आई (सारणी 4)।

VI. निष्कर्ष

अर्थव्यवस्था का संपूर्ण वित्तीय संसाधन शेष, भले ही मामूली अधिशेष में है, 2018-19 के दौरान और भी खराब हुआ तथा 2019-20 के दौरान लंबी आर्थिक मंदी के चलते संपूर्ण अर्थव्यवस्था के संसाधनों का अधिशेष और भी खराब होने की उम्मीद की जाती है। इसका तात्पर्य उच्च विदेशी वित्तीय प्रवाह होगा जबतक कि हाउसहोल्ड्स और गैर-वित्तीय निगमों के वित्तीय अधिशेष बेहतर होते हैं तथा सरकारी क्षेत्र के घाटे कम होते हैं।

अर्थव्यवस्था की संभावित वृद्धि बहुत हद तक वित्तीय निगमों से होने वाले वित्तपोषण की ताकत पर निर्भर करेगी। घटते एनपीए की बंदौलत 2018-19 में अन्य निक्षेपागार निगमों की वित्तीय निवल मालियत में थोड़ा सुधार हुआ। भविष्य में विनिर्माण क्षेत्र को बहाल करने और अर्थव्यवस्था में निजी निवेश में मदद करने के उद्देश्य से बैंकिंग क्षेत्र से होने वाले ऋण प्रवाह को बेहतर करने की जरूरत है। उसी समय, एनबीएफसी क्षेत्र की निरंतर मजबूती, सितंबर 2018 में आईएल और एफएस चूक के परिणामस्वरूप आए चलनिधि संकट के उपरांत, जोर पकड़नी चाहिए, जो वित्त जगत में नकदी विस्तार सुनिश्चित करेगी। वित्तीय निगम वित्तीय वातावरण को उधारकर्ताओं और ऋणदाताओं के लिए अधिक

अनुकूल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका अदा कर सकते हैं और इस तरह निवेश को बढ़ावा देते हैं।

गैर-वित्तीय निगमों के मामले में, अधिक उधार लेने के चलते निजी और सरकारी संस्थाओं दोनों के संसाधनों की कमी 2018-19 में बढ़ी। वर्ष 2019-20 में, जहां पूंजी निर्माण में कमी के चलते निजी कॉर्पोरेट क्षेत्र से उम्मीद की जाती है कि वे अपने संसाधनों की कमी को कम करेंगे, वहीं सरकारी क्षेत्र का घाटा बढ़ने की संभावना है। महामारी की शुरुआत से पहले भी एनएफसी के तुलन पत्र का बहुत अधिक फायदा उठाया गया है। कार्यशील पूंजी संबंधी जरूरतों को पूरा करने के लिए रियायती ऋण, अतिरिक्त ऋण सीमा, एवं कैपेक्स की बहाली तथा पर्याप्त नकदी-प्रवाह व लाभ करने के लिए कर में छूट समेत कुछ नीतियों का मेल कॉर्पोरेट क्षेत्र के तुलन पत्र में दबाव को कम करने में निर्णायक साबित हो सकता है। सरकारी गैर-वित्तीय निगमों के तुलन पत्रों की बहाली पर विशेष रूप से ध्यान देने की जरूरत है। सरकार का घाटा प्रमुख रूप से कॉर्पोरेशन कर के तहत सकल राजस्व में गिरावट की वजह से और बढ़ने की उम्मीद है, जो कर की दरों में वर्ष के बीच हुई कटौती को दर्शाता है। वर्ष 2018-19 में हाउसहोल्ड्स के निवल वित्तीय अधिशेष में गिरावट का शेष क्षेत्रों पर वित्त की उपलब्धता में कमी के संदर्भ में प्रतिकूल प्रभाव पड़ा था। हाउसहोल्ड की बैंक जमाराशियों में वृद्धि और ऋणों एवं उधार में तेज गिरावट की वजह से 2019-20 में हाउसहोल्ड की वित्तीय बचत बेहतर होती प्रतीत होती है, जबकि बीमा और म्यूचुअल फंड में उनका निवेश गत वर्ष के समान स्तर पर रहा।

महामारी के विनाशकारी आर्थिक प्रभाव से बहाली की राह पर लौटते हैं तो सभी क्षेत्रों में संसाधनों का निर्बाध प्रवाह सुनिश्चित करना महत्वपूर्ण रहेगा। हाउसहोल्ड्स की ऐहतियातन बचत में वृद्धि की वजह से बैंक जमाराशियां बढ़ने की संभावना है, जबकि निवेश मांग कम होने के चलते ऋण लेने में कमी आने की संभावना है, नतीजतन अन्य निक्षेपागार निगमों के संसाधनों की कमी बढ़ जाती है। इसलिए, महामारी द्वारा बुरी तरह से प्रभावित क्षेत्रों में ऋण वितरण सुनिश्चित करने में वित्तीय बिचौलियों की भूमिका महत्वपूर्ण रहने वाली है। 2020-21 में झांककर देखें तो, कोविड-19 महामारी से व्यवहार में बदलाव आने की उम्मीद की जाती है, जैसे, नकदी और कार्ड आधारित लेनदेनों की तुलना में इंटरनेट आधारित लेनदेन में बढ़ोत्तरी।

संदर्भ

Aggarwal, D. K. (2017, February 24). "Buybacks hit six-year high in FY17; more companies are lining up offers", The Economic Times. <https://economictimes.indiatimes.com/markets/stocks/news/buybacks-hit-six-year-high-in-fy17-more-companies-are-lining-up-offers/articleshow/57328786.cms?from=mdr>

de Beer, B., Nhlapo, N., & Nhleko, Z. (2010). "A perspective on the South African flow of funds compilation—theory and analysis". *IFC Bulletin*, 33, 239-48.

IMF and Financial Stability Board (2016), "The Financial Crisis and Information Gaps, Second Phase of the G20 DGI-2 First Progress Report".

IMF and Financial Stability Board (2018), "The Financial Crisis and Information Gaps, Second Phase of the G20 DGI-2 Third Progress Report".

IMF and Financial Stability Board (2019), "The Financial Crisis and Information Gaps, G20 DGI-2 The Fourth Progress Report—Countdown to 2021."

Misra, Sangita, Samir Ranjan Behera, Kaushiki Singh and Saksham Sood (2020), "Provisional Accounts of Central Government Finances 2019-20: An Assessment", *RBI Bulletin*, June, 2020.

OECD (2017), "Understanding Financial Accounts", Edited by Peter Van De Ven and Daniele Fano, OECD Publishing, Paris.

Prakash, Anupam, Avdhesh Kumar Shukla, Anand Prakash Ekka and Kunal Priyadarshi (2018), "Quarterly Estimates of Households' Financial Assets and Liabilities", *RBI Bulletin*, March 2018.

Prakash, Anupam, Avdhesh Kumar Shukla, Anand Prakash Ekka, Kunal Priyadarshi and Chaitali Bhowmick (2019), "Financial Stocks and Flows of the Indian Economy 2011-12 to 2017-18", *RBI Bulletin*, July 2019.

Prakash, Anupam, Anand Prakash Ekka, Kunal Priyadarshi, Chaitali Bhowmick and Ishu Thakur (2020), "Quarterly Estimates of Households' Financial Assets and Liabilities", *RBI Bulletin*, June 2020.

Government of India (2018), "Report of the Committee on Financial Sector Statistics", Central Statistical Organisation, Ministry of Statistics & Programme and Implementation, Government of India.

RBI (2019a), "Annual Report 2018-19", Reserve Bank of India.

RBI (2019b), "Report on Trend and Progress of Banking in India 2018-19", Reserve Bank of India.

RBI (2017), "Annual Report 2016-17", Reserve Bank of India.

Sultana, Nasrin (2017, August 21), "Share buybacks poised to climb to a record ₹ 48,000 crore in 2017-18", Livemint. <https://www.livemint.com/Money/LAK14VcG9hi0Tsm5wUXUGO/Share-buybacks-poised-to-climb-to-a-record-Rs48000-crore-in.html>

Singh, Kaushiki, Saksham Sood, Kirti Gupta and Neeraj Kumar (2019), "Union Budget 2019-20: An Assessment", *RBI Bulletin*, September, 2019.

Tissot, B. (2016). "Development of financial sectoral accounts: New opportunities and challenges for supporting financial stability analysis"[Conference Paper]. 34th IARIW General Conference, Dresden, Germany.

कोविड-19 काल में चलनिधि प्रबंधन : कैसे रहे नतीजे*

कोविड-19 ने भारत के साथ-साथ दुनिया भर के बाजारों को गोल-गोल घुमाकर रख दिया। वित्तीय संस्थाओं में चलनिधि का दबाव बना, वित्तपोषण के स्रोतों तक पहुंच समाप्त हो गयी तथा नकदी का प्रवाह एवं कार्यशील पूंजी का चक्र बाधित हो जाने से कठिन वित्तीय स्थितियाँ उत्पन्न हुईं। इस परिस्थिति से निपटने के लिए रिजर्व बैंक ने कई पारंपरिक और गैर-पारंपरिक उपाय किए ताकि वित्तीय बाजारों में सुव्यवस्था फिर से लायी जा सके और वित्तीय मध्यस्थों के लिए सामान्य रूप से कामकाज की स्थितियाँ तैयार की जा सकें। इस आलेख में नीतिगत स्तर पर किए गए इन अभूतपूर्व प्रयासों के वास्तविक नतीजों को आधार बनाते हुए इनका मूल्यांकन किया गया है।

“भगवान करे तुम बुरे दौर के साक्षी बनो !”

यह एक प्राचीन चीनी अभिशाप है जिसके जन्मदाता का तो पता नहीं है, परंतु आधुनिक केंद्रीय बैंकों की स्थिति और उनकी प्रकृति को यह बहुत शिद्धत के साथ बयाँ करता है। एक के बाद एक संकट उन्हें उनके दैनंदिन अस्तित्व की अतल गहराइयों से दस्तक दे रहे हैं और उनसे जूझते हुए यदि एक बार समाधान तलाश भी लिया जाता है तो वे दोबारा सामने खड़े मिलते हैं। हाल के दशक में, इन संकटों की आवृत्ति और इनकी तीव्रता ने बहुत परेशान किया है और इसका परिणाम यह हुआ है कि केंद्रीय बैंकों से ही बार-बार सर्वप्रथम रक्षा कवच बनने की अपेक्षा की जाती रही है।

हालांकि, कोविड-19 वैश्विक महामारी से जिस संकट का विस्फोट हो रहा है, वैसा मानव इतिहास में पहले कभी नहीं हुआ। मानव जीवन का अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण तरीके से हो रहा विनाश और जिसे 'द ग्रेट लॉकडाउन' (आईएमएफ, 2020) की संज्ञा दी गयी है, उसके चलते हुई आर्थिक गतिविधियों की बर्बादी ने वित्तीय बाजारों में अत्यधिक अनिश्चितता ला दी है। भारत में वित्तीय बाजार चक्कर खाकर नीचे गिर गए हैं और नकदी का प्रवाह बाधित होने तथा कार्यशील पूंजी का चक्र टूट जाने से बहुत सी

* यह लेख भारतीय रिजर्व बैंक के वित्तीय बाजार परिचालन विभाग के राधा श्याम रथ और प्रदीप कुमार द्वारा तैयार किया गया है। सब्यसाची सारंगी द्वारा प्रदान की गई सहायता को भी कृतज्ञतापूर्वक स्वीकार किया जाता है। इस लेख में व्यक्त विचार लेखकों के हैं और वे भारतीय रिजर्व बैंक के विचारों का प्रतिनिधित्व नहीं करते।

वित्तीय संस्थाओं के सम्मुख या तो वित्त जुटाने के साधन बचे ही नहीं हैं या उन्हें अपेक्षाकृत अधिक लागत पर वित्त उपलब्ध हो पा रहा है और वे दबावग्रस्त हैं। ऐसे में रिजर्व बैंक ने तेजी से कदम उठाते हुए अग्रसक्रियता के साथ कई पारंपरिक और गैर-पारंपरिक उपाय किए ताकि वित्तीय बाजारों में सुव्यवस्था फिर से लायी जा सके। इस अभूतपूर्व नीतिगत साहसिक कदम को आधार मिला असाधारण मौद्रिक नीति निभाव से जिसके तहत मार्च 2020 से नीतिगत रिपो दर में 115 बीपीएस की कमी लायी जिसके बाद फरवरी 2019 से कुल संचयी कटौती 250 बीपीएस तक पहुँच गयी। ऐसा करने से, मौद्रिक नीति रुख के अनुसरण में सभी प्रकार की सावधि ब्याज दरों में नरमी आयी है, और इससे पहले की वित्तीय प्रणाली में दिवालियापन की स्थिति आ जाती, चलनिधि के अभाव को दूर कर लिया गया है।

इसी पृष्ठभूमि में, यह लेख उधार-लागत, विपणन-योग्य नए निर्गमों और वित्तपोषण की स्थितियों के संबंध में भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा उठाए गए कदमों के प्रभाव का विश्लेषण करने का प्रयास करता है। शेष आलेख को चार खंडों में विभाजित किया गया है। खंड II बैंकिंग प्रणाली में चलनिधि की स्थिति पर चर्चा की गयी है। खंड III मुद्रा बाजार से संबंधित है और खंड IV और V में क्रमशः सरकारी बॉन्ड बाजार और कॉर्पोरेट बॉन्ड बाजार के संबंध में रिजर्व बैंक द्वारा उठाए गए कदमों का आकलन किया गया है। खंड VI में इक्विटी बाजारों की मौजूदा स्थितियों पर विचार-विमर्श किया गया है और खंड VII में इस अद्वितीय अनुभव से मिली सीख के साथ-साथ कुछ नीतिगत परिप्रेक्ष्य रखते हुए निष्कर्ष प्रस्तुत किया गया है।

II. चलनिधि की स्थिति

बैंकिंग प्रणाली की चलनिधि का तात्पर्य बैंकों, प्रमुख वित्तीय मध्यस्थों के पास उपलब्ध आरक्षित निधि के साथ-साथ केंद्रीय बैंक की चलनिधि तक उनकी आसान पहुँच से है। किसी भी दिन विशेष में जब रिजर्व बैंक की लिक्विडिटी विंडो पर बैंकिंग प्रणाली निवल उधारकर्ता होती है तो कहा जाता है कि प्रणाली में चलनिधि की कमी है (अर्थात् आरक्षित निधि उधार के लिए प्रणाली में माँग धनात्मक हो जाती है)। इसके विपरीत, जब रिजर्व बैंक की लिक्विडिटी विंडो पर बैंकिंग प्रणाली निवल उधारदाता होती है तो कहा जाता है कि प्रणाली में चलनिधि का अधिशेष है (अर्थात् आरक्षित निधि उधार के लिए प्रणाली में माँग ऋणात्मक हो जाती है)।

बॉक्स -1: संशोधित चलनिधि प्रबंधन ढांचा

चलनिधि प्रबंधन वह प्रक्रिया है जिसके माध्यम से मौद्रिक नीति का परिचालन किया जाता है, और इसके तहत बैंकिंग प्रणाली में पर्याप्त चलनिधि सुनिश्चित करने का प्रयास किया जाता है और इसे इस प्रकार तैयार किया जाता है कि यह मौद्रिक नीति संचरण की दिशा में बढ़ने वाले प्रथम चरण, अर्थात्, नीतिगत दर में किए जाने वाले परिवर्तनों का अंतर-बैंक माँग-मुद्रा दर जो कि केंद्रीय बैंक आरक्षित निधि का बाजार होती है, के संचरण में सहायक बने। चूंकि मौद्रिक नीति के सफल संचालन के लिए चलनिधि का परिचालन प्रभावी तरीके से करना आवश्यकता होता है, अतः चलनिधि प्रबंधन ढांचे को तैयार करने और लागू करने में पर्याप्त सावधानी बरतने की आवश्यकता होती है।

विमुद्रीकरण की अवधि के दौरान चलनिधि के प्रबंधन संबंधी परिचालनों के दौरान प्राप्त अनुभव के आधार पर यद्यपि यह साबित हो चुका था कि वर्ष 2014 में रिजर्व बैंक द्वारा लागू किया गया चलनिधि प्रबंधन ढांचा अत्यंत मजबूत और आघातक्षम है, तथापि चलनिधि प्रबंधन ढांचे की समीक्षा करना आवश्यक समझा गया था। तदनुसार, जैसा कि विकासात्मक और विनियामक नीतियों पर 06 जून, 2019 के वक्तव्य में आंतरिक कार्य समूह (आईडब्लूजी) के गठन की घोषणा की गयी और उसे यह कार्य सौंपा गया कि वह विद्यमान चलनिधि प्रबंधन ढांचे की समीक्षा उसे सरल बनाने के उद्देश्य से करे और चलनिधि प्रबंधन के लक्ष्यों को स्पष्ट रूप से संप्रेषित कर सके और इसके लिए प्रयोज्य उपाय सुझा सके। आईडब्लूजी की रिपोर्ट 26 सितंबर 2019 को रिजर्व बैंक की वेबसाइट पर प्रकाशित की गयी थी और इस पर हितधारकों तथा जनसामान्य के विचार भी आमंत्रित किए गए थे।

प्राप्त प्रतिक्रियाओं के आधार पर मौजूदा चलनिधि प्रबंधन ढांचे को अधिक प्रभावी बनाने का निर्णय लिया गया। संशोधित ढांचे की खास बातें इस प्रकार हैं:-

- भविष्य में भी परिचालन भारित औसत माँग दर (डब्लूएसीआर) को लक्ष्य मानते हुए किया जाएगा।
- डब्लूएसीआर को एकल परिचालन लक्ष्य बनाए जाने के साथ ही, निवल मांग और सावधि देनदारियों (एनडीटीएल) के एक प्रतिशत के समतुल्य चलनिधि का प्रावधान करने का एकतरफा लक्ष्य निर्दिष्ट करने की अपरिहार्यता को समाप्त कर दिया गया और

दैनिक नियत दर रिपो और चार 14-दिवसीय रिपो परिचालन जो हर पखवाड़े में किए जाते थे, उन्हें वापस ले लिया गया।

- बाजार इस बात को लेकर आश्चर्य थे कि मौजूदा और उभरती बाजार स्थितियों की ज़रूरत के मुताबिक रिजर्व बैंक नीतिगत दर पर या उसके आसपास चलनिधि की समुचित उपलब्धता / अवशोषण सुनिश्चित करेगा और इसमें किसी तरह के मात्रात्मक प्रतिबंध नहीं लगाए जाएंगे।
- चलनिधि आवश्यकताओं की पूर्ति में आ रही बाधाओं का प्रबंधन करने के लिए प्रमुख चलनिधि प्रबंधन उपाय के तौर पर परिवर्ती दर वाले 14-दिवसीय रिपो / रिवर्स रिपो परिचालन को लाया गया जो इस प्रकार किए जाने थे कि वे नकदी आरक्षित अनुपात (सीआरआर) के रखरखाव चक्र के साथ मेल खाते हों। आरक्षित निधि रखरखाव अवधि के दौरान चलनिधि की स्थिति में होने वाले किसी भी अप्रत्याशित परिवर्तन से पार पाने के लिए मुख्य चलनिधि परिचालन की सहायता हेतु समर्थक परिचालनों- रात्रिपर्यंत और/अथवा उससे भी अधिक अवधि के लिए- का प्रावधान किया गया।
- एकल प्राथमिक व्यापारियों (एसपीडी) को सभी रात्रिपर्यंत चलनिधि प्रबंधन परिचालनों में सहभागिता करने की अनुमति दी गयी।
- रिजर्व बैंक के चलनिधि प्रबंधन फ्रेमवर्क और प्रक्रियाओं संबंधी जानकारी के प्रसार को बेहतर बनाने के लिए - (क) मुद्रा बाजार परिचालनों का ब्योरा देने वाली प्रेस प्रकाशनी में संशोधन करते हुए इसमें रिजर्व बैंक के चलनिधि संबंधी परिचालनों के दैनिक प्रवाह के प्रभाव के साथ-साथ स्टॉक पर पड़ने वाले प्रभाव को भी शामिल किया जाने लगा; और, (ख) बैंकिंग प्रणाली की टिकाऊ चलनिधि स्थितियों के अर्धमासिक मात्रात्मक मूल्यांकन को एक पखवाड़े के अंतराल के साथ प्रकाशित किया जाने लगा।

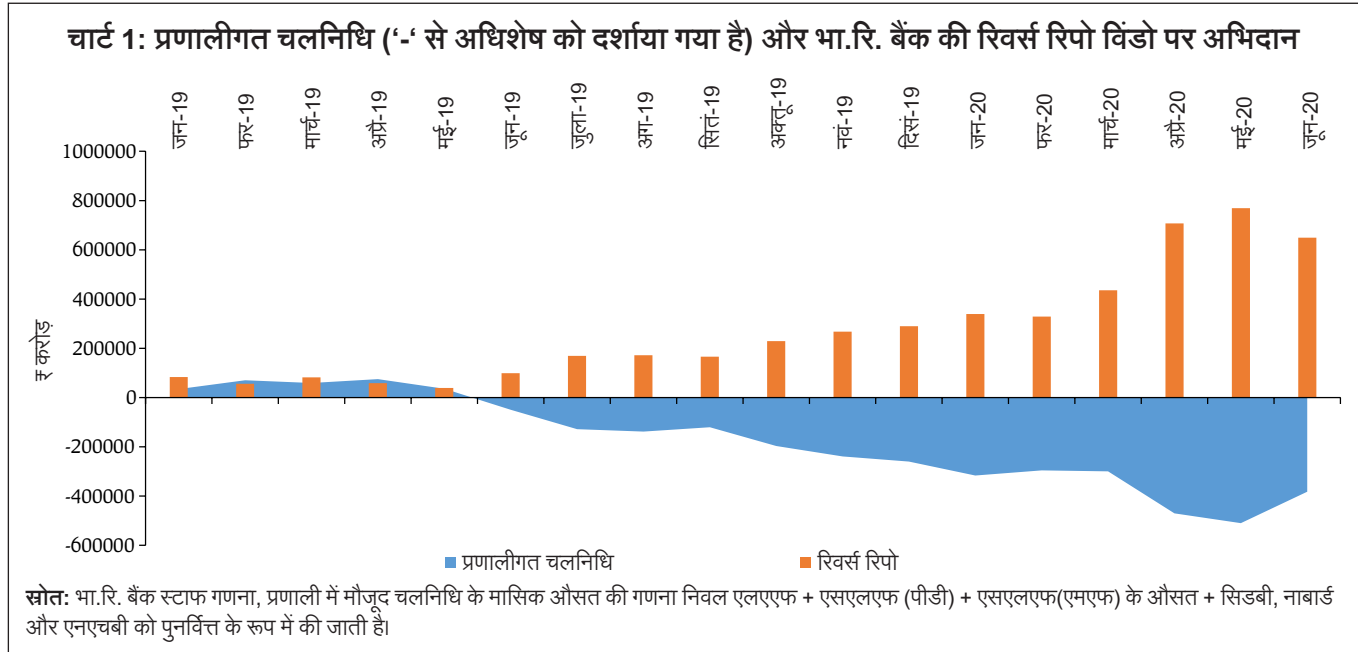
उपर्युक्त संशोधित चलनिधि प्रबंधन ढांचे के आधार पर, रिजर्व बैंक ने चलनिधि सुविधाओं का एक पूरा सेट प्रकाशित किया और इसमें अल्पावधि/क्षणिक चलनिधि और टिकाऊ चलनिधि का प्रबंधन करने के लिए किए जाने वाले उपायों का स्पष्ट निर्देश किया गया था।

है)। निवल-चलनिधि समायोजन सुविधा (लैफ) की स्थिति से प्रणाली में चलनिधि की स्थिति की द्योतक होती है¹। रिजर्व बैंक हर दिन अपने मुद्रा बाजार परिचालन (एमएमओ) प्रेस प्रकाशनी में

चलनिधि की स्थिति से जुड़े इन महत्वपूर्ण आंकड़ों को प्रकाशित करता है।

प्रणालीगत चलनिधि, जो वर्ष 2019 की शुरुआत में मामूली घाटे में थी, मई 2019 तक अधिशेष में बदल गई। जुलाई 2019 से बढ़ते-बढ़ते यह अधिशेष निवल दैनिक औसत आधार पर ₹1 लाख करोड़ तक बढ़ गया और उसके बाद कई गुना बढ़ा। फरवरी 2020 से, रिजर्व बैंक बैंकिंग प्रणाली से दैनिक औसत आधार पर लगभग ₹3 लाख करोड़ अवशोषित कर रहा था (चार्ट1)। तभी

¹ चलनिधि समायोजन सुविधा (एलएएफ) एक संपार्श्विक सुविधा है जिसके अंतर्गत आरबीआई विभिन्न कालावधियों के लिए रिपो नीलामी (चलनिधि के अंतर्वेशन के लिए) तथा रिवर्स रिपो नीलामी (चलनिधि के अवशोषण के लिए) करता है। मौजूदा चलनिधि प्रबंधन ढांचे के तहत, एलएएफ के अंतर्गत किए जाने वाले परिचालनों का उपयोग चलनिधि की स्थिति को संशोधित करने और रात्रिपर्यंत ब्याज दर को नियंत्रित करने के लिए किया जाता है। नेट-एलएएफ की गणना प्रणाली द्वारा लिए गए रिपो उधार (जिसमें सीमांत स्थायी सुविधा (एमएसएफ) एवं अन्य विशेष परिचालनों के तहत लिए गए उधार भी शामिल हैं) में से रिवर्स रिपो को घटाकर की जाती है।



कोविड-19 का संक्रमण फैल गया। 11 मार्च 2020 आते-आते, विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने वैश्विक महामारी की घोषणा कर दी; 25 मार्च तक, भारत में लॉकडाउन शुरू हो गया। रिजर्व बैंक ने अत्यधिक सक्रियता दिखाना प्रारंभ किया। अपनी पहले से निर्धारित द्विमासिक बैठकों के कार्यक्रम को नजरअंदाज करते हुए मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) ने 24 से 27 मार्च 2020 और 20 से 22 मई, 2020 को बैठकें कीं और नीतिगत दरों में 115 आधार अंकों की कटौती के पक्ष में मतदान किया जो कि 135 आधार अंकों की उस कटौती के अतिरिक्त थी जो फरवरी 2019 से जनवरी 2020 के बीच पहले ही की जा चुकी थी, इसके परिणामस्वरूप नीतिगत दर में कुल कटौती 250 बीपीएस पर पहुँच गयी। वित्तीय स्थितियों जारी दबाव में इसके बाद जो कमी आयी उससे अनुकूल वित्तीय स्थितियाँ निर्मित हुईं और ऐसे बहुत से उपायों को लागू करने का मार्ग प्रशस्त हुआ जिनसे निम्नलिखित में वृद्धि की जा सके -

- (1) प्रणाली में उपलब्ध चलनिधि
- (2) क्षेत्र विशेष को वित्तपोषण
- (3) संस्था-स्तरीय चलनिधि; तथा,
- (4) लिखत-स्तरीय चलनिधि (अनुलग्नक -1)

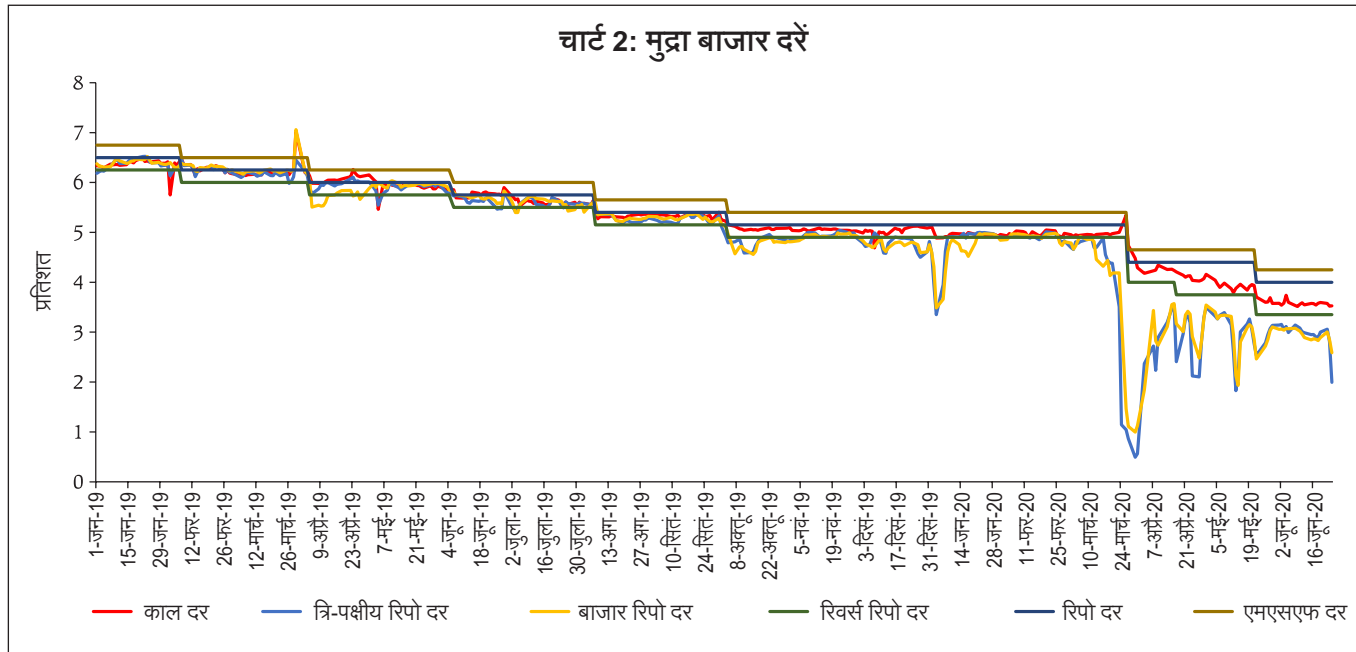
III. मुद्रा बाजार

रिजर्व बैंक द्वारा एलएएफ विंडो के माध्यम से प्रदत्त समर्थन के बल पर मुद्रा बाजार में अधिशेष चलनिधि भरपूर मात्रा में बनी

रही है। एलएएफ की निवल स्थिति, जो लगभग 2019-20 की चौथी तिमाही के दौरान औसतन ₹3.0 लाख करोड़ थी, वह 2020-21 की पहली तिमाही (22 जून 2020 तक) बढ़कर औसतन ₹4.7 लाख करोड़ हो गयी। वास्तव में, रिजर्व बैंक को चलनिधि के दैनिक अवशोषण संबंधी परिचालन करने पड़े हैं और इसके लिए रात्रिपर्यंत रिवर्स रिपो विंडो में जमा की जाने वाली औसत धनराशि को तीन गुना बढ़ाया गया - समान अवधि के औसतन ₹2.4 लाख करोड़ से बढ़ाकर ₹7.0 लाख करोड़ किया गया।

प्रचुर मात्रा में अधिशेष चलनिधि के कारण, भारत औसत रात्रिपर्यंत मुद्रा बाजार दर (डब्ल्यूएमएम) पॉलिसी कॉरिडोर के निचले स्तर पर पहुँच गयी, अर्थात् रिपो दर के बजाय रिवर्स रिपो दर पर। इसके अलावा, त्रि-पक्षीय रिपो रेट (TREPS) और मार्केट रिपो रेट लगातार रिवर्स रिपो रेट से कम बनी हुई हैं (चार्ट 2)। भारत औसत कॉल मनी दर (डब्ल्यूएसीआर) जिसका औसत जनवरी-मार्च 2020 के दौरान रिपो दर से 17 बीपीएस कम था, वह अप्रैल-जून 2020 के दौरान 37 बीपीएस नीचे गिर गयी। औसत दर रिपो दर और ट्रेप्स दर के बीच का औसत अंतराल जो जनवरी-मार्च 2020 के दौरान 72 बीपीएस था, अप्रैल-जून 2020 के दौरान विस्तृत होकर 135 बीपीएस हो गया।

अगस्त 2018 में, इन्फ्रास्ट्रक्चर लीजिंग एंड फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड (आईएल & एफएस), जो कि एक गैर-बैंकिंग

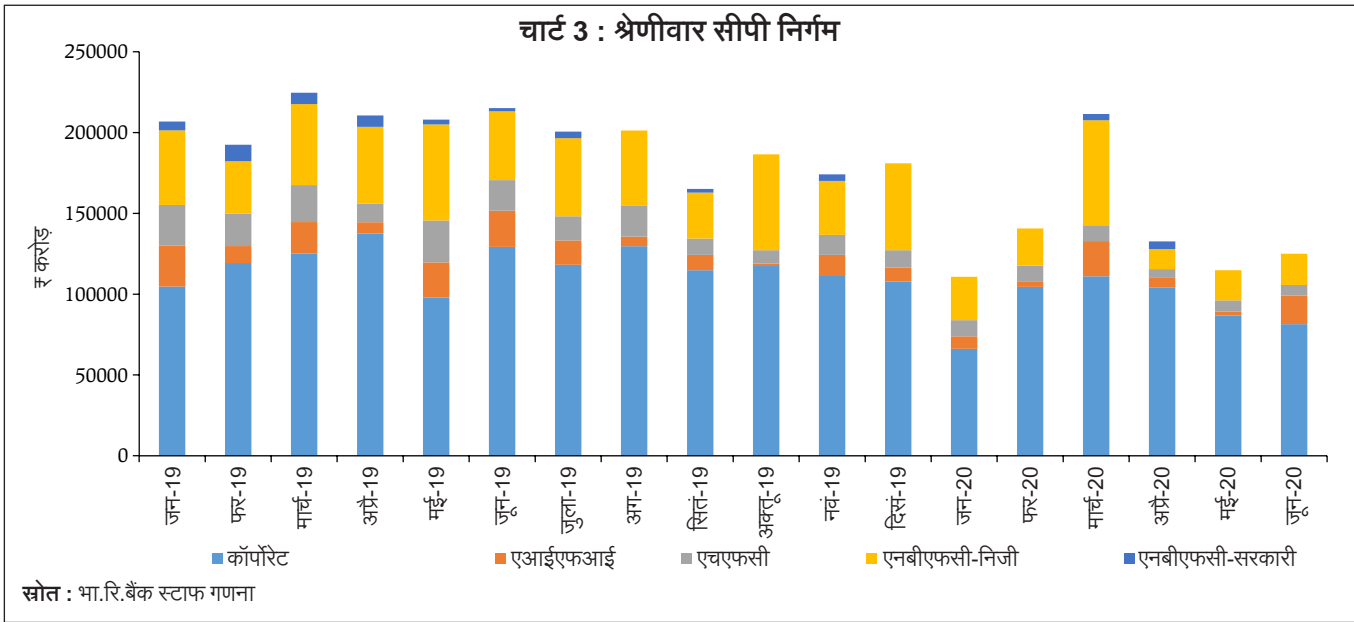


वित्तीय कंपनी (एनबीएफसी) है, उसने अपने वाणिज्यिक पत्र (सीपी) दायित्वों में चूक की। इस चूक के कारण उन एनबीएफसी की वित्तपोषण संरचना और आस्ति-देयता में बेमेल देखा गया जिनकी संवीक्षा की जा रही थी और जब 2019 में एक बड़ी आवास वित्त कंपनी का पतन हुआ तब इन चिंताओं ने आवास वित्त फाइनेंस (एचएफसी) को भी अपने घेरे में ले लिया। इसके परिणामस्वरूप हुई चूकों / संचारी आशंकाओं से शेयर बाजारों में बिकवाली शुरू हो गयी और एनबीएफसी (एचएफसी सहित) पर खास नज़र रखी जाने लगी, विशेष रूप से उनके जोखिमों, आस्तियों के प्रतिकूल चयन तथा दीर्घकालिक आस्तियों का वित्तपोषण अल्पकालिक देनदारियों से किए जाने पर। बाजार आम तौर पर किसी भी एनबीएफसी और एचएफसी में जोखिम लेने को तैयार नहीं था और खास तौर पर उनमें तो बिलकुल नहीं जिन्हें अधिक कमजोर माना जा रहा था। वित्त वर्ष 2018-19 की दूसरी छमाही से, वित्तपोषण की लागत बढ़ जाने और कुछेक मामलों में बाजार तक पहुंच आंशिक रूप से कम हो जाने के परिणामस्वरूप ऐसी एनबीएफसी और एचएफसी में चलनिधि का दबाव बना।

रिज़र्व बैंक स्थिति की गंभीरता को भाँपते हुए तत्काल कदम उठाया और कुछ चुनिंदा ने तात्कालिकता की भावना के साथ काम किया और कुछ चुनिंदा एनबीएफसी और एचएफसी द्वारा जारी किए गए बॉण्ड्स के लिए आंशिक ऋण वृद्धि प्रदान करने की अनुमति वाणिज्यिक बैंकों को दी गयी, बैंकों द्वारा एनबीएफसी

और एचएफसी को दिए गए वृद्धिशील बकाया ऋण के बराबर राशि की सरकारी प्रतिभूतियाँ, जो बैंकों के पास मौजूद हैं, उन्हें स्तर-1 उच्च गुणवत्ता वाली तरल आस्तियों (एचक्यूएलए) के रूप में मान्यता दी गयी, तथा खुले बाजार परिचालन (ओएमओ) और टर्म रिपो के माध्यम से चलनिधि अंतर्वेशन की गति और उसकी मात्रा बढ़ाई गयी। बाह्य वाणिज्यिक उधार (ईसीबी) के लिए पात्र उधारकर्ताओं की सूची को भी विस्तारित करते हुए इसमें एचएफसी को शामिल किया गया और बुनियादी ढांचे के क्षेत्र की ईसीबी के लिए औसत परिपक्वता अवधिक संबंधी अपेक्षा को 5 वर्ष से घटाकर 3 वर्ष कर दिया गया। वर्ष 2019 में लगातार उदारतापूर्वक चलनिधि का प्रावधान और नीतिगत नरमी के फलस्वरूप बाजार में वित्तपोषण की स्थितियों को स्थिर बनाने में मदद मिली।

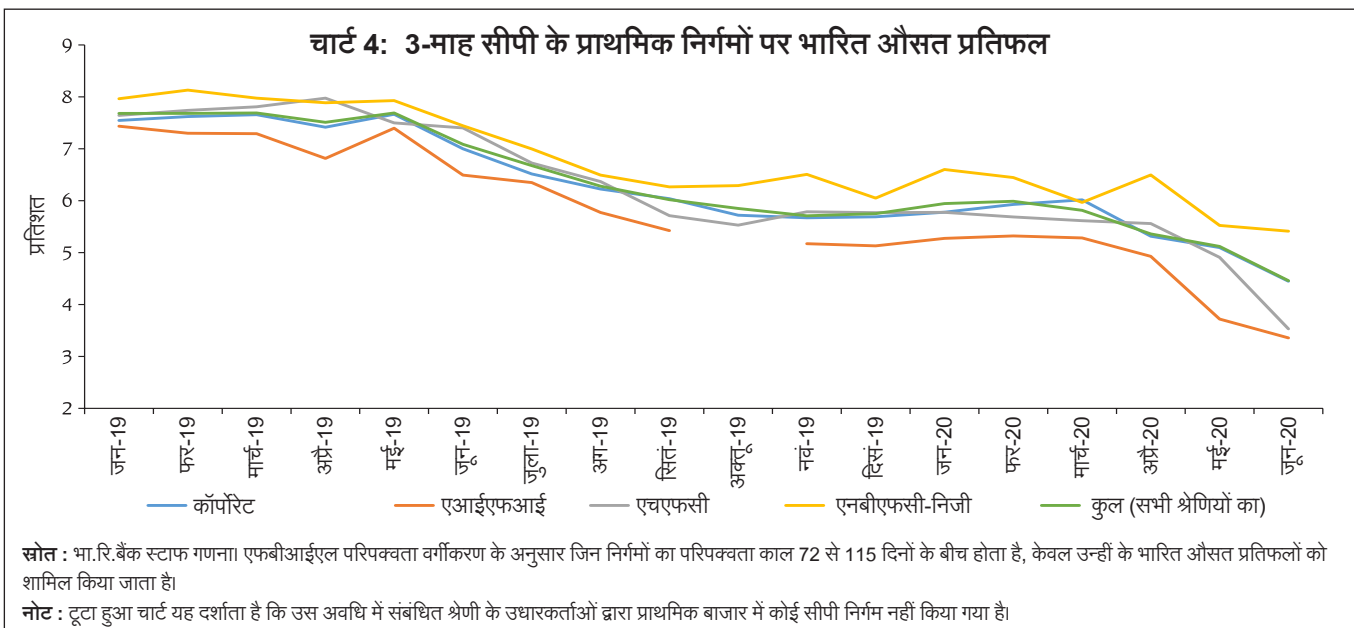
जहाँ तक अर्थव्यवस्था में आम तौर पर विद्यमान मंदी के कारण कॉर्पोरेट इकाइयों के सम्मुख मौजूद अल्पकालिक वित्तपोषण की समस्या का प्रश्न है, जनवरी और फरवरी 2020 में सभी श्रेणी के उधारकर्ताओं द्वारा नये सीपी जारी करने में कमी आई थी। 3-माह वाले सीपी के प्रतिफल में पिछले महीने की तुलना में जनवरी 2020 में वृद्धि भी हुई, विशेष रूप से निजी एनबीएफसी के मामले में। हालाँकि, रिज़र्व बैंक द्वारा किए गए नीतिगत हस्तक्षेप के परिणामस्वरूप, मार्च 2020 में पिछले माह की तुलना में सीपी निर्गम में 50 प्रतिशत का सुधार देखा गया। अन्य ब्याज दरों की ही तरह, प्राथमिक बाजार में सीपी (3-माह)



का प्रतिफल भी गिरा है और अखिल भारतीय वित्तीय संस्थानों (एआईएफआई) और एचएफसी के लिए तो ब्याज दरें और भी ज्यादा गिरते हुए रात्रिपर्यंत नीतिगत दर से भी नीचे आ गयी हैं (चार्ट 3 और 4)।

कुल बकाया सीपी, जो 31 जुलाई 2018 तक ₹6.88 लाख करोड़ के थे, उनमें 39 प्रतिशत की गिरावट आयी और वे 30 अप्रैल 2020 तक ₹ 4.17 लाख करोड़ रह गए, मुख्य रूप से निजी एनबीएफसी और एचएफसी के मामले में। कॉर्पोरेट्स और एआईएफआई के निर्गमों में सामान्यतया कोई बदलाव नहीं आया।

बकाया सीपी, विशेष रूप से, निजी एनबीएफसी के सीपी में 71 प्रतिशत की गिरावट आयी और ये 31 जुलाई 2018 के ₹2.22 लाख करोड़ से गिरकर 30 अप्रैल 2020 तक ₹ 64,253 करोड़ रह गए (रितुराज और अन्य 2020)। इस प्रकार, ब्याज दरें अपेक्षाकृत कम रहने से जहाँ कॉर्पोरेट और एआईएफआई को उनके अल्पकालिक लिखतों पर निरंतर लाभ हो रहा है, वहीं एनबीएफसी और एचएफसी को अल्पकालिक वित्तपोषण पर अपनी निर्भरता कम करनी पड़ी है। यदि यह बदलाव लंबे समय तक बना रहा तो, खास तौर पर ऐसी एनबीएफसी के जो



इंफ्रास्ट्रक्चर और अन्य दीर्घावधिक वित्तपोषण की गतिविधियों से संबद्ध हैं, तथा एचएफसी के तुलन-पत्रों की प्रकृति को देखते हुए, इस क्षेत्र को मजबूती मिलेगी जो बहुत जरूरी है।

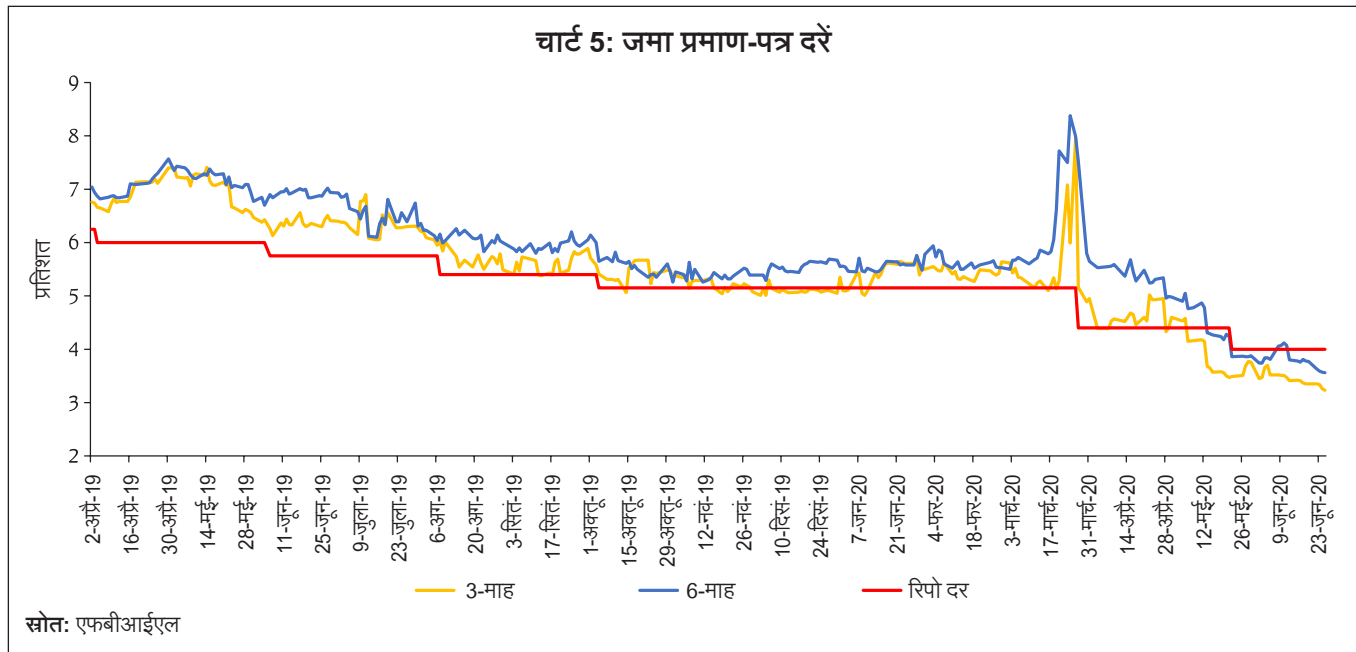
जमा प्रमाण-पत्रों (सीडी) पर भी ब्याज दरों में कमी आयी है और ये वित्तपोषण के महत्वपूर्ण अल्पावधि लिखत होते हैं, विशेष रूप से उन बैंकों के लिए जिनका चालू और बचत खाता (कासा) आधार कम है। 3 और 6 माह के सीडी पर प्रतिफल की दरें नीतिगत दर से नीचे आ गयी है। पिछले कुछ दिनों तो 3-महीने की सीडी पर प्रतिफल दर वस्तुतः रिवर्स रिपो दर से भी नीचे आ गयी थी (चार्ट 5)। चूंकि नीतिगत दरों में लायी गयी नरमी ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है और बैंकिंग प्रणाली में अधिशेष चलनिधि ने वित्तपोषण के साधन के रूप में सीडी पर बैंकों की निर्भरता को कम कर दिया है।

प्रणाली में मौजूद अधिशेष चलनिधि के वर्तमान स्तर से यह सुनिश्चित हुआ है कि अल्पकालिक दरों पर नियंत्रण बना रहे और ये नीतिगत रिपो दर के सापेक्ष नरम बनी रहें जिससे मौद्रिक नीति के सकारात्मक संचरण में सहायता मिले और बाजार स्पेक्ट्रम के दूसरे संविभागों पर भी इसका प्रभाव पड़े।

IV. सरकारी प्रतिभूति बाजार और जोखिम मुक्त वक्र

जैसा कि खण्ड III में उल्लेख किया जा चुका है, नीतिगत दरों में होने वाले किसी भी परिवर्तन के संचरण में पहला पड़ाव अंतर-बैंक माँग-मुद्रा दर होती है। इसके बाद, यह आवेग अपेक्षाकृत लंबी अवधि के जोखिम-मुक्त ब्याज दरों और अन्य व्यापारिक वित्तीय लिखतों से होते हुए अंततः ऋण और जमा दरों में संचलित होता है।

कोविड-19 से पहले, सरकारी राजस्व प्राप्तियों में आयी गिरावट के फलस्वरूप राजकोषीय लक्ष्यों को प्राप्त न कर पाने की चिंता के कारण सरकारी प्रतिभूति (जी-सेक) बाजार में अटकलों का बाजार गर्म रहा, वस्तु और सेवा कर (जीएसटी) का अनुमान से कम संग्रह तथा विनिवेश प्राप्तियों में लक्ष्य की तुलना में रहे अंतराल, और अतिरिक्त उधारियों के अंदेश ने बाजार में चिंता का माहौल बनाए रखा। परिणाम यह हुआ कि जी-सेक बाजार के ज़रिए होने वाला मौद्रिक नीति संचरण पिछड़ गया और आधा-अधूरा रहा। फरवरी और दिसंबर 2019 के बीच नीतिगत रिपो दर में 135 आधार अंकों की कमी की तुलना में 10-वर्षीय बेंचमार्क प्रतिभूति के प्रतिफल में केवल 88 आधार अंकों की गिरावट देखी गयी। दिसंबर 2019 में दर कटौती में रोक लगाने के एमपीसी के



निर्णय से बाजार थम सा गया क्योंकि बाजार दर में कटौती के लिए टकटकी लगाए हुए था। जिस दिन एमपीसी के निर्णय की घोषणा की गई, उस दिन 10-वर्षीय बेंचमार्क का प्रतिफल 14 बीपीएस (6.47 प्रतिशत से 6.61 प्रतिशत) तक बढ़ गया और 19 दिसंबर 2019 तक बढ़कर 6.75 प्रतिशत तक पहुंच गया। जहां चलनिधि अधिशेष के कारण प्रतिफल कर्व का अल्पावधि परिणाम ठहरा रहा, वहीं पेपर की अतिरिक्त आपूर्ति की आशंका के कारण दीर्घावधि प्रतिफल में सख्ती देखने को मिली। चूंकि सभी बाजार लिखतों का प्रतिफल जी-सेक प्रतिफल कर्व से कम होता है, इसलिए सरकारी प्रतिभूतियों के प्रतिफल में वृद्धि कॉर्पोरेट बॉन्ड और अन्य लिखतों के प्रतिफल पर समान प्रभाव डालती है, जो बाजार पहुंच को बाधित करती है और नीतिगत ढील के प्रभाव को कम करती है।

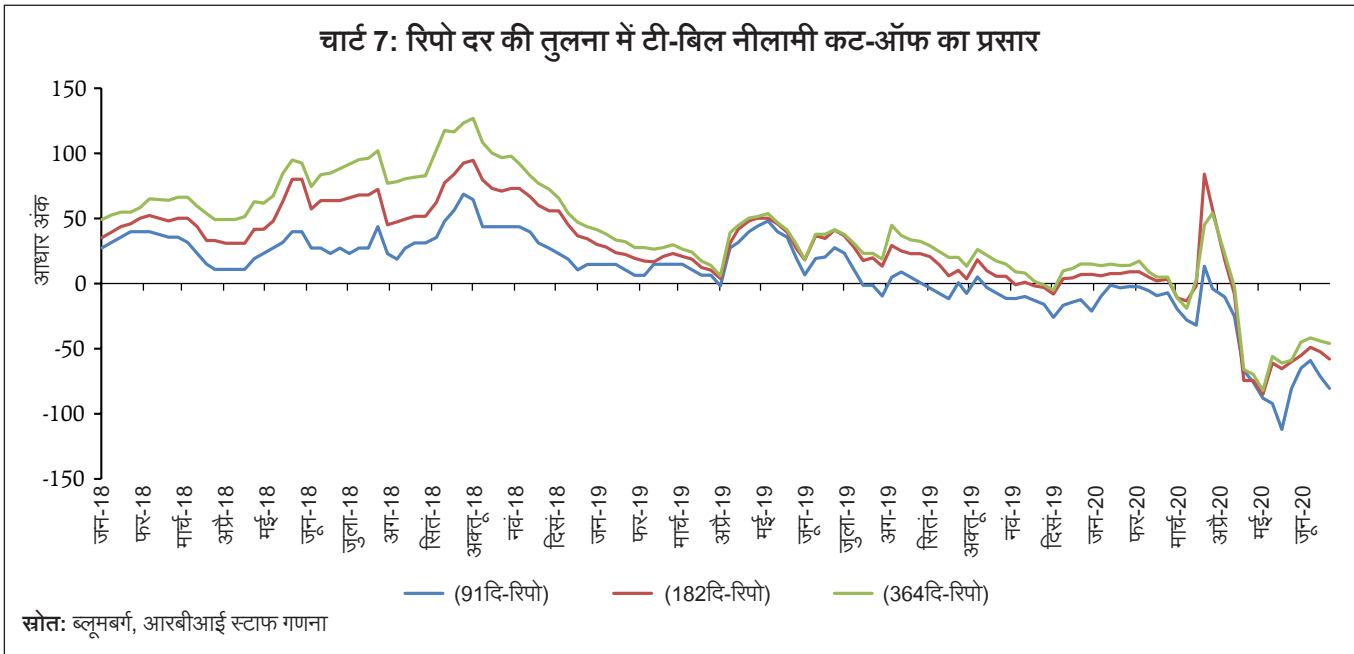
इस गतिरोध को दूर करने के लिए, रिजर्व बैंक ने विशेष ओएमओ² का संचालन करने का निर्णय लिया, जिसमें लंबी अवधि की दिनांकित प्रतिभूतियों की एक साथ खरीद और अल्प-अवधि वाली प्रतिभूतियों की बिक्री शामिल है। इस तरह के पहले परिचालन की घोषणा 19 दिसंबर 2020 को की गई थी। घोषणा का स्वतः प्रभाव वांछित असर पर देखने को मिला था और घरेलू बॉन्ड का प्रतिफल अगले दिन ही घट गया और 10-वर्षीय बेंचमार्क प्रतिफल 15 बीपीएस घटकर 6.60 प्रतिशत पर बंद हुआ। 01

फरवरी 2020 को केंद्रीय बजट घोषणा के बाद, 10-वर्षीय प्रतिफल में तेजी से गिरावट आई क्योंकि कुछ चुनिंदा जी-सेक विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) के लिए पूरी तरह से खोल दिए गए और बजट में कोई अतिरिक्त उधारी की घोषणा नहीं की गई। रिजर्व बैंक ने 06 फरवरी 2020 के विनियामक और विकासात्मक नीति वक्तव्य में 1-वर्ष और 3-वर्ष की अवधि के दीर्घावधि रिपो परिचालन (एलटीआरओ) के माध्यम से संशोधित चलनिधि प्रबंधन फ्रेमवर्क (बॉक्स -1) और अतिरिक्त चलनिधि अंतर्वेशन की घोषणा करके प्रतिफल में गिरावट का समर्थन किया। 10-वर्षीय बेंचमार्क प्रतिफल 06 फरवरी 2020 को 1-3 वर्षीय प्रतिफल में गिरावट के साथ-साथ 6.45 प्रतिशत पर बंद हुआ। पूर्वव्यापीकरण में, यह नीति में ढील और चलनिधि उपायों का संयोजन था जिसके कारण जी-सेक पर प्रतिफल एक दशक से अधिक में अपने निम्नतम स्तर तक गिर गया था (चार्ट 6)।

प्रचुर मात्रा में चलनिधि ने अल्पावधि जी-सेक प्रतिफल को नीतिगत रिपो दर के करीब ला दिया। वास्तव में, प्राथमिक निर्गमों में 3 महीने के टी-बिल की कटौती आम तौर पर मार्च 2020 से रिवर्स रिपो दर से कम रही है। द्वितीयक बाजार में देखे तो फरवरी 2020 में एलटीआरओ की घोषणा के बाद से 3-माह के टी-बिल के प्रतिफल में लगभग 183 बीपीएस की गिरावट आई है। एलटीआरओ की घोषणा के बाद से 3-वर्षीय जी-सेक के प्रतिफल

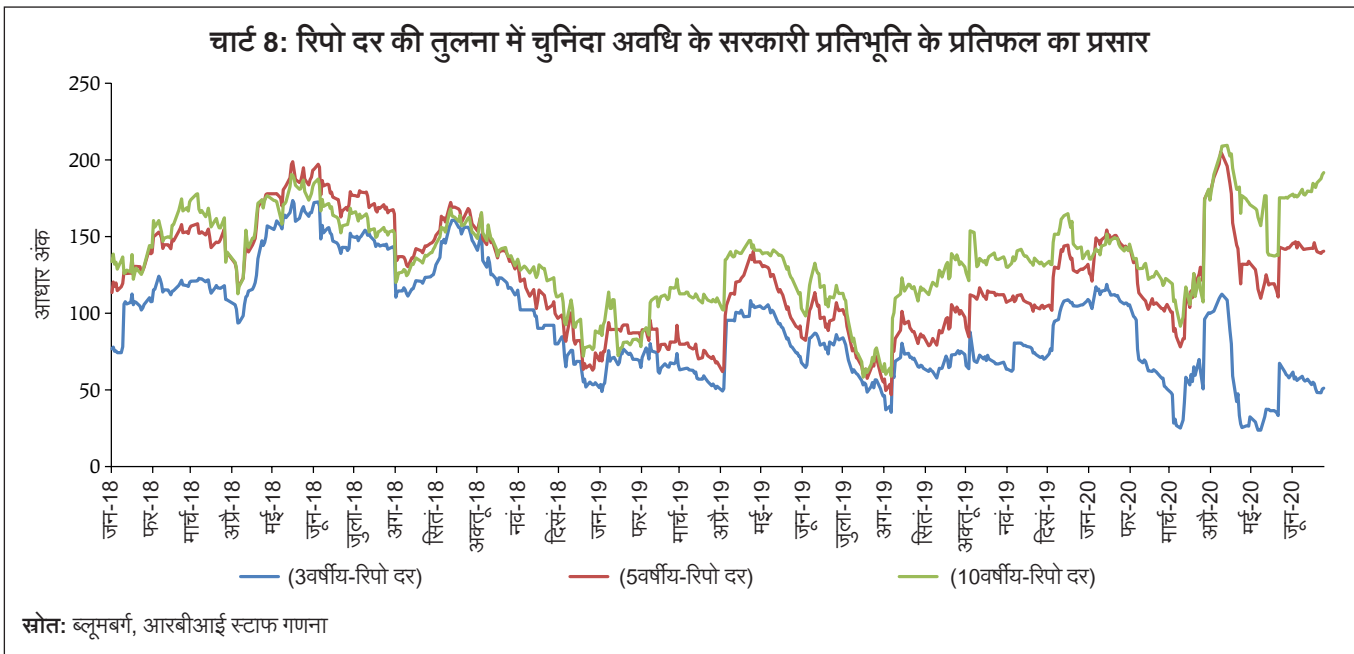


² फेडरल रिजर्व द्वारा इसी प्रकार के परिचालन पहले किए जा चुके थे और उन्हीं को देखते हुए मीडिया तथा बाजार में इन परिचालनों को 'ऑपरेशन ट्विस्ट' नाम दिया गया।



में भी 163 बीपीएस की गिरावट आई है, जिसको इस लिखत की अवधि (3 वर्ष तक) से फायदा मिला। नीतिगत रिपो दर में टी-बिल³ प्रतिफल के प्रसार के रूप में परिभाषित एक वर्ष तक का सावधि प्रीमियम अप्रैल 2020 के मध्य से नकारात्मक हो गया (चार्ट 7)। दूसरी ओर, दीर्घावधि जी-सेक प्रतिफल और रिपो दर के बीच का प्रसार भी अप्रैल 2020 में एक और विशेष ओएमओ

आयोजित किए जाने के बाद गिर गए हैं, जो मई/जून 2018 में उच्च स्तर के नजदीक थे। फिर भी, कोविड-19 की वजह से सरकार द्वारा अतिरिक्त उधार लेने के कारण टी-बिल के प्रतिफल के साथ दीर्घावधि दरें उस हिसाब से कम नहीं हुई हैं (चार्ट 8)। इससे जी-सेक प्रतिफल घट गया है। 2वर्षीय-10वर्षीय प्रसार, जिसने 11 मई 2020 को अतिरिक्त सरकारी उधार की घोषणा के



³ टी-बिल मुद्रा बाजार लिखत हैं और इसीलिए ये प्रणाली में व्याप्त चलनिधि स्थितियों के प्रति अत्यधिक संवेदनशील होते हैं।

सारणी 1: सरकारी प्रतिभूति प्रतिफल (बीपीएस) की विभिन्न अवधि के बीच प्रसार

अवधि	02 अप्रैल 2019	01 जुलाई 2019	01 अक्टूबर 2019	01 जनवरी 2020	02 अप्रैल 2020	25 जून 2020
2वर्ष-5वर्ष	35	49	61	64	102	104
3वर्ष-7वर्ष	48	33	43	36	116	140
5वर्ष-10वर्ष	40	11	36	10	2	53
2वर्ष-10वर्ष	75	60	97	74	104	158

स्रोत: ब्लूमबर्ग, आरबीआई स्टाफ गणना

बाद 173 बीपीएस को छू लिया था, 25 जून 2020 को गिरकर 158 बीपीएस तक पहुंच गया है (सारणी 1)।

08 मई 2020 को भारत सरकार ने अपने बजटीय अनुमान (बीई) को संशोधित किया और घोषणा की कि वह 2020-21 में ₹7.80 लाख करोड़ के बजाय ₹12 लाख करोड़ उधार लेगी। राज्यों के लिए वर्ष के लिए उधार सीमा जीएसडीपी के 5 प्रतिशत से बढ़ाकर 3 प्रतिशत कर दी गई। राज्यों द्वारा ली गयी अतिरिक्त उधारी का एक हिस्सा चिन्हित बेंचमार्क के विरुद्ध उनके प्रदर्शन पर आकस्मिक होगा। सरकारी उधारियों में वृद्धि और लॉकडाउन के कारण राजस्व में काफी हानि के बावजूद, जी-सेक बाजार रिजर्व बैंक के लक्षित हस्तक्षेपों के कारण सुदृढ़ और स्थिर बना हुआ है, जिसमें एलटीआरओ के तहत ₹1.61 लाख करोड़ की ओएमओ खरीद और ऑपरेशन ट्विस्ट शामिल हैं। इस वर्ष की

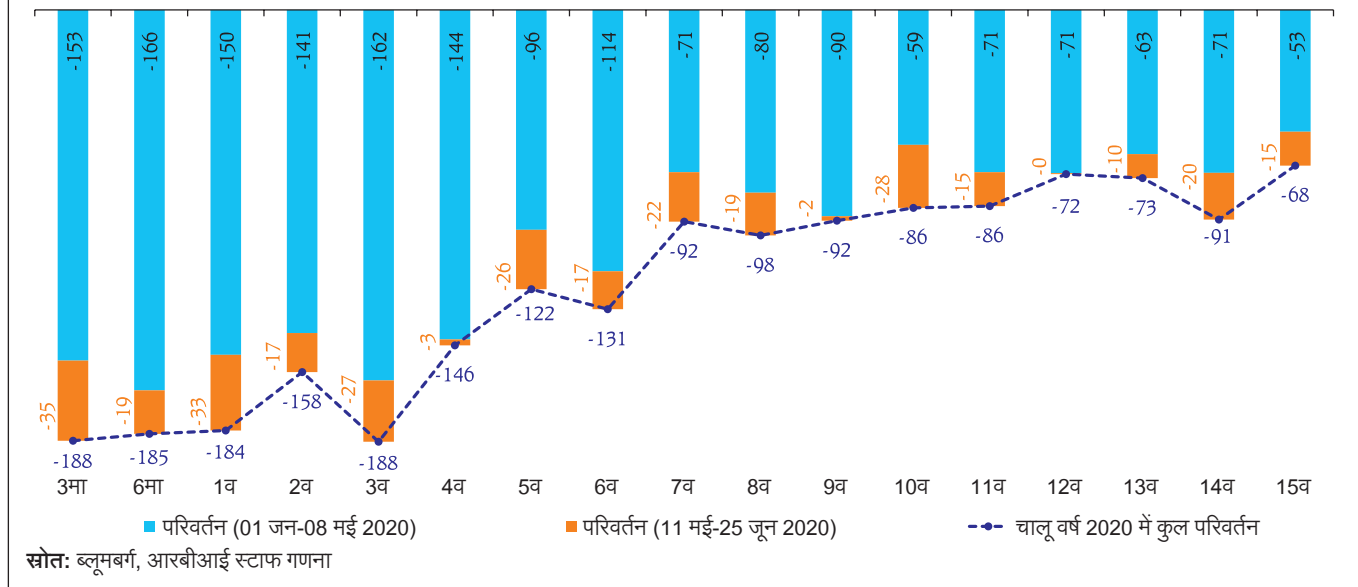
शुरुआत के बाद से दोनों 3-माह और 3-वर्षीय प्रतिफल में 188 बीपीएस की गिरावट आई है, 7-वर्षीय प्रतिफल में 92 बीपीएस, 10-वर्षीय प्रतिफल में 86 बीपीएस और 15-वर्षीय प्रतिफल में 68 बीपीएस की गिरावट आई है (चार्ट 9)।

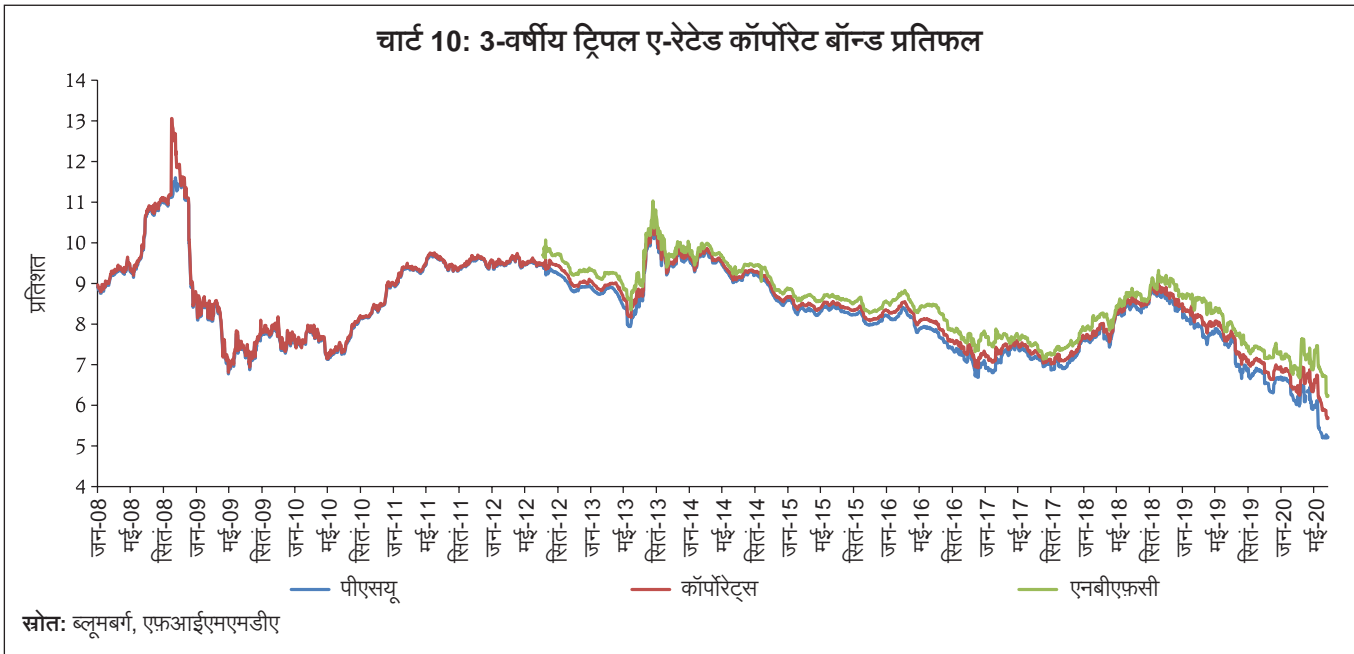
बाजार परिचालन के अलावा, रिजर्व बैंक ने केंद्र और राज्य सरकारों को इस महत्वपूर्ण समय में सहयोग प्रदान करने के लिए कई अतिरिक्त कदम भी उठाए हैं। केंद्र और राज्य सरकारों के अर्थोपाय अग्रिमों (डब्ल्यूएमए) की सीमाएं बढ़ा दी गई हैं ताकि उन्हें अपने अतिरिक्त उधारियों की योजना बनाने के लिए समय दिया जा सके। राज्यों के समेकित ऋण-शोधन निधि (सीएसएफ) से निकासी के मानदंडों में ढील दी गयी है ताकि अतिरिक्त उधारियों का सहारा लिए बिना मोचन दबाव के प्रबंधन को सक्षम बनाया जा सके।

V. कॉर्पोरेट बॉन्ड मार्केट

कॉर्पोरेट बॉन्ड बाजार निजी क्षेत्र के लिए वित्तपोषण का एक महत्वपूर्ण स्रोत है। एक सक्रिय कॉर्पोरेट बॉन्ड बाजार दीर्घावधि वित्तीय आस्तियों वाले संस्थागत निवेशकों जैसे कि बीमा कंपनियों और भविष्य एवं पेंशन निधियों के लिए अवसर भी प्रदान करता है, ताकि उनकी देनदारियों का मिलान किया जा सके (आरबीआई, 2016)।

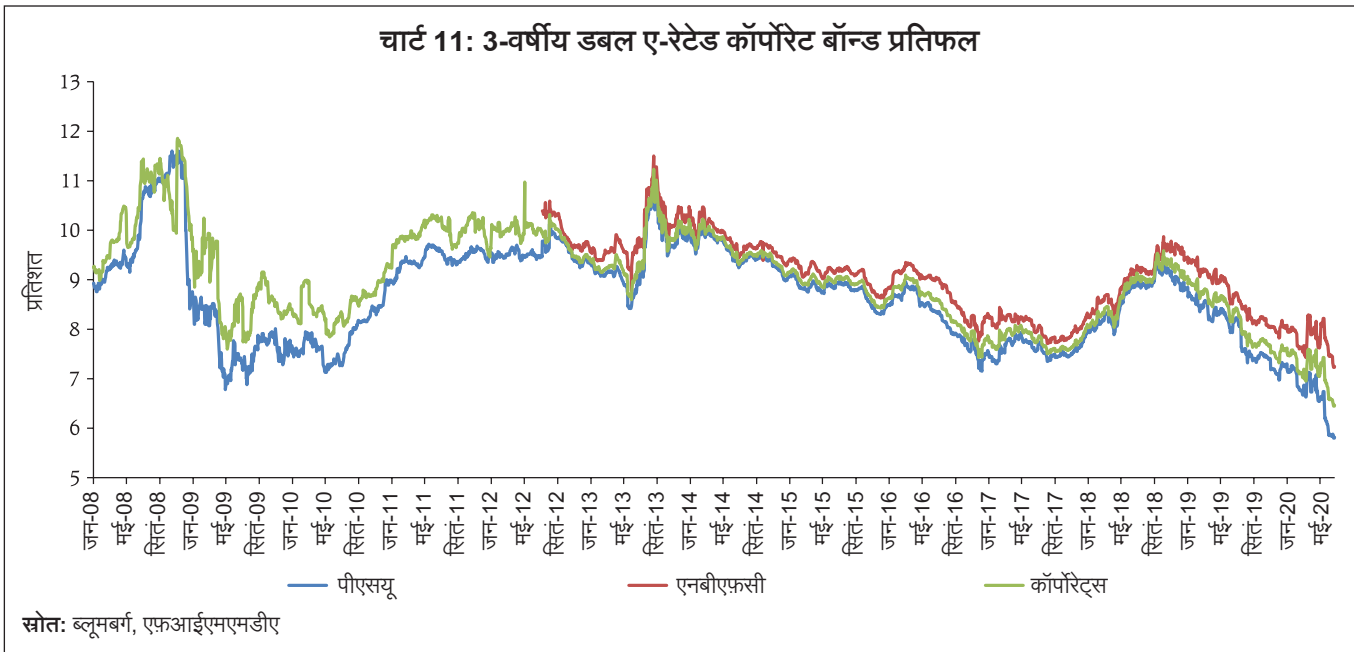
चार्ट 9: सरकारी प्रतिभूति प्रतिफल में परिवर्तन (आधार अंक)





वित्तीय स्थितियां सख्त होने की वजह से बेहतर रेटिंग प्राप्त कॉर्पोरेट बॉन्ड के प्रतिफल, जिसमें 2013 के कटौती के त्रास भरे दौर से लेकर 2017 के अंत तक गिरावट देखी गयी थी, 2018 के शुरुआत से धीरे-धीरे बढ़ने लगी थी। 2018 के आईएल एंड एफएस की घटना के बाद कॉर्पोरेट बॉन्ड मार्केट को एक बड़ा झटका लगा, जिसने एनबीएफसी और एचएफसी के बाजार पहुंच पर प्रतिकूल प्रभाव डाला।

प्रतिफल में वृद्धि न सिर्फ बाजार तक पहुंचने के लिए जारीकर्ताओं की क्षमता को बाधित करती है; बल्कि यह मौजूदा निवेशकों को भी प्रभावित करता है क्योंकि बॉन्ड की कीमतें गिरती हैं। इसलिए, निवेशकों के बीच एक व्यापक जोखिम विमुखता व्याप्त रही है, भले ही वर्ष 2019 के दौरान कॉर्पोरेट बॉन्ड के प्रतिफल नीचे की ओर थे (चार्ट 10 और 11)।



कोविड-19 के बढ़ने और उसके परिणामस्वरूप हुए राष्ट्र-व्यापी लॉकडाउन से कॉर्पोरेट बॉन्ड बाजार में चलनिधि एवं ऋण जोखिम प्रीमियम में तेजी आ गयी क्योंकि निवेशकों में राजस्व स्रोतों में हानि की वजह से चूक का डर व्याप्त था। जोखिम विमुखता ने द्वितीयक बाजारों में भागीदारी को बाधित किया। जहां एलटीआरओ ने कॉर्पोरेट बॉन्ड मार्केट तक पहुंच को आसान कर दिया, वहीं रिजर्व बैंक ने 27 मार्च 2020 को कॉर्पोरेट बॉन्ड मार्केट में उच्चतर चलनिधि प्रीमियम से निपटने के लिए ₹1.0 लाख करोड़ के लक्षित दीर्घावधि रिपो परिचालन (टीएलटीआरओ) की घोषणा की। इस सुविधा के तहत बैंकों द्वारा लिए गए 3-वर्षीय निधियों को बाजार के प्राथमिक और द्वितीयक दोनों खंडों में निवेश ग्रेड कॉर्पोरेट बॉन्ड, सीपी और गैर-परिवर्तनीय डिबेंचर (एनसीडी) की नयी खरीद में विनियोजित किया जाना था।

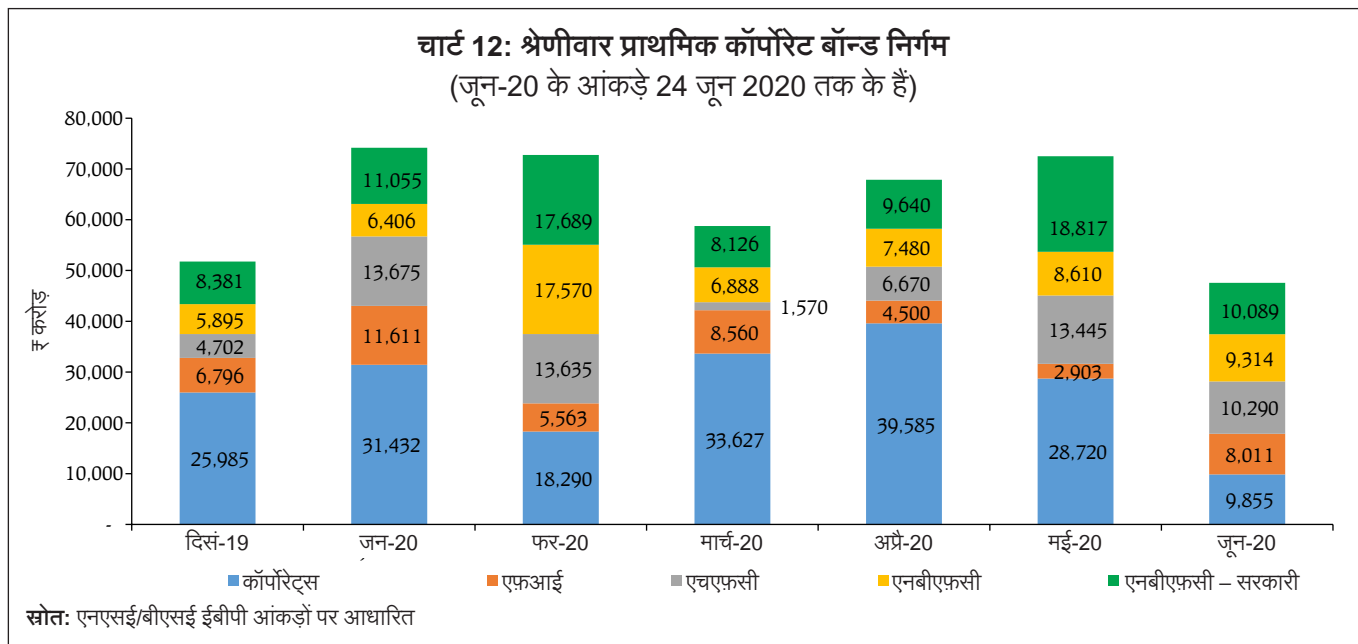
अप्रैल, मई और जून 2020 के दौरान, बाजार पहुंच और अधिक व्यापक हो गई और सभी श्रेणी की संस्थाएं प्राथमिक बाजार तक पहुंचने में सक्षम हो गईं (चार्ट 12)। कुल प्राथमिक निर्गमों में जहां एक महीने पहले की तुलना में मार्च 2020 में लगभग 20 प्रतिशत की गिरावट आई थी, वहीं अप्रैल 2020 में 15 प्रतिशत और मई 2020 में 7 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गयी और यह बढ़कर ₹73,000 करोड़ तक पहुँच गया जो तीन महीने का उच्च स्तर है।

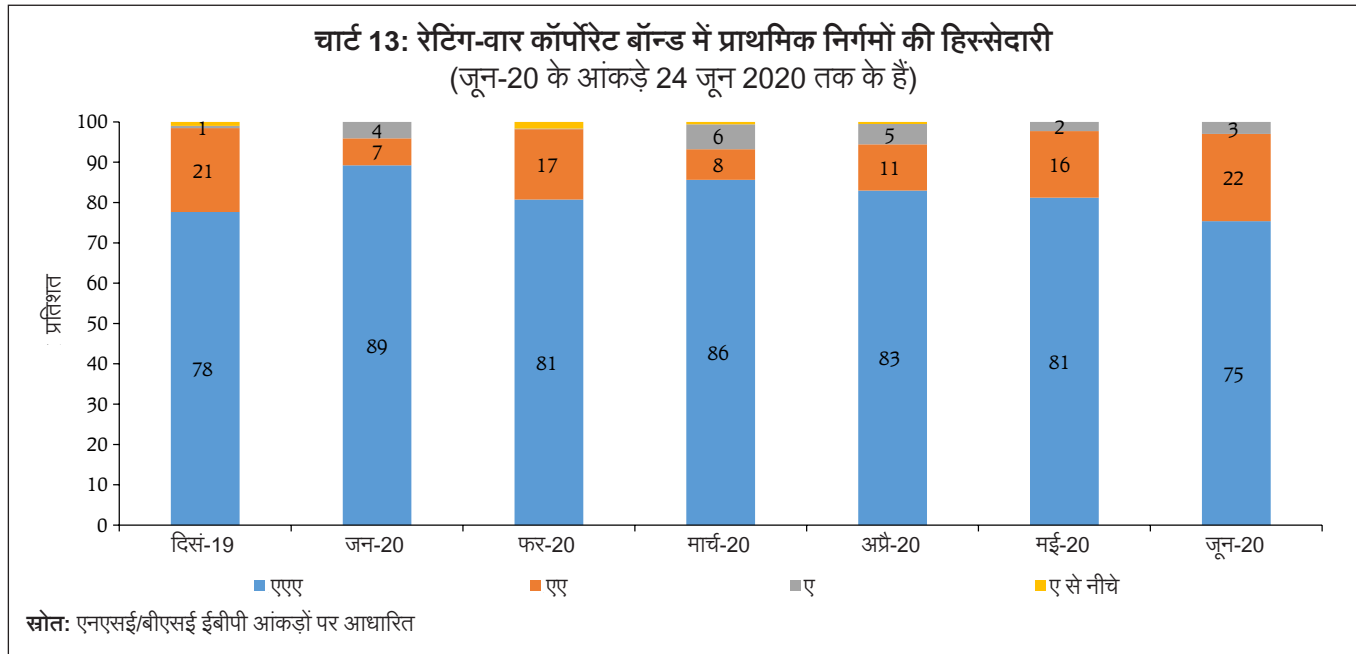
2-3 वर्षीय समूह (टीएलटीआरओ निधियां 3-वर्ष की अवधि के लिए उपलब्ध थी) में कॉर्पोरेट बॉन्ड निर्गमों के भारत

औसत दर मार्च 2020 के स्तर की तुलना में से अप्रैल में लगभग 150 बीपीएस कम थी (ऋतुराज एवं अन्य, 2020)। प्रतिफल में यह गिरावट उस अवधि में कॉर्पोरेट बॉन्ड की आपूर्ति में वृद्धि के बावजूद हुई थी। अप्रैल 2020 में जारी कुल निर्गमों का लगभग 74 प्रतिशत 2-3 वर्षीय समूह में था, जबकि फरवरी और मार्च 2020 के दौरान ये क्रमशः लगभग 41 प्रतिशत और 24 प्रतिशत थे, जो स्पष्ट रूप से टीएलटीआरओ के प्रभाव को दर्शाता है।

जहां भारत में कॉर्पोरेट बॉन्ड मार्केट पारंपरिक रूप से ट्रिपल ए- रेटेड संस्थाओं का गढ़ रहा है, वहीं शोधपरक साक्ष्यों से पता चलता है कि हाल ही में रिजर्व बैंक के उपाय निवेशकों के जोखिम प्रवृत्ति को फिर से जगाने में सफल रहे। उन महीनों में जब एलटीआरओ/टीएलटीआरओ के तहत बैंकों द्वारा ली गयी निधियों का विनियोजन किया जा रहा था, तो यहां तक कि गैर-ट्रिपल ए रेटेड संस्थाएं भी बाजार तक पहुंच बनाने में सक्षम थीं। फरवरी 2020 में, जब एलटीआरओ का आयोजन किया गया था, तो गैर-ट्रिपल ए रेटेड निर्गमों की हिस्सेदारी जनवरी 2020 में 11 प्रतिशत से बढ़कर 19 प्रतिशत हो गई। इसी तरह, जब अप्रैल-मई 2020 में टीएलटीआरओ निधि का विनियोजन किया जा रहा था, तो गैर-ट्रिपल ए रेटेड निर्गमों की हिस्सेदारी काफी ज्यादा थी (चार्ट 13)।

रिजर्व बैंक ने 17 अप्रैल 2020 को टीएलटीआरओ 2.0 की घोषणा की, जिसमें एनबीएफसी और सूक्ष्म वित्त संस्थानों





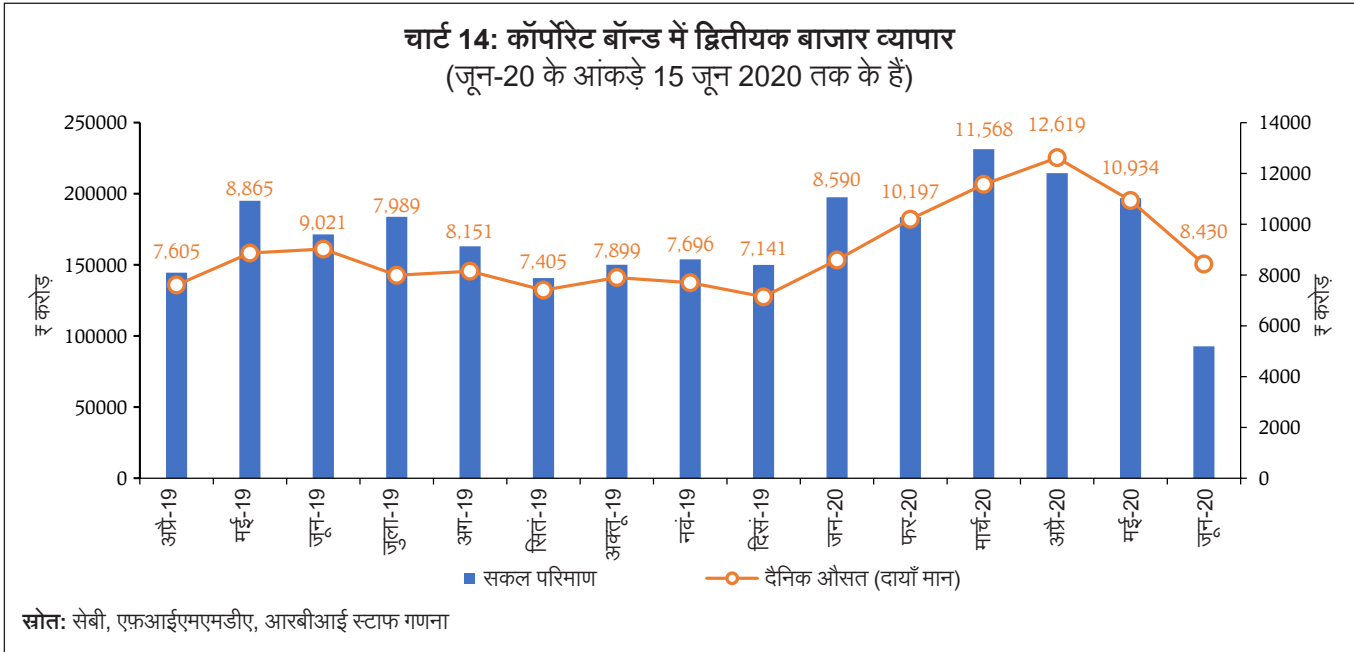
(एमएफआई) सहित लघु एवं मध्यम आकार के कॉर्पोरेट्स को चलनिधि प्रदान की गई। टीएलटीआरओ 2.0 के तहत प्राप्त निधि को निवेश ग्रेड बांड, सीपीसी और एनबीएफसी के एनसीडी में विनियोजित किया गया था। सबसे महत्वपूर्ण बात यह थी कि प्राप्त हुई कुल निधि का कम से कम 50 प्रतिशत एमएफआई और छोटे एनबीएफसी द्वारा जारी प्रतिभूतियों/लिखतों में निवेश किया जाना अनिवार्य था। इससे गैर-ट्रिपल ए रेटेड उधारकर्ताओं की हिस्सेदारी में सुधार हुआ और यह मई 2020 में 19 प्रतिशत से बढ़कर जून में 25 प्रतिशत हो गया।

इसके अतिरिक्त, रिजर्व बैंक ने एआईएफआई, अर्थात्, राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड), भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक (सिडबी), राष्ट्रीय आवास बैंक (एनएचबी) और भारतीय निर्यात-आयात बैंक (एक्विजम) को कुल ₹65,000 करोड़ की राशि की विशेष पुनर्वित्त सुविधा प्रदान की, ताकि वे अर्थव्यवस्था की क्षेत्रवार ऋण जरूरतों को पूरा करने में सक्षम हो सकें। इस सुविधा ने टीएलटीआरओ 2.0 के माध्यम से किए गए लक्षित चलनिधि प्रावधान में इजाफा कर दिया तथा बैंकस्टॉप का काम किया और कृषि एवं ग्रामीण क्षेत्र, छोटे उद्योगों, एचएफसी, एनबीएफसी और एमएफआई की वित्त पोषण आवश्यकताओं को पूरा करने में मदद की। 07 जुलाई 2020 तक नाबार्ड ने पुनर्वित्त सुविधा के तहत ₹25,000 करोड़ में से ₹22,000 करोड़ और

एनएचबी ने ₹9,537 करोड़ (₹10,000 करोड़ में से) का लाभ उठाया था। सिडबी द्वारा अब तक ₹7,935 करोड़ का कुल लाभ उठाया गया था, जबकि एक्विजम बैंक ने अभी तक इस सुविधा के तहत पुनर्वित्त का लाभ नहीं उठाया है। इस ऋण व्यवस्था ने उस समय राहत और वित्त प्रदान किया जब बाजार की पहुंच बाधित थी और इन संस्थाओं/क्षेत्रों के लिए जोखिम विमुखता बहुत बढ़ गयी थी।

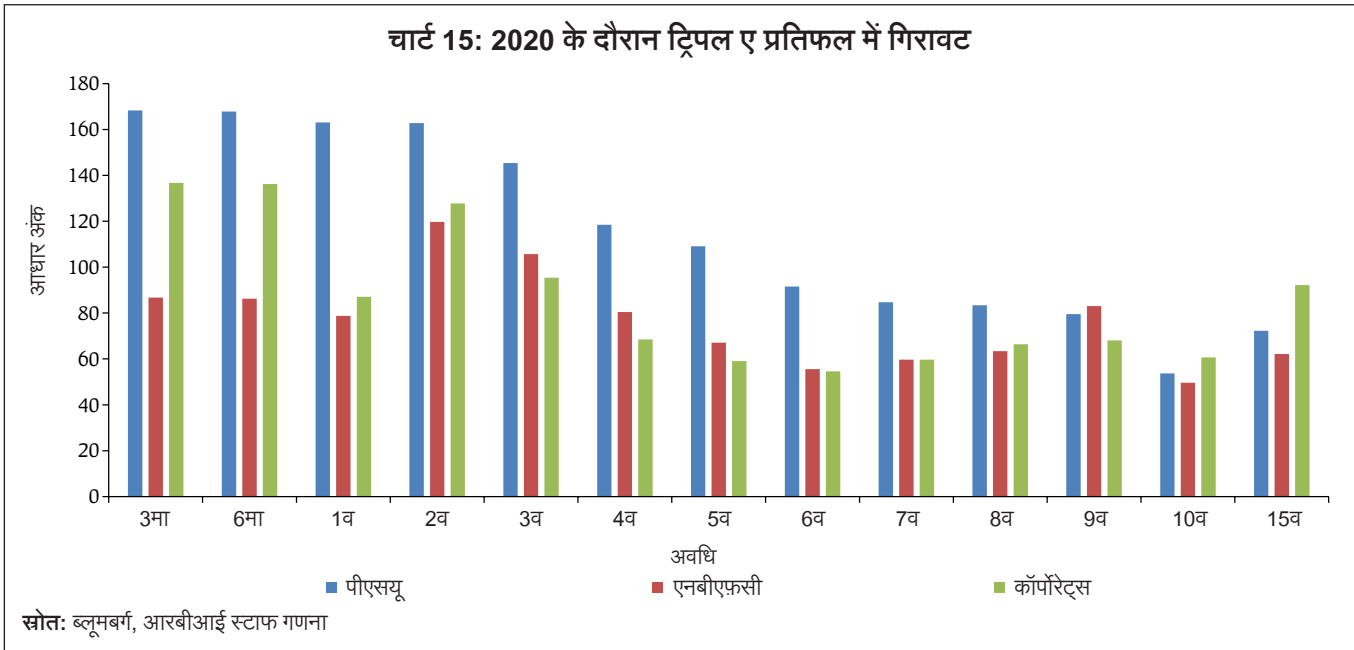
टीएलटीआरओ निधियों के कुछ अंश के द्वितीयक बाजार में निवेश करने की होड़ की प्रतिक्रिया में, दैनिक औसत द्वितीयक बाजार के व्यापार मात्रा में दिसंबर 2019 की तुलना में अप्रैल 2020 में 77 प्रतिशत की तेज वृद्धि दर्ज की गई। द्वितीयक बाजार में मासिक व्यापार की मात्रा 2008 के बाद मार्च और अप्रैल 2020 के दौरान पहली बार ₹2 लाख करोड़ के पार हो गई (चार्ट 14)।

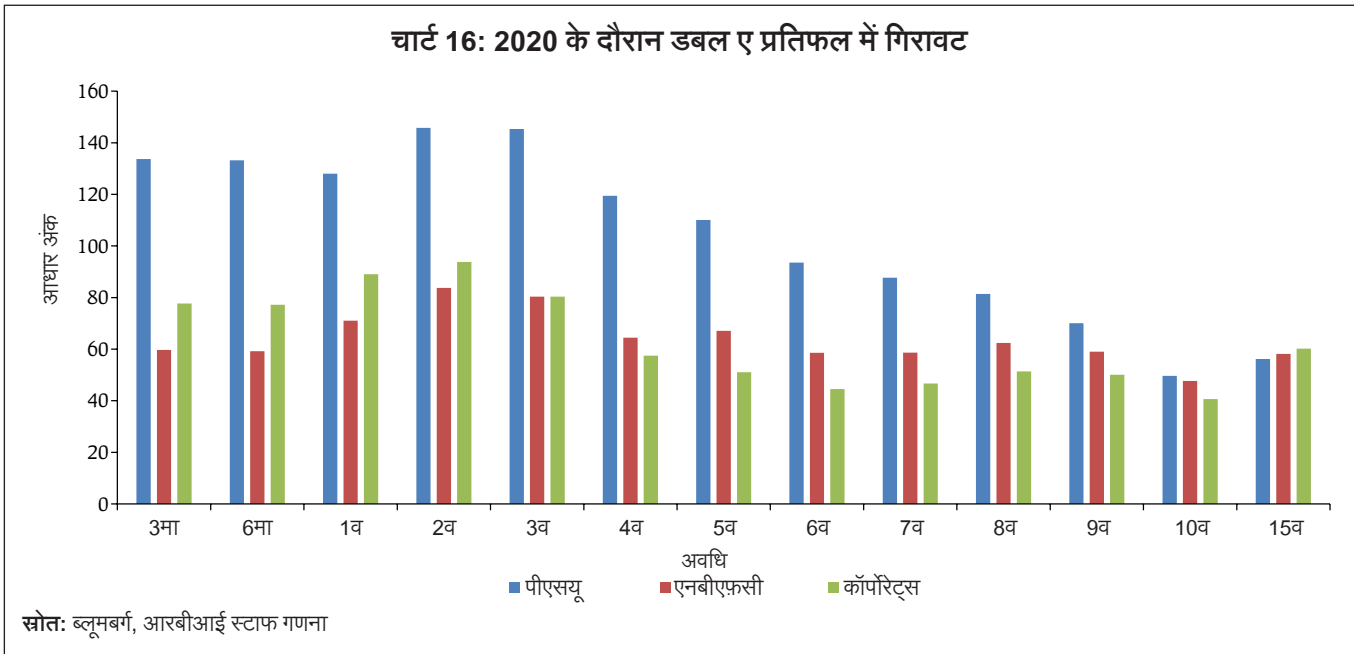
नीतिगत ढील के साथ-साथ असीमित (एलटीआरओ) और लक्षित लिखतों (टीएलटीआरओ) के माध्यम से चलनिधि के प्रावधान ने ट्रिपल ए एवं डबल ए-रेटेड उधारकर्ताओं के लिए उधारी की लागत को एक दशक में उसके निम्नतम स्तर तक कम करने में मदद की है और दोनों श्रेणियों में प्रतिफल भी घटा है (चार्ट 15 और 16)। ट्रिपल ए प्रतिफल में गिरावट जी-सेक के समान है, जिसमें अल्पावधि प्रतिफल दीर्घावधि प्रतिफल के



बनिस्पत ज्यादा गिरती है। हालांकि, डबल ए-रेटेड संस्थाओं के लिए, 2-3 वर्ष की अवधि में प्रतिफल में सबसे अधिक गिरावट आई है। इससे पता चलता है कि टीएलटीआरओ ने गैर-ट्रिपल ए रेटेड संस्थाओं के दबाव कम करने में मदद की। समान अवधि के भीतर, प्रतिफल में गिरावट जोखिम धारणाओं के आधार पर

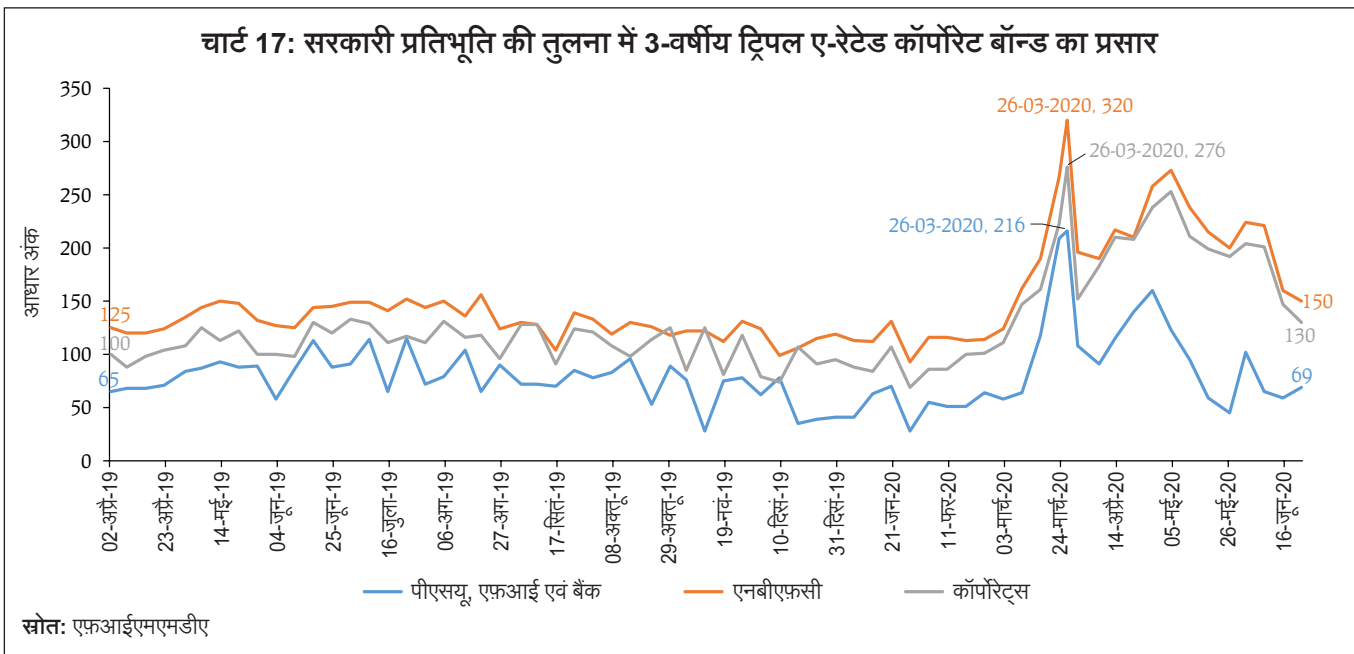
अलग-अलग श्रेणी की संस्थाओं के लिए अलग-अलग रही है। प्रतिफल में गिरावट सार्वजनिक उपक्रमों के लिए सर्वाधिक रही है और उसके बाद कॉर्पोरेट में रही है। एनबीएफसी के प्रतिफल में गिरावट, यद्यपि अच्छी-खासी रही है, तथापि अन्य दो श्रेणियों के मुकाबले कम है।

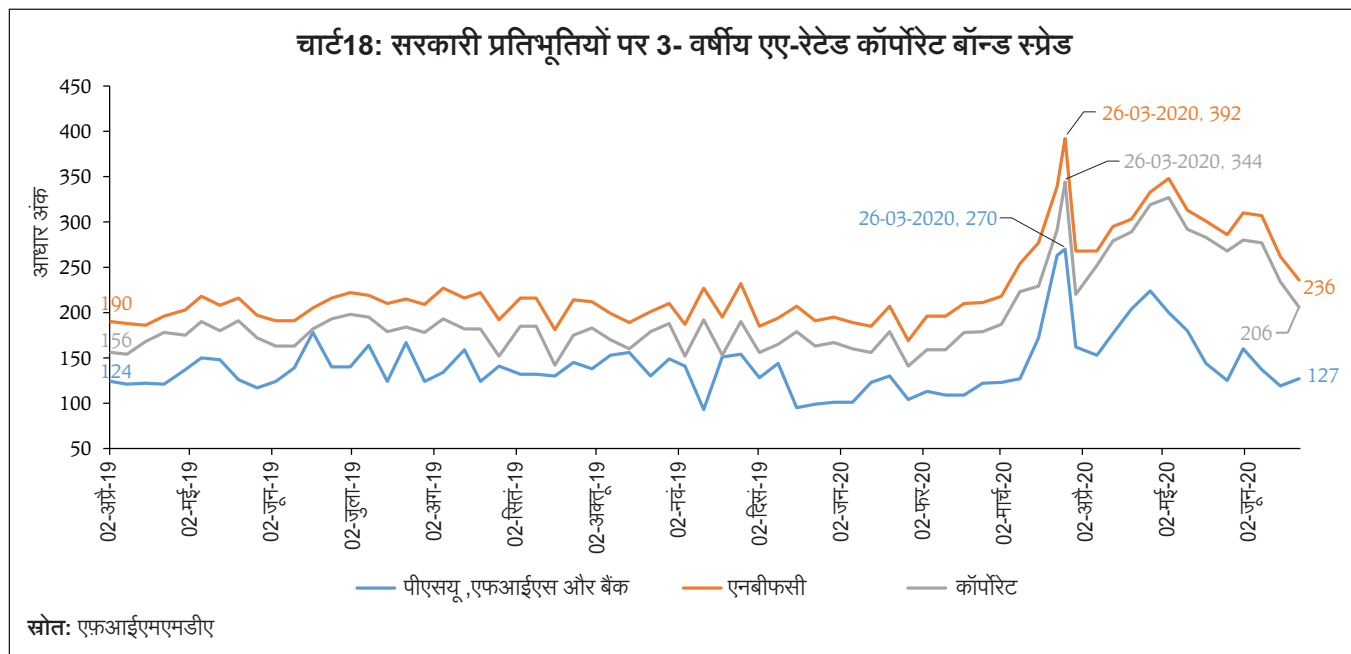




टीएलटीआरओ की घोषणा के बाद जोखिम की प्रवृत्ति में और सुधार का सबूत समान अवधि के जी-सेक की तुलना में कॉर्पोरेट बॉन्ड प्रतिफल के प्रसार में संकुचन है, जो मार्च 2020 के अंतिम सप्ताह में ऊंचे स्तरों पर था। ट्रिपल ए-रेटेड एनबीएफसी के प्रसार में गिरावट अधिकतम 170 बीपीएस रही है और उसके बाद पीएसयू, एफआई और बैंकों (147 बीपीएस) और कॉर्पोरेट्स

(146 बीपीएस) में रही है। डबल ए-रेटेड संस्थाओं के मामले में, एनबीएफसी के लिए प्रसार में गिरावट लिए 156 बीपीएस, पीएसयू, एफआई और बैंकों के लिए 143 बीपीएस और कॉर्पोरेट्स के लिए 138 बीपीएस थी। पीएसयू, एफआई और बैंक श्रेणी द्वारा जारी किए गए लिखतों पर प्रसार पूर्व-कोविड के स्तर पर वापस आ गया है (चार्ट 17 और 18)।





कॉर्पोरेट बॉन्ड के प्राथमिक निर्गमों के आंकड़ों को गहराई से देखने पर यह पाया जाता है कि दिसंबर 2019 से 24 जून 2020 तक बाजार में एक समान दर की इकाईयों के बीच जोखिम का मूल्य अलग अलग प्रकार से आँका गया है। अर्थव्यवस्था के विभिन्न क्षेत्रों में कोविड-19 का प्रभाव अलग अलग प्रकार से हुआ है, जो विभिन्न क्षेत्रों से संबंधित इकाईयों के प्राथमिक निर्गमन कूपनों पर परिलक्षित हो सकता है। उदाहरण के लिए आवश्यक पण्य वस्तु की संस्था की तुलना में विमानन उद्योग की संस्था को हेडविंड्स का अत्यधिक सामना करना पड़ा है (सारणी 2)।

मार्च-अप्रैल 2020 में, पूंजी बाजारों में अस्थिरता के कारण म्यूचुअल फंड (एमएफ) को मोचन दबाव का सामना करना पड़ा। कुछ ऋण देनेवाली एमएफ योजनाओं को बंद करने के पश्चात मोचन दबाव अत्यधिक बढ़ गया। रिजर्व बैंक ने म्यूचुअल फंडों के चलनिधि दबाव को कम करने और वित्तीय स्थिरता बनाए रखने के लिए कतिपय विनियामक लाभों सहित म्यूचुअल फंड के लिए विशेष चलनिधि सुविधा (एसएलएफ-एमएफ) आरंभ की। एसएलएफ -एमएफ के अंतर्गत प्राप्त निधि का उपयोग बैंकों को पूर्णतः एमएफ की चलनिधि आवश्यकताएं पूरा करने 1) ऋणों का विस्तार और 2) एमएफ द्वारा लिए गए डिबेंचर और सीडी, सीपी

सारणी 2: अवधि-वार कूपन रेंज और कारपोरेट बॉन्ड में प्राथमिक निर्गमों का डब्ल्यूएआर

रेटिंग श्रेणी	कूपन (प्रतिशत)	1 वर्ष	2-3 वर्ष	4-6वर्ष	7-10वर्ष	10 वर्ष से अधिक
एएए	न्यूनतम	6.10	5.05	5.63	5.25	6.65
	अधिकतम	7.60	9.33	8.83	8.75	9.04
	डब्ल्यूएआर	7.01	6.64	7.23	7.51	7.57
एए	न्यूनतम	6.74	6.90	7.55	8.15	8.99
	अधिकतम	13.80	10.85	9.95	9.90	10.75
	डब्ल्यूएआर	8.38	8.40	8.66	8.89	9.04
ए	न्यूनतम	6.60	8.40	9.55	8.70	9.75
	अधिकतम	9.35	17.18	12.05	15.50	13.75
	डब्ल्यूएआर	8.48	11.30	10.31	9.26	11.24

स्रोत : एनएसई/बीएसई ईपीबी डेटा पर आधारित

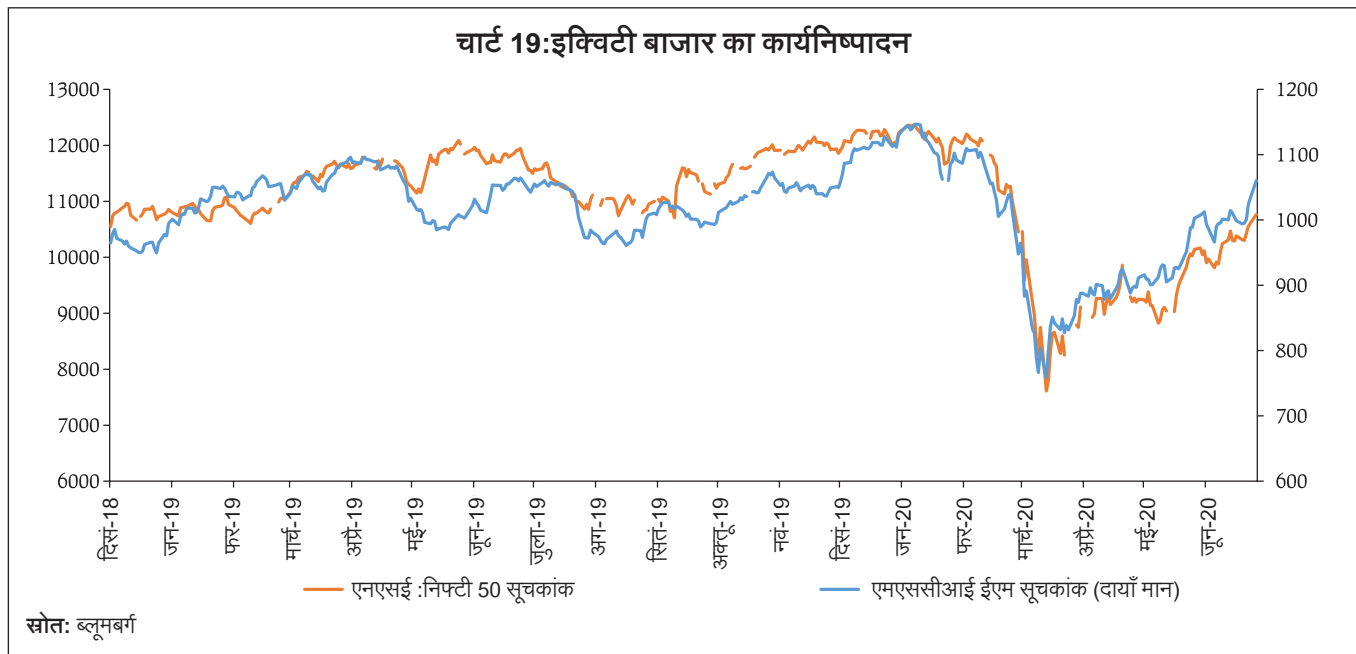
और निवेश ग्रेड के कारपोरेट बॉन्ड को संपार्श्विक के तहत रेपो और /अथवा एकमुश्त खरीद करने के लिए किया जाना था। 30 अप्रैल 2020 को, एसएलएफ-एमएफ योजना के तहत घोषित विनियामकीय लाभ का विस्तार बैंकों को दिया गया, जिन्होंने उनके अपने संसाधनोंका अभिनियोजन किया था। म्यूचुअल फंड के मोचन दबाव को कम करने के साथ-साथ इन उपायों का लाभ कारपोरेट बॉन्ड के द्वितीयक बाजारों में व्यापार की मात्रा बढ़ाने के लिए भी हुआ। रिजर्व बैंक द्वारा संकलित किए गए डेटा से यह पाया गया है कि बैंकों ने एसएलएफ-एमएफ योजना के अंतर्गत अपने स्वयं के संसाधनों से ₹5522 करोड़ विनियोजित किए। यह राशि रिजर्व बैंक से एसएलएफ-एमएफ योजना के तहत प्राप्त ₹2430 करोड़ से अतिरिक्त राशि है।

VI. इक्विटी बाजार

भारत में 2020 के आरंभ में इक्विटी बाजार की शुरुआत उछाल पर थी। 14 जनवरी 2020 को बीएसई सेंसेक्स और एनएसई निफ्टी-50 क्रमशः 41,953 और 12,362 पर अपने अब तक के सभी समय के उच्च स्तर पर बंद हुआ। हालांकि, भारत में कोविड-19 के मामले तेजी से बढ़ने शुरू हुए, इक्विटी बाजारों ने भी इसके झटकों को महसूस किया यह प्रवृत्ति अन्य उभरते बाजारों में भी पाई गई और मार्च में लॉकडाउन घोषित करने के बाद इसमें तेजी से गिरावट आई (चार्ट 19)। अन्य

उभरते बाजारों से भारतीय इक्विटी ने जनवरी 2020 में अधिक कार्यनिष्पादन किया था जो फरवरी 2020 में भी बरकरार रहा तथा मार्च 2020 से इसे प्रारंभिक गिरावट का सामना करना पड़ा। मार्च 2020 में सेंसेक्स और निफ्टी दोनों में 23 प्रतिशत की गिरावट पाई गई, जो एमएससीआई उभरती बाजार सूचकांक⁴ की तुलना में 16 प्रतिशत अधिक थी। इन दोनों सूचकांकों ने अक्टूबर 2008 के बाद अब तक की उनकी सबसे खराब गिरावट की मासिक स्थिति दर्ज की। हालांकि 23 मार्च 2020 के बाद, बाजार में फिरसे तकनीकी उछाल पाया गया, और आगे के 16 व्यापार सत्रों (24 मार्च से 20 अप्रैल 2020 तक) में, 22 प्रतिशत की रिकवरी की। 7 जुलाई 2020 को सेंसेक्स और निफ्टी दोनों में वर्ष -दर-वर्ष आधार पर लगभग 11 प्रतिशत की गिरावट हुई।

मार्च 2020 में बाजार में उथलपुथल के साथ अस्थिरता भी तेजी से बढ़ने लगी। 24 मार्च 2020 को भारत वीआईएक्स ने 83.6 प्रतिशत का उच्चांक प्राप्त किया, जो 2008 के दौरान जीएफसी ने रिकार्ड किए गए 85.1 प्रतिशत के उच्चतम उच्चांक से थोड़ा कम पाया गया। हालांकि, 20 अप्रैल 2020 को बाजारों की स्थिति सुधरने के कारण, भारत वीआईएक्स ने भी 25 प्रतिशत का उच्चांक रिकार्ड किया जो उनकी दीर्घावधि औसतन 19 प्रतिशत से अधिक नहीं है।



⁴ एमएससीआई उभरते बाजार सूचकांक फ्री-फ्लोट भारत इक्विटी सूचकांक हैं जो उभरते बाजार देशों में व्यापक और मिड-कैप का प्रतिनिधित्व करते हैं।

सारणी 3: चुनिंदा इक्विटी सूचकांक का मासिक कार्यनिष्पादन (प्रतिशत में परिवर्तन)

माह	एमएससीआई-इएम सूचकांक	निफ्टी 50	सेंसेक्स	एनएसई बैंक सूचकांक	एनएसई वित्तीय सेवाएं सूचकांक
जून-20	6.96	7.53	7.68	10.74	10.86
मई-20	0.58	-2.84	-3.84	-10.39	-9.87
अप्रै-20	9.00	14.68	14.42	12.49	13.45
मार्च-20	-15.61	-23.25	-23.05	-34.32	-31.32
फर-20	-5.35	-6.36	-5.96	-5.47	-5.24
जन-20	-4.69	-1.70	-1.29	-4.13	-1.65
दिसं-19	7.17	0.93	1.13	0.67	2.45

स्रोत: ब्लूमबर्ग

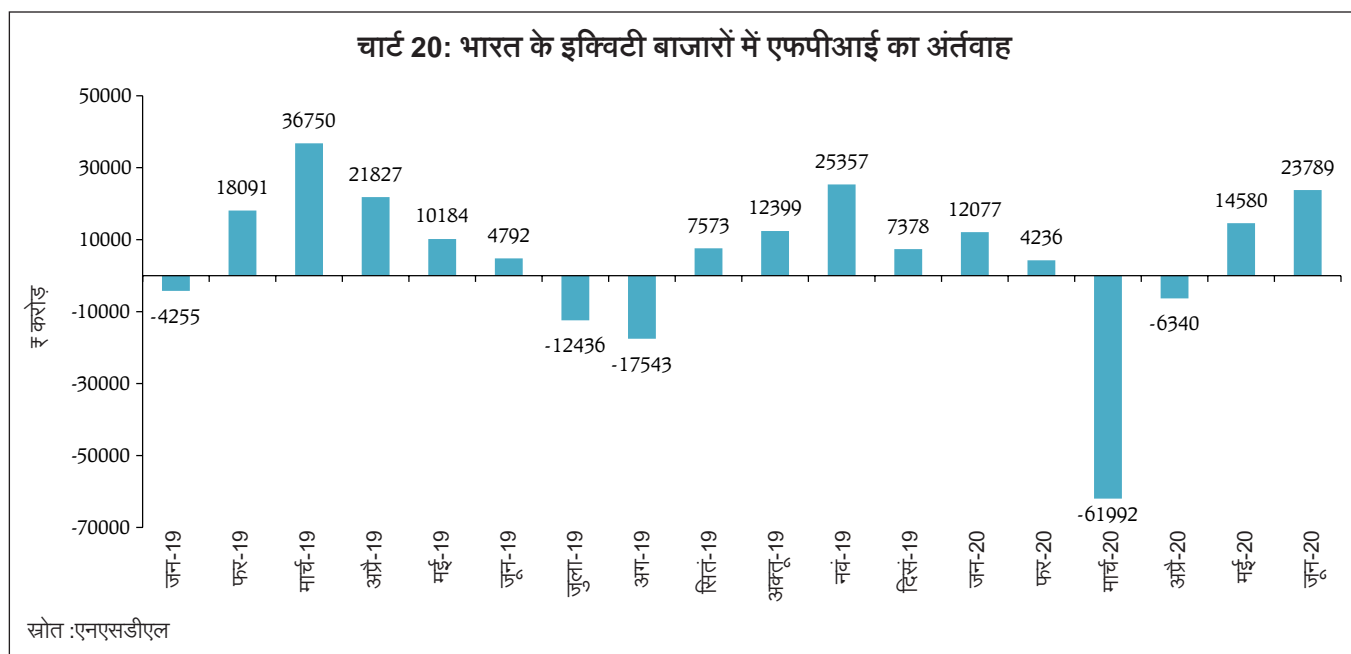
व्यापक बाजार सूचकांक के साथ-साथ प्रमुख क्षेत्रीय सूचकांक को भी बेंचमार्क सूचकांक में शामिल किया गया। मार्च 2020 में एनएसई बैंक सूचकांक में 34 प्रतिशत घट हुई जबकि एनएसई वित्तीय सेवा सूचकांक में भी 31 प्रतिशत की घट पाई गई। रिजर्व बैंक द्वारा स्थगन की घोषणा करने के बाद बैंक के तुलन पत्र से संबंधित लेखों पर अप्रैल और मई 2020 में इन सूचकांको का कार्यनिष्पादन बेंचमार्क सूचकांक से कम हुआ और वित्तीय सेवा क्षेत्र में तनाव बढ़ा। फिरभी, जून 2020 में इन दोनों सूचकांको ने बेंचमार्क सूचकांको से बेहतर कार्यनिष्पादन किया है (सारणी 3)।

अन्य उभरते बाजारों की तरह, मार्च 2020 में, भारतीय इक्विटी बाजार का निवल एफपीआई बहिर्वाह ₹ 62,000 करोड़

(लगभग 8 बिलियन अमरीकी डालर) पाया गया(चार्ट 20)। अप्रैल 2020 में यह बहिर्वाह ₹ 6340 करोड़ रुपए था। हालांकि, रिजर्व बैंक ने वित्तीय प्रणाली का तनाव कम करने के लिए किए गए उपाय और सरकार द्वारा लोगों और कारोबार की कठिनाइयाँ कम करने के लिए किए गए उपायों से अर्थव्यवस्था के दीर्घकालिक विकास की संभावनाओं को बेहतर बनाने के लिए सामान्य रूप से अर्थव्यवस्था में और विशेष रूप से सभी वित्तीय बाजारों मिज़ाज उपर उठने में मदद हुई। परिणामस्वरूप, मई और जून 2020 में इक्विटी बाजारों में एफपीआई की वापसी पाई गई।

VII. निष्कर्ष

सारांश में, वित्तीय बाजारों में पाई गई अव्यवस्था के कारण जेनरिक (एलटीआरओ) तथा लक्षित लिखतों (टीलटीआरओ) के



माध्यम से और रिजर्व बैंक द्वारा घोषित अन्य नीतिगत उपायों द्वारा प्रचुर मात्रा में चलनिधि उपलब्ध करायी गई, जिससे कार्पोरेट बॉन्ड बाजारों में दशक की सबसे कम वित्तीय लागत दर्ज की गई, गैर-एए रेटेड संस्थाओं की पहुंच आसान बनी और प्राथमिक निर्गमों का रिकार्ड बना। 2020 में कार्पोरेट बॉन्ड से लगभग 3 बिलियन अमेरिकी डॉलर का एफपीआई बहिर्वाह होने के बावजूद पैदावार घट गई और स्प्रेड संकुचित हुआ।

कोविड 19 के साथ असाधारण समानुपातों की चुनौतियां जुड़ी हुई हैं। कई हफ्तों से आर्थिक गतिविधियों में ठहराव के कारण तीव्र जोखिम का सामना करना पड़ रहा है और व्यक्तियों, निगमों और वित्तीय एजेंटों द्वारा एहतियाती तौर पर चलनिधि की मांग बढ़ रही है। चलनिधि निवारक की मांग बढ़ी और प्रचुर मात्रा में जोखिम बढ़ा। अप्रत्याशित अनिश्चितता ने वित्तीय प्रणाली में कमजोरियों को भी उजागर किया है और वित्तीय स्थिरता को खतरे में डाला है।

इन चुनौती पूर्ण परिस्थितियों में वित्तीय बाजार में स्थिरता बनी रहने और वित्तीय स्थिरता संरक्षित रहने के लिए रिजर्व बैंक ने सक्रिय और अभूतपूर्व सतर्कता के साथ काम किया। वित्तीय बाजारों और इकाईयों को पारंपारिक और अपारंपारिक साधनों से कार्य करने के लिए बाजार में चलनिधि की कमी अथवा/ और बाधाएं महसूस करनेवाले क्षेत्र और इकाईयों हेतु सिस्टम स्तर की चलनिधि के साथ-साथ पर्याप्त रूप से लक्षित चलनिधि उपलब्ध कराई। महामारी के प्रतिकूल प्रभाव से उबरने के लिए भारत सरकार ने आर्थिक प्रोत्साहन के रूप में कई उपाय घोषित किए

जैसे की एनबीएफसी के लिए विशेष चलनिधि सुविधा, आंशिक क्रेडिट गारंटी योजना (पीसीजीएस) और संरचनात्मक सुधार से यह सुनिश्चित किया कि चलनिधि की कमी के कारण उनकी आर्थिक स्थिति पर किसी प्रकार का विपरीत प्रभाव न पड़े। सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) के लिए कई उपाय घोषित किए गए ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि चलनिधि की कमी और पूंजी वृद्धि में किसी प्रकार की कमी महसूस न हो। परिणामस्वरूप, मांग की पुनःप्रवर्तन से पहले अर्थव्यवस्था में वित्तीय स्थितियाँ पुनः बहाल हुईं और बाजार आघातसहनीय, तरल और स्थिर बने हुए हैं।

संदर्भ

Rituraj, M Jagadeesh, Abhishek Kumar and Amit Meena, "Market Financing Conditions for NBFCs: Issues and Policy Options", *Monthly Bulletin, June 2020, Reserve Bank of India, Mumbai*

International Monetary Fund (2020), *World Economic Outlook, April 2020*

Reserve Bank of India, Mumbai. Reserve Bank of India (2019), *Report of the Internal Working Group to Review the Liquidity Management Framework.*

Reserve Bank of India (2016), *Report of Working Group on Development of Corporate Bond Market in India (Chairman: Shri H R Khan)*

अनुबंध -1
कोविड -19 प्रारंभ होने के बाद से रिजर्व बैंक द्वारा की गई महत्वपूर्ण घोषणाओं का घटनाक्रम (जारी)

घोषणा की तारीख	उपाय	सहायता राशि (₹ करोड़)	संक्षिप्त विवरण
6 फरवरी 2020	दीर्घ कालिक रेपो परिचालन(एलटीआरओ)	1,25,117*	अनुसूचित वाणिज्य बैंकों(एससीबी) को स्थिर नीति रेपो दर उपलब्ध; उपयोग पर कोई प्रतिबंध नहीं
	विशिष्ट क्षेत्रों के लिए आरक्षित नकदी निधि अनुपात(सीआरआर) में छूट	लागू नहीं	एससीबी को सीआरआर रखरखाव के लिए उनके द्वारा ऑटोमोबाइल, रिहायशी आवास तथा सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्योगों (एमएसएमई) को दिए गए ऋण के बराबर की राशि उनके निवल मांग और समय देयताओं (एनडीटीएल) से घटाने की अनुमति दी गई है।
20, 24 और 26 मार्च 2020 और अन्य चुनिंदा तारीख	ओएमओ (एनडीएस-ओएम सहित)	1,61,499*	रिजर्व बैंक ने ₹40,000 करोड़ के लिए 20, 24 और 26 मार्च 2020 को तीन ओएमओ नीलामी आयोजित की। इसके अलावा, विभिन्न तारीखों पर एनडीएस-ओएम पर ₹1,21,499 करोड़ मूल्य की सरकारी प्रतिभूतियों की खरीद की।
23 मार्च 2020	मीयादी रेपो	89,517@	कोविड संबंधित अव्यवस्थाओं के कारण संघर्षपूर्ण वर्ष-समाप्ति पर चलनिधि अपेक्षाओं को पूरा करने के लिए परिवर्ती दर रेपो शुरू किया। क्योंकि सभी मीयादी रेपो परिपक्व हुए हैं।
27 मार्च 2020	सीआरआर में कटौती और न्यूनतम दैनिक सीआरआर रखरखाव में कमी	1,37,000	सभी बैंकों के लिए सीआरआर 100 आधार अंक से घटाकर एनडीटीएल के 3.0 प्रतिशत कर दिया। सीआरआर शेष रखरखाव की दैनिक आवश्यकता को 90 प्रतिशत से घटाकर 80 प्रतिशत कर दिया गया।
	पीडी के लिए स्थायी चलनिधि सुविधा (एसएलएफ) में वृद्धि	7,200	एसएलएफ के अंतर्गत एसपीडी को उपलब्ध चलनिधि को अस्थायी रूप से ₹ 2,800 करोड़ से ₹10,000 करोड़ तक बढ़ाया गया।
	नीतिगत रेपो दर में 75 आधार अंक की कटौती	लागू नहीं	रेपो दर 5.15 प्रतिशत से घटाकर 4.40 प्रतिशत किया गया।
	मौद्रिक नीति कोरिडोर को व्यापक बनाया	लागू नहीं	वर्तमान नीति दर को 50 आधार अंक से बढ़ाकर 65 आधार अंक किया गया। एलएफ के अंतर्गत रिवर्स रेपो दर को नीतिगत रेपो दर से 40 आधार अंक से कम किया और एमएसएफ दर को नीतिगत रेपो दर से 25 आधार अंक बढ़ाकर समायोजित किया गया।
	लक्षित दीर्घकालिक रेपो परिचालन (टीएलटीआरओ)	1,00,050*	निवेश ग्रेड के कॉर्पोरेट बॉन्ड, सीपी और अपरिवर्तनीय डिबेंचरों (एनसीडीसी) में तीन साल के फंड को विनियोजित किया जाना है। प्राथमिक बाजारों में पचास प्रतिशत और बकाया पचास प्रतिशत द्वितीयक बाजारों, जिसमें म्यूचुअल फंड और एनबीफसी शामिल है, को विनियोजित किया जाना है।
	एमएसएफ सीमा में वृद्धि	1,37,000	सीमांत स्थायी सुविधा (एमएसएफ) के अंतर्गत बैंकों द्वारा लिए जाने वाले उधारों में सांविधिक चलनिधि अनुपात की सीमा को 2 प्रतिशत से बढ़ाकर 3 प्रतिशत किया गया।
30 मार्च 2020	स्थिर- दर के रिवर्स रेपो और एमएसएफ विंडो का विस्तार	लागू नहीं	बाजार प्रतिनिधियों को चलनिधि प्रबंधन में लचीलापन प्रदान करने हेतु स्थिर- दर के रिवर्स रेपो और एमएसएफ विंडो जो पहले 17.30 बजे से 23.59 बजे तक थी को बढ़ाकर 9.00 बजे से 23.59 बजे तक उपलब्ध किया गया है।
3 अप्रैल 2020	बाजार समय में परिवर्तन	लागू नहीं	लॉक डाउन, सोशल डिस्टेंसिंग और लोगों की आवाजाही पर लगे रोक को ध्यान में रखते हुए बाजार समय जो 10.00 बजे से 2.00 बजे तक था उसमें संशोधन करते हुए पूर्वाह्न 9.00 बजे से 5 बजे तक किया गया है।

अनुबंध-1
कोविड -19 प्रारंभ होने के बाद से रिजर्व बैंक द्वारा की गई महत्वपूर्ण घोषणाओं का घटनाक्रम (समाप्त)

घोषणा की तारीख	उपाय	सहायता राशि (₹ करोड़)	संक्षिप्त विवरण
17 अप्रैल 2020	रिवर्स रेपो दर में कटौती	लागू नहीं	एलएएफ के अंतर्गत रिवर्स रेपो दर में 25 आधार अंक की कटौती करते हुए 4.00 प्रतिशत से 3.75 प्रतिशत किया गया। नीतिगत रेपो दर और एमएसएफ दर क्रमशः 4.40 प्रतिशत और 4.65 प्रतिशत पर अपरिवर्तित रहे।
	टीएलटीआरओ 2.0	12,850*	निवेश ग्रेड के बॉन्ड, सीपी और एनबीफसी के एनसीडी में निवेश की जानेवाली 3 वर्ष की कुल जमाराशि में से कम से कम 50 प्रतिशत की राशि लघु और मध्यम आकार के एनबीफसी और एमएफआई के लिए उपयोग में लाई जानी चाहिए।
	नाबार्ड/सिडबी/एनएचबी को पुनर्वित्त सुविधा	26,893*	कृषि और ग्रामीण क्रियाकलापों, एमएसएमई और एचएफसी की सहायता
23 अप्रैल 2020	विशेष ओएमओ (एक साथ खरीद और बिक्री)	10,000 (खरीद) 10,000 (बिक्री)	तरलता को तटस्थ रखते हुए उपज वक्र को समतल करना।
27 अप्रैल 2020	एसएलएफ-एमएफ	2,430*	वाणिज्य बैंकों को स्थिर रेपो दर पर 90 दिनों के लिए ओपन एंडेड रेपो सुविधा दी गई। इस निधि का उपयोग बैंकों द्वारा पूर्णतः एमएफ की चलनिधि आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए किया जाना चाहिए।
22 मई 2020	नीतिगत रेपो दर में 40 आधार अंक की कटौती		नीतिगत रेपो दर 4.40 प्रतिशत से घटाकर 4.0 प्रतिशत की गयी। तदनुसार एमएसएफ दर 4.65 प्रतिशत से घटकर 4.25 प्रतिशत हुई और रिवर्स रेपो दर 3.75 प्रतिशत से घटकर 3.35 प्रतिशत पर समायोजित की गयी।

* 22 जून 2020 तक की बकाया राशि

@ बाजार प्रतिनिधियों द्वारा प्राप्त राशि

बिग डेटा तकनीकों से आवास मूल्य सूचकांक का संकलन*

इस अध्ययन का लक्ष्य बिग डेटा के जरिये भारत में आवासीय संपत्ति की कीमतों का एक वैकल्पिक सूचकांक प्राप्त करना है। आवासीय मूल्य सूचकांक तैयार करने के लिए चुनिंदा वेब पोर्टलों से आवासीय संपत्ति की कीमतों पर आँकड़े लिए गए हैं और बिग डेटा के औजारों से उनको प्रोसेस किया गया है। यह सूचकांक प्रत्येक तिमाही समाप्त होते ही लगभग तुरंत बन सकता है। यह पाया गया कि वेब आँकड़ों पर आधारित आवासीय घरों की कीमतों और पंजीकरण आँकड़ों (सूचकांक व वृद्धि दोनों) में अहम सहसंबंध हैं, यद्यपि कीमतों के स्तर में अंतर है। पंजीकरण डेटा और वेब डेटा पर आधारित सूचकांकों में दोतरफा संबंध है।

आवास मूल्य अर्थव्यवस्था का एक महत्वपूर्ण सूचक है। सकल देशी उत्पाद (जीडीपी), उपभोग, निवेश, मुद्रास्फीति, चालू खाता शेष, और उत्पादन अंतराल के साथ इसकी सह-गति है (अहियर्ने व अन्य, 2005)। विश्व भर में अधिकांश हाउसहोल्ड्स के लिए आवासीय संपत्ति सबसे बड़ी एकमात्र आस्ति है। आवासीय संपत्ति की कीमत में अंतर हाउसहोल्ड्स की दीर्घावधि निवेश रणनीति और उनके खर्च व उधार के पैटर्न को प्रभावित करते हैं। बैंक उधार व बंधक के रास्ते संपत्ति कीमत में परिवर्तन अर्थव्यवस्था के बैंकिंग व वित्तीय क्षेत्रों पर असर डालते हैं।

इस दृष्टि से नीति निर्माताओं, विशेषतः केंद्रीय बैंक के लिए आवासीय संपत्ति मूल्य एक महत्वपूर्ण सूचना है। भारतीय संदर्भ में दो स्थापित आवास मूल्य सूचकांक हैं, यथा, (ए) भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा तैयार आवास मूल्य सूचकांक (एचपीआई) और (बी) रेसिडेक्स जो राष्ट्रीय आवास बैंक (एनएचबी)¹ संकलित

* यह आलेख संख्यिकी और सूचना प्रबंध विभाग के बिग डेटा एनलिटिक्स डिविज़न के इंद्रनील गायेन और शशांक शेखर माइती ने तैयार किया है। वयक्त विचार लेखकों के हैं और यह आवश्यक नहीं कि रिज़र्व बैंक के विचारों का प्रतिनिधित्व करें।

¹ इस अध्ययन के लिए हमने भारतीय रिज़र्व बैंक (आरबीआई) द्वारा तैयार एचपीआई पर ध्यान दिया है क्योंकि तुलना के लिए एक विस्तारित समय शृंखला होगी। आगे, आरबीआई अंतरराष्ट्रीय मंचों पर एचपीआई को रिपोर्ट करता है, जबकि एनएचबी रेसिडेक्स के पास अखिल भारतीय स्तर का सूचकांक नहीं है (और उसका कवरेज अपरस्पर अनन्य है)।

करता है। ये सूचकांक सामान्यतः (कम से कम) एक तिमाही के अंतराल से उपलब्ध हैं।

आवासीय घरों की कीमतों पर प्रारंभिक संकेत पाने के लिए, भारत के चुनिंदा रीयल इस्टेट एजेंसियों के वेब पोर्टलों पर उपलब्ध डेटा के आधार पर एक वैकल्पिक आवासीय घर मूल्य सूचकांक तैयार करने का प्रयास किया गया है। इन आँकड़ों को एकत्र, प्रोसेस और स्टोर करने में बिग डेटा के औजार लगाए गए हैं।

आलेख के शेष भाग की संरचना इस प्रकार है : खंड 2 इस क्षेत्र में उपलब्ध साहित्य की एक संक्षिप्त समीक्षा करता है। खंड 3 गतिशील चार्ट स्क्रेपिंग विधि से डेटा का संग्रह और बिग डेटा के औजारों से अनस्ट्रक्चर्ड डेटा की प्रोसेसिंग पर प्रकाश डालता है। खंड 4 वेब डेटा के आधार पर सूचकांक तैयार करने की विधि बताता है। रिज़र्व बैंक की एचपीआई के आकलन हेतु सूचकांक की उपयोगिता का अध्ययन करने के लिए सरलीकृत तथ्य और आँकड़ा-आधारित विधियां खंड 5 में दी गई हैं। खंड 6 अनुभवजन्य परिणामों पर केंद्रित है और खंड 7 में निष्कर्षात्मक टिप्पणियां दी गई हैं।

2. साहित्य की समीक्षा

बिग डेटा एनलिटिक्स के क्षेत्र में, किसी निर्दिष्ट वेबसाइट से अपेक्षित डेटा को प्रोग्राम की मदद से जुटाने में लगने वाली तकनीक को वेब स्क्रेपिंग कहा जाता है। डेटा संग्रह के तरीके के रूप में वेब स्क्रेपिंग पहले अपनाया गया था। वैसे, इसका उपयोग मुख्य आर्थिक गतिविधि में बिलियन प्राइसेज प्रोजेक्ट (बीपीपी) में हुआ था जो कि एमआईटी स्लोअन और हारवर्ड बिजनेस स्कूल (कवालो एंड रिगोबॉन, 2016) का एक अकादमिक प्रयास था। यह कार्य बताता है कि किस प्रकार वैकल्पिक स्रोत, जैसे बीपीपी में ऑनलाइन ई-कॉमर्स, मूल्य सूचकांक के संकलन के लिए संभावित उम्मीदवार हो सकते हैं। उनके कार्य में, ऑनलाइन ई-कॉमर्स पोर्टलों से डेटा प्राप्त करने, साफ़ करने तथा प्रोसेस करने के लिए बिग डेटा तकनीकों का प्रयोग किया गया है। उनका तर्क था कि ये स्रोत प्रायः सस्ते हैं और उपयोगकर्ता इससे लगभग तत्काल मूल्य सूचकांक संख्याएं पा सकते हैं। यही

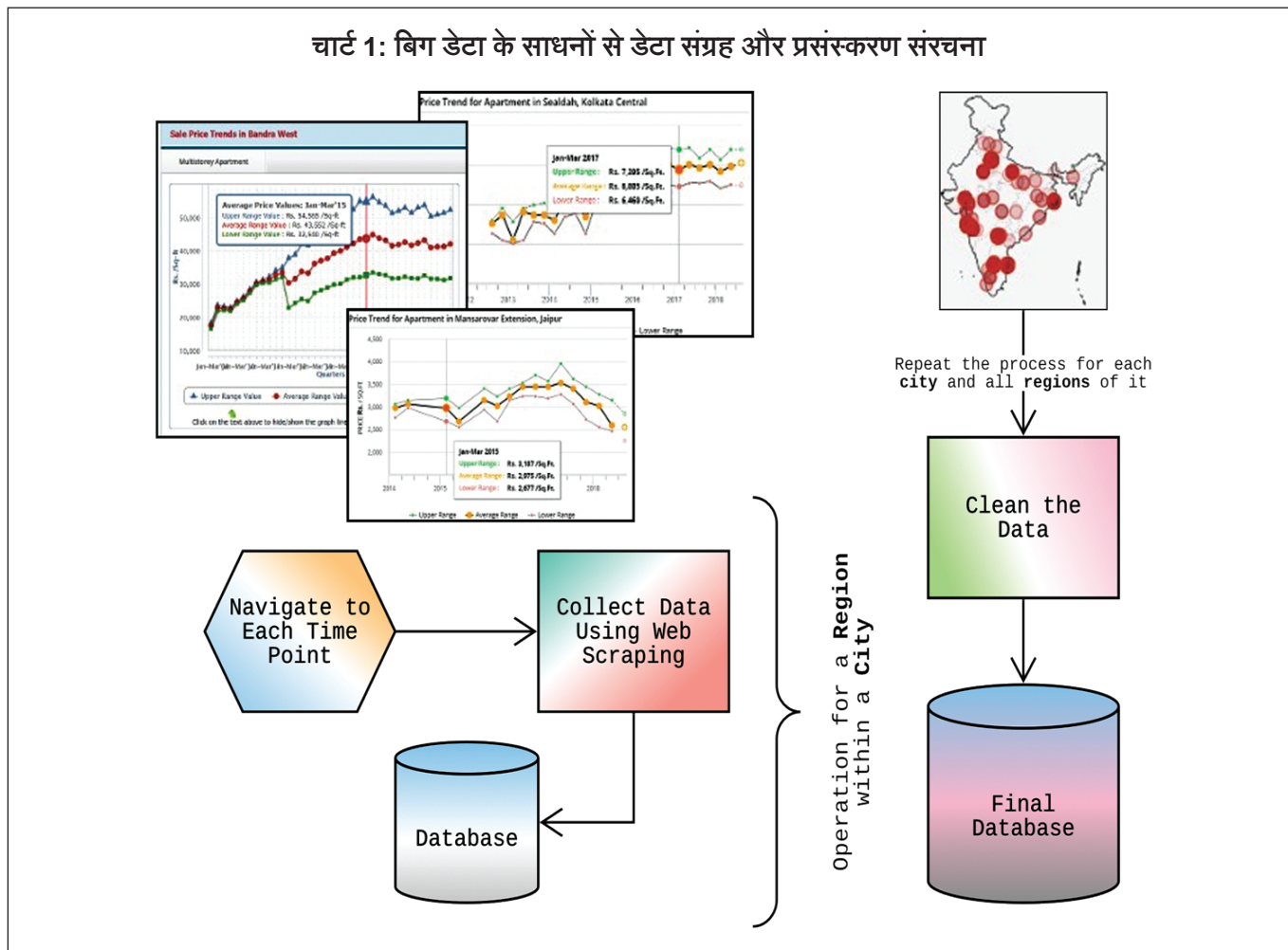
अवधारणा भारतीय संदर्भ में अपनाई गई थी जहाँ यह तर्क दिया गया था कि ऑनलाइन कीमतों की सीमाओं के कारण, वेब-डेटा आधारित सूचकांक भारतीय आधिकारिक उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) की दिशा एवं आकार दोनों को सफलतापूर्वक ट्रैक करता है (बनर्जी एवं अन्य, 2018)।

आवासीय संपत्ति कीमत के संदर्भ में बिग डेटा तकनीकों और वेब स्क्रेपिंग का प्रयोग न्यूनतम रहा है। तथापि इस क्षेत्र में, गूगल ट्रेंड डेटा का प्रयोग करते हुए कई अध्ययन हुए हैं – प्रेडिक्टिंग इकॉनॉमिक एकटिविटीज़ (चोई एंड वैरियन, 2012); एसेसमेंट ऑफ़ रीयल इस्टेट मार्केट एंड हाउसिंग प्राइस (वू एंड ब्यांजजोल्फ़सॉ इन द इंडियन कॉन्टेक्स्ट, 2015); एंड हाउसिंग प्राइस इन द इंडियन कॉन्टेक्स्ट (मित्रा व अन्य., 2017)। इस

संदर्भ में ऐसा ही अध्ययन बैंक ऑफ़ इंडोनेशिया में किया गया था। यह बताया गया कि इंडोनेशिया का ऑनलाइन विज्ञापन डेटा प्रॉपर्टी की कीमतों को सफलतापूर्वक ट्रैक कर रहा है (क्रिष्टियावर्दानी एंड साम्पे, 2017)।

3. डेटा संग्रह और प्रोसेसिंग

भारत की चुनिंदा रीयल इस्टेट विज्ञापन एजेंसियों की वेबसाइट² से डेटा संग्रहित करने के लिए बिग डेटा के साधनों का प्रयोग हुआ है। आवासीय घर कीमत पर ऐतिहासिक डेटा प्राप्त करने के लिए, एक विशिष्ट वेब स्क्रेपिंग तकनीक विकसित की गई है जिसे 'डायनामिक चार्ट स्क्रेपिंग' कहा जा सकता है (चार्ट 1)।



² भारतीय बाजार में अग्रणी रीयल इस्टेट विज्ञापन वेबसाइट्स।

स्रोत वेबसाइट में कीमत ट्रेंड को एक डायनामिक चार्ट के रूप में प्रस्तुत किया गया है। वेब स्क्रेपिंग तकनीक का विकास किया गया और वेब पोर्टलों में इन डायनामिक चार्टों पर उनका प्रयोग वांछित आवास कीमत सूचना पाने के लिए किया गया। स्रोत वेबसाइट, शहर (सिटी), शहर के अंदर अवस्थिति (क्षेत्र के नाम से), संपत्ति का प्रकार, संपत्ति की कीमत, कीमत समुच्चयन का प्रकार, कीमत की इकाई और कीमत का समय बिंदु वो डेटा फील्ड्स हैं जो डायनामिक चार्ट स्क्रेपिंग के प्रयोग से प्राप्त हुए हैं।

प्राप्त डेटासेट में कुछ वैल्यू अनुपस्थित पाए गए हैं। इन अनुपस्थित वैल्यू का आकलन स्थानीय बहुपदों (लोकल पॉलिनोमियल्स) के प्रक्षेप (इंटरपोलेशन) द्वारा किया गया है³

कभी कभी डेटासेट में कीमत अंतर बहुत अधिक पाया गया। ये अंतर इन विधियों से एडजस्ट किए गए हैं : (ए) अपवाद (आउटलायर) पहचान नियम जैसा कि X-13एरिमा-सीट्स प्रोग्राम में निहित है; (बी) योगज (एडिटिव) अपवाद पहचान नियम; और (सी) गतिमान अंतश्चतुर्थक परिसर (इंटरक्वार्टाइल रेंज) वाली अनुमानी पद्धति। आवास मूल्य का सूचकांक प्रोसेस किए हुए अंतिम (फाइनल) डेटा के आधार पर निकाला गया है।

4. आवास मूल्य सूचकांक का संकलन

संकेत P_{ijkt}^a , a प्रकार के कीमत समुच्चयन के साथ i शहर के j क्षेत्र में t तिमाही और संपत्ति के k वर्ग के लिए। नोट करें कि जहाँ भी P_{ijkt}^a उपलब्ध नहीं है, उसे \bar{P}_{ijkt}^a से भरा गया है (जहाँ (i, j, k, t, a) उपलब्ध नहीं, वहाँ आकलित)। आकलन विभिन्न मशीन लर्निंग और समय शृंखला अन्वारोप पद्धतियों द्वारा किया गया है। सूचकांक के संकलन में निम्नलिखित चरण शामिल हैं:

(ए) एक निर्दिष्ट समय बिंदु को आधार-अवधि मानते हुए (मान लिया द्वारा इसे $\pi_{ijkt}^a = \frac{P_{ijkt}^a}{P_{ijkt_0}^a}$ से दर्शाते हैं), इनमें से (π_{ijkt}^a) प्रत्येक वर्ग हेतु मूल्य सापेक्ष की गणना इस प्रकार की जाती है। प्रत्येक मूल्य सापेक्ष के भार को निम्नलिखित अंकन (नोटेशन) से दर्शाया जाता है?

³ समय शृंखला (टाइम सिरीज) डेटा पर स्लाइडिंग विंडों में लैंगरेंज पॉलीनोमियल (https://en.wikipedia.org/wiki/Polynomial_interpolation) का प्रयोग हुआ है।

$$\omega_{ijk}^a = \text{Weight for } \begin{cases} i^{\text{th}} \text{ city, } j^{\text{th}} \text{ region, where } (i, j) \in L \\ k^{\text{th}} \text{ category of property, where } k \in K \\ a^{\text{th}} \text{ type of price aggregation, where } a \in A \\ \text{It is independent of quarter (time point) } t \end{cases}$$

(बी) निर्दिष्ट प्रॉपर्टी प्रकार और अवस्थिति (अवस्थिति / लोकेशन i और j को मिलाकर बना है) के लिए, विभिन्न प्रकार के समुच्चय के लिए भारित मूल्य $(\pi_{ijkt} = \frac{\sum_a \pi_{ijkt}^a \omega_{ijk}^a}{\sum_a \omega_{ijk}^a})$ सापेक्ष निकाले गए हैं। समुच्चय स्तर⁴ औसत समुच्चय प्रकार (ω_{ijk}^a) को उच्चतम भार और अन्य दो $(\omega_{ijk}^{\text{upper}} < \omega_{ijk}^{\text{average}} > \omega_{ijk}^{\text{lower}})$ पर कमतर भार निर्धारित करता है। इसे $\omega_{ijk}^a = e^{-|\bar{P}_{t_0}^a - \bar{P}_{t_0}^{\text{average}}|}$ के रूप में परिभाषित किया गया है। (यहाँ $\bar{P}_{t_0}^a$ आधार अवधि में सामान्यीकृत यूनिट फ्री प्राइस का सही औसत दर्शाता है।) (अंतिम भार औसत के लिए 1, ऊपर के लिए 0.913 आया।)

(सी) इसके बाद इन सभी भारित मूल्य सापेक्षों को प्रत्येक तिमाही के लिए $\pi_{ijt} = \frac{\sum_k \pi_{ijkt} \omega_{ijk}}{\sum_k \omega_{ijk}}$ के रूप में अवस्थिति स्तर पर आगे और समुच्चयित किया जाता है। प्रत्येक संपत्ति प्रकारों $\{\omega_{ijk}\}$ के अनुसार भारों का चयन आधार अवधि (t_0) में शहर (i) में विशिष्ट किस्म की संपत्ति ऑफर करने वाले क्षेत्रों (j) की गणना पर आधारित है।

(डी) प्रत्येक तिमाही के लिए, प्रत्येक अवस्थिति से संबंधित भारित मूल्य सापेक्षों (π_{ijt}) को क्षेत्र भारों (ω_{ij}) के प्रयोग से पुनः समुच्चयित कर शहर स्तरीय तिमाही भारित मूल्य सापेक्ष $(\pi_{it} = \frac{\sum_j \pi_{ijt} \omega_{ij}}{\sum_j \omega_{ij}})$ प्राप्त किए जाते हैं। क्षेत्रीय अवस्थितियों $\{\omega_{ij}\}$ के लिए भार $\omega_{ij} = e^{-\bar{P}_{ijt_0}^5}$ बनाया गया है।

⁴ सेट ए (सभी संभावित समुच्चयन प्रकारों का) में तीन तत्व हैं जो ऊपरी, औसत एवं निम्नतर हैं।

⁵ यह आधार अवधि में, किसी क्षेत्र की औसत सामान्यीकृत कीमत से व्युत्क्रमानुपाती रूप से जुड़ा है, जो किसी निर्दिष्ट अवस्थिति में विज्ञापनों की संख्या का प्रतिनिधित्व करता है। डेटा से यह देखा गया कि उच्चतर सापेक्ष मूल्य वाले विज्ञापन निम्नतर सापेक्ष मूल्य की तुलना में कम बार आते हैं।

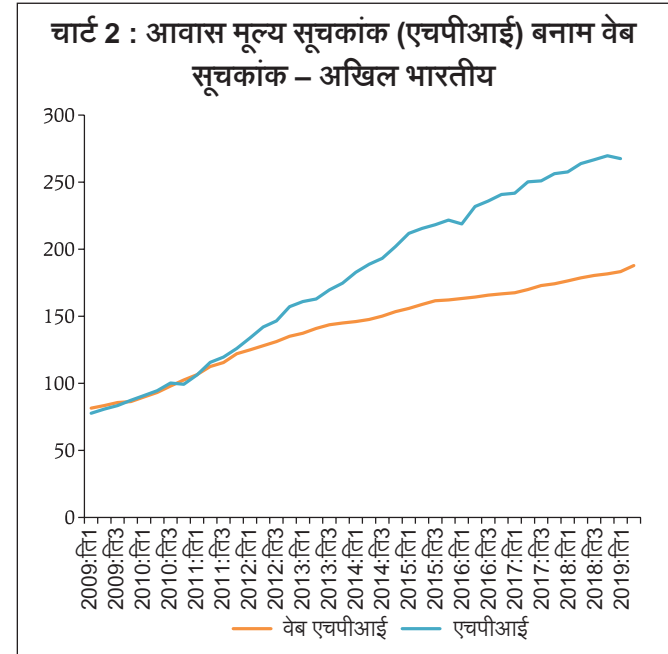
(ई) अंततः, तिमाही अखिल भारतीय आँकड़े प्राप्त करने के लिए, यह मानकर कि शहर और क्षेत्र का प्रतिनिधि कवरेज है, शहर भार को ω_i के रूप में लेते हुए ये मूल्य सापेक्ष (π_{it}) भारित औसत की गणना के लिए प्रयुक्त होते हैं। यह अंक $\pi_t = \frac{\sum_i \pi_{it} \omega_i}{\sum_i \omega_i}$ के रूप में दर्शाया गया है। आवास मूल्य सूचकांक (एचपीआई) बनाने में रिज़र्व बैंक की पद्धति का अनुसरण करते हुए, 2011 की जनगणना के डेटा के अनुसार प्रत्येक शहर के जनसंख्या आकार को तत्संबंधी शहर भार के रूप में लिया गया गया है।⁶

5. सरलीकृत तथ्य और आँकड़ा आधारित पद्धतियां

रिज़र्व बैंक की एचपीआई⁷ हर तिमाही बनाई जाती है जिसमें 1आधार वर्ष 2010-11 (आरबीआई, 2014) होता है तथा प्रमुख शहरों यथा मुंबई, दिल्ली, चेन्नई, कोलकाता, बंगालुरु, लखनऊ, अहमदाबाद, जयपुर, कानपुर और कोच्ची के राज्य सरकारों के पंजीकरण प्राधिकारियों से प्रॉपर्टी लेन-देन संबंधी सरकारी आँकड़ों को आधार बनाया जाता है। कोच्ची शहर को इस एचपीआई के विश्लेषण से बाहर रखा गया है। वेब से प्राप्त आँकड़ों पर आधारित यह सूचकांक कोच्ची को छोड़कर इन सभी शहरों को कवर करता है। इसे वेब (डबल्यूईबी) एचपीआई कह गया है (सरलता के लिए हमने वेब का प्रयोग अदल-बदल कर एक ही अर्थ में किया है)। डबल्यूईबी का आधार वर्ष वही है जो एचपीआई का है।

समग्रतः, वेब (डबल्यूईबी) सूचकांक एचपीआई से कम पाया गया, यानी पंजीकरण डेटा पर आधारित कीमत स्तर विज्ञापनों में दर्शाए गए कीमत स्तर से अधिक है (चार्ट 2)।

आगे, वेब इंडेक्स ग्राफ्स एचपीआई से सहजतर है। अर्थात् विज्ञापन कीमतें बार-बार नहीं बदली जाती, जबकि वास्तविक



पंजीकरण (रजिस्ट्रेशन) डेटा पर आधारित एचपीआई में समय के साथ कीमतों में अधिक भिन्नता है (क्योंकि वास्तविक विक्रय में बहुत अंतर होता है)। इसके अतिरिक्त रजिस्ट्रेशन कीमतों में प्रॉपर्टी के बहुत से कारक जुड़े होते हैं, जैसे मंजिल/तल (फ्लोर) वृद्धि, पोजीशन, मुखी/अग्रभाग (फेसिंग) और अन्य बातें जो विज्ञापन में जाहिर नहीं की जाती। एचपीआई और वेब में पार्थक्य का आँकड़ापरक विश्लेषण इस अध्ययन के क्षेत्र से बाहर है। वैसे, इसके निम्नलिखित कारण हो सकते हैं:

- विज्ञापित कीमतें दीर्घतर अवधि में बदलती हैं, जबकि प्रॉपर्टी की वास्तविक कीमतें काफ़ी ज्यादा होती हैं क्योंकि उसमें कई बातें शामिल होती हैं;
- ग्राहकों को लुभाने के लिए कीमतें छूट (डिस्काउंट) पर विज्ञापित की जाती हैं जबकि अंतिम लेन-देन उच्चतर लागत पर होता है;
- रीयल इस्टेट बाजार अनुसंधान पर कई रिपोर्टें बताती हैं कि 2013-14 से⁸ आवासीय कीमतों की बिक्री में रुझान ढलान का है। फलतः, संभव है कि विज्ञापन में दर्शाई गई कीमतें वास्तव में बिकी संपत्तियों का प्रतिनिधित्व न करें; और

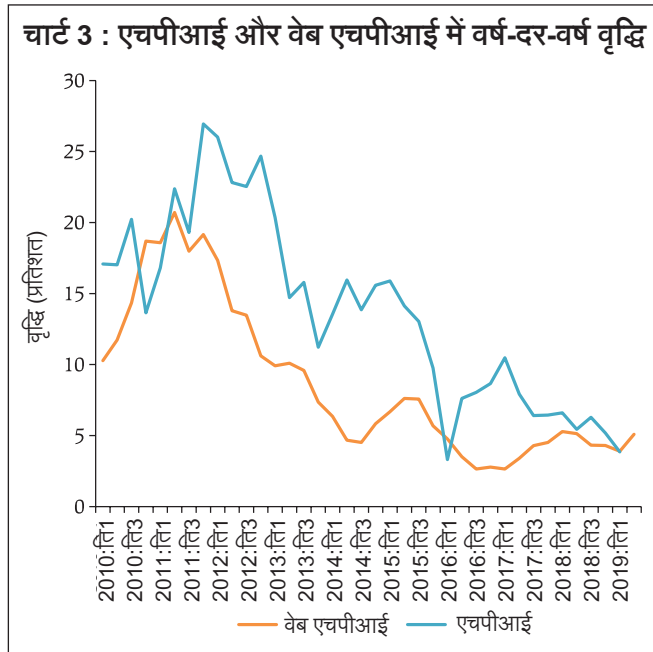
⁶ भार निर्धारण के सभी स्वरूप (अखिल भारतीय स्तर के समुच्चयन को छोड़कर) लेखकों के अनुमान वाली पद्धति पर आधारित है। इस प्रकार के डेटा पर अनुसंधान कार्य या तो सीमित हैं या इन पर कोई भी अनुसंधान कार्य नहीं है जिसके विवरण इस अध्ययन के दायरे से बाहर रखे गए हैं।

⁷ आँकड़े <https://dbie.rbi.org.in/> (Statistics > Real Sector > Prices & Wages > Quarterly) से लिए गए हैं। एचपीआई श्रृंखला उभय अवधि के दो भिन्न आधार वर्ष में उपलब्ध है। 2010-दूसरी तिमाही (2010-11 की पहली तिमाही की समतुल्यता से) के पहले के सूचकांक आँकड़े पुराने आधार वर्ष (2008-09) के सूचकांकों के साथ मिलाकर प्राप्त किए गए हैं।

(iv) एचपीआई की संकलन पद्धति के अनुसार, आवासीय संपत्तियों का समूह एक तिमाही से दूसरी तिमाही में अलग होता है, जो तत्संबंधी अवधि में हुई वास्तविक बिक्री पर निर्भर होता है।

जनवरी 2010- सितंबर 2010, अक्टूबर 2011 – दिसंबर 2015 और अप्रैल 2016- जून 2017 के दौरान पंजीकरण डेटा पर आधारित वर्ष-दर-वर्ष वृद्धि के अंक विज्ञापन आधारित वृद्धि से काफी अधिक थे। तथापि, दोनों शृंखलाओं में कीमतों में वर्ष-दर-वर्ष वृद्धि की सांख्यिकीय सह-गति है। जनवरी-मार्च 2019 में वृद्धि के जो अंक 5 प्रतिशत के नीचे चले गए, उसका कारण संभवतः भू-संपदा (विनियमन और विकास) अधिनियम [रीयल इस्टेट रेग्यूलेशन एंड डेवलपमेंट (रेरा) ऐक्ट], 2016 का कार्यान्वयन रहा हो (चार्ट 3)।

एचपीआई और वेब एचपीआई में आँकड़ापरक संबंध का अध्ययन करने के लिए स्तरों एवं वर्ष-दर-वर्ष वृद्धि पर सहसंबंध विश्लेषण किया गया है।



⁸ 2017 में घरों की बिक्री 2013/14 के स्तर से 40 प्रतिशत नीचे: एनएआरओसीके (स्रोत: <https://economictimes.indiatimes.com/industry/services/property-cstruction/housing-sales-down-40-per-cent-in-2017-from-2013/14-levels-anarock/articleshow/63352292.cms>)

आवास कीमतों की वर्ष-दर-वर्ष वृद्धि की गणना में निम्नलिखित सूत्र का प्रयोग⁹

$$Y_t^{HPI} = \left(\frac{I_t^{HPI}}{I_{t-4}^{HPI}} - 1 \right) * 100 \quad \dots \quad (1)$$

$$Y_t^{WEB} = \left(\frac{I_t^{WEB}}{I_{t-4}^{WEB}} - 1 \right) * 100 \quad \dots \quad (2)$$

एचपीआई के आकलन में वेब एचपीआई डेटा की उपयोगिता का विश्लेषण करने के लिए, निम्नलिखित चरणों का प्रयोग हुआ है:

1. चरों (वेरिएबल्स) Y_t^{HPI} और Y_t^{WEB} का अवर्धमान परीक्षण (स्टेशनरी टेस्ट) करें।
2. यदि तत्संबंधी चर अवर्धमान (नॉनस्टेशनरी) पाए जाते हैं तो यह देखने के लिए एक परीक्षण किया जाता है कि क्या ये चर सहसमेकित (कोइंटीग्रेटेड) हैं।

यदि चर सहसमेकित हैं, तो चरों Y_t^{HPI} और Y_t^{WEB} के आधार पर एक मॉडल बनाएं अन्यथा, दोनों चरों पर अंतरों की एक उपयुक्त संख्या लेते हुए चरों Y_t^{HPI} और Y_t^{WEB} को अवर्धमान शृंखला में बदलने के बाद एक वेक्टर आटो रिग्रेसन (वीएआर) मॉडल बनाएं (एस्टीरियो एंड हॉल, 2011)।

देखने में आया कि चर Y_t^{HPI} और Y_t^{WEB} अस्थिर हैं और सहसमेकित नहीं हैं। पहले क्रम अंतर में चर Y_t^{HPI} और Y_t^{WEB} स्थिर पाए गए। अतः तत्संबंधी वीएआर मॉडल ये हैं:

$$\begin{pmatrix} \Delta Y_t^{HPI} \\ \Delta Y_t^{WEB} \end{pmatrix} = \begin{pmatrix} \alpha^{HPI} \\ \alpha^{WEB} \end{pmatrix} + \sum_{j=1}^p \begin{pmatrix} \gamma_j^{HPI-HPI} & \gamma_j^{WEB-HPI} \\ \gamma_j^{HPI-WEB} & \gamma_j^{WEB-WEB} \end{pmatrix} \begin{pmatrix} \Delta Y_{t-j}^{HPI} \\ \Delta Y_{t-j}^{WEB} \end{pmatrix} + \begin{pmatrix} \epsilon_t^{HPI} \\ \epsilon_t^{WEB} \end{pmatrix} \quad \dots \quad (3)$$

नोट करें कि समीकरण के दाहिनी ओर गुणांक $\gamma_j^{HPI-WEB}$ होने का अर्थ है ΔY_t^{WEB} का पूर्वानुमान करते हुए ΔY_{t-j}^{HPI} के लिए गुणांक एवं अन्य सभी γ_j^{***} को उसी रेखा पर परिभाषित किया गया है। सरलता से दर्शाने के लिए हमने बाद में सारणी 3 प्रथम कॉलम में केवल γ_j^* का प्रयोग किया है (शेष कॉलम γ_j^{***} को पूरी तरह परिभाषित करते हैं)।

समीकरण (3) का आकलन अंतर्निहित डेटा के आधार पर किया गया है।

⁹ समय $t \in \{2, 3, \dots, T\}$ पर और को हम I_t^{HPI} और I_t^{WEB} एचपीआई वेब पीआई के रूप में दर्शा रहे हैं।

6. प्रयोगिक परिणाम

जनवरी-मार्च 2009 से जनवरी-मार्च 2019 (41 तिमाहियों) तक उपलब्ध तत्संबंधी सूचकांक यथा एचपीआई और वेब एचपीआई पर तिमाही डेटा के आधार पर प्रायोगिक विश्लेषण किया गया है।

स्तर व वृद्धि (वर्ष-दर-वर्ष) पर एचपीआई और वेबएचपीआई के बीच आकलित सहसंबंध गुणांक 1 प्रतिशत के स्तर पर सांख्यिकीय रूप से महत्वपूर्ण पाए गए हैं (सारणी 1)।

तत्संबंधी चरों का यूनिट रूट टेस्ट फिलिप्स पेरोन टेस्ट के प्रयोग से किया गया है। देखने में आया कि दोनों चरों Y_t^{HPI} और Y_t^{WEB} का प्रथम क्रम अंतर (फर्स्ट ऑर्डर डिफरेंस) अवर्धमान (स्टेशनरी) पाया गया (सारणी 2)। Y_t^{HPI} और Y_t^{WEB} चरों के बीच जोहानसन सहसमेकन परीक्षण दर्शाता है कि ये चर सहसमेकित नहीं हैं। तदनुसार, सैंपल डेटा के आधार पर एक वीएआर मॉडल (समीकरण 3 की तर्ज पर) आकलित किया गया है।¹⁰ वीएआर मॉडल आवास कीमत की वृद्धिशील वृद्धि के लिए एक आकलन ढाँचा देता है।

आकलित वीएआर मॉडल दर्शाता है कि आवासीय मकान की कीमत की वृद्धिशील वृद्धि का आकलन उनके अंतराल मूल्यों (विगत चार तिमाही) से किया जा सकता है। विशेषतः, वेब पर उपलब्ध कीमत से, पंजीकरण आवासीय मकान कीमत का अनुमान लगाने में सहायता मिल सकती है। पंजीकरण कीमत और ऑनलाइन वेब कीमत के बीच द्विदिशात्मक कारण संबंध है (सारणी 3)।

टेबल 1: आकलित सहसंबंध गुणांक और सांख्यिकीय जाँच

सहसंबंध गुणांक	आकलन	पी- वैल्यू	सैंपल डेटा अवधि
$\rho(I_t^{HPI}, I_t^{WEB})$	0.9869	0.00 (***)	जनवरी-मार्च 2009 से जनवरी-मार्च 2019
$\rho(Y_t^{HPI}, Y_t^{WEB})$	0.7844	0.00 (***)	जनवरी-मार्च 2009 से जनवरी-मार्च 2019
$\rho(\Delta Y_t^{HPI}, \Delta Y_t^{WEB})$	0.1296	0.23	अप्रैल-जून 2010 से जनवरी-मार्च 2019

¹⁰ अंतिम अनुमान त्रुटि (एफपीई) सूचना मानदंड के आधार पर वीएआर मॉडल का अंतराल क्रम (लैग ऑर्डर) तय किया गया है। आकलित वीएआर मॉडल के लिए इष्टतम अंतराल क्रम (ऑप्टिमल लैग ऑर्डर) 4 है।

सारणी 2 : यूनिट रूट टेस्ट – सारांश निष्कर्ष

निराकरण परिकल्पना (नल हाइपोथेसिस)	फिलिप्स पेरोन टेस्ट के सारांश निष्कर्ष	स्वीकार / रद्द करें
Y_t^{HPI} का एक यूनिट रूट है	टेस्ट स्टैटिस्टिक -0.9246, पी वैल्यू 0.7688	स्वीकार
ΔY_t^{HPI} का एक यूनिट रूट है	टेस्ट स्टैटिस्टिक -7.2818, पी वैल्यू 0.0000	रद्द
Y_t^{WEB} का एक यूनिट रूट है	टेस्ट स्टैटिस्टिक -1.0897, पी वैल्यू 0.7096	स्वीकार
ΔY_t^{WEB} का एक यूनिट रूट है	टेस्ट स्टैटिस्टिक -4.4201, पी वैल्यू 0.0012	रद्द

7. निष्कर्ष

बिग डेटा के उपकरणों की सहायता से रीयल इस्टेट विज्ञापनदाताओं के वेब पोर्टलों में आवास कीमतों पर उपलब्ध डेटा को एकत्रित और प्रसंस्कृत (प्रोसेस) किया गया है। ऑनलाइन उपलब्ध विज्ञापन डेटा के आधार पर रिहाइशी मकान कीमत का एक वैकल्पिक संकेतक बनाया गया है। एचपीआई और वेब एचपीआई के कीमत स्तरों के बीच अंतराल है। विज्ञापन डेटा के आधार पर रिहाइशी मकान कीमत का स्तर पंजीकरण डेटा वाले स्तर से कम है। साथ ही, जनवरी 2010 -सितंबर 2010, अक्टूबर 2011 – दिसंबर 2015 और अप्रैल 2016 – जून 2017 के दौरान, पंजीकरण डेटा में मूल्य वृद्धि में बढ़ोतरी विज्ञापन के आधार पर जोड़ी गई बढ़ोतरी की तुलना में काफी अधिक थी। तथापि सूचकांकों (एचपीआई और वेब) और उनकी वर्ष-दर-वर्ष वृद्धि में सहसंबंध धनात्मक और सांख्यिकीय रूप से महत्वपूर्ण

सारणी 3 : आकलित वीएआर मॉडल

सहगुणांक	अंतर्जात (एंडोजीनस) चर	
	ΔY_t^{HPI}	ΔY_t^{WEB}
$\alpha^{HPI} / \alpha^{WEB}$	-0.3850 (0.44)	-0.2737 (0.18)
γ_1^{HPI}	-0.0189 (0.91)	-0.0103 (0.87)
γ_2^{HPI}	-0.1922 (0.21)	0.0372 (0.53)
γ_3^{HPI}	0.2007 (0.18)	0.1073 (0.00)
γ_4^{HPI}	-0.4307 (0.01)	-0.1366 (0.04)
γ_1^{WEB}	0.2033 (0.63)	0.2101 (0.22)
γ_2^{WEB}	0.0288 (0.93)	0.4651 (0.00)
γ_3^{WEB}	-0.3672 (0.27)	-0.0591 (0.65)
γ_4^{WEB}	0.9768 (0.00)	-0.3212 (0.02)
$R^2 (adj)$	0.32 (0.03)	0.40 (0.01)

ग्रैंगर कारण जाँच

निराकरण परिकल्पना (नल हाइपोथिसिस)	सारांश परिणाम
$\Delta Y_t^{HPI} \Delta Y_t^{WEB}$ का ग्रैंगर कारण नहीं	एफ-टेस्ट = 2.9509 (0.03)
$\Delta Y_t^{WEB} \Delta Y_t^{HPI}$ का ग्रैंगर कारण नहीं	एफ-टेस्ट = 2.8186 (0.04)

स्रोत: लेखकों द्वारा की गई गणना।
प्रथम कोष्ठकों के अंक पी- वैल्यू दर्शाते हैं।

पाया गया। अतः विज्ञापन डेटा पर आधारित रिहाइशी मकान का मूल्य एक महत्वपूर्ण संकेतक हो सकता है, और इसके प्रयोग पर और आगे अनुसंधान के प्रयास किए जा सकते हैं।

संदर्भ

Alan G. Ahearne, John Ammer, Brian M. Doyle, Linda S. Kole, and Robert F. Martin, (2005). "House Prices and Monetary Policy: A Cross-Country Study", *Board of Governors of the Federal Reserve System*.

Asteriou, D. & Hall, S. G., (2011). "Vector Autoregressive (VAR) Models and Causality Tests". *Applied Econometrics (Second ed.)*. London: Palgrave MacMillan, p. 319-333.

Banerjee, R., Singhal, N. & Subramanian, C., (2018). "Predicting Food Price Inflation through Online Prices in India". *Economic and Political Weekly, Volume LIII No 23, pp. 132-135*.

Cavallo, A., & Rigobon, R. (2016). "The Billion Prices Project: Using Online Prices for Measurement and Research". *Journal of Economic Perspectives, 30(2), 151-178*. <https://doi.org/10.1257/jep.30.2.151>

Choi, H., & Varian, H. (2012). "Predicting the Present with Google Trends". *Economic Record, 88(SUPPL.1), 2-9*. <https://doi.org/10.1111/j.1475-4932.2012.00809.x>

Kristiawardani, K., & Sampe, I. (2017). "Using Online Property Advertisements Data as a Proxy for Property Market Indicators Bank Indonesia". *FC-Bank Indonesia Satellite Seminar on "Big Data" at the ISI Regional Statistics Conference 2017 Bali, Indonesia, March*.

Mitra, P., Sanyal, A., & Choudhury, S. (2017). "Nowcasting Real Estate Activity in India using Google Trend Data". *Reserve Bank of India - Occasional Papers, 38-No. 1*. https://rbi.org.in/Scripts/bs_viewcontent.aspx?Id=3516.

RBI, (2014). "House Price Index: 2010-11 to 2013-14". *RBI Monthly Bulletin, October, pp. 93-96*.

Wu, L., & Brynjolfsson, E. (2015). "The Future of Prediction : How Google Searches Foreshadow Housing Prices and Sales". *Economic Analysis of the Digital Economy: April 2015*. <https://doi.org/10.3386/w19549>

वर्तमान सांख्यिकी

चुनिंदा आर्थिक संकेतक
भारतीय रिज़र्व बैंक
मुद्रा और बैंकिंग
मूल्य और उत्पादन
सरकारी खाते और खज़ाना बिल
वित्तीय बाजार
बाह्य क्षेत्र
भुगतान और निपटान प्रणालियाँ
अवसरिक श्रृंखला

विषयवस्तु

संख्या	शीर्षक	पृष्ठ
1	चुनिदा आर्थिक संकेतक	45
	भारतीय रिज़र्व बैंक	
2	भारतीय रिज़र्व बैंक - देयताएं और आस्तियां	46
3	भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा चलनिधि परिचालन	47
4	भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा अमरिकी डॉलर का क्रय/विक्रय	48
4ए	भारतीय रिज़र्व बैंक में बकाया वायदे का (अवशिष्ट परिपक्वता के अनुसार) परिपक्वता विश्लेषण (मिलियन अमरिकी डॉलर)	49
5	भारतीय रिज़र्व बैंक की स्थायी सुविधाएं	49
	मुद्रा और बैंकिंग	
6	मुद्रा स्टॉक मात्रा	50
7	मुद्रा स्टॉक (एम ₃) के स्रोत	51
8	मौद्रिक सर्वेक्षण	52
9	कुल चलनिधि राशियां	52
10	भारतीय रिज़र्व बैंक सर्वेक्षण	53
11	आरक्षित मुद्रा - घटक और स्रोत	53
12	वाणिज्य बैंक सर्वेक्षण	54
13	अनुसूचित वाणिज्य बैंकों के निवेश	54
14	भारत में कारोबार - सभी अनुसूचित बैंक और सभी अनुसूचित वाणिज्य बैंक	55
15	प्रमुख क्षेत्रों द्वारा सकल बैंक ऋण का अभिनियोजन	56
16	सकल बैंक ऋण का उद्योग-वार विनियोजन	57
17	भारतीय रिज़र्व बैंक में खाते रखने वाले राज्य सहकारी बैंक	58
	मूल्य और उत्पादन	
18	उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (आधार: 2012=100)	59
19	अन्य उपभोक्ता मूल्य सूचकांक	59
20	मुंबई में सोने और चांदी का मासिक औसत मूल्य	59
21	थोक मूल्य सूचकांक	60
22	औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (आधार: 2011-12=100)	64
	सरकारी खाते और खज़ाना बिल	
23	केन्द्र सरकार के खाते - एक नज़र में	64
24	खज़ाना बिल - स्वामित्व का स्वरूप	65
25	खज़ाना बिलों की नीलामी	65
	वित्तीय बाजार	
26	दैनिक मांग मुद्रा दरें	66
27	जमाराशि प्रमाण-पत्र	67
28	वाणिज्यिक पत्र	67
29	चुनिदा वित्तीय बाजारों में औसत दैनिक टर्नओवर	67
30	गैर-सरकारी पब्लिक लिमिटेड कंपनियों के नए पूंजी निर्गम	68

संख्या	शीर्षक	पृष्ठ
	बाह्य क्षेत्र	
31	विदेशी व्यापार	69
32	विदेशी मुद्रा भंडार	69
33	अनिवासी भारतीयों की जमाराशियां	69
34	विदेशी निवेश अंतर्वाह	70
35	निवासी भारतीयों के लिए उदारीकृत विप्रेषण योजना के अंतर्गत जावक विप्रेषण	70
36	भारतीय रुपये का वास्तविक प्रभावी विनिमय दर (आरईईआर) और सांकेतिक प्रभावी विनिमय दर (एनईईआर) सूचकांक	71
37	बाह्य वाणिज्यिक उधार	71
38	भारत का समग्र भुगतान संतुलन (मिलियन अमरिकी डॉलर)	72
39	भारत का समग्र भुगतान संतुलन (करोड़ ₹)	73
40	बीपीएम 6 के अनुसार भारत में भुगतान संतुलन का मानक प्रस्तुतीकरण (मिलियन अमरिकी डॉलर)	74
41	बीपीएम 6 के अनुसार भारत में भुगतान संतुलन का मानक प्रस्तुतीकरण (करोड़ ₹)	75
42	अंतरराष्ट्रीय निवेश स्थिति	76
	भुगतान और निपटान प्रणालियाँ	
43	भुगतान प्रणाली संकेतक	77
	अवसरिक श्रृंखला	
44	लघु बचत	79
45	केंद्र और राज्य सरकारों की प्रतिभूतियों के स्वामित्व का स्वरूप	80
46	केन्द्र और राज्य सरकारों की संयुक्त प्राप्तियां और संवितरण	81
47	विभिन्न सुविधाओं के अंतर्गत राज्य सरकारों द्वारा ली गई वित्तीय सहायता	82
48	राज्य सरकारों द्वारा किए गए निवेश	83
49	राज्य सरकारों की बाज़ार उधारियां	84

टिप्पणियां : .. = उपलब्ध नहीं।

– = शून्य/नगण्य

प्रा/अ= प्रारंभिक/अनंतिम आंसं = आंशिक रूप से संशोधित

सं. 1 : चुनिंदा आर्थिक संकेतक

मद	2019-20	2018-19		2019-20	
		ति3	ति4	ति3	ति4
	1	2	3	4	5
1 वस्तु क्षेत्र (% परिवर्तन)					
1.1 आधार मूल्यों पर जीवीए	3.9	5.6	5.6	3.5	3.0
1.1.1 कृषि	4.0	2.0	1.6	3.6	5.9
1.1.2 उद्योग	0.8	4.4	1.4	-0.4	-0.01
1.1.3 सेवाएं	5.0	7.3	8.3	4.9	3.5
1.1क अंतिम खपत व्यय	6.3	7.0	7.3	7.6	4.2
1.1ख सकल नियत पूंजी निर्माण	-2.8	11.4	4.4	-5.2	-6.5
	2019-20	2019		2020	
	1	अप्रैल	मई	अप्रैल	मई
	1	2	3	4	5
1.2 औद्योगिक उत्पादन सूचकांक	-0.8	3.2	4.5	-55.5	-
2 मुद्रा और बैंकिंग (% परिवर्तन)					
2.1 अनुसूचित वाणिज्य बैंक					
2.1.1 जमाराशियां	7.9	9.7	11.1	9.9	10.5
2.1.2 ऋण	6.1	13.0	13.5	6.8	5.5
2.1.2.1 गैर-खाद्यान्न ऋण	6.1	13.1	13.3	6.7	5.5
2.1.3 सरकारी प्रतिभूतियों में निवेश	10.6	2.8	3.7	14.9	16.7
2.2 मुद्रा स्टॉक मात्रा					
2.2.1 आरक्षित मुद्रा (एम0)	9.4	13.0	13.8	9.1	11.8
2.2.2 स्थूल मुद्रा (एम3)	8.9	10.0	10.3	10.8	11.7
3 अनुपात (%)					
3.1 आरक्षित नकदी निधि अनुपात	3.00	4.00	4.00	3.00	3.00
3.2 सांविधिक चलनिधि अनुपात	18.25	19.00	19.00	18.00	18.00
3.3 नकदी-जमा अनुपात	4.6	4.8	4.9	3.7	3.8
3.4 ऋण-जमा अनुपात	76.4	77.1	76.8	74.9	73.3
3.5 वृद्धिशील ऋण-जमा अनुपात	60.3	*	-212.9	-62.6	-38.7
3.6 निवेश-जमा अनुपात	27.6	27.7	27.7	28.9	29.3
3.7 वृद्धिशील निवेश-जमा अनुपात	36.2	*	302.3	147.5	91.4
4 व्याज दरें (%)					
4.1 नीति रिपो दर	4.40	6.00	6.00	4.40	4.00
4.2 रिवर्स रिपो दर	4.00	5.75	5.75	3.75	3.35
4.3 सीमांत स्थायी सुविधा दर	4.65	6.25	6.25	4.65	4.25
4.4 बैंक दर	4.65	6.25	6.25	4.65	4.25
4.5 आधार दर	8.15/9.40	8.95/9.40	8.95/9.40	8.15/9.40	8.15/9.40
4.6 एमसीएलआर (एक दिन के लिए)	7.40/7.90	8.05/8.50	8.05/8.50	7.10/7.75	6.95/7.50
4.7 एक वर्ष से अधिक की मीयादी जमा दर	5.90/6.40	6.25/7.50	6.25/7.50	5.70/6.00	5.10/5.90
4.8 बचत जमा दर	3.00/3.50	3.50/4.00	3.50	2.75/3.50	2.75/3.50
4.9 मांग मुद्रा दर (भारित औसत)	5.05	6.16	5.90	4.09	3.62
4.10 91-दिवसीय खजाना बिल (प्राथमिक) आय	4.36	6.44	6.19	3.64	3.19
4.11 182-दिवसीय खजाना बिल (प्राथमिक) आय	4.97	6.50	6.27	3.66	3.40
4.12 364-दिवसीय खजाना बिल (प्राथमिक) आय	4.94	6.51	6.30	3.70	3.41
4.13 10-वर्षीय सरकारी प्रतिभूतियों पर आय (एफबीआईएल)	6.71	7.44	7.07	6.55	5.79
5 आरबीआई संदर्भ दर और फारवर्ड प्रीमिया					
5.1 भा.रु.-अमरिकी डॉलर हाजिर दर (₹ प्रति विदेशी मुद्रा)	74.84	70.14	69.81	76.42	75.64
5.2 भा.रु.-यूरो हाजिर दर (₹ प्रति विदेशी मुद्रा)	82.64	78.13	77.73	82.21	83.91
5.3 फारवर्ड प्रीमिया अमरिकी डॉलर					
1-माह (%)	8.98	4.83	3.95	3.93	3.49
3-माह (%)	5.93	4.51	3.95	3.85	3.60
6-माह (%)	5.05	4.28	3.93	3.93	3.73
6 मुद्रास्फीति (%)					
6.1 अखिल भारतीय उपभोक्ता मूल्य सूचकांक	4.76	3.0	3.0	-	-
6.2 औद्योगिक कामगारों के लिए उपभोक्ता मूल्य सूचकांक	7.54	8.3	8.7	5.4	5.1
6.3 थोक मूल्य सूचकांक	1.69	3.2	2.8	-	-3.2
6.3.1 प्राथमिक वस्तुएं	6.77	6.6	6.8	-0.8	-2.9
6.3.2 ईंधन और पावर	-1.63	3.8	2.0	-10.1	-19.8
6.3.3 विनिर्मित उत्पाद	0.29	1.9	1.5	-	-0.4
7 विदेशी व्यापार (% परिवर्तन)					
7.1 आयात	-7.80	6.1	6.3	-59.6	-52.4
7.2 निर्यात	-5.13	0.3	3.1	-60.2	-36.2

हर नकारात्मक है।

टिप्पणी : फाइनेंसियल बेंचमार्क इंडिया प्रा. लि. (एफबीआईएल) भारतीय रिजर्व बैंक के 31 अप्रैल 2018 के परिपत्र एफएमआरडी.डीआईआरडी.7/14.03.025/ 2017-18 के अनुसार जी सेक बेंचमार्क का प्रकाशन शुरू किया है। एफबीआईएल ने 10 जुलाई 2018 से संदर्भ दरों का प्रसार शुरू किया है।

भारतीय रिज़र्व बैंक

सं. 2 : भारतीय रिज़र्व बैंक - देयताएं और आस्तियां*

(करोड़ ₹)

मद	अंतिम शुक्रवार/शुक्रवार की स्थिति						
	2019-20	2019	2020				
		जून	मई 29	जून 5	जून 12	जून 19	जून 26
	1	2	3	4	5	6	7
1 निर्गम विभाग							
1.1 देयताएं							
1.1.1 संचलन में नोट	2412993	2163530	2590153	2613007	2632418	2634218	2634067
1.1.2 बैंकिंग विभाग में रखे गए नोट	10	9	16	14	12	13	15
1.1/1.2 कुल देयताएं (जारी किए गए कुल नोट) या आस्तियां	2413003	2163539	2590169	2613021	2632430	2634231	2634082
1.2 आस्तियां							
1.2.1 सोने के सिक्के और बुलियन	103439	75782	109837	108682	111514	110810	112397
1.2.2 विदेशी प्रतिभूतियां	2308718	2086924	2479521	2503536	2520119	2522631	2520899
1.2.3 रुपया सिक्का	846	833	811	803	796	790	786
1.2.4 भारत सरकार की रुपया प्रतिभूतियां	-	-	-	-	-	-	-
2 बैंकिंग विभाग							
2.1 देयताएं							
2.1.1 जमाराशियां	1187409	745515	1170867	1194930	1210545	1195744	1195948
2.1.1.1 केंद्र सरकार	100	100	101	100	100	101	100
2.1.1.2 बाजार स्थिरीकरण योजना							
2.1.1.3 राज्य सरकारें	43	42	42	43	43	42	43
2.1.1.4 अनुसूचित वाणिज्य बैंक	536186	572013	435222	445527	422778	451363	430194
2.1.1.5 अनुसूचित राज्य सहकारी बैंक	7603	3997	5619	5936	5797	5299	5597
2.1.1.6 गैर-अनुसूचित राज्य सहकारी बैंक	3445	2661	2575	2610	2633	2583	2500
2.1.1.7 अन्य बैंक	32641	30866	25557	24760	25307	25218	25610
2.1.1.8 अन्य	605100	135836	694192	708760	742121	701936	718167
2.1.1.9 भारत के बाहर वित्तीय संस्थान	2291		7559	7194	11765	9202	13737
2.1.2 अन्य देयताएं	1350333	1130945	1468659	1493562	1516131	1524830	1506675
2.1/2.2 कुल देयताएं या आस्तियां	2537742	1876460	2639526	2688492	2726676	2720574	2702623
2.2 आस्तियां							
2.2.1 नोट और सिक्के	10	9	16	14	12	13	15
2.2.2 विदेश में रखे शेष	1006357	692694	990118	1028284	1062892	1063604	1044240
2.2.3 ऋण और अग्रिम							
2.2.3.1 केन्द्र सरकार	50477	6596	-	-	-	-	-
2.2.3.2 राज्य सरकारें	1967	1661	7187	8806	6516	4663	3416
2.2.3.3 अनुसूचित वाणिज्य बैंक	285623	54185	291023	291119	291109	290757	290512
2.2.3.4 अनुसूचित राज्य सहकारी बैंक	-	-	-	-	-	-	-
2.2.3.5 भारतीय औद्योगिक विकास बैंक	-	-	-	-	-	-	-
2.2.3.6 नाबार्ड	-	-	22000	22051	22051	22051	22051
2.2.3.7 एक्विजिशन बैंक	-	-	-	-	-	-	-
2.2.3.8 अन्य	10064	6791	5402	4832	5985	5223	7239
2.2.3.9 भारत के बाहर की वित्तीय संस्थाएं	2300			1997	1940	3890	6948
2.2.4 खरीदे और भुनाए गए बिल							
2.2.4.1 आंतरिक	-	-	-	-	-	-	-
2.2.4.2 सरकारी खजाना बिल	-	-	-	-	-	-	-
2.2.5 निवेश	1042950	985767	1174491	1183386	1183417	1176700	1171426
2.2.6 अन्य आस्तियां	137993	128757	149289	148003	152754	153673	156776
2.2.6.1 सोना	127644	84483	137294	135850	140102	139218	141212

*: डेटा अनंतिम है।

सं. 3 : भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा चलनिधि परिचालन

(करोड़ ₹)

दिनांक	रिपो	रिवर्स रिपो	परिवर्तन-शील रिपो दर	परिवर्तन-शील रिवर्स रिपो दर	एमएसएफ	स्थायी चलनिधि सुविधाएं	बाजार स्थिरीकरण योजना	विक्रय	क्रय	दीर्घावधि रिपो परिचालन	लक्षित दीर्घावधि रिपो परिचालन#	म्यूचुअल फंड के लिए विशेष चलनिधि सुविधा	निवल अंतर्वेशन (+)/ अवशोषण (-) (1+3+5+6+9+10+11+12-2-4-7-8)
	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13
मई 1, 2020	-	27030	-	-	525	-	-	-	-	-	-	-	-26505
मई 2, 2020	-	85592	-	-	0	-	-	-	-	-	-	-	-85592
मई 3, 2020	-	4276	-	-	0	-	-	-	-	-	-	-	-4276
मई 4, 2020	-	841906	-	-	5	360	-	-	-	-	-	-	-841541
मई 5, 2020	-	853282	-	-	0	985	-	-	-	-	-	-	-852297
मई 6, 2020	-	819783	-	-	2000	10000	-	-	-	-	-	-	-807783
मई 7, 2020	-	22029	-	-	1451	-	-	-	-	-	-	-	-20578
मई 8, 2020	-	801152	-	-	16	-	-	-	29468	-	-	-	-771668
मई 9, 2020	-	2470	-	-	0	-	-	-	-	-	-	-	-2470
मई 10, 2020	-	0	-	-	0	-	-	-	-	-	-	-	0
मई 11, 2020	-	796461	-	-	0	250	-	-	-	-	-	-	-796211
मई 12, 2020	-	814794	-	-	0	338	-	-	-	-	-	-	-814456
मई 13, 2020	-	813040	-	-	100	9125	-	-	-	-	-	-	-803815
मई 14, 2020	-	783439	-	-	0	-5195	-	-	-	-	-	-	-788634
मई 15, 2020	-	781499	-	-	0	-	-	-	-	-	-	-	-781499
मई 16, 2020	-	21437	-	-	50	-	-	-	-	-	-	-	-21387
मई 17, 2020	-	0	-	-	0	-	-	-	-	-	-	-	0
मई 18, 2020	-	760861	-	-	24	-	-	-	-	-	-	-	-760837
मई 19, 2020	-	759380	-	-	0	-	-	-	-	-	-	-	-759380
मई 20, 2020	-	746673	-	-	0	-	-	-	-	-	-	-	-746673
मई 21, 2020	-	717869	-	-	0	3334	-	-	-	-	-	-	-714535
मई 22, 2020	-	728963	-	-	1400	-965	-	-	-	-	-	-	-728528
मई 23, 2020	-	2475	-	-	0	-	-	-	-	-	-	-	-2475
मई 24, 2020	-	0	-	-	0	-	-	-	-	-	-	-	0
मई 25, 2020	-	2932	-	-	0	-	-	-	-	-	-	-	-2932
मई 26, 2020	-	733886	-	-	65	-	-	-	-	-	-	-	-733821
मई 27, 2020	-	735369	-	-	0	-	-	-	-	-	-	-	-735369
मई 28, 2020	-	632882	-	-	0	336	-	-	-	-	-	-	-632546
मई 29, 2020	-	642677	-	-	181	4325	-	-	-	-	-	-	-638171
मई 30, 2020	-	39847	-	-	15	-	-	-	-	-	-	-	-39832
मई 31, 2020	-	5	-	-	0	-	-	-	-	-	-	-	-5

लक्षित दीर्घावधि रिपो परिचालन (टीएलटीआरओ) और लक्षित दीर्घावधि रिपो परिचालन 2.0 (टीएलटीआरओ 2.0) शामिल है।

सं. 4: भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा अमरिकी डॉलर का क्रय-विक्रय

i) ओटीसी सेगमेंट में ऑनशॉर / ऑफशॉर में परिचालन

मद	2019-20	2019	2020	
		मई	अप्रैल	मई
	1	2	3	4
1 विदेशी मुद्रा का निवल क्रय/विक्रय (मिलियन अमरिकी डॉलर) (1.1-1.2)	45097	2538	-1142	4363
1.1 क्रय (+)	72205	5118	2450	4663
1.2 विक्रय (-)	27108	2580	3592	300
2 संविदा दर पर ₹ के बराबर (करोड़ ₹)	312005	16798	-8589	32724
3 संचयी (मार्च के अंत से) (मिलियन अमरिकी डॉलर)	45097	7439	-1142	3221
(करोड़ ₹)	312005	49890	-8589	24135
4 माह के अंत में बकाया निवल वायदा विक्रय (-)/क्रय (+) (मिलियन अमरिकी डॉलर)	-4939	-18288	-1739	-1958

ii) मुद्रा फ्यूचर्स सेगमेंट में परिचालन

मद	2019-20	2019	2020	
		मई	अप्रैल	मई
	1	2	3	4
1 विदेशी मुद्रा का निवल क्रय/विक्रय (मिलियन अमरिकी डॉलर) (1.1-1.2)	0	0	0	0
1.1 क्रय (+)	7713	312	500	0
1.2 विक्रय (-)	7713	312	500	0
2 माह के अंत में बकाया निवल मुद्रा वायदा विक्रय (-)/क्रय (+) (मिलियन अमरिकी डॉलर)	-500	0	0	0

**सं. 4ए भारतीय रिज़र्व बैंक में बकाया वायदे का (अवशिष्ट परिपक्वता के अनुसार)
परिपक्वता विश्लेषण (मिलियन अमरिकी डॉलर)**

मद	31 मई 2020 तक		
	दीर्घ (+)	अल्प (-)	निवल (1-2)
	1	2	3
1. 1 माह तक	616	0	616
2. 1 माह से अधिक और 3 माह तक	2082	470	1612
3. 3 माह से अधिक और 1 वर्ष तक	7069	1235	5834
4. 1 वर्ष से अधिक	0	10020	-10020
कुल (1+2+3+4)	9767	11725	-1958

सं. 5: भारतीय रिज़र्व बैंक की स्थायी सुविधाएं

(करोड़ ₹)

मद	नियत अंतिम शुक्रवार की स्थिति							
	2019-20	2019	2020					
			जून 21	जनवरी 31	फरवरी 28	मार्च 27	अप्रैल 24	मई 22
	1	2	3	4	5	6	7	8
1 सीमांत स्थायी सुविधा	1262	1400	2340	4130	1262	45	1400	310
2 अनुसूचित वाणिज्य बैंकों के लिए निर्यात ऋण पुर्नवित्त								
2.1 सीमा	-	-	-	-	-	-	-	-
2.2 बकाया	-	-	-	-	-	-	-	-
3 प्राथमिक व्यापारियों के लिए चलनिधि सुविधा								
3.1 सीमा	10000	2800	2800	2800	10000	10000	4900	4900
3.2 बकाया	4782	2453	1872	1815	4782	4162	1372	326
4 अन्य								
4.1 सीमा	-	-	-	-	-	50000	50000	50000
4.2 बकाया	-	-	-	-	-	-	21369	26894
5 कुल बकाया (1+2.2+3.2+4.2)	6044	3853	4212	5945	6044	4207	24141	27530

टिप्पणी: 1. अन्य को विशेष पुर्नवित्त सुविधा अर्थात एक्जिम बैंक को 31 मार्च 2013 से बंद है।

2. अन्य को पुर्नवित्त सुविधा अर्थात नाबार्ड/सिडबी/एनएचबी यू/एस को भारिबैं अधिनियम, 1934 की 17(4एच) के अनुसार 17 अप्रैल 2020 से बंद है।

मुद्रा और बैंकिंग

सं. 6: मुद्रा स्टॉक मात्रा

(करोड़ ₹)

मद	मार्च 31 /माह के नियत अंतिम शुक्रवार/नियत शुक्रवार की बकाया स्थिति				
	2019-20	2019	2020		
		मई 24	अप्रैल 24	मई 8	मई 22
	1	2	3	4	5
1 जनता के पास मुद्रा (1.1 + 1.2 + 1.3 - 1.4)	2349715	2117366	2424621	2473823	2512742
1.1 संचलन में नोट	2420964	2178611	2496611	2543244	2584761
1.2 रुपये सिक्के का संचलन	25572	25167	25572	25572	25572
1.3 छोटे सिक्कों का संचलन	743	743	743	743	743
1.4 बैंकों के पास नकदी	97563	87155	98305	95736	98334
2 जनता की जमाराशियां	1776199	1456204	1621593	1603787	1606278
2.1 बैंकों के पास मांग जमाराशियां	1737692	1427752	1582022	1565514	1564750
2.2 रिजर्व बैंक के पास 'अन्य' जमाराशियां	38507	28452	39570	38273	41528
3 एम₁ (1 + 2)	4125915	3573571	4046213	4077610	4119020
4 डाकघर बचत बैंक जमाराशियां	141786	142624	141786	141786	141786
5 एम₂ (3 + 4)	4267701	3716195	4187999	4219396	4260806
6 बैंकों के पास मीयादी जमाराशियां	12674016	11847507	12987875	13132192	13111844
7 एम₃ (3 + 6)	16799930	15421077	17034088	17209802	17230864
8 कुल डाकघर जमाराशियां	409246	379196	409246	409246	409246
9 एम₄ (7 + 8)	17209176	15800273	17443334	17619048	17640110

सं. 7: मुद्रा स्टॉक (एम₃) का स्रोत

(करोड़ ₹)

स्रोत	मार्च 31 /माह के लिए नियत अंतिम शुक्रवार/ नियत शुक्रवार की स्थिति के अनुसार बकाया				
	2019-20	2019	2020		
		मई 24	अप्रैल 24	मई 8	मई 22
	1	2	3	4	5
1 सरकार को निवल बैंक ऋण	4906583	4604407	5415971	5576245	5551592
1.1 आरबीआई का सरकार को निवल ऋण (1.1.1-1.1.2)	992192	879209	1214517	1313672	1266000
1.1.1 सरकार पर दावे	1047808	946528	1214660	1313815	1266144
1.1.1.1 केन्द्र सरकार	1045314	946002	1213597	1308233	1259392
1.1.1.2 राज्य सरकारें	2494	526	1063	5582	6752
1.1.2 आरबीआई के पास सरकार की जमा राशियां	55616	67319	143	143	144
1.1.2.1 केन्द्र सरकार	55573	67277	100	101	101
1.1.2.2 राज्य सरकारें	43	42	43	42	43
1.2 सरकार को अन्य बैंक ऋण	3914391	3725198	4201454	4262573	4285592
2 वाणिज्यिक क्षेत्र को बैंक ऋण	11038644	10229660	10923206	10904521	10874441
2.1 आरबीआई का वाणिज्यिक क्षेत्र को ऋण	13166	9245	6126	7819	5680
2.2 वाणिज्यिक क्षेत्र को अन्य बैंकों द्वारा दिया गया ऋण	11025478	10220415	10917080	10896702	10868761
2.2.1 वाणिज्य बैंकों द्वारा बैंक ऋण	10370861	9621545	10273416	10251833	10222753
2.2.2 सहकारी बैंकों द्वारा बैंक ऋण	637776	588811	633810	634198	635415
2.2.3 वाणिज्य और सहकारी बैंकों द्वारा अन्य प्रतिभूतियों में निवेश	16842	10059	9854	10671	10592
3 बैंकिंग क्षेत्र की निवल विदेशी मुद्रा आस्तियां (3.1 + 3.2)	3801036	3136550	3872236	3863044	3910796
3.1 आरबीआई की निवल विदेशी मुद्रा आस्तियां (3.1.1-3.1.2)	3590402	2914296	3661602	3652410	3700162
3.1.1 सकल विदेशी आस्तियां	3590636	2914511	3661836	3652649	3700397
3.1.2 विदेशी देयताएं	234	215	234	239	235
3.2 अन्य बैंकों की निवल विदेशी मुद्रा आस्तियां	210634	222254	210634	210634	210634
4 जनता के प्रति सरकार की मुद्रा देयताएं	26315	25910	26315	26315	26315
5 बैंकिंग क्षेत्र की निवल गैर-मौद्रिक देयताएं	2972648	2575449	3203639	3160323	3132280
5.1 आरबीआई की निवल गैर-मौद्रिक देयताएं	1378342	1071131	1456364	1434500	1459643
5.2 अन्य बैंकों की निवल गैर-मौद्रिक देयताएं (अवशिष्ट)	1594306	1504318	1747275	1725823	1672637
एम₃ (1+2+3+4-5)	16799930	15421077	17034088	17209802	17230864

सं. 8: मौद्रिक सर्वेक्षण

(करोड़ ₹)

मद	मार्च 31 /माह के लिए नियत अंतिम शुक्रवार/ नियत शुक्रवार की स्थिति के अनुसार बकाया				
	2019-20	2019		2020	
		मई 24	अप्रैल 24	मई 8	मई 22
	1	2	3	4	5
मौद्रिक समुच्चय					
एन एम1 (1.1 + 1.2.1+1.3)	4125915	3573571	4046213	4077610	4119020
एन एम2 (एन एम1 + 1.2.2.1)	9745743	8827949	9809686	9906895	9938829
एन एम3 (एन एम2 + 1.2.2.2 + 1.4 = 2.1 + 2.2 + 2.3 - 2.4- 2.5)	16923860	15607776	17155388	17326734	17342718
1 घटक					
1.1 जनता के पास मुद्रा	2349715	2117366	2424621	2473823	2512742
1.2. निवासियों की कुल जमाराशियां	14226198	13104148	14389739	14519482	14497659
1.2.1 मांग जमाराशियां	1737692	1427752	1582022	1565514	1564750
1.2.2 निवासियों की सावधि जमाराशियां	12488506	11676396	12807716	12953967	12932909
1.2.2.1 अल्पावधि सावधि जमाराशियां	5619828	5254378	5763472	5829285	5819809
1.2.2.1.1 जमा प्रमाण-पत्र	169419	255002	163845	169525	156220
1.2.2.2 दीर्घावधि सावधि जमाराशियां	6868678	6422018	7044244	7124682	7113100
1.3 भा.रि.बैं. के पास 'अन्य' जमाराशियां	38507	28452	39570	38273	41528
1.4 वित्तीय संस्थाओं से मांग /सावधि निधीयन	309439	357809	301459	295156	290789
2 स्रोत					
2.1 देशी ऋण	16802627	15724291	17253140	17453728	17436173
2.1.1 सरकार को निवल बैंक ऋण	4906583	4604407	5415971	5576245	5551592
2.1.1.1 सरकार को निवल भा.रि.बैं. ऋण	992192	879209	1214517	1313672	1266000
2.1.1.2 बैंकिंग प्रणाली द्वारा सरकार को ऋण	3914391	3725198	4201454	4262573	4285592
2.1.2 वाणिज्यिक क्षेत्र को बैंक ऋण	11896044	11119885	11837169	11877482	11884581
2.1.2.1 वाणिज्यिक क्षेत्र को भा.रि.बैंक ऋण	13166	9245	6126	17819	24680
2.1.2.2 बैंकिंग प्रणाली द्वारा वाणिज्यिक क्षेत्र को ऋण	11882878	11110640	11831043	11859663	11859901
2.1.2.2.1 अन्य निवेश (गैर-एसएलआर प्रतिभूतियां)	846284	880527	902293	952112	979542
2.2 जनता के प्रति सरकार की मुद्रा देयताएं	26315	25910	26315	26315	26315
2.3 बैंकिंग क्षेत्र की निवल विदेशी मुद्रा आस्तियां	3612303	2838006	3668867	3679545	3721230
2.3.1 भा.रि.बैं. की निवल विदेशी मुद्रा आस्तियां	3590402	2914296	3661602	3652410	3700162
2.3.2 बैंकिंग प्रणाली की निवल विदेशी मुद्रा आस्तियां	21900	-76290	7264	27135	21068
2.4 पूंजी खाता	2670439	2405569	2789555	2766579	2788706
2.5 अन्य मदें (निवल)	846946	574863	1003377	1066275	1052294

सं. 9: चलनिधि समुच्चय

(करोड़ ₹)

समुच्चय	2019-20	2019	2020		
		मई	मार्च	अप्रैल	मई
	1	2	3	4	5
1 एन एम₃	16923860	15607776	16923860	17155388	17342718
2 डाकघर जमाराशियां	409246	379194	409246	409246	409246
3 एल₁ (1 + 2)	17333106	15986970	17333106	17564634	17751964
4 वित्तीय संस्थाओं की देयताएं	57479	2932	57479	56424	53017
4.1 सावधि मुद्रा उधार	7928	2656	7928	9928	10801
4.2 जमा प्रमाण-पत्र	46249	31	46249	43199	38899
4.3 सावधि जमाराशियां	3302	245	3302	3297	3317
5 एल₂ (3 + 4)	17390584	15989902	17390584	17621058	17804981
6 गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों के पास जनता की जमाराशियां	31905	..	31905
7 एल₃ (5 + 6)	17422489	..	17422489

टिप्पणी: नवंबर 2019 के बाद से, वित्तीय संस्थानों की देनदारियों पर अद्यतन डेटा इस सारणी में शामिल किया गया है, और इसलिए, पिछले डेटा के साथ इसकी तुलना नहीं की जा सकती है।

सं. 10: भारतीय रिज़र्व बैंक सर्वेक्षण

(करोड़ ₹)

मद	मार्च 31 /माह के लिए नियत अंतिम शुक्रवार/ नियत शुक्रवार की स्थिति के अनुसार बकाया				
	2019-20	2019		2020	
		मई 24	अप्रैल 24	मई 8	मई 22
	1	2	3	4	5
1 घटक					
1.1 संचलन में मुद्रा	2447279	2204521	2522926	2569559	2611076
1.2 भा.रि.बैं. के पास बैंकों की जमाराशियां	543888	534365	457178	457590	468214
1.2.1 अनुसूचित वाणिज्य बैंक	505131	498195	423731	423722	433987
1.3 भा.रि.बैं. के पास 'अन्य' जमाराशियां	38507	28452	39570	38273	41528
आरक्षित मुद्रा (1.1+1.2+1.3=2.1+2.2+2.3-2.4-2.5)	3029674	2767339	3019674	3065421	3120817
2 स्रोत					
2.1 भा.रि.बैं.के देशी ऋण	791299	898263	788121	821197	853984
2.1.1 सरकार को निवल भा.रि.बैं.ऋण	992192	879209	1214517	1313672	1266000
2.1.1.1 केन्द्र सरकार को निवल भा.रि.बैं.ऋण (2.1.1.1.1+2.1.1.1.2+2.1.1.1.3+2.1.1.1.4-2.1.1.1.5)	989741	878725	1213497	1308132	1259291
2.1.1.1.1 केन्द्र सरकार को ऋण और अग्रिम	-	-	111985	134970	86080
2.1.1.1.2 खज़ाना बिलों में निवेश	-	-	-	-	-
2.1.1.1.3 दिनांकित सरकारी प्रतिभूतियों में निवेश	1044468	945132	1100775	1172434	1172496
2.1.1.1.3.1 केन्द्र सरकार की प्रतिभूतियां	1044468	945132	1100775	1172434	1172496
2.1.1.1.4 रुपया सिक्के	846	870	837	829	816
2.1.1.1.5 केन्द्र सरकार की जमाराशियां	55573	67277	100	101	101
2.1.1.2 राज्य सरकारों को निवल भा.रि.बैं. ऋण	2451	484	1020	5540	6709
2.1.2 बैंकों पर भा.रि.बैं. के दावे	-214059	9809	-432522	-510294	-436696
2.1.2.1 अनुसूचित वाणिज्य बैंकों को ऋण और अग्रिम	-214059	9809	-432522	-510294	-417696
2.1.3 वाणिज्यिक क्षेत्र को भा.रि.बैं. के ऋण	13166	9245	6126	17819	24680
2.1.3.1 प्राथमिक व्यापारियों को ऋण और अग्रिम	5920	2762	4162	1690	1372
2.1.3.2 नाबार्ड को ऋण और अग्रिम	-	-	-	10000	19000
2.2 जनता के प्रति सरकार की मुद्रा देयताएं	26315	25910	26315	26315	26315
2.3 भा.रि.बैं. की निवल विदेशी मुद्रा आस्तियां	3590402	2914296	3661602	3652410	3700162
2.3.1 सोना	230527	160775	251551	243961	248955
2.3.2 विदेशी मुद्रा आस्तियां	3359893	2753539	3410069	3408466	3451224
2.4 पूंजी खाता	1165066	975203	1239451	1199500	1219103
2.5 अन्य मदें (निवल)	213276	95928	216913	235000	240540

सं. 11: आरक्षित मुद्रा - घटक और स्रोत

(करोड़ ₹)

मद	मार्च 31/माह के लिए नियत अंतिम शुक्रवार/नियत शुक्रवार की स्थिति के अनुसार बकाया							
	2019-20	2019		2020				
		मई 31	अप्रैल 24	मई 1	मई 8	मई 15	मई 22	मई 29
	1	2	3	4	5	6	7	8
आरक्षित मुद्रा (1.1 + 1.2 + 1.3 = 2.1 + 2.2 + 2.3 + 2.4 + 2.5 - 2.6)	3029674	2800105	3019674	3066194	3065421	3095317	3120817	3131576
1 घटक								
1.1 संचलन में मुद्रा	2447279	2197324	2522926	2535134	2569559	2588918	2611076	2616468
1.2 भा.रि.बैं. के पास बैंकों की जमाराशियां	543888	573081	457178	486339	457590	467495	468214	468973
1.3 भा.रि.बैं. के पास 'अन्य' जमाराशियां	38507	29699	39570	44722	38273	38905	41528	46136
2 स्रोत								
2.1 सरकार को निवल रिज़र्व बैंक ऋण	992192	944000	1214517	1314023	1313672	1307797	1266000	1179922
2.2 बैंकों को रिज़र्व बैंक ऋण	-214059	-9021	-432522	-471497	-500294	-471657	-417696	-329604
2.3 वाणिज्यिक क्षेत्र को रिज़र्व बैंक ऋण	13166	8985	6126	6474	7819	3336	5680	7316
2.4 भा.रि.बैं. की निवल विदेशी मुद्रा आस्तियां	3590402	2935114	3661602	3605611	3652410	3665026	3700162	3708976
2.5 जनता के प्रति सरकार की मुद्रा देयताएं	26315	25954	26315	26315	26315	26315	26315	26315
2.6 भा.रि.बैं. की निवल गैर मौद्रिक देयताएं	1378342	1104928	1456364	1414731	1434500	1435499	1459643	1461348

सं. 12: वाणिज्य बैंक सर्वेक्षण

(करोड़ ₹)

मद	माह के नियत अंतिम शुक्रवार/ माह के नियत शुक्रवार की स्थिति के अनुसार बकाया				
	2019-20	2019	2020		
		मई 24	अप्रैल 24	मई 8	मई 22
	1	2	3	4	5
1 घटक					
1.1 निवासियों की कुल जमाराशियां	13381983	12328447	13543024	13672144	13650980
1.1.1 मांग जमाराशियां	1617003	1313089	1461382	1444745	1444907
1.1.2 निवासियों की सावधि जमाराशियां	11764979	11015358	12081642	12227399	12206073
1.1.2.1 अल्पावधि सावधि जमाराशियां	5294241	4956911	5436739	5502329	5492733
1.1.2.1.1 जमा प्रमाण-पत्र	169419	255002	163845	169525	156220
1.1.2.2 दीर्घावधि सावधि जमाराशियां	6470739	6058447	6644903	6725069	6713340
1.2 वित्तीय संस्थाओं से मांग/सावधि निधायन	309439	357809	301459	295156	290789
2 स्रोत					
2.1 देशी ऋण	14913131	14024970	15148325	15234309	15259565
2.1.1 सरकार को ऋण	3684917	3519970	3968353	4026633	4052677
2.1.2 वाणिज्यिक क्षेत्र को ऋण	11228214	10505000	11179973	11207676	11206889
2.1.2.1 बैंक ऋण	10370861	9621545	10273416	10251833	10222753
2.1.2.1.1 गैर-खाद्यान्न ऋण	10319097	9555822	10220772	10182598	10143337
2.1.2.2 प्राथमिक व्यापारियों को निवल ऋण	11378	9961	11933	11112	11861
2.1.2.3 अन्य अनुमोदित प्रतिभूतियों में निवेश	8653	1930	1293	1581	1694
2.1.2.4 अन्य निवेश (गैर-एसएलआर प्रतिभूतियों में)	837321	871565	893331	943149	970580
2.2 वाणिज्य बैंकों की निवल विदेशी मुद्रा आस्तियां (2.2.1-2.2.2-2.2.3)	21900	-76290	7264	27135	21068
2.2.1 विदेशी मुद्रा आस्तियां	315641	240818	294196	306210	295272
2.2.2 अनिवासी विदेशी मुद्रा प्रत्यावर्तनीय मीयादी जमाराशियां	185510	171110	180159	178225	178935
2.2.3 समुद्रपार विदेशी मुद्रा उधार	108231	145997	106773	100850	95269
2.3 निवल बैंक रिजर्व (2.3.1+2.3.2-2.3.3)	899410	565809	944027	1019378	939673
2.3.1 भा.रि.बैं. के पास शेष	536186	498195	423731	423722	433987
2.3.2 उपलब्ध नकदी	87260	77423	87774	85362	87990
2.3.3 भा.रि.बैं. से ऋण और अग्रिम	-275964	9809	-432522	-510294	-417696
2.4 पूंजी खाता	1481202	1406195	1525934	1542909	1545433
2.5 अन्य मदें (निवल) (2.1+2.2+2.3-2.4-1.1-1.2)	661818	422038	729201	770614	733105
2.5.1 अन्य मांग और मीयादी देयताएं (2.2.3 का निवल)	495445	338396	414847	422555	423646
2.5.2 निवल अंतर-बैंक देयताएं (प्राथमिक व्यापारियों से इतर)	65654	-57891	68082	72120	53427

सं. 13: अनुसूचित वाणिज्य बैंकों के निवेश

(करोड़ ₹)

मद	मार्च 27, 2020 की स्थिति	2019	2020		
		मई 24	अप्रैल 24	मई 8	मई 22
	1	2	3	4	5
1 एसएलआर प्रतिभूतियां	3747349	3521900	3969646	4028214	4054371
2 वाणिज्यिक पत्र	104526	90753	110876	122725	120318
3 निम्नलिखित द्वारा जारी शेयर					
3.1 सरकारी उद्यम	14106	11686	13561	13149	11791
3.2 निजी कारपोरेट क्षेत्र	75415	69527	70543	70782	70781
3.3 अन्य	5734	5591	5250	5213	5257
4 निम्नलिखित द्वारा जारी बांड / डिबेंचर					
4.1 सरकारी उद्यम	125710	130941	128735	133798	133129
4.2 निजी कारपोरेट क्षेत्र	226559	253622	254767	267952	289468
4.3 अन्य	191690	167393	154872	156269	155155
5 निम्नलिखित द्वारा जारी लिखत					
5.1 म्यूचुअल फंड	35610	48912	45325	56326	61861
5.2 वित्तीय संस्थाएं	97665	93376	109411	116921	122807

सं. 14: भारत में कारोबार - सभी अनुसूचित बैंक और सभी अनुसूचित वाणिज्य बैंक

(करोड़ ₹)

मद	नियत अंतिम शुक्रवार (मार्च के संबंध में) /नियत शुक्रवार की स्थिति							
	सभी अनुसूचित बैंक				सभी अनुसूचित वाणिज्य बैंक			
	2019-20	2019	2020		2019-20	2019	2020	
		मई	अप्रैल	मई		मई	अप्रैल	मई
1	2	3	4	5	6	7	8	
सूचना देने वाले बैंकों की संख्या	219	213	210	210	142	138	134	134
1 बैंकिंग प्रणाली के प्रति देयताएं	320240	256521	329371	335427	314513	251743	323746	329918
1.1 बैंकों से मांग और मीयादी जमाराशियां	239943	176044	248986	260166	234348	171393	243507	254851
1.2 बैंकों से उधार राशि	64001	69973	64521	59310	64001	69966	64521	59270
1.3 अन्य मांग और मीयादी देयताएं	16295	10504	15863	15950	16163	10384	15717	15796
2 अन्य के प्रति देयताएं	14905949	13832482	14977356	15250660	14480607	13488786	14546260	14815660
2.1 कुल जमाराशियां	13975551	12942193	14138077	14360885	13567492	12612908	13723182	13942646
2.1.1 मांग	1653242	1375306	1491632	1543166	1617003	1345247	1455445	1506683
2.1.2 मीयादी	12322309	11566887	12646445	12817720	11950489	11267661	12267737	12435963
2.2 उधार	313908	356134	305582	295595	309439	352376	301459	291432
2.3 अन्य मांग और मीयादी देयताएं	616491	534155	533697	594180	603676	523501	521620	581583
3 रिजर्व बैंक से उधार	285623	45011	288194	291023	285623	44976	288194	291023
3.1 मीयादी बिल / वचन पत्रों की जमानत पर	-	-	-	-	-	-	-	-
3.2 अन्य	285623	45011	288194	291023	285623	44976	288194	291023
4 उपलब्ध नकदी और रिजर्व बैंक के पास शेष	643038	629798	526661	538365	623446	614718	511505	522867
4.1 उपलब्ध नकदी	89671	80167	90292	90072	87260	78303	87774	87645
4.2 रिजर्व बैंक के पास शेष	553367	549631	436369	448293	536186	536415	423731	435222
5 बैंकिंग प्रणाली के पास आस्तियां	323680	358356	334246	338176	260238	313162	267597	265058
5.1 अन्य बैंकों के पास शेष	181460	248064	195372	206524	155401	226637	161923	168900
5.1.1 चालू खाते में	17204	14731	20294	17173	14457	12097	17946	15019
5.1.2 अन्य खातों में	164256	233333	175077	189351	140945	214540	143977	153881
5.2 मांग और अल्पसूचना पर मुद्रा	43335	33522	44751	46100	20273	20201	19699	18907
5.3 बैंकों को अग्रिम	38266	31758	26669	26102	30531	27538	25331	24775
5.4 अन्य आस्तियां	60619	45013	67453	59449	54032	38786	60643	52476
6 निवेश	3865544	3592888	4090423	4205993	3747349	3499110	3969646	4083247
6.1 सरकारी प्रतिभूतियां	3850819	3585290	4082461	4197509	3738696	3497324	3968352	4081619
6.2 अन्य अनुमोदित प्रतिभूतियां	14724	7599	7962	8485	8653	1786	1293	1628
7 बैंक ऋण	10705336	9973975	10604139	10557979	10370861	9688395	10273416	10225673
7क खाद्यान्न ऋण	82172	103114	83051	113172	51763	76079	52643	82765
7.1 ऋण नकदी-ऋण और ओवरड्राफ्ट	10480934	9739348	10404439	10369075	10149509	9458403	10076434	10038841
7.2 देशी बिल - खरीदे गए	26214	27945	22932	22268	25658	26720	22511	22005
7.3 देशी बिल - भुनाए गए	147209	145768	135788	128080	145683	143363	134450	126919
7.4 विदेशी बिल - खरीदे गए	20866	22654	15344	14638	20458	22242	14956	14435
7.5 विदेशी बिल - भुनाए गए	30114	38260	25637	23919	29554	37666	25065	23474

सं. 15: प्रमुख क्षेत्रों द्वारा सकल बैंक ऋण का अभिनियोजन

(करोड़ ₹)

मद	बकाया स्थिति				वृद्धि (%)	
	मार्च 27, 2020	2019	2020		वित्तीय वर्ष में अब तक	वर्ष-दर-वर्ष
			मई 24	अप्रैल 24		
	1	2	3	4	5	6
1 सकल बैंक ऋण	9263134	8516737	9153122	9108882	-1.7	7.0
1.1 खाद्यान्न ऋण	51590	65498	52474	79135	53.4	20.8
1.2 गैर-खाद्यान्न ऋण	9211544	8451239	9100648	9029747	-2.0	6.8
1.2.1 कृषि और उससे जुड़ी गतिविधियां	1157795	1107883	1151330	1146207	-1.0	3.5
1.2.2 उद्योग	2905151	2814039	2884372	2861607	-1.5	1.7
1.2.2.1 सूक्ष्म और लघु	381825	365308	358340	352949	-7.6	-3.4
1.2.2.2 मझौले	105598	105399	99458	99847	-5.4	-5.3
1.2.2.3 बड़े	2417728	2343332	2426574	2408811	-0.4	2.8
1.2.3 सेवाएं	2594945	2287877	2574155	2543070	-2.0	11.2
1.2.3.1 परिवहन परिचालक	144466	141551	148733	149290	3.3	5.5
1.2.3.2 कम्प्यूटर सॉफ्टवेयर	20051	18410	20157	19812	-1.2	7.6
1.2.3.3 पर्यटन, होटल और रेस्तरां	45977	38934	45862	45777	-0.4	17.6
1.2.3.4 नौवहन	6557	6247	6491	5249	-19.9	-16.0
1.2.3.5 पेशेवर सेवाएं	177085	170843	173346	173325	-2.1	1.5
1.2.3.6 व्यापार	552392	507477	545240	538619	-2.5	6.1
1.2.3.6.1 थोक व्यापार	263397	226693	249316	252442	-4.2	11.4
1.2.3.6.2 खुदरा व्यापार	288995	280784	295924	286177	-1.0	1.9
1.2.3.7 वाणिज्यिक स्थावर संपदा	229770	200652	229926	227847	-0.8	13.6
1.2.3.8 गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियाँ	807383	623527	812388	804287	-0.4	29.0
1.2.3.9 अन्य सेवाएं	611264	580236	592012	578864	-5.3	-0.2
1.2.4 व्यक्तिगत ऋण	2553653	2241440	2490791	2478863	-2.9	10.6
1.2.4.1 उपभोक्ता टिकाऊ वस्तुएं	9298	6063	8908	8703	-6.4	43.5
1.2.4.2 आवास	1338964	1176926	1330709	1329147	-0.7	12.9
1.2.4.3 मीयादी जमाराशि की जमानत पर अग्रिम	79496	66480	67905	63594	-20.0	-4.3
1.2.4.4 शेयरों और बांडों की जमानत पर व्यक्तियों को अग्रिम	5335	5525	4818	4502	-15.6	-18.5
1.2.4.5 क्रेडिट कार्ड बकाया	108094	93643	96978	92887	-14.1	-0.8
1.2.4.6 शिक्षा	65745	67436	65246	65205	-0.8	-3.3
1.2.4.7 वाहन ऋण	220609	201894	216968	214548	-2.7	6.3
1.2.4.8 अन्य व्यक्तिगत ऋण	726112	623473	699259	700277	-3.6	12.3
1.2अ प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्र	2897461	2727489	2811116	2795546	-3.5	2.5
1.2अ.1 कृषि और उससे जुड़ी गतिविधियां	1146624	1100517	1145120	1138386	-0.7	3.4
1.2अ.2 सूक्ष्म और लघु उद्यम	1149394	1062270	1100834	1077748	-6.2	1.5
1.2अ.2.1 विनिर्माण	381826	365307	358340	352949	-7.6	-3.4
1.2अ.2.2 सेवाएं	767568	696963	742494	724799	-5.6	4.0
1.2अ.3 आवास	449945	432541	459911	463004	2.9	7.0
1.2अ.4 माइक्रो क्रेडिट	38237	27615	35154	34818	-8.9	26.1
1.2अ.5 शिक्षा ऋण	51906	54153	52003	52088	0.4	-3.8
1.2अ.6 अजा/अजजा के लिए राज्य प्रायोजित संस्थाएं	388	384	395	399	2.8	3.9
1.2अ.7 कमजोर वर्ग	731409	679414	743790	739806	1.1	8.9
1.2अ.8 निर्यात ऋण	16114	14388	16690	17381	7.9	20.8

सं. 16: सकल बैंक ऋण का उद्योग-वार अभिनियोजन

(करोड़ ₹)

उद्योग	बकाया स्थिति				वृद्धि (%)	
	मार्च 27, 2020	2019	2020		वित्तीय वर्ष में अब तक	वर्ष-दर-वर्ष 2020
			मई 24	अप्रैल 24		
	1	2	3	4	5	6
1 उद्योग	2905151	2814039	2884372	2861607	-1.5	1.7
1.1 खनन और उत्खनन (कोयला सहित)	43927	41378	43508	42094	-4.2	1.7
1.2 खाद्य प्रसंस्करण	154146	151707	152326	149382	-3.1	-1.5
1.2.1 चीनी	27382	29576	27362	26556	-3.0	-10.2
1.2.2 खाद्य तेल और वनस्पति	19240	20129	18044	17980	-6.5	-10.7
1.2.3 चाय	5375	5021	5193	4406	-18.0	-12.2
1.2.4 अन्य	102149	96981	101727	100440	-1.7	3.6
1.3 पेय पदार्थ और तंबाकू	16522	13842	16458	16111	-2.5	16.4
1.4 वस्त्र	192424	194484	190040	189249	-1.7	-2.7
1.4.1 सूती वस्त्र	89283	93303	87254	86023	-3.7	-7.8
1.4.2 जूट से बने वस्त्र	2116	2150	1994	1958	-7.5	-8.9
1.4.3 मानव-निर्मित वस्त्र	26074	25684	26094	26349	1.1	2.6
1.4.4 अन्य वस्त्र	74951	73347	74698	74919	0.0	2.1
1.5 चमड़ा और चमड़े से बने उत्पाद	11098	11058	10830	10609	-4.4	-4.1
1.6 लकड़ी और लकड़ी से बने उत्पाद	12233	11620	12343	12432	1.6	7.0
1.7 कागज़ और कागज़ से बने उत्पाद	30965	30053	31276	31570	2.0	5.0
1.8 पेट्रोलियम, कोयला उत्पाद और आण्विक इंधन	75834	52608	81636	73835	-2.6	40.3
1.9 रसायन और रासायनिक उत्पाद	202949	175986	193201	182315	-10.2	3.6
1.9.1 उर्वरक	49066	33954	35981	34781	-29.1	2.4
1.9.2 औषधि और दवाइयां	53427	48456	53198	51800	-3.0	6.9
1.9.3 पेट्रो केमिकल्स	42233	39772	47383	40832	-3.3	2.7
1.9.4 अन्य	58223	53804	56639	54902	-5.7	2.0
1.10 रबड़, प्लास्टिक और उनके उत्पाद	50415	45789	49763	48645	-3.5	6.2
1.11 कांच और कांच के सामान	8777	9863	8412	8165	-7.0	-17.2
1.12 सीमेन्ट और सीमेन्ट से बने उत्पाद	58689	55532	58916	58234	-0.8	4.9
1.13 मूल धातु और धातु उत्पाद	350325	351616	354085	354466	1.2	0.8
1.13.1 लोहा और स्टील	262396	266483	268125	268756	2.4	0.9
1.13.2 अन्य धातु और धातु से बने उत्पाद	87929	85133	85960	85710	-2.5	0.7
1.14 सभी अभियांत्रिकी	157259	165155	154251	155201	-1.3	-6.0
1.14.1 इलेक्ट्रॉनिक्स	30159	37421	29968	30438	0.9	-18.7
1.14.2 अन्य	127100	127734	124283	124763	-1.8	-2.3
1.15 वाहन, वाहन के पुर्जे और परिवहन उपस्कर	82606	78837	82565	84499	2.3	7.2
1.16 रत्न और आभूषण	59515	65658	58880	57447	-3.5	-12.5
1.17 निर्माण	104288	97393	98980	100381	-3.7	3.1
1.18 इन्फ्रास्ट्रक्चर	1053913	1041915	1055204	1055249	0.1	1.3
1.18.1 पावर	559774	556692	566556	568131	1.5	2.1
1.18.2 दूरसंचार	143760	123852	139040	138289	-3.8	11.7
1.18.3 सड़क	190676	186333	189441	192041	0.7	3.1
1.18.4 अन्य इन्फ्रास्ट्रक्चर	159703	175038	160167	156788	-1.8	-10.4
1.19 अन्य उद्योग	239266	219545	231698	231723	-3.2	5.5

सं. 17: भारतीय रिज़र्व बैंक में राज्य सहकारी बैंकों के खाते

(करोड़ ₹)

मद	नियत अंतिम शुक्रवार (मार्च के संबंध में)/अंतिम शुक्रवार/नियत शुक्रवार की स्थिति								
	2019-20	2019		2020					
		अप्रैल 26	जनवरी 31	फरवरी 14	फरवरी 28	मार्च 13	मार्च 27	अप्रैल 10	अप्रैल 24
	1	2	3	4	5	6	7	8	9
सूचना देने वाले बैंकों की संख्या	31	32	31	31	31	31	31	31	30
1 कुल जमाराशियां (2.1.1.2+2.2.1.2)	123812.9	62107.2	123075.2	119021.8	123327.0	123095.1	123812.9	123660.8	123990.9
2 मांग और मीयादी देयताएं									
2.1 मांग देयताएं	26007.5	18200.8	22487.2	23392.4	23551.9	24248.2	26007.5	24425.8	24386.4
2.1.1 जमाराशियां									
2.1.1.1 अंतर-बैंक	5295.0	5256.5	4195.9	4959.8	4673.7	5573.2	5295.0	4572.9	5170.9
2.1.1.2 अन्य	14,317.3	9890.7	11836.3	11897.2	12354.8	12161.4	14317.3	13050.9	13517.5
2.1.2 बैंकों से उधार	100.0	0.0	40.0	0.0	0.0	199.9	100.0	0.0	0.0
2.1.3 अन्य मांग देयताएं	6295.2	3053.6	6414.9	6535.3	6523.4	6313.7	6295.2	6802.0	5698.0
2.2 मीयादी देयताएं	167558.4	98487.7	166992.5	157744.2	166156.7	167444.2	167558.4	173145.4	172897.9
2.2.1 जमाराशियां									
2.2.1.1 अंतर-बैंक	56564.0	45572.1	54245.2	49117.1	53699.0	54997.7	56564.0	60609.2	60927.1
2.2.1.2 अन्य	109495.7	52216.5	111238.8	107124.6	110972.2	110933.7	109495.7	110609.9	110473.3
2.2.2 बैंकों से उधार	630.2	2.0	629.9	629.9	629.9	630.0	630.2	955.6	629.9
2.2.3 अन्य मीयादी देयताएं	868.6	697.0	878.6	872.5	855.6	882.7	868.6	970.6	867.6
3 रिज़र्व बैंक से उधार	0.0	0.0	0.0	0.0	0.0	0.0	0.0	0.0	0.0
4 अधिसूचित बैंक/राज्य सरकार से उधार	52538.8	47174.9	47300.4	42517.2	47242.3	49412.6	52538.8	51935.2	50287.7
4.1 मांग	13764.4	15187.2	13669.2	13469.1	12968.7	14027.1	13764.4	13624.3	12779.0
4.2 मीयादी	38774.4	31987.6	33631.2	29048.0	34273.6	35385.6	38774.4	38310.8	37508.7
5 उपलब्ध नकदी और रिज़र्व बैंक के पास शेष	9425.7	5453.4	9097.3	8975.0	8975.0	8860.3	9425.7	6899.9	7079.5
5.1 उपलब्ध नकदी	748.4	300.0	763.1	763.8	835.8	694.2	748.4	711.8	757.8
5.2 रिज़र्व बैंक के पास शेष	8677.2	5153.4	8334.2	8211.2	8139.3	8166.1	8677.2	6188.2	6321.8
6 चालू खाते में अन्य बैंकों के पास शेष	1489.1	925.1	1072.3	1007.6	1390.0	1127.9	1489.1	1009.2	1127.7
7 सरकारी प्रतिभूतियों में निवेश	50626.9	31347.6	49785.7	47885.8	47261.4	49381.9	50626.9	53518.3	52061.9
8 मांग और अल्प सूचना पर मुद्रा	25259.9	14419.5	19796.7	21632.0	19828.7	22642.7	25259.9	25551.8	27393.7
9 बैंक ऋण (10.1+11)	110575.6	63070.8	104819.2	105187.4	106797.1	108078.9	110575.6	108886.1	106909.0
10 अग्रिम									
10.1 ऋण, नकदी-ऋण और ओवरड्राफ्ट	110575.0	63067.1	104818.7	105186.7	106796.5	108078.4	110575.0	108885.6	106908.4
10.2 बैंकों से प्राप्य राशि	81300.1	80436.5	78091.6	78958.8	79645.0	80135.6	81300.1	82969.5	82082.5
11 खरीदे और भुनाए गए बिल	1.2	3.8	27.3	0.7	1.2	1.2	1.2	1.2	1.2

मूल्य और उत्पादन

सं. 18: उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (आधार: 2012=100)

समूह/उप समूह	2019-20			ग्रामीण			शहरी			मिश्रित		
	ग्रामीण	शहरी	मिश्रित	मई '19	अप्रैल '20	मई '20(अ)	मई '19	अप्रैल '20	मई '20(अ)	मई '19	अप्रैल '20	मई '20(अ)
	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
1 खाद्य और पेय पदार्थ	146.3	149.6	147.5	139.2	150.1	150.1	143.8	153.5	153.3	140.9	151.4	151.3
1.1 अनाज और उत्पाद	140.7	143.2	141.4	137.4	147.2	147.7	140.4	151.8	150.4	138.3	148.7	148.6
1.2 मांस और मछली	163.3	161.4	162.6	159.5	--	181.1	156.7	--	189.0	158.5	--	183.9
1.3 अंडा	142.1	145.7	143.5	134.5	146.9	146.4	138.3	151.9	150.1	136.0	148.8	147.8
1.4 दूध और उत्पाद	146.5	146.0	146.3	142.6	155.6	155.0	142.4	155.5	155.6	142.5	155.6	155.2
1.5 तैल और चर्बी	127.1	121.8	125.1	124.0	137.1	139.3	118.6	131.6	131.9	122.0	135.1	136.6
1.6 फल	144.0	148.8	146.2	143.7	147.3	146.6	149.7	152.9	153.1	146.5	149.9	149.6
1.7 सब्जी	163.5	187.8	171.7	133.4	162.7	144.9	161.6	180.0	161.8	143.0	168.6	150.6
1.8 दाल और उत्पाद	133.7	132.0	133.1	125.1	150.2	151.3	124.4	150.8	151.0	124.9	150.4	151.2
1.9 चीनी और उत्पाद	112.0	113.4	112.5	109.3	119.8	116.3	111.2	121.2	117.2	109.9	120.3	116.6
1.10 मसाले	145.6	145.1	145.5	139.3	158.7	158.7	141.0	154.0	155.0	139.9	157.1	157.5
1.11 गैर नशीले पेय पदार्थ	138.8	130.2	135.2	137.7	139.2	141.5	128.9	133.5	133.6	134.0	136.8	138.2
1.12 तैयार भोजन, नाश्ता, मिठाई	157.6	156.7	157.2	156.4	--	--	154.5	--	--	155.5	--	--
2 पान, तंबाकू और मादक पदार्थ	166.3	169.0	167.0	163.3	--	--	166.2	--	183.9	164.1	--	--
3 कपड़ा और जूते	151.3	143.7	148.3	150.7	--	--	142.2	--	--	147.3	--	--
3.1 कपड़ा	152.0	145.7	149.5	151.3	--	--	144.0	--	--	148.4	--	--
3.2 जूते	146.9	132.4	140.9	146.6	--	--	131.7	--	--	140.4	--	--
4 आवास	--	152.2	152.2	--	--	--	150.1	155.6	155.6	150.1	155.6	155.6
5 ईंधन और लाइट	148.6	131.5	142.2	146.9	148.4	146.2	129.4	137.1	136.0	140.3	144.1	142.3
6 विविध	145.6	135.9	140.9	142.9	--	--	133.3	--	--	138.2	--	--
6.1 घरेलू सामान और सेवा	150.6	138.7	145.0	149.5	--	--	137.2	--	--	143.7	--	--
6.2 स्वास्थ्य	153.6	142.1	149.3	151.3	154.3	157.2	139.8	144.8	146.7	146.9	150.7	153.2
6.3 परिवहन और संचार	132.6	122.2	127.1	130.2	--	--	120.1	--	--	124.9	--	--
6.4 मनोरंजन	148.3	135.9	141.3	145.9	--	--	134.0	--	--	139.2	--	--
6.5 शिक्षा	159.8	150.9	154.5	156.7	--	--	148.0	--	--	151.6	--	--
6.6 व्यक्तिगत देखभाल और प्रभाव	139.2	138.4	138.9	133.9	--	--	132.6	--	--	133.4	--	--
सामान्य सूचकांक (सभी समूह)	147.3	145.1	146.3	142.4	--	--	141.5	--	--	142.0	--	--

स्रोत: राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय, सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय, भारत सरकार।

सं. 19: अन्य उपभोक्ता मूल्य सूचकांक

मद	आधार वर्ष	योजक कारक	2019-20	2020		
				मई	अप्रैल	मई
	1	2	3	4	5	6
1 औद्योगिक कामगार उपभोक्ता मूल्य सूचकांक	2001	4.63	323	314	329	330
2 कृषि श्रमिक उपभोक्ता मूल्य सूचकांक	1986-87	5.89	980	940	1014	1019
3 ग्रामीण श्रमिक उपभोक्ता मूल्य सूचकांक	1986-87	--	986	948	1019	1025

स्रोत: श्रम ब्यूरो, श्रम और रोजगार मंत्रालय, भारत सरकार।

सं. 20: मुंबई में सोने और चांदी का मासिक औसत मूल्य

मद	2019-20	2019		2020	
		मई	अप्रैल	मई	मई
	1	2	3	4	
1 मानक स्वर्ण (₹ प्रति 10 ग्राम)	37018	31738	45504	46343	
2 चांदी (₹ प्रति किलोग्राम)	42514	36590	42058	45097	

स्रोत: मुंबई में सोने और चांदी के मूल्य के लिए भारत बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन लि., मुंबई।

सं. 21: थोक मूल्य सूचकांक
(आधार: 2011-12=100)

पण्य	भारांक	2019-20	2019	2020		
			मई	मार्च	अप्रैल (अ)	मई (अ)
	1	2	3	4	5	6
1 सभी पण्य	100.000	121.8	121.6	120.4		117.7
1.1 प्राथमिक वस्तुएं	22.618	143.3	140.3	137.4	138.2	136.2
1.1.1 खाद्य वस्तुएं	15.256	155.8	150.6	151.2	152.6	152.3
1.1.1.1 खाद्यान्न (अनाज+ दाल)	3.462	159.6	154.3	159.8	160.1	160.0
1.1.1.2 फल और सब्जियाँ	3.475	174.7	163.7	148.7	159.3	152.3
1.1.1.3 दूध	4.440	146.7	143.4	151.2	151.6	151.2
1.1.1.4 अंडा, मांस और मछली	2.402	147.0	144.3	146.8	140.5	147.1
1.1.1.5 मसाले	0.529	143.9	132.3	147.7	146.8	147.3
1.1.1.6 अन्य खाद्य वस्तुएं	0.948	144.0	148.5	142.4	140.1	146.2
1.1.2 खाद्येतर वस्तुएं	4.119	128.7	127.5	124.8	126.2	123.0
1.1.2.1 फाइबर	0.839	128.2	134.2	122.9	123.8	119.6
1.1.2.2 तिलहन	1.115	151.4	147.8	149.7	150.0	153.4
1.1.2.3 अन्य खाद्येतर वस्तुएं	1.960	104.8	103.0	105.0	105.3	103.8
1.1.2.4 फूल	0.204	238.0	225.1	186.6	206.0	156.2
1.1.3 खनिज	0.833	154.5	153.4	156.8	157.4	156.8
1.1.3.1 धात्विक खनिज	0.648	147.4	147.5	148.0	148.0	148.0
1.1.3.2 अन्य खनिज	0.185	179.0	174.0	187.7	190.1	187.7
1.1.4 कच्चा तेल और नैसर्गिक गैस	2.410	85.3	92.4	64.7	61.2	49.7
1.2 ईंधन और बिजली	13.152	102.2	104.4	99.5	92.4	83.7
1.2.1 कोल	2.138	125.3	123.6	126.5	126.5	126.5
1.2.1.1 कुकिंग कोल	0.647	138.1	133.9	141.9	141.9	141.9
1.2.1.2 नॉन-कुकिंग कोल	1.401	119.0	119.0	119.0	119.0	119.0
1.2.1.3 लिग्नाइट	0.090	129.1	121.2	131.1	131.1	131.1
1.2.2 खनिज तेल	7.950	92.3	96.8	86.7	74.9	60.6
1.2.3 बिजली	3.064	111.8	110.7	113.9	113.9	113.9
1.3 विनिर्मित उत्पाद	64.231	118.3	118.6	118.6		118.1
1.3.1 खाद्य उत्पादों का विनिर्माण	9.122	133.9	129.9	136.5	136.5	135.7
1.3.1.1 मांस का परिरक्षण और प्रसंस्करण	0.134	137.5	138.2	136.0		135.6
1.3.1.2 मछली, क्रस्टेशियस, मोलस्क और उनके उत्पादों का प्रसंस्करण एवं परिरक्षण	0.204	136.1	135.0	136.7	139.2	139.3
1.3.1.3 फल और सब्जियों का परिरक्षण और प्रसंस्करण	0.138	114.3	113.9	115.1	114.7	115.6
1.3.1.4 सब्जियाँ और पशु तेल एवं चर्बी	2.643	119.3	112.9	127.3	127.6	126.2
1.3.1.5 डेयरी उत्पाद	1.165	145.0	137.0	152.1	151.4	148.4
1.3.1.6 अनाज मिल के उत्पाद	2.010	146.3	143.8	146.3	146.1	145.6
1.3.1.7 स्टार्च और स्टार्च के उत्पाद	0.110	135.5	137.2	131.6	129.5	124.0
1.3.1.8 बेकरी उत्पाद	0.215	133.5	131.1	136.5	136.4	136.4
1.3.1.9 चीनी, गुड़ और शहद	1.163	118.3	116.8	118.5	118.9	117.3
1.3.1.10 कोक, चॉकलेट और चीनी कन्फेक्शनरी	0.175	127.2	127.7	125.6	126.8	127.3
1.3.1.11 मैक्रोनी, नूडल्स, कूसकूस और उसके जैसे मैदे से बने उत्पाद	0.026	132.7	137.8	131.3	123.6	133.8
1.3.1.12 चाय और कॉफी उत्पाद	0.371	139.7	139.6	129.7	128.2	139.8
1.3.1.13 प्रसंस्कृत मसाले और नमक	0.163	132.4	126.7	140.1	139.5	144.1
1.3.1.14 प्रसंस्कृत तैयार खाद्य पदार्थ	0.024	128.7	125.8	130.3		129.4
1.3.1.15 स्वास्थ्य पूरक	0.225	159.9	156.9	156.9	156.0	146.7
1.3.1.16 पशु के लिए तैयार खाद्य	0.356	173.6	169.0	166.0	166.9	167.8
1.3.2 पेय पदार्थों का विनिर्माण	0.909	123.6	122.7	124.6	124.4	124.8
1.3.2.1 शराब और स्पिरिट	0.408	117.8	115.8	119.5	119.2	119.9
1.3.2.2 माल्ट लिकर और माल्ट	0.225	125.7	123.6	127.4	127.1	127.4
1.3.2.3 शीतल पेय, मिनरल वॉटर और बोतलबन्द पानी के अन्य उत्पाद	0.275	130.5	132.0	129.9	129.8	130.1
1.3.3 विनिर्मित तंबाकू उत्पाद	0.514	153.4	153.2	154.5		160.6
1.3.3.1 तंबाकू के उत्पाद	0.514	153.4	153.2	154.5		160.6

सं. 21: थोक मूल्य सूचकांक (जारी)
(आधार: 2011-12=100)

पण्य	भारांक	2019-20	2019	2020		
			मई	मार्च	अप्रैल (अ)	मई (अ)
1.3.4 वस्त्र विनिर्माण	4.881	117.7	119.6	116.7		116.3
1.3.4.1 धागों की कताई और वस्त्र तैयार करना	2.582	107.9	111.0	105.6		104.4
1.3.4.2 बुनाई और तैयार वस्त्र	1.509	130.1	131.0	130.7		130.8
1.3.4.3 बुने हुए और क्रॉचिडेट फेब्रिक्स	0.193	114.5	114.3	113.3		114.2
1.3.4.4 कपड़ों को छोड़कर निर्मित वस्त्र सामग्री	0.299	134.5	134.9	133.1		133.7
1.3.4.5 डोरियाँ, रस्सी, सुतली और नेटिंग	0.098	143.1	139.6	147.7		148.7
1.3.4.6 अन्य वस्त्र	0.201	116.8	116.6	117.4		119.4
1.3.5 विनिर्मित तैयार वस्त्र	0.814	138.3	138.3	138.4		138.5
1.3.5.1 फर से बने वस्त्रों को छोड़कर वुलन के तैयार वस्त्र	0.593	139.2	139.6	139.0		139.4
1.3.5.2 बुने हुए क्रॉचिडेट वस्त्र	0.221	135.9	134.9	136.9		136.4
1.3.6 चमड़ा और उससे बने हुए उत्पाद का विनिर्माण	0.535	118.6	119.2	117.5		117.8
1.3.6.1 चमड़े की टैनिंग और ड्रेसिंग; ड्रेसिंग और फर की रंगायी	0.142	105.5	107.0	103.5		104.5
1.3.6.2 सामान, हैंडबैग, काठी और दोहन	0.075	136.3	134.9	138.3		138.4
1.3.6.3 जूते-चप्पल	0.318	120.3	120.9	118.9		118.9
1.3.7 लकड़ी के विनिर्माण और लकड़ी और कॉर्क के उत्पाद	0.772	133.7	134.7	132.8		133.4
1.3.7.1 आरा मिलिंग और लकड़ी के उत्पाद	0.124	122.2	126.4	119.7		120.6
1.3.7.2 विनियर शीट, प्लायवुड का विनिर्माण, लॅमिन बोर्ड, पार्टिकल बोर्ड और अन्य पॅनल और बोर्ड	0.493	135.5	135.8	135.2		135.9
1.3.7.3 बिल्डरों की बढईगीरी	0.036	176.2	174.6	178.0		177.6
1.3.7.4 लकड़ी के डिब्बे	0.119	125.7	126.9	123.4		123.1
1.3.8 कागज़ और कागज़ के उत्पाद का विनिर्माण	1.113	121.1	123.0	120.4		120.9
1.3.8.1 लुगदी, कागज़ और कागज़ बोर्ड	0.493	125.0	128.2	123.4		124.6
1.3.8.2 लहरदार कागज़ और पेपर बोर्ड और कागज़ के पात्र और पेपर बोर्ड	0.314	115.0	115.1	115.6		116.3
1.3.8.3 कागज़ की अन्य सामग्री और पेपर बोर्ड	0.306	121.2	122.9	120.6		119.6
1.3.9 मुद्रण और रिकार्डेड मीडिया का पुनरुत्पादन	0.676	150.6	148.5	153.5		149.0
1.3.9.1 मुद्रण	0.676	150.6	148.5	153.5		149.0
1.3.10 रसायन और रासायनिक उत्पाद का विनिर्माण	6.465	117.5	119.8	115.5	116.8	115.1
1.3.10.1 मूल रसायन	1.433	119.9	125.4	115.6	116.5	115.2
1.3.10.2 उर्वरक और नाइट्रोजन यौगिक	1.485	123.1	123.1	123.2	123.0	123.8
1.3.10.3 प्लास्टिक और सिंथेटिक रबड़ प्राथमिक रूप में	1.001	112.4	116.0	108.1	107.1	106.5
1.3.10.4 कीटनाशक और अन्य एग्रोकैमिकल उत्पाद	0.454	122.6	124.0	122.0	121.5	121.0
1.3.10.5 पेन्ट, वार्निश और समान कोटिंग, मुद्रण स्याही और मैस्टिक्स	0.491	114.7	115.7	112.9		113.3
1.3.10.6 साबुन और डिटर्जेंट, सफाई और चमकाने की सामग्री, इत्र और शौचालय सफाई की सामग्री	0.612	118.6	118.8	117.2	117.1	116.2
1.3.10.7 अन्य रासायनिक उत्पाद	0.692	114.2	115.9	114.3	114.4	114.7
1.3.10.8 मानव निर्मित फाइबर	0.296	97.9	101.3	95.4	95.7	93.3
1.3.11 फार्मास्यूटिकल्स, औषधीय रसायन और वनस्पति उत्पाद का विनिर्माण	1.993	127.3	125.6	129.7	130.4	130.2
1.3.11.1 फार्मास्यूटिकल्स, औषधीय रसायन और वनस्पति उत्पाद	1.993	127.3	125.6	129.7	130.4	130.2
1.3.12 रबड़ और प्लास्टिक उत्पाद का विनिर्माण	2.299	108.5	109.4	107.4		107.3
1.3.12.1 रबड़ टायर और ट्यूब, रबड़ टायर की रीट्रीडिंग और पुनर्निर्माण	0.609	98.9	99.5	97.9		98.7
1.3.12.2 रबड़ के अन्य उत्पाद	0.272	93.5	92.7	92.0		93.7
1.3.12.3 प्लास्टिक उत्पाद	1.418	115.4	116.8	114.4		113.7
1.3.13 अन्य अधात्विक खनिज उत्पादों का विनिर्माण	3.202	116.7	118.5	116.1		117.5
1.3.13.1 कांच और कांच उत्पाद	0.295	124.5	125.1	123.8		121.6
1.3.13.2 आग रोधक उत्पाद	0.223	108.7	107.7	107.8		107.3
1.3.13.3 मिट्टी से बनी भवन निर्माण सामग्री	0.121	102.8	99.2	107.7		106.2
1.3.13.4 चीनी मिट्टी के बर्तन और चीनी मिट्टी	0.222	113.9	114.5	112.3		109.4
1.3.13.5 सीमेन्ट, गूना और प्लास्टर	1.645	119.5	122.6	119.0		122.7

सं. 21: थोक मूल्य सूचकांक (जारी)
(आधार: 2011-12=100)

पण्य	भारांक	2019-20	2019	2020		
			मई	मार्च	अप्रैल (अ)	मई (अ)
1.3.13.6 कंक्रीट,सीमेन्ट और प्लास्टर से बनी वस्तुएं	0.292	121.6	120.8	122.2		124.7
1.3.13.7 पत्थरों को काटना,आकार देना और संवारना	0.234	120.2	119.6	121.8		119.1
1.3.13.8 अन्य अधात्विक खनिज उत्पाद	0.169	86.6	95.2	78.1		77.6
1.3.14 मूल धातुओं का विनिर्माण	9.646	106.2	109.6	106.0	105.7	103.2
1.3.14.1 स्टील तैयार करने में प्रयुक्त सामग्री	1.411	100.6	105.6	103.5	115.6	96.4
1.3.14.2 मेटेलिक आयरन	0.653	107.7	114.0	107.9	111.1	100.3
1.3.14.3 नरम इस्पात-अर्ध निर्मित इस्पात	1.274	95.1	96.7	95.8	96.6	95.0
1.3.14.4 नरम इस्पात- लंबे उत्पाद	1.081	105.5	109.4	106.6	106.3	105.3
1.3.14.5 नरम इस्पात- चपटे उत्पाद	1.144	108.7	115.4	108.5	98.1	105.2
1.3.14.6 स्टेनलेस स्टील के अतिरिक्त एलॉय स्टील-आकार	0.067	102.8	109.6	100.9	102.9	102.3
1.3.14.7 स्टेनलेस स्टील अर्ध निर्मित	0.924	102.9	109.5	102.0	101.9	101.3
1.3.14.8 पाइप और ट्यूब	0.205	126.2	126.4	125.0	124.5	124.5
1.3.14.9 कीमती धातु सहित अलौह धातु	1.693	107.0	109.1	105.6	104.3	103.5
1.3.14.10 कास्टिंग	0.925	112.8	110.9	107.9	110.1	106.4
1.3.14.11 स्टील से गढ़ी वस्तुएं	0.271	146.5	143.5	145.2		145.9
1.3.15 मशीनरी और उपकरणों को छोड़कर गढ़े हुए धातु उत्पादों का विनिर्माण	3.155	115.5	117.0	115.3		114.4
1.3.15.1 इमारती धातु उत्पाद	1.031	113.9	115.4	113.5		112.2
1.3.15.2 धातु से बने टैंक,जलाशय और डिब्बे	0.660	124.4	126.3	125.1		125.2
1.3.15.3 बाष्प चालित जनरेटर, सेंट्रल हीटिंग हॉट वाटर बॉयलरर्स को छोड़कर	0.145	104.7	102.6	107.7		107.7
1.3.15.4 धातु की फोर्जिंग, दबाना, स्टैपिंग और रोल फॉर्मिंग, पाउडर धातुकर्म	0.383	100.5	102.6	99.8		101.4
1.3.15.5 कटलरी, हस्त चालित उपकरण और सामान्य हार्डवेयर	0.208	100.5	100.1	100.8		101.0
1.3.15.6 अन्य गढ़े हुए धातु उत्पाद	0.728	124.0	126.1	122.6		119.9
1.3.16 कंप्यूटर, इलेक्ट्रॉनिक और ऑप्टिकल उत्पादों का विनिर्माण	2.009	110.4	111.6	110.1		109.9
1.3.16.1 इलेक्ट्रॉनिक पुरजे	0.402	98.1	99.1	98.0		98.1
1.3.16.2 कंप्यूटर और संबंधित उपकरण	0.336	135.0	135.0	135.0		135.0
1.3.16.3 संचार उपकरण	0.310	117.0	116.8	114.9		115.0
1.3.16.4 उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक्स	0.641	98.8	102.3	99.0		98.1
1.3.16.5 मापने, जांचने, नेविगेशन और नियंत्रण उपकरण	0.181	111.5	112.1	111.0		111.0
1.3.16.6 हाथ घड़ी और दीवार घड़ी	0.076	139.1	136.6	141.1		141.1
1.3.16.7 विभासन, विद्युत चिकित्सकीय एवं विद्युत उपचारात्मक उपकरण	0.055	103.6	103.6	104.5		104.3
1.3.16.8 ऑप्टिकल उपकरण और फोटोग्राफिक उपकरण	0.008	110.2	109.3	112.2		112.2
1.3.17 इलेक्ट्रिकल उपकरण का विनिर्माण	2.930	111.3	112.2	111.5		110.4
1.3.17.1 विद्युतमोटर्स, जनरेटर, ट्रांसफार्मर और बिजली वितरण और नियंत्रण संबंधी उपकरण	1.298	109.0	109.7	110.8		108.1
1.3.17.2 बैटरी और एक्युमुलेटर	0.236	117.0	117.5	116.4		116.6
1.3.17.3 डेटा संचरण या छवियों के सजीव प्रसारण के लिए फाइबर ऑप्टिक केबल	0.133	109.9	119.4	103.8		104.0
1.3.17.4 अन्य इलेक्ट्रॉनिक और बिजली के वायर और केबल	0.428	109.7	110.3	108.8		109.0
1.3.17.5 वायरिंग संबंधी चीजें और बिजली के प्रकाश और सजावट के उपकरण	0.263	111.1	110.2	112.2		112.0
1.3.17.6 घरेलू उपकरण	0.366	119.9	120.4	118.1		118.1
1.3.17.7 अन्य इलेक्ट्रिकल उपकरण	0.206	108.6	108.6	109.1		109.1
1.3.18 मशीनरी और उपकरणों का विनिर्माण	4.789	113.1	112.9	113.3		112.9
1.3.18.1 इंजन और टर्बाइन, एयरक्राफ्ट, वाहन और दुपहिया वाहनों के इंजन को छोड़कर	0.638	104.8	104.6	105.0		104.0
1.3.18.2 तरल बिजली उपकरण	0.162	119.9	119.4	119.9		120.7
1.3.18.3 अन्य पंप, कंप्रेसर, नल और वाल्व	0.552	111.2	110.1	110.0		109.2
1.3.18.4 बेयरिंग, गियर्स, गैयरिंग और ड्राइविंग उपकरण	0.340	110.1	110.2	112.6		114.3
1.3.18.5 ओवन, फर्नेस और फर्नेस बर्नर	0.008	80.0	79.3	81.0		81.0
1.3.18.6 माल उठाने एवं चढ़ाने-उतारने वाले उपकरण	0.285	111.5	111.3	111.1		112.0

सं. 21: थोक मूल्य सूचकांक (समाप्त)
(आधार: 2011-12=100)

पण्य	भारांक	2019-20	2019	2020		
			मई	मार्च	अप्रैल (अ)	मई (अ)
1.3.18.7 कार्यालय मशीनरी और उपकरण	0.006	130.2	130.2	130.2		130.2
1.3.18.8 सामान्य प्रयोजन के अन्य उपकरण	0.437	130.9	131.6	128.4		128.4
1.3.18.9 कृषि और वानिकी मशीनरी	0.833	120.6	119.3	121.5		121.3
1.3.18.10 धातु निर्माण करनेवाली मशीनरी और मशीन टूल्स	0.224	108.1	107.2	109.6		109.6
1.3.18.11 खनन, उत्खनन और निर्माण के लिए मशीनरी	0.371	75.1	76.7	74.8		74.4
1.3.18.12 खाद्य, पेय और तंबाकू प्रसंस्करण के लिए मशीनरी	0.228	125.2	125.2	130.1		125.3
1.3.18.13 कपड़ा, परिधान और चमड़े के उत्पादन से जुड़ी मशीनरी	0.192	119.7	121.8	119.1		119.3
1.3.18.14 अन्य विशेष प्रयोजनों के लिए मशीनरी	0.468	126.3	125.8	125.7		125.8
1.3.18.15 अक्षय ऊर्जा उत्पादन मशीनरी	0.046	66.0	66.6	64.3		64.3
1.3.19 मोटर वाहन, ट्रेलरों और अर्ध-ट्रेलरों का विनिर्माण	4.969	114.5	113.8	115.6		115.9
1.3.19.1 मोटर वाहन	2.600	115.2	114.4	116.5		116.8
1.3.19.2 मोटर वाहन पुरजे और सहायक उपकरण	2.368	113.7	113.0	114.7		114.9
1.3.20 अन्य परिवहन उपकरणों का विनिर्माण	1.648	118.0	116.9	120.5		123.9
1.3.20.1 जहाजों और तैरने वाली -वस्तुओं का निर्माण	0.117	158.8	158.8	158.8		158.8
1.3.20.2 रेलवे इंजन और रोलिंग स्टॉक	0.110	106.4	106.2	105.2		105.2
1.3.20.3 मोटर साइकल	1.302	114.3	112.9	117.6		121.9
1.3.20.4 साइकल और अवैध गाड़ी	0.117	128.9	128.8	128.2		128.5
1.3.20.5 अन्य परिवहन उपकरण	0.002	126.1	125.0	127.4		127.4
1.3.21 फर्नीचर का विनिर्माण	0.727	130.9	128.7	132.0		132.0
1.3.21.1 फर्नीचर	0.727	130.9	128.7	132.0		132.0
1.3.22 अन्य विनिर्माण	1.064	112.7	104.7	119.8		119.7
1.3.22.1 आभूषण और संबंधित सामग्री	0.996	109.9	101.4	117.3		117.1
1.3.22.2 संगीत उपकरण	0.001	174.0	173.0	174.5		177.2
1.3.22.3 खेल के सामान	0.012	129.7	127.8	131.0		131.4
1.3.22.4 खेल और खिलौने	0.005	136.9	137.8	137.6		135.9
1.3.22.5 चिकित्सा और दंत चिकित्सा उपकरण और सामग्री	0.049	162.1	160.9	163.2		165.0
2 खाद्य सूचकांक	24.378	147.6	142.8	145.7	146.6	146.1

स्रोत: आर्थिक सलाहकार का कार्यालय, वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय, भारत सरकार

सं. 22: औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (आधार: 2011-12=100)

उद्योग	भारांक	2018-19	2019-20	अप्रैल	
				2019	2020
	1	2	3	4	5
सामान्य सूचकांक	100.00	130.1	129.0	126.5	56.3
1 क्षेत्रवार वर्गीकरण					
1.1 खनन और उत्खनन	14.37	107.9	109.6	107.8	78.3
1.2 विनिर्माण	77.63	131.5	129.6	126.2	45.1
1.3 बिजली	7.99	156.9	158.4	162.9	126.1
2 उपयोग आधारित वर्गीकरण					
2.1 मूल वस्तुएं	34.05	126.1	127.0	125.8	92.3
2.2 पूंजीगत माल	8.22	108.4	93.4	96.2	7.7
2.3 मध्यवर्ती माल	17.22	126.2	137.3	123.7	42.0
2.4 बुनियादी/निर्माण वस्तुएं	12.34	141.7	136.1	135.0	21.7
2.5 उपभोक्ता टिकाऊ माल	12.84	130.4	119.0	127.1	5.5
2.6 उपभोक्ता गैर-टिकाऊ माल	15.33	145.5	145.8	140.0	89.4

स्रोत : राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय, सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय, भारत सरकार।

सरकारी खाते और खजाना बिल

सं. 23: केन्द्र सरकार के खाते - एक नज़र में

(राशि करोड़ ₹ में)

मद	वित्तीय वर्ष	अप्रैल-मई			
	2020-21 (बजट अनुमान)	2020-21 (वास्तविक)	2019-20 (वास्तविक)	बजट अनुमानों का प्रतिशत	
				2020-21	2019-20
	1	2	3	4	5
1 राजस्व प्राप्ति	2020926	44667	143763	2.2	7.3
1.1 कर राजस्व (निवल)	1635909	33850	115340	2.1	7.0
1.2 करेतर राजस्व	385017	10817	28423	2.8	9.1
2 पूंजीगत प्राप्ति	224967	831	3067	0.4	2.6
2.1 ऋण की वसूली	14967	831	712	5.6	4.8
2.2 अन्य प्राप्ति	210000	0	2355	0.0	2.2
3 कुल प्राप्ति (उधारियों को छोड़कर) (1+2)	2245893	45498	146830	2.0	7.1
4 राजस्व व्यय	2630145	456635	465284	17.4	19.0
4.1 ब्याज भुगतान	708203	78265	74804	11.1	11.3
5 पूंजी व्यय	412085	55206	47703	13.4	14.1
6 कुल व्यय (4+5)	3042230	511841	512987	16.8	18.4
7 राजस्व घाटा (4-1)	609219	411968	321521	67.6	66.3
8 राजकोषीय घाटा (6-3)	796337	466343	366157	58.6	52.0
9 सकल प्राथमिक घाटा (8-4.1)	88134	388078	291353	440.3	673.0

स्रोत : महालेखानियंत्रक, वित्त मंत्रालय, भारत सरकार और केंद्रीय बजट 2020-21

सं. 24: खज़ाना बिल - स्वामित्व का स्वरूप

(करोड़ ₹)

मद	2019-20	2019		2020				
		मई 31	अप्रैल 24	मई 1	मई 8	मई 15	मई 22	मई 29
	1	2	3	4	5	6	7	8
1 91-दिवसीय								
1.1 बैंक	10165	24582	19626	24299	34887	43641	41246	41694
1.2 प्राथमिक व्यापारी	9190	21871	23622	25088	26305	14102	12996	13674
1.3 राज्य सरकारें	8173	52114	8218	8177	8197	8197	8197	8397
1.4 अन्य	48004	62699	52995	57937	55921	71390	84328	93778
2 182-दिवसीय								
2.1 बैंक	66419	41909	67072	67800	66674	75665	75823	90674
2.2 प्राथमिक व्यापारी	43302	55618	45949	43375	41324	42639	48120	41997
2.3 राज्य सरकारें	13386	20923	13934	13884	13844	13844	13884	14043
2.4 अन्य	22465	19004	54270	68631	83453	84657	91498	94556
3 364-दिवसीय								
3.1 बैंक	49660	47440	53348	60996	60756	71626	77030	82668
3.2 प्राथमिक व्यापारी	70672	88455	66146	68460	66940	64830	61956	57959
3.3 राज्य सरकारें	11945	18707	12688	12779	12799	12799	12759	12650
3.4 अन्य	70576	49322	99950	102375	114364	115063	122344	124967
4 14-दिवसीय मध्यवर्ती								
4.1 बैंक								
4.2 प्राथमिक व्यापारी								
4.3 राज्य सरकारें	155112	130915	169253	135529	105782	85899	119119	121818
4.4 अन्य	617	451	1112	465	1830	679	1038	1531
कुल खज़ाना बिल								
(14 दिवसीय मध्यवर्ती खज़ाना बिल को छोड़कर)#	423957	502643	517816	553801	585465	618454	650182	677057

14 दिवसीय मध्यवर्ती खज़ाना बिल बिक्री योग्य नहीं है, ये बिल 91 दिवसीय, 182 दिवसीय और 364 दिवसीय खज़ाना बिलों जैसे नहीं है। यह बिल स्वरूप के अनुसार मध्यवर्ती हैं क्योंकि राज्य सरकारों के दैनिक न्यूनतम नकदी शेष में कमी को पूरा करने के लिए परिसमाप्त किए जाते हैं।

सं. 25: खज़ाना बिलों की नीलामी

(राशि करोड़ ₹ में)

नीलामी की तारीख	अधिसूचित राशि	प्राप्त बोलियां		स्वीकृत बोलियां		कुल निर्गम (6+7)	कट-ऑफ मूल्य	कट-ऑफ मूल्य पर निहित प्रतिफल (प्रतिशत)		
		संख्या	कुल अंकित मूल्य		संख्या				कुल अंकित मूल्य	
			प्रतियोगी	गैर-प्रतियोगी					प्रतियोगी	गैर-प्रतियोगी
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	
91-दिवसीय खज़ाना बिल										
2020-21										
अप्रैल 29	15000	120	97283	689	35	14981	689	15670	99.10	3.6427
मई 6	15000	137	85358	18	34	14982	18	15000	99.13	3.5202
मई 13	15000	127	95485	2006	28	14994	2006	17000	99.14	3.4794
मई 20	15000	112	93451	2036	8	14996	2036	17031	99.19	3.2795
मई 27	15000	89	70436	2043	34	14997	2043	17040	99.21	3.1939
182-दिवसीय खज़ाना बिल										
2020-21										
अप्रैल 29	16000	143	93303	3	9	15997	3	16000	98.21	3.6553
मई 6	16000	95	70660	4	14	15996	4	16000	98.26	3.5499
मई 13	16000	105	60087	3	67	15997	3	16000	98.15	3.7899
मई 20	16000	161	99457	0	57	16000	0	16000	98.17	3.7468
मई 27	16000	136	56393	2	21	15998	2	16000	98.33	3.3998
364-दिवसीय खज़ाना बिल										
2020-21										
अप्रैल 29	14000	127	80287	2	10	13998	2	14000	96.44	3.7016
मई 6	14000	78	48657	3	14	13997	3	14000	96.55	3.5799
मई 13	14000	95	55615	3	52	13997	3	14000	96.31	3.8399
मई 20	14000	139	62630	0	46	14000	0	14000	96.36	3.7899
मई 27	14000	104	49865	0	8	14000	0	14000	96.71	3.4099

वित्तीय बाजार

सं. 26: दैनिक मांग मुद्रा दरें

(वार्षिक प्रतिशत)

स्थिति के अनुसार	दरों का दायरा		भारित औसत दरें
	उधार लेना/उधार देना		उधार लेना/उधार देना
	1		2
मई	2, 2020	2.80-4.25	3.19
मई	4, 2020	2.40-4.75	4.04
मई	5, 2020	2.30-4.50	3.96
मई	6, 2020	2.30-4.50	3.90
मई	8, 2020	2.30-4.75	3.98
मई	11, 2020	2.30-4.75	3.87
मई	12, 2020	2.30-4.30	3.79
मई	13, 2020	2.30-4.50	3.88
मई	14, 2020	2.30-4.50	3.92
मई	15, 2020	2.30-4.60	3.96
मई	16, 2020	2.55-3.70	2.94
मई	18, 2020	2.30-4.75	3.84
मई	19, 2020	2.30-4.55	3.92
मई	20, 2020	2.00-5.00	3.95
मई	21, 2020	2.00-4.50	3.94
मई	22, 2020	2.15-4.50	3.71
मई	26, 2020	1.80-4.35	3.60
मई	27, 2020	1.80-4.35	3.60
मई	28, 2020	1.80-4.15	3.69
मई	29, 2020	1.80-4.40	3.57
मई	30, 2020	2.15-4.10	2.51
जून	1, 2020	1.80-4.35	3.58
जून	2, 2020	1.50-4.25	3.54
जून	3, 2020	1.80-4.25	3.58
जून	4, 2020	2.15-4.15	3.74
जून	5, 2020	1.80-4.45	3.60
जून	6, 2020	2.15-4.02	3.12
जून	8, 2020	1.80-4.25	3.53
जून	9, 2020	1.80-4.20	3.52
जून	10, 2020	1.80-4.25	3.56
जून	11, 2020	1.80-4.10	3.59
जून	12, 2020	1.80-4.10	3.55
जून	15, 2020	1.80-4.15	3.58

टिप्पणी: नोटिस मुद्रा सहित

सं. 27: जमा प्रमाण-पत्र

मद	2019	2020			
	मई 24	अप्रैल 10	अप्रैल 24	मई 8	मई 22
	1	2	3	4	5
1 बकाया राशि (करोड़ ₹)	227147.00	180116.00	180891.00	171180.00	160455.00
1.1 पखवाड़े के दौरान जारी (करोड़ ₹)	13941.00	12556.15	4539.49	386.44	5705.35
2 ब्याज दर (प्रतिशत)	6.72-7.90	4.70-7.94	4.70-7.84	4.70-6.42	3.50-7.83

सं. 28: वाणिज्यिक पत्र

मद	2019	2020			
	मई 31	अप्रैल 15	अप्रैल 30	मई 15	मई 31
	1	2	3	4	5
1 बकाया राशि (करोड़ ₹)	551983.50	381273.50	417227.05	433624.85	425817.00
1.1 पखवाड़े के दौरान रिपोर्ट किए गए (करोड़ ₹)	102453.50	54770.55	77889.20	62636.85	52155.65
2 ब्याज दर (प्रतिशत)	6.43-10.08	4.55-9.90	3.78-10.45	3.83-12.69	3.13-12.14

सं. 29: चुनिंदा वित्तीय बाजारों में औसत दैनिक टर्नओवर

(करोड़ ₹)

मद	2019-20	2019	2020					
		मई 31	अप्रैल 24	मई 1	मई 8	मई 15	मई 22	मई 29
	1	2	3	4	5	6	7	8
1 मांग मुद्रा	26815	34077	19171	17270	21004	15665	19494	19390
2 नोटिस मुद्रा	3660	7404	622	7628	982	5085	433	5974
3 मीयादी मुद्रा	790	481	1083	1569	1373	1633	848	1444
4 सीबीएलओ / त्रिपक्षीय रिपो	300691	275734	365866	384319	303896	416481	359931	379531
5 बाजार रिपो	221719	233439	239087	307946	255922	340594	297965	375863
6 कापरेट बांड में रिपो	2468	2950	1568	2725	5595	5380	2908	5995
7 फोरेक्स (यूएस मिलियन डॉलर)	67793	65606	39840	49987	45292	37745	43866	57930
8 भारत सरकार की दिनांकित प्रतिभूतियां	93960	109173	99925	75189	88203	112462	79453	78604
9 राज्य सरकारों की प्रतिभूतियां	5800	9892	3927	4767	7209	3123	5607	4419
10 खजाना बिल								
10.1 91-दिवसीय	3720	2823	2783	4895	4565	11250	3804	4925
10.2 182-दिवसीय	2380	3968	9547	9433	8937	2368	2662	5500
10.3 364-दिवसीय	2900	4144	8753	9440	8275	1472	2706	5429
10.4 नकदी प्रबंधन बिल	2310		3170	1225	1265	976	195	17605
11 कुल सरकारी प्रतिभूतियां (8+9+10)	111070	129999	128104	104950	118454	131650	94427	116483
11.1 भारतीय रिजर्व बैंक	-	268	6002	12485	8046	312	110	335

टिप्पणी : मुद्रा बाजार के संपार्श्विक उधार और ऋण दायित्व (सीबीएलओ) खंड को समाप्त किया गया तथा उसके स्थान पर 5 नवंबर 2018 से त्रिपक्षीय रिपो लाया गया।

सं. 30: गैर-सरकारी पब्लिक लिमिटेड कंपनियों के नए पूंजी निर्गम

(राशि करोड़ ₹ में)

प्रतिभूति और निर्गम का प्रकार	2019-20		2019-20 (अप्रै.-मई)		2020-21 (अप्रै.-मई)*		मई 2019		मई 2020*	
	निर्गमों की संख्या	राशि	निर्गमों की संख्या	राशि	निर्गमों की संख्या	राशि	निर्गमों की संख्या	राशि	निर्गमों की संख्या	राशि
	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
1 इक्विटी शेयर	72	64926	16	52234	3	14	7	24478	-	-
1ए प्रीमियम	70	43259	16	31036	3	7	7	23327	-	-
1.1 पब्लिक	57	9867	12	2850	3	14	5	106	-	-
1.1.1 प्रीमियम	55	9434	12	2786	3	7	5	88	-	-
1.2 राइट्स	15	55059	4	49384	-	-	2	24372	-	-
1.2.1 प्रीमियम	15	33825	4	28250	-	-	2	23239	-	-
2 अधिमान शेयर	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
2.1 पब्लिक	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
2.2 राइट्स	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
3 बांड और डिबेंचर	34	14984	9	3239	-	-	4	1048	-	-
3.1 परिवर्तनीय	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
3.1.1 पब्लिक	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
3.1.2 राइट्स	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
3.2 अपरिवर्तनीय	34	14984	9	3239	-	-	4	1048	-	-
3.1.1 पब्लिक	34	14984	9	3239	-	-	4	1048	-	-
3.1.2 राइट्स	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
4 कुल (1+2+3)	106	79910	25	55473	3	14	11	25526	-	-
4.1 पब्लिक	91	24851	21	6089	3	14	9	1154	-	-
4.2 राइट्स	15	55059	4	49384	-	-	2	24372	-	-

टिप्पणी : अप्रैल 2020 से मासिक डाटा का समेकन निर्गम की समाप्ति की तारीख के आधार पर की जाती है जबकि पूर्व में समेकन का कार्य निर्गम चालू होने की तारीख के आधार पर किया जाता था।

स्रोत : भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (सेबी)।

* : आंकड़े अनंतिम हैं।

बाह्य क्षेत्र

सं. 31: विदेशी व्यापार

मद	इकाई	2019-20	2019		2020			
			मई	जनवरी	फरवरी	मार्च	अप्रैल	मई
		1	2	3	4	5	6	7
1 निर्यात	करोड ₹	2218233	208271	184221	198233	158930	78951	144166
	मिलियन अमरिकी डॉलर	313139	29850	25833	27729	21376	10356	19054
1.1 तेल	करोड ₹	291418	34353	22663	24589	17960	9473	12325
	मिलियन अमरिकी डॉलर	41164	4924	3178	3440	2416	1243	1629
1.2 तेल से इतर	करोड ₹	1926815	173917	161559	173644	140970	69479	131841
	मिलियन अमरिकी डॉलर	271975	24926	22655	24290	18960	9114	17425
2 आयात	करोड ₹	3355762	325724	293413	268093	231717	130525	167978
	मिलियन अमरिकी डॉलर	473995	46683	41144	37502	31165	17121	22202
2.1 तेल	करोड ₹	925031	87864	92773	77067	74570	35537	26381
	मिलियन अमरिकी डॉलर	130532	12593	13009	10780	10029	4661	3487
2.2 तेल से इतर	करोड ₹	2430731	237860	200639	191026	157148	94988	141597
	मिलियन अमरिकी डॉलर	343463	34091	28135	26721	21136	12460	18715
3 व्यापार शेष	करोड ₹	-1137530	-117454	-109191	-69859	-72788	-51574	-23812
	मिलियन अमरिकी डॉलर	-160857	-16834	-15311	-9772	-9790	-6765	-3147
3.1 तेल	करोड ₹	-633613	-53511	-70111	-52478	-56610	-26065	-14056
	मिलियन अमरिकी डॉलर	-89368	-7669	-9831	-7341	-7614	-3419	-1858
3.2 तेल से इतर	करोड ₹	-503917	-63943	-39081	-17381	-16178	-25509	-9756
	मिलियन अमरिकी डॉलर	-71489	-9164	-5480	-2431	-2176	-3346	-1289

स्रोत: वाणिज्यिक आसूचना और सांख्यिकी महानिदेशालय तथा वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय।

सं. 32: विदेशी मुद्रा भंडार

मद	इकाई	2019	2020					
			जून 24	मई 8	मई 15	मई 22	मई 29	जून 5
		1	2	3	4	5	6	7
1 कुल भंडार	करोड ₹	2937570	3666574	3680676	3721819	3731592	3792013	3850473
	मिलियन अमरिकी डॉलर	422200	485313	487039	490044	493480	501703	507644
1.1 विदेशी मुद्रा आस्तियां	करोड ₹	2743960	3381304	3390717	3430708	3442185	3504298	3555312
	मिलियन अमरिकी डॉलर	394447	447548	448670	451706	455208	463630	468737
1.2 स्वर्ण	करोड ₹	160260	243961	248680	248955	247132	244533	251616
	मिलियन अमरिकी डॉलर	22959	32291	32906	32779	32682	32352	33173
1.3 एसडीआर	एसडीआरएस मिलियन	1047	1045	1048	1048	1048	1048	1048
	करोड ₹	10080	10748	10766	10876	10826	10900	11026
	मिलियन अमरिकी डॉलर	1449	1423	1425	1432	1432	1442	1454
1.4 आईएमएफ में आरक्षित भाग की स्थिति	करोड ₹	23270	30561	30513	31278	31449	32282	32520
	मिलियन अमरिकी डॉलर	3345	4051	4038	4127	4158	4278	4280

* अंतर, यदि कोई हो, तो पूर्णांकन के वजह से है।

सं. 33: अनिवासी भारतीयों की जमाराशियां

(मिलियन अमरिकी डॉलर)

योजना	बकाया				प्रवाह	
	2019-20	2019	2020		2019-20	2020-21
		मई	अप्रैल	मई	अप्रैल-मई	अप्रैल-मई
	1	2	3	4	5	6
1 एनआरआई जमाराशियां	130581	131937	129339	131524	2492	2042
1.1 एफसीएनआर (बी)	24244	24318	23112	22875	1148	-1369
1.2 एनआर (ई) आरए	90367	92193	90482	92619	1016	3184
1.3 एनआरओ	15969	15425	15745	16030	328	228

सं. 34: विदेशी निवेश अंतर्वाह

(मिलियन अमरिकी डॉलर)

मद	2019-20	2019-20	2020-21	2019	2020	
		अप्रैल-मई	अप्रैल-मई	मई	अप्रैल	मई
	1	2	3	4	5	6
1.1 निवल विदेशी प्रत्यक्ष निवेश (1.1.1-1.1.2)	43013	7204	4400	2818	2383	2016
1.1.1 भारत में प्रत्यक्ष निवेश (1.1.1.1-1.1.2)	56006	9624	5937	4084	3402	2535
1.1.1.1 सकल अंतर्वाह/सकल निवेश	74390	12275	8090	5409	4479	3611
1.1.1.1.1 इक्विटी	51734	9271	5236	3907	2884	2352
1.1.1.1.1.1 सरकारी (एसआईए/एफआईपीबी)	3265	271	93	208	80	13
1.1.1.1.1.2 भारतीय रिज़र्व बैंक	39364	7564	4253	2979	2169	2084
1.1.1.1.1.3 शेयरों की अधिप्राप्ति	7348	1212	667	608	524	143
1.1.1.1.1.4 अनिगमित निकायों की इक्विटी पूंजी	1757	224	224	112	112	112
1.1.1.1.2 पुनर्निवेशित आय	14175	2233	2233	1116	1116	1116
1.1.1.1.3 अन्य पूंजी	8482	771	621	386	479	143
1.1.1.2 प्रत्यावर्तन /विनिवेश	18384	2651	2153	1325	1076	1076
1.1.1.2.1 इक्विटी	18212	2638	2139	1319	1069	1069
1.1.1.2.2 अन्य पूंजी	173	13	14	6	7	7
1.1.2 भारत द्वारा विदेशी प्रत्यक्ष निवेश (1.1.2.1+1.1.2.2+ 1.1.2.3-1.1.2.4)	12993	2420	1538	1265	1019	519
1.1.2.1 इक्विटी पूंजी	7572	1164	600	582	443	156
1.1.2.2 पुनर्निवेशित आय	3151	525	525	263	263	263
1.1.2.3 अन्य पूंजी	5674	987	544	549	379	165
1.1.2.4 प्रत्यावर्तन /विनिवेश	3403	256	131	128	66	66
1.2 निवल संविभागीय निवेश (1.2.1+1.2.2+1.2.3-1.2.4)	1403	2947	-575	1836	83	-659
1.2.1 जीडीआर/एडीआर	-	-	-	-	-	-
1.2.2 एफआईआई	552	3156	-1974	1940	-1001	-972
1.2.3 अपतटीय निधियां और अन्य	-	-	-	-	-	-
1.2.4 भारत द्वारा संविभागीय निवेश	-851	209	-1398	105	-1085	-313
1 विदेशी निवेश अंतर्वाह	44417	10151	3824	4654	2467	1357

सं. 35: वैयक्तिक निवासियों के लिए उदारीकृत विप्रेषण योजना (एलआरएस) के अंतर्गत जावक विप्रेषण

(मिलियन अमरिकी डॉलर)

मद	2019-20	2019	2020		
		मई	मार्च	अप्रैल	मई
	1	2	3	4	5
1 एलआरएस के अंतर्गत जावक विप्रेषण	18760.69	1486.06	1358.82	499.14	617.62
1.1 जमाराशियां	623.37	50.15	112.96	60.17	43.18
1.2 अचल संपत्ति की खरीद	86.43	9.41	8.99	3.21	3.06
1.3 इक्विटी / डेट में निवेश	431.41	31.64	49.22	24.80	25.47
1.4 उपहार	1907.71	154.20	190.91	55.15	75.42
1.5 दान	22.33	2.79	0.76	2.68	0.39
1.6 यात्रा	6955.98	568.28	307.24	121.13	157.76
1.7 निकट संबंधियों का रखरखाव	3439.74	300.03	346.31	148.25	150.75
1.8 चिकित्सा उपचार	33.90	2.46	3.21	1.35	1.31
1.9 विदेश में शिक्षा	4991.07	334.39	312.68	78.76	155.84
1.10 अन्य	268.75	32.71	26.55	3.66	4.45

**सं. 36: भारतीय रुपये का वास्तविक प्रभावी विनिमय दर सूचकांक (रीर) और
सांकेतिक प्रभावी विनिमय दर सूचकांक (नीर)**

मद	2018-19	2019-20	2019	2020	
			जून	मई	जून
	1	2	3	4	5
36-मुद्रा निर्यात और व्यापार आधारित भारांक (आधार: 2004-05=100)					
1 व्यापार आधारित भारांक					
1.1 नीर	72.64	73.28	74.35	70.64	69.52
1.2 रीर	114.01	116.75	116.48	114.88	113.05
2 निर्यात आधारित भारांक					
2.1 नीर	74.18	74.33	75.50	71.50	70.46
2.2 रीर	116.32	119.61	119.41	117.57	115.85
6-मुद्रा व्यापार आधारित भारांक					
1 आधार : 2004-05 (अप्रैल-मार्च) =100					
1.1 नीर	63.07	63.59	64.45	60.24	59.58
1.2 रीर	121.70	125.76	125.38	121.73	119.43
2 आधार : 2017-18 (अप्रैल-मार्च) =100					
2.1 नीर	92.88	93.63	94.91	88.71	87.73
2.2 रीर	94.20	97.32	97.05	94.23	92.45

सं. 37: बाह्य वाणिज्यिक उधार - पंजीकरण

(राशि अमरिकी मिलियन डॉलर में)

मद	2019-20	2019	2020	
		मई	अप्रैल	मई
	1	2	3	4
1 स्वचालित मार्ग				
1.1 संख्या	1292	117	50	79
1.2 राशि	38011	2895	696	991
2 अनुमोदन मार्ग				
2.1 संख्या	41	5	1	1
2.2 राशि	14921	653	300	500
3 कुल (1+2)				
3.1 संख्या	1333	122	51	80
3.2 राशि	52932	3548	996	1491
4 भारत औसत परिपक्वता (वर्षों में)	6.00	5.40	7.00	4.16
5 ब्याज दर (प्रतिशत)				
5.1 6 महीने के लिबॉर पर भारत औसत मार्जिन या अस्थिर दर के ऋणों के लिए संदर्भ दर	1.34	1.35	1.70	1.61
5.2 सावधि दर के ऋणों के लिए ब्याज दर की सीमा	0.00-25.00	0.00-11.50	0.00-10.86	0.00-10.50

सं. 38: भारत का समग्र भुगतान संतुलन

(मिलियन अमरिकी डॉलर)

मद	जनवरी-मार्च 2019 (पीआर)			जनवरी-मार्च 2020 (प्रा.)		
	जमा	नामे	निवल	जमा	नामे	निवल
	1	2	3	4	5	6
समग्र भुगतान शेष (1+2+3)	324141	309979	14162	334313	315519	18794
1 चालू खाता (1.1+1.2)	165160	169807	-4647	157116	156558	558
1.1 पण्य	87367	122581	-35214	76527	111569	-35042
1.2 अदृश्य मर्दे (1.2.1+1.2.2+1.2.3)	77792	47226	30567	80590	44990	35600
1.2.1 सेवाएं	54630	33299	21331	53060	31033	22027
1.2.1.1 यात्रा	7583	5112	2470	6860	4208	2652
1.2.1.2 परिवहन	5154	5436	-282	5016	5761	-745
1.2.1.3 बीमा	720	603	117	623	426	198
1.2.1.4 जीएनआईई	156	285	-129	182	284	-102
1.2.1.5 विविध	41018	21863	19155	40378	20354	20024
1.2.1.5.1 सॉफ्टवेयर सेवाएं	21439	1571	19868	23285	2159	21125
1.2.1.5.2 कारोबार सेवाएं	10290	11109	-820	11474	11928	-454
1.2.1.5.3 वित्तीय सेवाएं	1111	618	494	1024	1256	-232
1.2.1.5.4 संचार सेवाएं	760	336	424	631	350	281
1.2.2 अंतरण	17972	1812	16160	20579	2179	18400
1.2.2.1 आधिकारिक	69	226	-157	26	299	-273
1.2.2.2 निजी	17903	1587	16317	20553	1880	18673
1.2.3 आय	5190	12115	-6925	6950	11778	-4827
1.2.3.1 निवेश आय	4033	11521	-7488	5523	11079	-5557
1.2.3.2 कर्मचारियों को क्षतिपूर्ति	1157	593	564	1428	698	729
2 पूंजी खाता (2.1+2.2+2.3+2.4+2.5)	158982	139740	19241	176311	158960	17350
2.1 विदेशी निवेश (2.1.1+2.1.2)	93816	77960	15856	99638	101420	-1782
2.1.1 विदेशी प्रत्यक्ष निवेश	16654	10235	6420	20871	8908	11963
2.1.1.1 भारत में	15461	5671	9790	19255	4070	15185
2.1.1.1.1 इक्विटी	11058	5636	5422	13923	4062	9861
2.1.1.1.2 पुनर्निवेशित आय	3650		3650	3772		3772
2.1.1.1.3 अन्य पूंजी	753	36	718	1560	8	1552
2.1.1.2 विदेश में	1193	4563	-3370	1616	4838	-3222
2.1.1.2.1 इक्विटी	1193	1683	-489	1616	2107	-491
2.1.1.2.2 पुनर्निवेशित आय	0	758	-758	0	788	-788
2.1.1.2.3 अन्य पूंजी	0	2123	-2123	0	1943	-1943
2.1.2 संविभाग निवेश	77162	67726	9436	78767	92511	-13745
2.1.2.1 भारत में	76807	65338	11469	76983	91726	-14743
2.1.2.1.1 एफआईआई	76807	65338	11469	76983	91726	-14743
2.1.2.1.1.1 इक्विटी	58600	50602	7998	60171	66381	-6209
2.1.2.1.1.2 ऋण	18207	14736	3471	16812	25345	-8534
2.1.2.1.2 एडीआर /जीडीआर	0		0	0		0
2.1.2.2 विदेश में	355	2388	-2033	1783	785	998
2.2 ऋण (2.2.1+2.2.2+2.2.3)	31255	20997	10258	27444	17526	9918
2.2.1 बाह्य सहायता	2554	1301	1253	2000	1420	580
2.2.1.1 भारत द्वारा	12	30	-18	2	28	-26
2.2.1.2 भारत को	2542	1271	1271	1998	1392	606
2.2.2 वाणिज्यिक उधार	17993	10456	7537	16368	6030	10338
2.2.2.1 भारत द्वारा	7291	7000	292	1983	1053	930
2.2.2.2 भारत को	10702	3456	7246	14385	4977	9408
2.2.3 भारत को अल्पावधि	10708	9241	1468	9077	10076	-1000
2.2.3.1 आपूर्तिकर्ता का ऋण >180 दिन तथा खरीदार का ऋण	10052	9241	812	9077	9725	-649
2.2.3.2 आपूर्तिकर्ता का 180 दिन तक का ऋण	656	0	656	0	351	-351
2.3 बैंकिंग पूंजी (2.3.1+2.3.2)	21606	29670	-8064	22109	26716	-4606
2.3.1 वाणिज्य बैंक	20599	29668	-9069	21996	26716	-4719
2.3.1.1 आस्तियां	443	16542	-16099	4813	10222	-5409
2.3.1.2 देयताएं	20156	13127	7029	17183	16493	690
2.3.1.2.1 अनिवासी जमाराशियां	14974	11563	3411	16844	14079	2765
2.3.2 अन्य	1007	1	1006	113	0	113
2.4 रुपया ऋण चुकौती		7	-7		7	-7
2.5 अन्य पूंजी	12304	11107	1197	27119	13292	13827
3 भूल-चूक		431	-431	886		886
4 मौद्रिक गतिविधियां (4.1+4.2)	0	14162	-14162	0	18794	-18794
4.1 आईएमएफ	0	0	0			
4.2 विदेशी मुद्रा भंडार (वृद्धि -/ कमी +)	0	14162	-14162	0	18794	-18794

टिप्पणी: पी: प्रारंभिक पीआर: आंशिकरूप से संशोधित

सं. 39: भारत का समग्र भुगतान संतुलन

(करोड़ ₹)

मद	जनवरी-मार्च 2019 (पीआर)			जनवरी-मार्च 2020 (प्रा.)		
	जमा	नामे	निवल	जमा	नामे	निवल
	1	2	3	4	5	6
समग्र भुगतान शेष (1+2+3)	2284475	2184661	99814	2419902	2283860	136042
1 चालू खाता (1.1+1.2)	1164009	1196763	-32754	1137275	1133238	4037
1.1 पण्य	615745	863926	-248181	553933	807581	-253649
1.2 अदृश्य मर्दे (1.2.1+1.2.2+1.2.3)	548264	332837	215427	583342	325657	257686
1.2.1 सेवाएं	385022	234684	150338	384069	224629	159441
1.2.1.1 यात्रा	53440	36030	17411	49657	30461	19197
1.2.1.2 परिवहन	36323	38310	-1987	36311	41701	-5390
1.2.1.3 बीमा	5072	4249	823	4512	3081	1430
1.2.1.4 जीएनआईई	1101	2009	-908	1316	2057	-741
1.2.1.5 विविध	289085	154086	134999	292273	147329	144944
1.2.1.5.1 सॉफ्टवेयर सेवाएं	151099	11073	140026	168546	15631	152914
1.2.1.5.2 कारोबार सेवाएं	72520	78297	-5777	83051	86341	-3290
1.2.1.5.3 वित्तीय सेवाएं	7832	4353	3479	7410	9092	-1682
1.2.1.5.4 संचार सेवाएं	5353	2365	2988	4567	2532	2035
1.2.2 अंतरण	126664	12772	113892	148962	15774	133188
1.2.2.1 आधिकारिक	486	1590	-1104	189	2167	-1978
1.2.2.2 निजी	126178	11182	114996	148773	13607	135166
1.2.3 आय	36578	85381	-48803	50311	85253	-34942
1.2.3.1 निवेश आय	28422	81198	-52776	39977	80198	-40221
1.2.3.2 कर्मचारियों को क्षतिपूर्ति	8156	4183	3973	10333	5055	5278
2 पूंजी खाता (2.1+2.2+2.3+2.4+2.5)	1120466	984859	135607	1276212	1150622	125590
2.1 विदेशी निवेश (2.1.1+2.1.2)	661194	549446	111748	721222	734119	-12897
2.1.1 विदेशी प्रत्यक्ष निवेश	117377	72131	45246	151075	64481	86594
2.1.1.1 भारत में	108965	39968	68997	139378	29459	109919
2.1.1.1.1 इक्विटी	77934	39718	38216	100781	29401	71380
2.1.1.1.2 पुनर्निवेशित आय	25723	0	25723	27305	0	27305
2.1.1.1.3 अन्य पूंजी	5309	250	5058	11292	58	11234
2.1.1.2 विदेश में	8411	32162	-23751	11697	35022	-23324
2.1.1.2.1 इक्विटी	8411	11860	-3449	11697	15253	-3556
2.1.1.2.2 पुनर्निवेशित आय	0	5343	-5343	0	5702	-5702
2.1.1.2.3 अन्य पूंजी	0	14960	-14960	0	14067	-14067
2.1.2 संविभाग निवेश	543817	477315	66502	570147	669638	-99491
2.1.2.1 भारत में	541318	460488	80830	557238	663952	-106714
2.1.2.1.1 एफआईआई	541318	460488	80830	557238	663952	-106714
2.1.2.1.1.1 इक्विटी	412998	356633	56365	435547	480491	-44945
2.1.2.1.1.2 ऋण	128320	103855	24464	121691	183461	-61770
2.1.2.1.2 एडीआर /जीडीआर	0	0	0	0	0	0
2.1.2.2 विदेश में	2499	16827	-14328	12909	5686	7223
2.2 ऋण (2.2.1+2.2.2+2.2.3)	220281	147982	72299	198653	126862	71791
2.2.1 बाह्य सहायता	17999	9166	8833	14475	10277	4198
2.2.1.1 भारत द्वारा	81	209	-128	14	201	-187
2.2.1.2 भारत को	17918	8957	8961	14461	10076	4385
2.2.2 वाणिज्यिक उधार	126813	73691	53122	118476	43648	74828
2.2.2.1 भारत द्वारा	51389	49334	2055	14351	7622	6729
2.2.2.2 भारत को	75424	24357	51067	104125	36026	68099
2.2.3 भारत को अल्पावधि	75469	65125	10344	65702	72938	-7236
2.2.3.1 आपूर्तिकर्ता का ऋण >180 दिन तथा खरीदार का ऋण	70846	65125	5721	65702	70397	-4695
2.2.3.2 आपूर्तिकर्ता का 180 दिन तक का ऋण	4623	0	4623	0	2541	-2541
2.3 बैंकिंग पूंजी (2.3.1+2.3.2)	152275	209105	-56830	160037	193379	-33343
2.3.1 वाणिज्य बैंक	145176	209094	-63919	159220	193379	-34160
2.3.1.1 आस्तियां	3121	116581	-113460	34842	73992	-39151
2.3.1.2 देयताएं	142054	92513	49541	124378	119387	4991
2.3.1.2.1 अनिवासी जमाराशियां	105531	81492	24039	121926	101911	20016
2.3.2 अन्य	7099	10	7089	817	0	817
2.4 रुपया ऋण चुकौती	0	50	-50	0	50	-50
2.5 अन्य पूंजी	86716	78277	8439	196301	96212	100089
3 भूल-चूक	0	3039	-3039	6415	0	6415
4 मौद्रिक गतिविधियां (4.1+4.2)	0	99814	-99814	0	136042	-136042
4.1 आईएमएफ	0	0	0	0	0	0
4.2 विदेशी मुद्रा भंडार (वृद्धि -/ कमी +)	0	99814	-99814	0	136042	-136042

टिप्पणी: पी: प्रारंभिक पीआर: आशिकरूप से संशोधित

सं. 40: बीपीएम 6 के अनुसार भारत में भुगतान संतुलन का मानक प्रस्तुतीकरण

(मिलियन अमरिकी डॉलर)

मद	जनवरी-मार्च 2019 (पीआर)			जनवरी-मार्च 2020 (प्रा.)		
	जमा	नाम	निवल	जमा	नाम	निवल
	1	2	3	4	5	6
1 चालू खाता (1.अ+1आ+1.इ)	165158	169786	-4628	157116	156531	584
1.अ माल और सेवाएं (1.अ.क+1अ.ख.)	141998	155880	-13883	129586	142601	-13015
1.अ.क. माल (1.अ.क.1 से 1.अ.क.3)	87367	122581	-35214	76527	111569	-35042
1.अ.क.1 बीओपी आधार पर सामान्य वाणिज्यिक वस्तुएं	86579	114412	-27832	75738	106394	-30656
1.अ.क.2 वाणिज्य के अंतर्गत माल का निवल निर्यात	788	0	788	789	0	789
1.अ.क.3 गैर-मौद्रिक स्वर्ण		8170	-8170		5175	-5175
1.अ.ख सेवाएं (1.अ.ख.1 से 1.अ.ख.13)	54630	33299	21331	53060	31033	22027
1.अ.ख.1 अन्य के स्वामित्व वाले भौतिक इनपुट पर विनिर्माण सेवाएं	78	11	67	66	8	58
1.अ.ख.2 अन्यत्र शामिल न की गई रखरखाव व मरम्मत सेवाएं	41	358	-317	41	309	-269
1.अ.ख.3 परिवहन	5154	5436	-282	5016	5761	-745
1.अ.ख.4 यात्रा	7583	5112	2470	6860	4208	2652
1.अ.ख.5 निर्माण	747	625	122	931	708	223
1.अ.ख.6 बीमा और पेशान सेवाएं	720	603	117	623	426	198
1.अ.ख.7 वित्तीय सेवाएं	1111	618	494	1024	1256	-232
1.अ.ख.8 अन्यत्र शामिल न किए गए बौद्धिक संपत्ति के उपयोग के लिए प्रभार	120	1826	-1706	182	1641	-1459
1.अ.ख.9 दूरसंचार, कंप्यूटर और सूचना सेवाएं	22262	2029	20233	23967	2638	21329
1.अ.ख.10 अन्य कारोबारी सेवाएं	10290	11109	-820	11474	11928	-454
1.अ.ख.11 वैयक्तिक, सांस्कृतिक और मनोरंजन संबंधी सेवाएं	451	649	-198	588	819	-231
1.अ.ख.12 अन्यत्र शामिल न की गई सरकारी माल और सेवाएं	156	285	-129	182	284	-102
1.अ.ख.13 अन्य जो अन्यत्र शामिल नहीं हैं	5917	4638	1279	2105	1046	1059
1.आ.प्राथमिक आय (1.आ.1 से 1.आ.3)	5190	12115	-6925	6950	11778	-4827
1.आ.1 कर्मचारियों को क्षतिपूर्ति	1157	593	564	1428	698	729
1.आ.2 निवेश आय	3390	11109	-7719	4487	10921	-6434
1.आ.2.1 प्रत्यक्ष निवेश	1411	4708	-3297	2163	4654	-2491
1.आ.2.2 संविभाग निवेश	71	2435	-2364	88	2346	-2259
1.आ.2.3 अन्य निवेश	354	3951	-3596	457	3910	-3452
1.आ.2.4 रिजर्व आस्तियां	1553	15	1538	1778	10	1768
1.आ.3 अन्य प्राथमिक आय	643	412	231	1036	159	878
1.इ द्वितीयक आय (1.इ.1+1.इ.2)	17970	1791	16179	20579	2152	18427
1.इ.1 वित्तीय निगम, वित्तर निगम, परिवार और एनपीआईएसएच	17903	1587	16317	20553	1880	18673
1.इ.1.1 वैयक्तिक अंतरण (निवासी और / अनिवासी परिवारों के बीच चालू अंतरण)	17322	1199	16123	20102	1358	18745
1.इ.1.2 अन्य चालू अंतरण	581	387	194	451	522	-71
1.इ.2 सामान्य सरकार	67	204	-138	26	272	-247
2. पूंजी खाता (2.1+2.2)	84	167	-83	142	161	-19
2.1 अनुत्पादित वित्तर आस्तियों का सकल अधिग्रहण (नामे) / निस्तारण (जमा)	14	94	-81	9	40	-31
2.2 पूंजी अंतरण	70	72	-3	133	121	12
3. वित्तीय खाता (3.1 से 3.5)	158900	153757	5143	176169	177620	-1451
3.1 प्रत्यक्ष निवेश (3.1अ+3.1आ)	16654	10235	6420	20781	8908	11963
3.1अ भारत में प्रत्यक्ष निवेश	15461	5671	9790	19255	4070	15185
3.1.अ.1 इक्विटी और निवेश निधि शेयर	14708	5636	9072	17695	4062	13633
3.1.अ.1.1 अर्जनों के पुनर्निवेश से इतर इक्विटी	11058	5636	5422	13923	4062	9861
3.1.अ.1.2 अर्जनों का पुनर्निवेश	3650		3650	3772		3772
3.1.अ.2 ऋण लिखत	753	36	718	1560	8	1552
3.1.अ.2.1 प्रत्यक्ष निवेश उद्यमों में प्रत्यक्ष निवेशक	753	36	718	1560	8	1552
3.1.आ. भारत द्वारा प्रत्यक्ष निवेश	1193	4563	-3370	1616	4838	-3222
3.1.आ.1 इक्विटी और निवेश निधि शेयर	1193	2441	-1247	1616	2895	-1279
3.1.आ.1.1 अर्जनों के पुनर्निवेश को छोड़कर इक्विटी	1193	1683	-489	1616	2107	-491
3.1.आ.1.2 अर्जनों का पुनर्निवेश		758	-758		788	-788
3.1.आ.2 ऋण लिखत	0	2123	-2123	0	1943	-1943
3.1.आ.2.1 प्रत्यक्ष निवेश उद्यमों में प्रत्यक्ष निवेशक		2123	-2123		1943	-1943
3.2 संविभाग निवेश	77162	67726	9436	78767	92511	-13745
3.2अ भारत में संविभाग निवेश	76807	65338	11469	76983	91726	-14743
3.2.1 इक्विटी और निवेश निधि शेयर	58600	50602	7998	60171	66381	-6209
3.2.2 ऋण प्रतिभूतियां	18207	14736	3471	16812	25345	-8534
3.2आ. भारत द्वारा संविभाग निवेश	355	2388	-2033	1783	785	998
3.3 वित्तीय डेरिवेटिव (रिजर्व निधियों को छोड़कर) और कर्मचारी स्टॉक ऑप्शन	6425	5687	739	11473	9287	2186
3.4 अन्य निवेश	58659	55948	2711	65058	48119	16939
3.4.1 अन्य इक्विटी (एडीआर/जीडीआर)	0	0	0	0	0	0
3.4.2 मुद्रा और जमाराशियां	15981	11564	4417	16957	14079	2878
3.4.2.1 केंद्रीय बैंक (रूपी डेट मूवमेंट; एनआरजी)	1007	1	1006	113	0	113
3.4.2.2 केंद्रीय बैंक को छोड़कर जमाराशियां लेने वाले निगम (अनिवासी भारतीय जमाराशियां)	14974	11563	3411	16844	14079	2765
3.4.2.3 सामान्य सरकार						
3.4.2.4 अन्य क्षेत्र						
3.4.3 ऋण (बाह्य सहायता, ईसीबी और बैंकिंग पूंजी)	26172	29862	-3690	23520	20086	3433
3.4.3अ भारत को ऋण	18869	22832	-3963	21535	19006	2529
3.4.3आ भारत द्वारा ऋण	7303	7030	273	1985	1081	904
3.4.4 बीमा, पेशान, और मानकीकृत गारंटी योजनाएं	21	364	-344	37	45	-8
3.4.5 व्यापार ऋण और अग्रिम	10708	9241	1468	9077	10076	-1000
3.4.6 अन्य खाते प्राप्य/देय-अन्य	5777	4917	860	15468	3832	11635
3.4.7 विशेष आहरण अधिकार						0
3.5 आरक्षित आस्तियां	0	14162	-14162	0	18794	-18794
3.5.1 मौद्रिक स्वर्ण						
3.5.2 विशेष आहरण अधिकार एन.ए						
3.5.3 आईएमएफ में रिजर्व निधियों की स्थिति एन.ए						
3.5.4 अन्य रिजर्व आस्तियां (विदेशी मुद्रा आस्तियां)	0	14162	-14162	0	18794	-18794
4. कुल आस्तियां / देयताएं	158900	153757	5143	176169	177620	-1451
4.1 इक्विटी तथा निवेश निधि शेयर	81302	67117	14184	92776	83455	9321
4.2 ऋण लिखत	71822	67561	4261	67925	71539	-3613
4.3 अन्य वित्तीय आस्तियां और देयताएं	5777	19079	-13303	15468	22627	-7159
5. निवल भूल-चूक	0	431	-431	886	886	0

टिप्पणी: पी: प्रारंभिक पीआर: आंशिक रूप से संशोधित

सं. 41: बीपीएम 6 के अनुसार भारत में भुगतान संतुलन का मानक प्रस्तुतीकरण

(कोड़ ₹)

मद	जनवरी-मार्च 2019 (पीआर)			जनवरी-मार्च 2020 (प्रा.)		
	जमा	नाम	निवल	जमा	नाम	निवल
	1	2	3	4	5	6
1 चालू खाता (1.अ+1आ+1.इ)	1163995	1196614	-32620	1137271	1133041	4230
1.अ माल और सेवाएं (1.अ.क.+ 1.अ.ख.)	1000767	1098610	-97843	938002	1032210	-94208
1.अ.क. माल (1.अ.क.1 से 1.अ.क.3)	615745	863926	-248181	553933	807581	-253649
1.अ.क.1 बीओपी आधार पर सामान्य वाणिज्यिक वस्तुएं	610190	806347	-196157	548221	770126	-221905
1.अ.क.2 वाणिज्य के अंतर्गत माल का निवल निर्यात	5555	0	5555	5712	0	5712
1.अ.क.3 गैर-मौद्रिक स्वर्ण	0	57579	-57579	0	37456	-37456
1.अ.ख सेवाएं (1.अ.ख.1 से 1.अ.ख.13)	385022	234684	150338	384069	224629	159441
1.अ.ख.1 अन्य के स्वामित्व वाले भौतिक इनपुट पर विनिर्माण सेवाएं	552	79	473	475	57	418
1.अ.ख.2 अन्यत्र शामिल न की गई रखरखाव व मरम्मत सेवाएं	291	2524	-2233	295	2240	-1944
1.अ.ख.3 परिवहन	36323	38310	-1987	36311	41701	-5390
1.अ.ख.4 यात्रा	53440	36030	17411	49657	30461	19197
1.अ.ख.5 निर्माण	5263	4402	861	6740	5124	1616
1.अ.ख.6 बीमा और पेंशन सेवाएं	5072	4249	823	4512	3081	1430
1.अ.ख.7 वित्तीय सेवाएं	7832	4353	3479	7410	9092	-1682
1.अ.ख.8 अन्यत्र शामिल न किए गए बौद्धिक संपत्ति के उपयोग के लिए प्रभार	844	12867	-12023	1319	11876	-10557
1.अ.ख.9 दूरसंचार, कंप्यूटर और सूचना सेवाएं	156901	14303	142598	173487	19096	154390
1.अ.ख.10 अन्य कारोबारी सेवाएं	72520	78297	-5777	83051	86341	-3290
1.अ.ख.11 वैयक्तिक, सांस्कृतिक और मनोरंजन संबंधी सेवाएं	3178	4571	-1394	4259	5927	-1669
1.अ.ख.12 अन्यत्र शामिल न की गई सरकारी माल और सेवाएं	1101	2009	-908	1316	2057	-741
1.अ.ख.13 अन्य जो अन्यत्र शामिल नहीं हैं	41704	32690	9015	15237	7575	7662
1.आ प्राथमिक आय (1.आ.1 से 1.आ.3)	36578	85381	-48803	50311	85253	-34942
1.आ.1 कर्मचारियों को क्षतिपूर्ति	8156	4183	3973	10333	5055	5278
1.आ.2 निवेश आय	23889	78292	-54403	32476	79049	-46573
1.आ.2.1 प्रत्यक्ष निवेश	9947	33182	-23235	15659	33689	-18030
1.आ.2.2 संविभाग निवेश	498	17161	-16663	634	16984	-16351
1.आ.2.3 अन्य निवेश	2498	27843	-25345	3311	28299	-24989
1.आ.2.4 रिज़र्व आस्तियां	10946	107	10840	12873	76	12797
1.आ.3 अन्य प्राथमिक आय	4533	2907	1626	7502	1149	6352
1.इ द्वितीयक आय (1.इ.1+1.इ.2)	126649	12623	114026	148958	15577	133381
1.इ.1 वित्तीय निगम, वित्तिय निगम, परिवार और एनपीआईएसएच	126178	11182	114996	148773	13607	135166
1.इ.1.1 वैयक्तिक अंतरण (निवासी और/अनिवासी परिवारों के बीच चालू अंतरण)	122084	8454	113630	145508	9826	135681
1.इ.1.2 अन्य चालू अंतरण	4094	2728	1365	3265	3781	-516
1.इ.2 सामान्य सरकार	472	1441	-969	185	1970	-1785
2. पूँजी खाता (2.1+2.2)	589	1176	-587	1027	1167	-140
2.1 अनुत्पादित वित्तिय आस्तियों का सकल अधिग्रहण (नाम) / निस्तारण (जमा)	97	666	-569	67	293	-226
2.2 पूँजी अंतरण	492	510	-18	960	874	85
3. वित्तीय खाता (3.1 से 3.5)	1119892	1083646	36245	1275189	1285693	-10505
3.1 प्रत्यक्ष निवेश (3.1अ+3.1आ)	117377	72131	45246	151075	64481	86594
3.1अ भारत में प्रत्यक्ष निवेश	108965	39968	68997	139378	29459	109919
3.1.अ.1 इक्विटी और निवेश निधि शेयर	103657	39718	63939	128086	29401	98685
3.1.अ.1.1 अर्जनों के पुनर्निवेश से इतर इक्विटी	77934	39718	38216	100781	29401	71380
3.1.अ.1.2 अर्जनों का पुनर्निवेश	25723	0	25723	27305	0	27305
3.1.अ.2 ऋण लिखत	5309	250	5058	11292	58	11234
3.1.अ.2.1 प्रत्यक्ष निवेश उद्यमों में प्रत्यक्ष निवेशक	5309	250	5058	11292	58	11234
3.1.आ. भारत द्वारा प्रत्यक्ष निवेश	8411	32162	-23751	11697	35022	-23324
3.1.आ.1 इक्विटी और निवेश निधि शेयर	8411	17203	-8792	11697	20955	-9257
3.1.आ.1.1 अर्जनों के पुनर्निवेश को छोड़कर इक्विटी	8411	11860	-3449	11697	15253	-3556
3.1.आ.1.2 अर्जनों का पुनर्निवेश	0	5343	-5343	0	5702	-5702
3.1.आ.2 ऋण लिखत	0	14960	-14960	0	14067	-14067
3.1.आ.2.1 प्रत्यक्ष निवेश उद्यमों में प्रत्यक्ष निवेशक	0	14960	-14960	0	14067	-14067
3.2 संविभाग निवेश	543817	477315	66502	570147	669638	-99491
3.2अ भारत में संविभाग निवेश	541318	460488	80830	557238	663952	-106714
3.2.1 इक्विटी और निवेश निधि शेयर	412998	356633	56365	435547	480491	-44945
3.2.2 ऋण प्रतिभूतियां	128320	103855	24464	121691	183461	-61770
3.2आ. भारत द्वारा संविभाग निवेश	2499	16827	-14328	12909	5686	7223
3.3 वित्तीय डेबिटिव (रिज़र्व निधियों को छोड़कर) और कर्मचारी स्टॉक ऑप्शन	45285	40078	5206	83046	67224	15822
3.4 अन्य निवेश	413413	394308	19105	470921	348309	122612
3.4.1 अन्य इक्विटी (एडीआर/जीडीआर)	0	0	0	0	0	0
3.4.2 मुद्रा और जमाराशियां	112631	81503	31128	122743	101911	20832
3.4.2.1 केंद्रीय बैंक (रूपी डेट मूवमेंट, एनआरजी)	7099	10	7089	817	0	817
3.4.2.2 केंद्रीय बैंक को छोड़कर जमाराशियां लेने वाले निगम (अनिवासी भारतीय जमाराशियां)	105531	81492	24039	121926	101911	20016
3.4.2.3 सामान्य सरकार	0	0	0	0	0	0
3.4.2.4 अन्य क्षेत्र	0	0	0	0	0	0
3.4.3 ऋण (बाह्य सहायता, ईपीबी और बैंकिंग पूँजी)	184456	210459	-26003	170245	145393	24852
3.4.3अ भारत को ऋण	132986	160916	-27930	155879	137570	18309
3.4.3आ भारत द्वारा ऋण	51470	49543	1927	14365	7823	6542
3.4.4 बीमा, पेंशन, और मानकीकृत गारंटी योजनाएं	145	2568	-2424	270	328	-58
3.4.5 व्यापार ऋण और अग्रिम	75469	65125	10344	65702	72938	-7236
3.4.6 अन्य खाते प्राच्य/देय-अन्य	40713	34653	6059	111962	27740	84222
3.4.7 विशेष आहरण अधिकार	0	0	0	0	0	0
3.5 आरक्षित आस्तियां	0	99814	-99814	0	136042	-136042
3.5.1 मौद्रिक स्वर्ण	0	0	0	0	0	0
3.5.2 विशेष आहरण अधिकार एन.ए.	0	0	0	0	0	0
3.5.3 आईएमएफ में रिज़र्व निधियों की स्थिति एन.ए.	0	0	0	0	0	0
3.5.4 अन्य रिज़र्व आस्तियां (विदेशी मुद्रा आस्तियां)	0	99814	-99814	0	136042	-136042
4. कुल आस्तियां / देयताएं	1119892	1083646	36245	1275189	1285693	-10505
4.1 इक्विटी तथा निवेश निधि शेयर	572995	473028	99967	671555	604085	67470
4.2 ऋण लिखत	506184	476152	30032	491672	517827	-26155
4.3 अन्य वित्तीय आस्तियां और देयताएं	40713	134467	-93755	111962	163782	-51820
5. निवल भूल-चूक	0	3039	-3039	6415	0	6415

टिप्पणी: पी: प्रारंभिक पीआर: आशिकरूप से संशोधित

सं. 42: अंतरराष्ट्रीय निवेश की स्थिति

(मिलियन अमरिकी डॉलर)

मद	वित्तीय वर्ष/समाप्त तिमाही की स्थिति							
	2019-20		2019				2020	
			मार्च		दिसंबर		मार्च	
	आस्तियां	देयताएं	आस्तियां	देयताएं	आस्तियां	देयताएं	आस्तियां	देयताएं
	1	2	3	4	5	6	7	8
1 विदेश/भारत में प्रत्यक्ष निवेश	182957	418232	169964	399229	179734	426940	182957	418232
1.1 इक्विटी पूंजी और पुनर्निवेशित अर्जन	118442	395426	111122	382105	117163	404393	118442	395426
1.2 अन्य पूंजी	64515	22806	58841	17124	62572	22547	64515	22806
2 संविभाग निवेश	3847	246632	4699	260313	4845	266707	3847	246632
2.1 इक्विटी	602	134778	590	147479	2619	148859	602	134778
2.2 ऋण	3246	111854	4109	112834	2226	117848	3246	111854
3 अन्य निवेश	50999	430081	54187	419087	53415	429303	50999	430081
3.1 व्यापार ऋण	1460	104276	924	105192	2224	105216	1460	104276
3.2 ऋण	6741	180011	9880	167919	6180	177286	6741	180011
3.3 मुद्रा और जमाराशियां	26011	130761	25158	130644	27099	133331	26011	130761
3.4 अन्य आस्तियां/देयताएं	16787	15034	18225	15332	17912	13469	16787	15034
4 रिज़र्व्स	477807		412871		459863		477807	
5 कुल आस्तियां/देयताएं	715610	1094945	641720	1078629	697858	1122950	715610	1094945
6 आईआईपी (आस्तियां - देयताएं)		-379335		-436909		-425092		-379335

भुगतान और निपटान प्रणाली

सं. 43: भुगतान प्रणाली संकेतक भाग I - भुगतान प्रणाली संकेतक - भुगतान तथा निपटान प्रणाली सांख्यिकी

प्रणाली	मात्रा (लाख)				मूल्य (₹ करोड़)			
	विव 2018-19	2019	2020		विव 2018-19	2019	2020	
		मई	अप्रैल	मई		मई	अप्रैल	मई
	1	2	3	4	5	6	7	8
ए. निपटान प्रणाली								
वित्तीय बाजार अवसंरचना (एफएमआई)								
1 सीसीआईएल प्रचलित प्रणाली (1.1 से 1.3)	-	-	1.34	1.71	-	-	9808581	10829793
1.1 सरकारी प्रतिभूति समाशोधन (1.1.1 से 1.1.3)	-	-	0.70	0.94	-	-	6644724	7785920
1.1.1 आउटराइट	-	-	0.38	0.56	-	-	779511	1010178
1.1.2 रेपो	-	-	0.17	0.21	-	-	2517435	3130998
1.1.3 त्रि-पक्षीय रिपो	-	-	0.16	0.18	-	-	3347778	3644744
1.2 विदेशी मुद्रा समाशोधन	-	-	0.63	0.75	-	-	3030887	2934498
1.3 रुपये के डेरिवेटिव @	-	-	0.01	0.01	-	-	132970	109375
बी. भुगतान प्रणाली								
I वित्तीय बाजार अवसंरचना (एफएमआई)								
1 ऋण अंतरण - आरटीजीएस (1.1 से 1.2)	-	-	54.35	90.04	-	-	6443653	7041869
1.1 ग्राहक लेनदेन	-	-	53.35	88.68	-	-	5612493	6225396
1.2 इंटरबैंक लेनदेन	-	-	1.00	1.36	-	-	831161	816473
II खुदरा								
2 ऋण अंतरण - खुदरा (2.1 से 2.7)	-	-	17950.56	18091.78	-	-	1687713	2018010
2.1 एईपीएस (निधि अंतरण) @	-	-	0.69	0.87	-	-	29	41
2.2 एपीबीएस \$	-	-	2312.36	1154.21	-	-	18996	14245
2.3 ईसीएस जमा	-	-	0.00	0.00	-	-	-	-
2.4 आईएमपीएस	-	-	1224.75	1666.80	-	-	121141	169402
2.5 एनएसीएच जमा \$	-	-	2657.23	995.55	-	-	89999	134182
2.6 एनईएफटी	-	-	1759.79	1929.39	-	-	1306406	1481750
2.7 यूपीआई @	-	-	9995.74	12344.96	-	-	151141	218391
2.7.1 जिसमें से यूएसएसडी@	-	-	0.70	0.69	-	-	11	13
3 डेबिट ट्रांसफर और डायरेक्ट डेबिट (3.1 से 3.4)	-	-	691.42	672.90	-	-	56029	50962
3.1 भीम आधार पे @	-	-	20.66	13.40	-	-	217	159
3.2 ईसीएस नामे	-	-	0.00	0.00	-	-	-	-
3.3 एनएसीएच नामे \$	-	-	667.06	640.09	-	-	55805	50767
3.4 एनईटीसी (बैंक खाते से जुड़ा) @	-	-	3.70	19.41	-	-	7	36
4 कार्ड भुगतान (4.1 से 4.2)	-	-	2863.83	3752.17	-	-	49807	80274
4.1 क्रेडिट कार्ड (4.1.1 से 4.1.2)	-	-	768.53	1028.86	-	-	20765	32225
4.1.1 पीओएस आधारित \$	-	-	283.26	432.30	-	-	8052	13470
4.1.2 अन्य \$	-	-	485.27	596.56	-	-	12713	18755
4.2 डेबिट कार्ड (4.2.1 से 4.2.1)	-	-	2095.30	2723.30	-	-	29043	48049
4.2.1 पीओएस आधारित \$	-	-	676.32	1121.15	-	-	9005	18814
4.2.2 अन्य \$	-	-	1418.98	1602.16	-	-	20037	29235
5 प्रीपेड भुगतान लिखत (5.1 से 5.2)	-	-	2086.01	3031.90	-	-	9648	12808
5.1 वालेट	-	-	1841.26	2532.20	-	-	8693	11080
5.2 कार्ड (5.2.1 से 5.2.2)	-	-	244.75	499.70	-	-	956	1729
5.2.1 पीओएस आधारित \$	-	-	38.21	40.82	-	-	313	551
5.2.2 अन्य \$	-	-	206.54	458.89	-	-	642	1177
6 पेपर-आधारित लिखत (6.1 से 6.2)	-	-	176.82	306.77	-	-	163685	260227
6.1 सीटीएस (एनपीसीआई प्रबंधित)	-	-	176.57	306.50	-	-	163487	260012
6.2 अन्य	-	-	0.25	0.27	-	-	197	215
कुल - खुदरा भुगतान (2 + 3 + 4 + 5 + 6)	-	-	23768.64	25855.53	-	-	1966882	2422282
कुल भुगतान (1 + 2 + 3 + 4 + 5 + 6)	-	-	23822.99	25945.56	-	-	8410535	9464151
कुल डिजिटल भुगतान (1 + 2 + 3 + 4 + 5)	-	-	23646.17	25638.79	-	-	8246850	9203924

भाग II - भुगतान के प्रकार तथा चैनल

प्रणाली	मात्रा (लाख)				मूल्य (₹ करोड़)			
	वि. व. 2019-20	2019	2020		5	2019		2020
			मई	अप्रैल		मई	मई	
	1	2	3	4	6	7	8	
ए. अन्य भुगतान चैनल								
1 मोबाइल भुगतान (मोबाइल ऐप आधारित) (1.1 से 1.2)								
1.1 इंटर-बैंक \$			11276.04	14622.03			364031	485513
1.2 इंटर-बैंक \$			1064.77	1264.97			73418	94592
2 इंटरनेट भुगतान (नेटबैंकिंग / इंटरनेट ब्राउज़र आधारित) @ (2.1 से 2.2)			10211.27	13357.06			290613	390921
2.1 इंटर-बैंक @			1597.63	2003.48			2246296	2478416
2.2 इंटर-बैंक @			390.07	482.55			1203819	1249062
बी. एटीएम								
3 एटीएम से नकद निकासी (3.1 से 3.3)								
3.1 क्रेडिट कार्ड का उपयोग करना \$			2963.32	4094.01			129930	197265
3.2 डेबिट कार्ड का उपयोग करना \$			3.68	2.76			159	141
3.3 प्री-पेड कार्ड का उपयोग करना \$			2948.67	4076.31			129392	196628
4 पीओएस पर नकद निकासी \$ (4.1 से 4.2)								
4.1 डेबिट कार्ड का उपयोग करना \$			40.87	36.25			111	116
4.2 प्री-पेड कार्ड का उपयोग करना \$			35.67	36.06			105	116
5 माइक्रो एटीएम में नकद निकासी @								
5.1 एईपीएस @			875.54	1000.69			14462	17929
			875.54	1000.69			14462	17929

भाग III - भुगतान अवसंरचना (लाख)

प्रणाली	वि. व. 2019-20	2019		2020	
		मई	अप्रैल	मई	मई
	1	2	3	4	
भुगतान प्रणाली अवसंरचना					
1 कार्ड की संख्या (1.1 से 1.2)					
1.1 क्रेडिट कार्ड			8868.07	8925.29	
1.2 डेबिट कार्ड			573.60	571.80	
2 पीपीआई की संख्या @ (2.1 से 2.2)					
2.1 वॉलेट @			8294.47	8353.49	
2.2 कार्ड @			18342.76	18689.42	
3 एटीएम की संख्या (3.1 से 3.2)					
3.1 बैंक के स्वामित्व वाले एटीएम \$			17150.44	17302.28	
3.2 व्हाइट लेबल एटीएम \$			1192.32	1387.15	
4 माइक्रो एटीएम की संख्या @					
4.1 एटीएम की संख्या @			2.34	2.34	
5 पीओएस टर्मिनलों की संख्या					
5.1 पीओएस टर्मिनलों की संख्या			2.10	2.10	
6 भारत क्यूआर @					
6.1 भारत क्यूआर @			0.24	0.24	
			2.76	2.84	
			50.74	50.22	
			20.19	20.59	

@: नवंबर 2019 से नया समावेश

\$: नवंबर 2019 से अलग से शुरू किया गया समावेश - अभी तक अन्य मदों का हिस्सा रहा होगा

नोट: 1. डेटा अनंतिम है।

- कार्ड पेमेंट्स (डेबिट / क्रेडिट कार्ड्स) और प्रीपेड पेमेंट इंस्ट्रूमेंट (पीपीआई) के लिए नवंबर 2019 के डेटा की पहले के महीनों / अवधि के साथ तुलना नहीं हो सकती है, क्योंकि डेटा के परिभाषाओं में संशोधन के साथ अधिक ग्रेन्युलर डेटा प्रकाशित किया जा रहा है।
- केवल घरेलू वित्तीय लेनदेन पर विचार किया गया है। नए प्रारूप में ई-कॉमर्स लेनदेन लिया जाता है; फास्ट टैग लेनदेन; डिजिटल बिल भुगतान और एटीएम आदि के माध्यम से कार्ड-टू-कार्ड ट्रांसफर आदि इसके अलावा, असफल लेनदेन, चार्जबैक, रिवर्सल, एक्सपायर्ड कार्ड / वॉलेट को शामिल नहीं किया गया है।

अवसरिक श्रृंखला

सं. 44: लघु बचत

(करोड़ ₹)

योजना		2018-19	2019		2020	
			फरवरी	दिसंबर	जनवरी	फरवरी
		1	2	3	4	5
1. लघु बचत	प्राप्तियां	115714	9839	15814	15184	16911
	बकाया	918459	899191	1015010	1030037	1046766
1.1 कुल जमाराशियां	प्राप्तियां	91108	7130	12117	11091	11460
	बकाया	618418	606920	693812	704903	716363
1.1.1 डाक घर बचत बैंक जमाराशियां	प्राप्तियां	31037	2360	3455	3106	2690
	बकाया	140247	134863	150462	153568	156258
1.1.2 एमजीएनआरईजी	प्राप्तियां					
	बकाया					
1.1.3 राष्ट्रीय बचत योजना, 1987	प्राप्तियां	-31	-19	-31	-25	-20
	बकाया	3107	2877	2984	2959	2939
1.1.4 राष्ट्रीय बचत योजना, 1992	प्राप्तियां	53	0	-827	-2	-3
	बकाया	10	-8	-18	-20	-23
1.1.5 मासिक आय योजना	प्राप्तियां	10967	928	1753	1712	1887
	बकाया	192658	191653	203460	205172	207059
1.1.6 वरिष्ठ नागरिक योजना, 2004	प्राप्तियां	13990	1184	2070	2133	2131
	बकाया	55708	54446	69464	71597	73728
1.1.7 डाक घर मीयादी जमाराशियां	प्राप्तियां	25000	2451	4296	3999	4494
	बकाया	124292	121687	152622	156621	161115
1.1.7.1 1 वर्ष की मीयादी जमाराशियां	बकाया	71534	70179	86344	88247	90327
1.1.7.2 2 वर्ष की मीयादी जमाराशियां	बकाया	5910	5824	6749	6854	6970
1.1.7.3 3 वर्ष की मीयादी जमाराशियां	बकाया	6901	6910	7328	7397	7464
1.1.7.4 5 वर्ष की मीयादी जमाराशियां	बकाया	39947	38774	52201	54123	56354
1.1.8 डाक घर आवर्ती जमाराशियां	प्राप्तियां	10081	215	1401	168	281
	बकाया	102401	101407	114842	115010	115291
1.1.9 डाक घर सावधि मीयादी जमाराशियां	प्राप्तियां	11	11	0	0	0
	बकाया	-26	-26	-25	-25	-25
1.1.10 अन्य जमाराशियां	प्राप्तियां	0	0	0	0	0
	बकाया	21	21	21	21	21
1.2 बचत प्रमाणपत्र	प्राप्तियां	16067	1732	3326	3524	3937
	बकाया	221517	219257	240900	244267	248022
1.2.1 राष्ट्रीय बचत प्रमाणपत्र VIII निर्गम	प्राप्तियां	11318	1262	2272	2458	2619
	बकाया	98492	94795	110050	112508	115127
1.2.2 इंदिरा विकास पत्र	प्राप्तियां	334	3	0	0	1
	बकाया	263	300	-289	-289	-288
1.2.3 किसान विकास पत्र	प्राप्तियां	-18678	-1609	-971	-1713	-1120
	बकाया	19303	21232	6782	5069	3949
1.2.4 किसान विकास पत्र-2014	प्राप्तियां	23018	2065	2025	2782	2452
	बकाया	93630	91314	113273	116055	118507
1.2.5 राष्ट्रीय बचत प्रमाणपत्र VI निर्गम	प्राप्तियां	93	12	0	-1	0
	बकाया	2	-47	-179	-180	-180
1.2.6 राष्ट्रीय बचत प्रमाणपत्र VII निर्गम	प्राप्तियां	-18	-1	0	-2	-15
	बकाया	-80	-82	-82	-84	-99
1.2.7 अन्य प्रमाणपत्र	बकाया	9907	11745	11345	11188	11006
1.3 लोक भविष्य निधि	प्राप्तियां	8539	977	371	569	1514
	बकाया	78524	73014	80298	80867	82381

स्रोत : महालेखाकार, पोस्ट और टेलीग्राफ।

टिप्पणी: अप्रैल 2017 से प्राप्तियों का डेटा निवल रसीदें हैं, अर्थात् सकल रसीद माइनस सकल भुगतान

सं. 45: केंद्र और राज्य सरकारों की प्रतिभूतियों के स्वामित्व का स्वरूप

(प्रतिशत)

श्रेणी	केंद्र सरकार की दिनांकित प्रतिभूतियां				
	2019				2020
	मार्च	जून	सितंबर	दिसंबर	मार्च
	1	2	3	4	5
(क) कुल (₹ करोड़ में)	5921026	6072243	6314426	6512659	6486585
1. वाणिज्य बैंक	40.28	39.05	39.66	39.05	40.41
2. गैर-बैंक प्राथमिक डीलर्स	0.31	0.36	0.42	0.39	0.39
3. बीमाकृत कंपनियां	24.34	24.88	24.86	24.90	25.09
4. म्यूच्युअल फंड	0.35	0.64	0.77	1.53	1.43
5. सहकारी बैंक	2.29	2.17	2.01	1.97	1.90
6. वित्तीय संस्थाएं	1.05	1.05	1.15	1.14	0.53
7. कॉरपोरेट	0.97	0.99	0.92	0.84	0.81
8. विदेशी संस्थागत निवेशक	3.22	3.27	3.31	3.33	2.44
9. भविष्य निधियां	5.47	5.35	4.87	4.93	4.72
10. भारतीय रिज़र्व बैंक	15.27	15.67	14.99	14.72	15.13
11. अन्य	6.46	6.57	7.05	7.23	7.17
11.1 राज्य सरकार	2.00	2.02	1.99	1.97	2.05

श्रेणी	राज्य सरकारों की प्रतिभूतियां				
	2019				2020
	मार्च	जून	सितंबर	दिसंबर	मार्च
	1	2	3	4	5
(ख) कुल (₹ करोड़ में)	2777229	2826935	2905169	3047353	3265990
1. वाणिज्य बैंक	33.87	32.57	32.53	32.46	34.99
2. गैर-बैंक प्राथमिक डीलर्स	0.58	0.81	0.72	0.64	0.76
3. बीमाकृत कंपनियां	33.04	33.94	33.39	32.50	31.63
4. म्यूच्युअल फंड	1.20	1.24	1.12	1.20	1.14
5. सहकारी बैंक	4.55	4.65	4.24	4.16	4.12
6. वित्तीय संस्थाएं	0.42	0.44	0.33	0.31	0.11
7. कॉरपोरेट	0.29	0.32	0.28	0.31	0.30
8. विदेशी संस्थागत निवेशक	0.09	0.08	0.05	0.04	0.02
9. भविष्य निधियां	22.15	21.88	22.36	23.66	22.22
10. भारतीय रिज़र्व बैंक	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
11. अन्य	3.81	4.08	4.98	4.73	4.71
11.1 राज्य सरकार	0.11	0.14	0.16	0.17	0.18

श्रेणी	खजाना बिल				
	2019				2020
	मार्च	जून	सितंबर	दिसंबर	मार्च
	1	2	3	4	5
(ग) कुल (₹ करोड़ में)	412704	524618	538041	514588	538409
1. वाणिज्य बैंक	57.56	53.60	50.81	45.19	61.06
2. गैर-बैंक प्राथमिक डीलर्स	2.68	1.85	1.92	2.07	2.26
3. बीमाकृत कंपनियां	6.61	5.13	5.55	5.76	7.45
4. म्यूच्युअल फंड	2.78	13.00	14.08	20.42	13.24
5. सहकारी बैंक	2.48	2.54	2.55	2.07	2.55
6. वित्तीय संस्थाएं	2.49	2.14	1.82	2.12	0.58
7. कॉरपोरेट	2.23	1.67	1.57	1.66	1.89
8. विदेशी संस्थागत निवेशक	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
9. भविष्य निधियां	0.08	0.07	0.01	0.01	0.02
10. भारतीय रिज़र्व बैंक	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
11. अन्य	23.10	19.99	21.70	20.70	10.95
11.1 राज्य सरकार	17.91	15.59	17.91	16.36	6.22

सं. 46: केन्द्र और राज्य सरकारों की संयुक्त प्राप्तियां और संवितरण

(करोड़ ₹)

मद	2014-15	2015-16	2016-17	2017-18	2018-19	2019-20
	1	2	3	4	(सं.अ.) 5	(ब.अ.) 6
1. कुल वितरण	3285210	3760611	4265969	4515946	5516932	6071777
1.1 गतिविधियां	1872062	2201287	2537905	2635110	3344948	3660857
1.1.1 राजस्व	1483018	1668250	1878417	2029044	2543965	2830634
1.1.2 पूंजी	332262	412069	501213	519356	694352	732102
1.1.3 ऋण	56782	120968	158275	86710	106630	98121
1.2 गैर गतिविधियां	1366769	1510810	1672646	1812455	2089516	2315637
1.2.1 राजस्व	1269520	1379727	1555239	1741432	2002766	2204742
1.2.1.1 ब्याज भुगतान	584542	648091	724448	814757	901783	1009776
1.2.2 पूंजी	94687	127306	115775	69370	85375	109030
1.2.3 ऋण	2563	3777	1632	1654	1375	1865
1.3 अन्य	46379	48514	55417	68381	82469	95284
2. कुल प्राप्तियां	3189737	3778049	4288432	4528422	5364245	6003162
2.1 राजस्व प्राप्तियां	2387693	2748374	3132201	3376416	4205473	4653758
2.1.1 कर प्राप्तियां	2020728	2297101	2622145	2978134	3512454	3910428
2.1.1.1 पण्य और सेवाओं पर कर	1212348	1440952	1652377	1853859	2186529	2399337
2.1.1.2 आय और संपत्ति पर कर	805176	852271	965622	1121189	1323113	1506912
2.1.1.3 संघशासित क्षेत्र (बिना विधान मंडल के) के कर	3204	3878	4146	3086	2812	4179
2.1.2 गैर-कर प्राप्तियां	366965	451272	510056	398282	693019	743330
2.1.2.1 ब्याज प्राप्तियां	39622	35779	33220	34224	36739	33619
2.2 गैर-ऋण पूंजी प्राप्तियां	60955	59827	69063	142433	136636	170056
2.2.1 ऋण और अग्रिम की वसूली	22072	16561	20942	42213	56398	63131
2.2.2 विनिवेश से प्राप्त राशि	38883	43266	48122	100219	80238	106926
3. सकल वित्तीय घाटा [1-(2.1+2.2)]	836563	952410	1064704	997097	1174823	1247962
3 क वित्तपोषण के स्रोत : संस्था-वार						
3क.1 घरेलू वित्तपोषण	823630	939662	1046708	989167	1179716	1250914
3क.1.1 सरकार को निवल बैंक ऋण	-37476	231090	617123	144792	386389	...
3क.1.1.1 सरकार को निवल भा.रि. बैंक का ऋण	-334185	60472	195816	-144847	325987	...
3क.1.2 सरकार को गैर-बैंक ऋण	861106	708572	429585	844375	793327	----
3क.2 बाह्य वित्तपोषण	12933	12748	17997	7931	-4893	-2952
3ख. वित्तपोषण के स्रोत : लिखत-वार						
3ख.1 घरेलू वित्तपोषण	823630	939662	1046708	989167	1179716	1250914
3ख.1.1 बाजार उधार (निवल)	664058	673298	689821	794856	831554	959294
3ख.1.2 लघु बचत (निवल)	-56580	-78515	-105038	-163222	-217165	-208528
3ख.1.3 राज्य भविष्य निधियां (निवल)	34339	35261	45688	42351	42703	42482
3ख.1.4 आरक्षित निधियां	5109	-3322	-6436	18423	-14577	-871
3ख.1.5 जमाराशियां और अग्रिम	27545	13470	17792	25138	16011	13706
3ख.1.6 नकद शेष	95474	-17438	-22463	-12476	152688	68615
3ख.1.7 अन्य	53684	316908	427343	284095	368504	376216
3ख.2 बाह्य वित्तपोषण	12933	12748	17997	7931	-4893	-2952
4. सकल घरेलू उत्पाद के प्रतिशत पर कुल वितरण	26.3	27.3	27.8	26.4	29.0	28.8
5. सकल घरेलू उत्पाद के प्रतिशत पर कुल प्राप्तियां	25.6	27.4	27.9	26.5	28.2	28.5
6. सकल घरेलू उत्पाद के प्रतिशत पर राजस्व प्राप्तियां	19.2	20.0	20.4	19.8	22.1	22.1
7. सकल घरेलू उत्पाद के प्रतिशत पर कर प्राप्तियां	16.2	16.7	17.1	17.4	18.5	18.5
8. सकल घरेलू उत्पाद के प्रतिशत पर सकल वित्तीय घाटा	6.7	6.9	6.9	5.8	6.2	5.9

...: उपलब्ध नहीं। सं.अ.: संशोधित अनुमान, ब.अ.: बजट अनुमान

स्रोत : केन्द्रीय और राज्य सरकारों का बजट दस्तावेज

सं.47: विभिन्न सुविधाओं के अंतर्गत राज्य सरकारों द्वारा ली गई वित्तीय सहायता

(करोड़ ₹)

क्र.सं.	राज्य/संघ शासित प्रदेश	मई 2020 के दौरान					
		विशेष आहरण सुविधा (एसडीएफ)		अर्थोपाय अग्रिम (डब्ल्यूएमए)		ओवरड्राफ्ट (ओडी)	
		प्राप्त औसत राशि	सुविधा प्राप्त करने के दिनों की संख्या	प्राप्त औसत राशि	सुविधा प्राप्त करने के दिनों की संख्या	प्राप्त औसत राशि	सुविधा प्राप्त करने के दिनों की संख्या
1	2	3	4	5	6	7	
1	आंध्र प्रदेश	1380	30	652	9	-	-
2	अरुणाचल प्रदेश	-	-	-	-	-	-
3	असम	-	-	-	-	-	-
4	बिहार	-	-	-	-	-	-
5	छत्तीसगढ़	-	-	-	-	-	-
6	गोवा	70	15	-	-	-	-
7	गुजरात	-	-	-	-	-	-
8	हरियाणा	270	1	-	-	-	-
9	हिमाचल प्रदेश	-	-	193	3	-	-
10	जम्मू और कश्मीर	-	-	879	29	-	-
11	झारखंड	-	-	-	-	-	-
12	कर्नाटक	-	-	-	-	-	-
13	केरल	377	31	1683	31	579	16
14	मध्य प्रदेश	-	-	-	-	-	-
15	महाराष्ट्र	-	-	-	-	-	-
16	मणिपुर	74	16	90	6	-	-
17	मेघालय	-	-	-	-	-	-
18	मिज़ोरम	40	2	-	-	-	-
19	नगालैंड	187	22	-	-	-	-
20	उड़ीसा	-	-	-	-	-	-
21	पुदुचेरी	68	2	-	-	-	-
22	पंजाब	12	1	-	-	-	-
23	राजस्थान	-	-	-	-	-	-
24	तमिलनाडु	-	-	-	-	-	-
25	तेलंगाना	1180	19	697	5	-	-
26	त्रिपुरा	-	-	-	-	-	-
27	उत्तराखंड	-	-	-	-	-	-
28	उत्तरप्रदेश	-	-	-	-	-	-
29	पश्चिम बंगाल	481	11	-	-	-	-

टिप्पणी : 31 अक्टूबर 2019 से जम्मू और कश्मीर राज्य संवैधानिक रूप से मौजूद नहीं है और उस राज्य की देनदारियाँ जम्मू और कश्मीर के नए केंद्र शासित प्रदेश की देनदारियों के रूप में बनी हुई हैं।

स्रोत : भारतीय रिज़र्व बैंक।

सं.48: राज्य सरकारों द्वारा किए गए निवेश

(करोड़ ₹)

क्र.सं.	राज्य /संघ शासित प्रदेश	मई 2020 के अंत तक			
		समेकित ऋण शोधन निधि (सीएसएफ)	गारंटी उन्मोचन निधि (जीआरएफ)	सरकारी प्रतिभूतियाँ	निलामी खजाना बिल (एटीबी)
	1	2	3	4	5
1	आंध्र प्रदेश	8114	798	--	-
2	अरुणाचल प्रदेश	1353	2	--	-
3	असम	4337	53	--	-
4	बिहार	6834	--	--	-
5	छत्तीसगढ़	4338	--	1	5000
6	गोवा	583	293	--	-
7	गुजरात	13379	473	--	-
8	हरियाणा	2034	1183	--	-
9	हिमाचल प्रदेश	--	--	--	-
10	जम्मू और कश्मीर	--	--	--	-
11	झारखंड	--	--	--	-
12	कर्नाटक	4123	--	--	-
13	केरल	2104	--	--	-
14	मध्य प्रदेश	--	898	--	-
15	महाराष्ट्र	40276	417	--	-
16	मणिपुर	370	98	--	-
17	मेघालय	648	35	9	-
18	मिज़ोरम	539	38	--	-
19	नगालैंड	1601	32	--	-
20	उड़ीसा	13125	1425	83	18505
21	पुदुचेरी	287	--	--	1151
22	पंजाब	456	--	8	-
23	राजस्थान	--	--	129	1800
24	तमिलनाडु	6492	--	40	8634
25	तेलंगाना	5548	1205	--	-
26	त्रिपुरा	323	5	--	-
27	उत्तराखंड	89	--	180	-
28	उत्तरप्रदेश	3096	78	--	-
29	पश्चिम बंगाल	10813	520	214	-
	कुल	130861	7555	663	35090

टिप्पणी : 31 अक्टूबर 2019 से जम्मू और कश्मीर राज्य संवैधानिक रूप से मौजूद नहीं है और उस राज्य की देनदारियाँ जम्मू और कश्मीर के नए केंद्र शासित प्रदेश की देनदारियों के रूप में बनी हुई हैं

सं. 49: राज्य सरकारों की बाज़ार उधारियां

(करोड़ ₹)

क्र. सं.	राज्य	2018-19		2019-20		2020-21						2020-21 में अब तक कुल राशि उठाई गई है	
		सकल राशि उठाई	निवल राशि उठाई	सकल राशि उठाई	निवल राशि उठाई	मार्च		अप्रैल		मई		सकल	निवल
						सकल राशि उठाई	निवल राशि उठाई	सकल राशि उठाई	निवल राशि उठाई	सकल राशि उठाई	निवल राशि उठाई		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	
1	आंध्र प्रदेश	30200	23824	42915	33944	5020	4213	5000	3834	5000	4417	10000	8250
2	अरुणाचल प्रदेश	719	693	1366	1287	807	807	428	428	-	-	428	428
3	असम	10595	8089	12406	10496	2306	2306	500	500	-	-	500	500
4	बिहार	14300	10903	25601	22601	5000	5000	-	-1000	-	-	-	-1000
5	छत्तीसगढ़	12900	12900	11680	10980	5680	5680	-	-	-	-	-	-
6	गोवा	2350	1850	2600	2000	344	244	200	200	300	200	500	400
7	गुजरात	36971	27457	38900	28600	5500	5500	2080	2080	3000	1793	5080	3873
8	हरियाणा	21265	17970	24677	20677	4176	3476	5000	4000	4000	3200	9000	7200
9	हिमाचल प्रदेश	4210	2108	6580	4460	1580	660	-	-	-	-	-	-
10	जम्मू और कश्मीर	6684	4927	7869	6760	1677	1650	800	300	500	500	1300	800
11	झारखंड	5509	4023	7500	5656	4500	4500	-	-	-	-500	-	-500
12	कर्नाटक	39600	31383	48500	42500	6400	5150	2000	2000	2000	2000	4000	4000
13	केरल	19500	14784	18073	12617	1471	1471	5930	5930	3000	3000	8930	8930
14	मध्य प्रदेश	20496	14971	22371	16550	7371	6223	2000	2000	2000	2000	4000	4000
15	महाराष्ट्र	20869	3117	48498	32998	5000	3000	7000	7000	5000	5000	12000	12000
16	मणिपुर	970	667	1757	1254	554	554	200	200	150	150	350	350
17	मेघालय	1122	863	1344	1070	449	449	-	-	-	-	-	-
18	मिज़ोरम	0	-123	900	745	360	306	100	-	-	-	100	-
19	नगालैंड	822	355	1000	423	200	200	200	200	-	-100	200	100
20	उड़ीसा	5500	4500	7500	6500	2000	1000	3000	3000	-	-	3000	3000
21	पुदुचेरी	825	475	970	470	170	170	-	-	-	-	-	-
22	पंजाब	22115	17053	27355	18470	3400	3400	1600	800	1000	1000	2600	1800
23	राजस्थान	33178	20186	39092	24686	6511	2361	2750	2750	4500	4000	7250	6750
24	सिक्किम	1088	795	809	481	216	76	467	467	-	-	467	467
25	तमिलनाडु	43125	32278	62425	49826	3535	2136	8000	8000	8000	8000	16000	16000
26	तेलंगाना	26740	22183	37109	30697	8985	8409	4000	3166	4000	3583	8000	6750
27	त्रिपुरा	1543	1387	2928	2578	378	378	-	-	-	-	-	-
28	उत्तराखंड	46000	33307	67453	50494	17703	15675	5000	3000	500	-1500	5500	1500
29	उत्तरप्रदेश	6300	5289	5100	4500	2000	2000	1000	500	-	-	1000	500
30	पश्चिम बंगाल	42828	30431	59242	43132	12982	12982	2000	-500	5000	3500	7000	3000
	कुल	478323	348643	634521	487454	116275	99976	59255	48855	47950	40243	107205	89098

- : शून्य

टिप्पणी : 31 अक्टूबर 2019 से जम्मू और कश्मीर राज्य संवैधानिक रूप से मौजूद नहीं है और उस राज्य की देनदारियाँ जम्मू और कश्मीर के नए केंद्र शासित प्रदेश की देनदारियों के रूप में बनी हुई हैं।

स्रोत : भारतीय रिज़र्व बैंक।

वर्तमान सांख्यिकी की व्याख्यात्मक टिप्पणियां

सारणी सं. 1

- 1.2 और 6: वार्षिक आंकड़े महीनों के औसत हैं।
- 3.5 और 3.7: वित्त वर्ष में अब तक वृद्धि के अनुपात से संबंधित है।
- 4.1 से 4.4, 4.8, 4.9 और 5 : माह/वित्त वर्ष के अंतिम शुक्रवार से संबंधित है।
- 4.5, 4.6 और 4.7 : माह/वित्त वर्ष के अंतिम शुक्रवार को पांच प्रमुख बैंकों से संबंधित है।
- 4.10 से 4.12 : माह/वित्त वर्ष के अंतिम निलामी दिन से संबंधित है।
- 4.13 : माह/वित्त वर्ष के अंतिम दिन से संबंधित है।
- 7.1 और 7.2: विदेशी व्यापार यूएस डॉलर से संबंधित है।

सारणी सं. 2

- 2.1.2 : चुकता पूंजी, आरक्षित निधि और दीर्घावधि परिचालनगत निधि शामिल है।
- 2.2.2 : नकदी, सावधि जमाराशियों और अल्पावधि प्रतिभूतियों/बांडों सहित जैसे - आईआईएफसी (यूके) द्वारा जारी।

सारणी सं. 4

<http://nsdp.rbi.org.in> के 'रिज़र्व टेम्पलेट' के अंतर्गत परिपक्वतावार बकाया फॉर्बर्ड संविदा की स्थिति दर्शायी गयी है।

सारणी सं. 5

अन्य को विशेष पुनर्वित्त सुविधा, अर्थात् एक्विजम बैंक को 31 मार्च 2013 से बंद है।

सारणी सं. 6

- अनुसूचित बैंकों के लिए, मार्च की समाप्ति के आंकड़े सूचना देने के लिए नियत अंतिम शुक्रवार से संबंधित हैं।
- 2.2 : आईएमएफ खाता सं.1 की शेष राशि, आरबीआई कर्मचारी भविष्य निधि, पेंशन निधि, उपदान और अधिवर्षिता निधि शामिल नहीं हैं।

सारणी सं. 7 और 11

सारणी 7 में 3.1 और सारणी 11 में 2.4: आईआईएफसी (यूके) द्वारा जारी विदेशी मुद्रा में निर्दिष्ट बांड शामिल हैं।

सारणी सं. 8

- एनएम्₂ और एनएम्₃ में एफसीएनआर (बी) जमाराशियां शामिल नहीं हैं।
- 2.4: चुकता पूंजी और आरक्षित राशि शामिल हैं।
- 2.5 : बैंकिंग प्रणाली की अन्य मांग और मीयादी देयताएं शामिल हैं।

सारणी सं. 9

वित्तीय सस्थाओं में एक्विजम बैंक, सिडबी, नाबार्ड और एनएचबी शामिल हैं।
एल₁ और एल₂ मासिक आधार पर और एल₃ तिमाही आधार पर संकलित किए जाते हैं।
जहां आंकड़े उपलब्ध नहीं हैं वहां अंतिम उपलब्ध आंकड़े पुनः दिए गए हैं।

सारणी सं. 13

कालम सं. (1) (2) और (3) में दर्शाए गए आंकड़ें अंतिम (आरआरबीसहित) और कालम सं. (4) और (5) में दर्शाए गए आंकड़ें अनंतिम (आरआरबी को छोड़कर) हैं।

सारणी सं. 14

कालम सं. (4) और (8) में दर्शाए गए आंकड़ें अनंतिम हैं।

सारणी सं. 15 और 16

डाटा अनंतिम है और चुनिंदा 41 अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों से संबंधित है जिसमें सभी अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों (आईएनजी वैश्य को छोड़कर जिसे अप्रैल 2015 को कोटक महिंद्रा के साथ विलय किया गया है) द्वारा कुल दिये गये कुल खाद्येतर ऋण के 90 प्रतिशत शामिल है।

प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्र के अंतर्गत निर्यात ऋण केवल विदेशी बैंक से संबंधित है।

मद 2.1 के अंतर्गत माइक्रो और लघु में विनिर्माण क्षेत्र में माइक्रो और लघु उद्योग को ऋण शामिल है।

मद 5.2 के अंतर्गत माइक्रो और लघु उद्यमों में विनिर्माण तथा सेवा क्षेत्र में माइक्रो तथा लघु उद्यमों को ऋण शामिल है।

प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्र पुरानी परिभाषा के अनुसार है और दि. 23 अप्रैल 2015 के एफआईडीडी परिपत्र एफआईडीडी.केका.प्लान. बीसी.54/ 04.09.01/2014-15 के अनुरूप नहीं है।

सारणी सं. 17

2.1.1: राज्य सहकारी बैंकों में सहकारी सोसाइटियों द्वारा अनुरक्षित आरक्षित निधि शामिल नहीं है।

2.1.2 : आरबीआई, एसबीआई, आईडीबीआई, नाबार्ड, अधिसूचित बैंकों और राज्य सरकारों से लिए गए ऋण शामिल नहीं है।

4. : आईडीबीआई और नाबार्ड से लिए गए ऋण शामिल हैं।

सारणी सं. 24

प्राथमिक व्यापारियों में, प्राथमिक व्यापारी का कारोबार करने वाले बैंक शामिल हैं।

सारणी सं. 30

प्राइवेट प्लेसमेंट और बिक्री के प्रस्ताव शामिल नहीं हैं।

1: बोनस शेयर शामिल नहीं हैं।

2: संचयी परिवर्तनीय अधिमान शेयर और इक्वी - अधिमान शेयर शामिल हैं।

सारणी सं. 32

आईआईएफसी (यूके) द्वारा जारी विदेशी मुद्रा में निर्दिष्ट बांडों में निवेश तथा सार्क स्वेप व्यवस्था के अंतर्गत प्राप्त विदेशी मुद्रा और भारत सरकार द्वारा रिज़र्व बैंक को अंतरित एसडीआर शामिल नहीं हैं। अमेरिकी डॉलर में दिखाई गई विदेशी मुद्रा आस्तियों में रिज़र्व में रखी गैर यूएस मुद्राओं (जैसे यूरो, स्टर्लिंग, येन और ऑस्ट्रेलिया डॉलर) के मूल्यवृद्धि/मूल्यहास को शामिल किया गया है। विदेशी मुद्रा धारिता को रूपी-अमेरिकी डॉलर आरबीआई धारिता दरों में परिवर्तित किया गया है।

सारणी सं. 34

1.1.1.1.2 और 1.1.1.1.1.4 : अनुमान

1.1.1.2 : नवीनतम माह के लिए अनुमान

‘अन्य पूंजी’ एफडीआई उद्यम की मूल और अनुषंगी सस्थांओ/शाखाओं के बीच के ऋण संबंधी लेनदेन से संबंधित है।

हो सकता है कि सूचना देने में हुए समय-अंतराल के कारण ये आँकड़े भुगतान-संतुलन के आंकड़ों से मेल न खाएं।

सारणी सं. 35

1.10 : जर्नलों के लिए अभिदान, विदेश में किए गए निवेशों का अनुरक्षण, छात्र ऋण चुकौती और क्रेडिट कार्ड भुगतान जैसी मदें शामिल हैं।

सारणी सं. 36

सूचकांकों में वृद्धि रुपये की मूल्यवृद्धि या मूल्यहास का संकेतक। 6-मुद्राओंवाले सूचकांक के लिए, आधार वर्ष 2016-17 अस्थिर है जिसे प्रत्येक वर्ष अद्यतन किया जाता है। रीर के आंकड़े उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (संयुक्त) पर आधारित है। इससे संबंधित कार्यपद्धति का विवरण बुलेटिन के दिसंबर 2005 और अप्रैल 2014 अंक में दिया गया है।

सारणी सं. 37

ईसीबी/विदेशी मुद्रा परिवर्तनीय बांडों के लिए आवेदनों पर आधारित जिन्हें उस अवधि के दौरान ऋण पंजीकरण संख्या दी गई है।

सारणी सं. 38, 39, 40 और 41

इन सारणियों के संबंध में व्याख्यात्मक टिप्पणियां आरबीआई बुलेटिन 2012 के दिसंबर अंक में उपलब्ध हैं।

सारणी सं. 43

भाग I- ए. भुगतान प्रणाली

1.1.3: प्रतिभूति खंड के अंतर्गत त्रिपक्षीय रेपो का परिचालन 05 नवंबर, 2018 से किया गया है।

भाग I-बी भुगतान प्रणाली

4.1.2: अन्य 'में ई-कॉमर्स लेनदेन और एटीएम के माध्यम से डिजिटल बिल भुगतान आदि शामिल हैं।

4.2.2: अन्य 'में ई-कॉमर्स लेनदेन, कार्ड से कार्ड अंतरण और एटीएम के माध्यम से डिजिटल बिल भुगतान आदि शामिल हैं।

5: दिसंबर 2010 से उपलब्ध है।

5.1: माल और सेवाओं की खरीद और वॉलेट के माध्यम से निधि अंतरण शामिल है।

5.2.2: ऑनलाइन लेनदेन और अन्य लेनदेन के लिए पीपीआई कार्ड का उपयोग शामिल है।

6.1: तीन ग्रेडों से संबंधित - मुंबई, नई दिल्ली और चेन्नई।

6.2: अन्य 'में गैर-एमआईसीआर लेनदेन शामिल है जो 21 बैंकों द्वारा प्रबंधित समाशोधन केंद्र से संबंधित है।

भाग II- ए अन्य भुगतान चैनल

1: मोबाइल भुगतान -

○ बैंकों और यूपीआई ऐप के मोबाइल ऐप के माध्यम से किए गए लेनदेन शामिल है।

○ जुलाई 2017 के डेटा में केवल व्यक्तिगत भुगतान और मोबाइल के माध्यम से पहल किए गए, संसाधित और अधिकृत किए गए कॉर्पोरेट भुगतान शामिल हैं। अन्य कॉर्पोरेट भुगतान जो मोबाइल के माध्यम से शुरू नहीं किए गए हैं, संसाधित और अधिकृत नहीं हैं, को शामिल नहीं किया गया है।

2: इंटरनेट भुगतान --नेटबैंकिंग 'के माध्यम से केवल ई-कॉमर्स लेनदेन और बैंक की इंटरनेट बैंकिंग वेबसाइट से किया गया वित्तीय लेनदेन शामिल है।

भाग II-बी एटीएम

3.3 और 4.2: केवल बैंक द्वारा जारी पीपीआई से किए गए लेनदेन से संबंधित है।

भाग III. भुगतान प्रणाली अवसंरचना

3: अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों (एससीबी) और व्हाइट लेबल एटीएम ऑपरेटर्स (डब्ल्यूएलएओ) के एटीएम शामिल हैं। डब्ल्यूएलएओ को अप्रैल 2014 से शामिल किया गया है।

सारणी सं. 45

(-): नगण्य को दर्शाता है।

जून 2016 से टेबल फार्मेट संशोधित किया है, जिसमें केंद्र सरकार की प्रतिभूतियों सहित राज्य सरकारों की स्वामित्ववाली प्रतिभूतियाँ और खजाना बिलों सहित शामिल है।

राज्य सरकार की प्रतिभूतियों में उज्ज्वल डिस्कॉ म एश्योरेंस योजना (यूडीएवाई) के अंतर्गत जारी विशेष बान्ड शामिल हैं।

वाणिज्यिक बैंकों के अंतर्गत बैंक के प्राथमिक डीलरों को शामिल किया गया है। तथापि, कुल बकाया प्रतिभूतियों में इसका हिस्सा बहुत कम है।

"अन्य" श्रेणी में राज्य सरकारों, पेंशन निधियां न्यास, संस्थाएं, हिंदू अविभक्त परिवार / वैयक्तिक आदि. शामिल है।

सारणी सं. 46

वर्ष 2011-12 के आधार पर जीडीपी डेटा है। वर्ष 2018-19 का जीडीपी डेटा केंद्रीय सांख्यिकीय कार्यालय द्वारा 31 मई 2019 को जारी राष्ट्रीय आय के अनंतिम अनुमान से संबंधित है। वर्ष 2019-20 का जीडीपी डेटा केंद्रीय बजट 2019-20 से लिया गया है। वर्ष 2017-18 से एनसीटी दिल्ली और पदुचेरी के आंकड़े भी शामिल किए गए हैं।

राष्ट्रीय आपदा आकस्मिकता निधि व्यय को छोड़कर कुल प्राप्तियां और कुल व्यय।

1 और 2: आंकड़े केंद्र सरकार (एनएसएसएफ की पुनःचुकोती सहित) और राज्य सरकार के निवल चुकोती से संबंधित है।

1.3: राज्य द्वारा स्थानीय निकायों तथा पंचायती राज संस्थानों को दिये गये मुआवजे और कार्य से संबंधित है।

2: यह डाटा केंद्र और राज्य सरकारों को दिये गये उधार प्राप्तियों सहित केंद्र और राज्य सरकारों के नकदी शेष में हुए घटबढ़ से संबंधित निवल को दर्शाते हैं।

3ए.1.1: आंकड़े भारतीय रिज़र्व बैंक के अभिलेख के अनुसार है।

3बी.1.1: दिनांकित प्रतिभूतियों के माध्यम से उधारियां शामिल हैं।

3बी.1.2: राष्ट्रीय लघु बचत निधि (एनएसएसएफ) द्वारा केंद्र और राज्य सरकारों द्वारा विशेष प्रतिभूतियों में किये गये निवल निवेश को दर्शाते है।

3बी.1.6: केंद्र द्वारा राज्य सरकारों को दिये गये अर्थोपाय अग्रिमों सहित।

3बी.1.7: वित्तीय संस्थानों, बीमा और पेंशन निधि, प्रेषण, नकदी शेष निवेश लेखा से लिये गये ऋण, खजाना बिलों (364-दिन के खजाना बिलों को छोड़कर) सहित।

सारणी सं. 47

राज्य सरकारों द्वारा समेकित ऋण शोधन निधि (सीएसएफ), गारंटी उन्मोचन निधि (जीआरएफ) और निलामी खजाना बिल (एटीबी) के शेषों तथा सरकारी प्रतिभूतियों में किए गए अन्य निवेशों को संपादिक के तौर पर रखते हुए विशेष आहरण सुविधा (एसडीएफ) प्राप्त की जाती है।

भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा राज्य सरकारों को उनके अल्प कालिक नकदी असंतुलन से निपटने के लिए अर्थोपाय अग्रिम (डब्ल्यू एमए) दिया जाता है।

राज्य सरकारों को उनकी अर्थोपाय अग्रिम (डब्ल्यूएमए) सीमा से अधिक की आवश्यकता को पूरा करने के लिए आग्रिम के तौर पर ओवरड्राफ्ट दिया जाता है।

प्राप्त कुल सहायता (एसडीएफ/डब्ल्यूएमए/ओडी) को उन दिनों की संख्या से भाग देने पर, जिनके लिए माह के दौरान सहायता प्राप्त हुई, औसत राशि प्राप्त होती है।

-: नगण्य

सारणी सं. 48

समेकित ऋण शोधन निधि (सीएसएफ), गारंटी उन्मोचन निधि (जीआरएफ) वे आरक्षित निधियाँ हैं जो कुछ राज्य सरकारों द्वारा भारतीय रिज़र्व बैंक के पास रखी जाती हैं।

नीलामी खजाना बिलों (एटीबी) में राज्य सरकारों द्वारा प्राथमिक बाज़ारों में निवेश किए गए 91 दिवसीय, 182 दिवसीय तथा 364 दिनों की खजाना बिल शामिल हैं।

--: लागू नहीं (इस योजना का सदस्य नहीं है)।

वर्तमान सांख्यिकी संबंधी अवधारणाएं एवं कार्यप्रणालियां भारतीय रिज़र्व बैंक मासिक बुलेटिन के वर्तमान सांख्यिकी संबंधी व्यापक मार्गदर्शिका (<https://rbi.org.in/Scripts/PublicationsView.aspx?id=17618>) में उपलब्ध हैं।

‘वर्तमान सांख्यिकी’ का टाइम सीरिज डाटा <https://dbie.rbi.org.in> पर उपलब्ध है।

विस्तृत टिप्पणियां भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा जारी संबंधित प्रेस विज्ञप्तियों और बैंक के अन्य प्रकाशनों (जैसे **भारतीय अर्थव्यवस्था पर सांख्यिकीय हैंडबुक**) में उपलब्ध हैं।

भारतीय रिज़र्व बैंक के हाल के प्रकाशन

प्रकाशन का नाम	मूल्य	
	भारत में	विदेश में
1. भारतीय रिज़र्व बैंक बुलेटिन 2020	₹300 एक प्रति (काउंटर पर) ₹350 एक प्रति (डाक प्रभार सहित) ₹4,200 (डाक प्रभार सहित एक वर्ष का सदस्यता शुल्क) ₹3,150 (एक वर्ष का रियायती दर*) ₹3,360 (एक वर्ष का सदस्यता शुल्क - डाक प्रभार सहित [@]) ₹2,520 (एक वर्ष का रियायती दर [@])	15 अमरीकी डॉलर एक प्रति (डाक प्रभार सहित) 180 अमरीकी डॉलर (एक वर्ष का सदस्यता शुल्क) (हवाई डाक कुरियर प्रभार सहित)
2. भारतीय राज्यों से संबंधित सांख्यिकीय हैंड बुक 2018-19	₹650 (सामान्य) ₹700 (डाक प्रभार सहित)	24 अमरीकी डॉलर एक प्रति (हवाई डाक कुरियर प्रभार सहित)
3. भारतीय अर्थव्यवस्था पर सांख्यिकीय हैंड बुक 2018-19	₹600 (सामान्य) ₹650 (डाक प्रभार सहित) ₹450 (रियायती) ₹500 (रियायती डाक प्रभार सहित)	50 अमरीकी डॉलर एक प्रति (हवाई डाक कुरियर प्रभार सहित)
4. राज्य वित्त: 2019-20 के बजटों का अध्ययन	₹600 एक प्रति (काउंटर पर) ₹650 एक प्रति (डाक प्रभार सहित)	24 अमरीकी डॉलर एक प्रति (हवाई डाक कुरियर प्रभार सहित)
5. रिपोर्ट ऑफ दि कमिटी ऑन फुलर कैपिटल अकाउंट कन्वर्टिबिलिटी (तारापोर समिति की रिपोर्ट II)	₹140 एक प्रति (काउंटर पर) ₹170 एक प्रति (डाक प्रभार सहित)	25 अमरीकी डॉलर एक प्रति (हवाई डाक कुरियर प्रभार सहित)
6. बैंकिंग शब्दावली (2012)	₹80 एक प्रति (काउंटर पर) ₹120 एक प्रति (डाक प्रभार सहित)	
7. अनुवाद के विविध आयाम (हिंदी)	₹165 एक प्रति (काउंटर पर) ₹205 एक प्रति (डाक प्रभार सहित)	
8. बैंक में राजभाषा नीति का कार्यान्वयन: दशा और दिशा (हिंदी)	₹150 एक प्रति (काउंटर पर) ₹200 एक प्रति (डाक प्रभार सहित)	
9. भारतीय रिज़र्व बैंक सामयिक पेपर खंड 38, 2017	₹200 एक प्रति (काउंटर पर) ₹250 एक प्रति (डाक प्रभार सहित)	18 अमरीकी डॉलर एक प्रति (हवाई डाक कुरियर प्रभार सहित)
10. भारतीय रिज़र्व बैंक सामयिक पेपर खंड 39, 2018	₹200 एक प्रति (काउंटर पर) ₹250 एक प्रति (डाक प्रभार सहित)	18 अमरीकी डॉलर एक प्रति (हवाई डाक कुरियर प्रभार सहित)
11. भारतीय रिज़र्व बैंक सामयिक पेपर खंड 40, सं. 1, 2019	₹200 एक प्रति (काउंटर पर) ₹250 एक प्रति (डाक प्रभार सहित)	18 अमरीकी डॉलर एक प्रति (हवाई डाक कुरियर प्रभार सहित)
12. पर्सपेक्टिव्स ऑन सेंट्रल बैंकिंग गवर्नंस; स्पीक (1935-2010) प्लैटिनम जुबिली	₹1400 एक प्रति (काउंटर पर)	50 अमरीकी डॉलर एक प्रति (हवाई डाक कुरियर प्रभार सहित)

टिप्पणियां:

- उपर्युक्त प्रकाशनों में से कई प्रकाशन आरबीआई की वेबसाइट (www.rbi.org.in) पर उपलब्ध हैं।
 - टाइम सीरीज डेटा भारतीय अर्थव्यवस्था के डेटाबेस में उपलब्ध हैं (<http://dbie.rbi.org.in>)।
 - भारतीय रिज़र्व बैंक का इतिहास 1935-1997 (4 खंड), वित्तीय संकट के संदर्भ में केन्द्रीय बैंकिंग की चुनौतियां और भारत की क्षेत्रीय अर्थव्यवस्था: वृद्धि और वित्त भारत के प्रमुख पुस्तक भंडारों में उपलब्ध हैं।
- * भारत में छात्रों, अध्यापकों / व्याख्याताओं, अकादमिक और शैक्षिक संस्थाओं, सार्वजनिक पुस्तकालयों और पुस्तक विक्रेताओं को 25 प्रतिशत रियायत दी जाएगी बशर्ते उन्हें संबंधित संस्था से पात्रता प्रमाण प्रस्तुत करना होगा।
- @ इलेक्ट्रॉनिक भुगतान को बढ़ावा देने हेतु, घरेलू ग्राहक जो एनईएफटी के माध्यम से भुगतान करना चाहते हैं, उन्हें 20 प्रतिशत की छूट देने का निर्णय लिया गया है।

सामान्य अनुदेश:

1. बिक्री हुई प्रतियां वापस नहीं ली जाएंगी।
2. प्रकाशन कन्साइनमेंट वीपीपी आधार पर नहीं भेजा जाएगा।
3. जहां कहीं रियायती मूल्य का उल्लेख नहीं है, वहां भारत में छात्रों, अध्यापकों/व्याख्याताओं, अकादमि क और शैक्षिक संस्थाओं, सार्वजनिक पुस्तकालयों और पुस्तक विक्रेताओं को 25 प्रतिशत की रियायत दी जाएगी, बशर्ते उन्हें संबंधित संस्था से पात्रता प्रमाण प्रस्तुत करना होगा। सामान्यतः प्रकाशन के पिछले अंक उपलब्ध नहीं है।
4. प्रकाशनों की बिक्री तथा वितरण (सोमवार से शुक्रवार) तक, रिपोर्ट और ज्ञान प्रसार प्रभाग, आर्थिक और नीति अनुसंधान विभाग, भारिबैं, अमर बिल्डिंग, तल मंजिल, सर पी.एम. रोड, फोर्ट, पोस्ट बॉक्स संख्या 1036, मुंबई - 400 001 पर उपलब्ध हैं। बिक्री अनुभाग का संपर्क नं. 022-2260 3000, विस्तार 4002, ई-मेल: spsdcs@rbi.org.in है।
5. सदस्यता शुल्क मुख्यतः एनईएफटी द्वारा किया जाना चाहिए और अग्रेषणपत्र, जिसके साथ एनईएफटी विवरण संलग्न हो, निदेशक, रिपोर्ट और ज्ञान प्रसार प्रभाग, आर्थिक और नीति अनुसंधान विभाग, भारिबैं, अमर बिल्डिंग, तल मंजिल, सर पी.एम. रोड, फोर्ट, पोस्ट बॉक्स संख्या 1036, मुंबई - 400 001।

एनईएफटी फार्म में निम्नलिखित जानकारी भरना अपेक्षित है :

लाभार्थी का नाम	कॉर्पोरेट सेवा विभाग, भारिबैं
बैंक का नाम	भारतीय रिज़र्व बैंक
शाखा तथा पता	फोर्ट, मुंबई
बैंक शाखा का आईएफएससी	RBISOMBPA04
खाते का प्रकार	चालू खाता
खाता संख्या	41-8024129-19
प्रेषक से प्राप्तकर्ता की जानकारी	अभिदाता का नाम..... अभिदाता सं.....

6. प्रकाशनों को शीघ्रताशीघ्र भेजने का हर संभव प्रयास किया जाएगा। तथापि मांग अधिक होने पर 'पहले आओ, पहले पाओ' आधार पर प्रकाशनों की आपूर्ति की जाएगी। औपचारिकताएं पूरा करने और उसके बाद उपलब्ध प्रकाशनों को भेजने में न्यूनतम एक महीने का समय लगेगा। 'प्रकाशन प्राप्त न होने की शि कायत' 2 महीने के अंदर भेजी जाए।
7. कृपया अपनी अंशदान संख्या, नाम, पता तथा ई-मेल आईडी spsdcs@rbi.org.in पर मेल करें ताकि हम आपसे संपर्क कर सकें।